'संगीत' का विशेष प्रकाशन

बेला विज्ञान

★

लेखक—

प्रो० बेनीप्रसाद श्रीवास्तव 'भाई' (सङ्गीताचार्य)

★

प्रकाशक—

प्रभूलाल गर्ग

संगीत कार्यालय हाथरस—(उ० प्र०)

★

मूल्य

४) चार रुपया

समर्पण

श्रीमान् राय बहादुर डा. डी. आर. भट्टाचार्य पी. ऐच. डी. ऐस. सी.
वाइस चान्सलर 'प्रयाग विश्व-विद्यालय' प्रयाग।

मान्यवर !

आपने अन्य विद्याओं और कलाओं के साथ ही सङ्गीत जैसी कठिन कला को भी सभ्य समाज में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त कराने में सफल परिश्रम किया है। इसलिये अपनी हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करने के लिये यह तुच्छ भेंट आपकी सेवा में अर्पित करता हूँ।

—बेनीप्रसाद श्रीवास्तव 'भाई'

लेखक के दो शब्द

सर्व शक्तिमान सकल कला निधान परम पिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा से आज मैं यह तुच्छ सेवा अपने सङ्गीत प्रेमियों के सन्मुख रखने में समर्थ हो सका हूँ। इस पुस्तक का अभिप्राय किसी कमी को पूरा करना नहीं है, वरन् अपने वर्षों के प्राप्त अनुभव की एक-एक पंक्ति आप तक आसानी से पहुँचाना ही इस प्रकाशन का एक मात्र मुख्य उद्देश्य है। आशा है प्रेमी जन इसमें मेरे सभी अवगुणों को छोड़ देंगे, और केवल गुण को ही सहर्ष अपनाकर मुझ नाचीज़ को कृतज्ञ करेंगे। पुस्तक में क्या है और क्या नहीं है ? यह बताना मेरे लिये मुश्किल है, वरन इसका निर्णय मैं अपने प्रिय पाठकों पर तथा यशस्वी पत्रकार श्री प्रभूलालजी गर्ग (जो इस ग्रन्थ के प्रकाशक भी हैं) पर ही छोड़ना ठीक और उचित समझता हूँ।

हमें यह बताना आवश्यक है कि संगीत जैसे कठिन विज्ञान को सभ्य समाज में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त कराने का सारा श्रेय हमारे पूज्यवर मित्र श्रीमान् रायबहादुर डाक्टर डी० आर० भट्टाचार्य, पी० एच० डी०, डी० एस० सी, वर्तमान वाइस चांसलर प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयाग को ही प्राप्त है, इसलिये यह पुस्तक मैं उनको ही कृतज्ञता स्वरूप समर्पित करता हूँ।

इस प्रकाशन द्वारा अपनी स्वर्गीय मातामह, प्रात: स्मरणीय स्व० श्री जालमाप्रसादजी वर्मा तथा स्वर्गीय श्री करामतउल्ला खां आदि ऐसी महान अनेक गुणी आत्माओं के प्रति तथा सुविख्यात संगीताचार्य अपने परम पूज्यवर गुरु पं० के० के० मुकर्जी (नीलू बाबू) के प्रति तथा स्नेहमय मित्रों में सर्व श्री बाबू महेश्वरी दयाल जी साहेब डिस्ट्रिक्ट जज गोरखपुर, श्री बाबू बी० पी० अग्रवाल वकील, सितारनवाज़ श्री हामिद हुसेन खां इटावा, प्रसिद्ध साहित्य और संगीत के विद्वान स्व० गणेशप्रसादजी द्विवेदी एम० ए० एल-एल० बी०, श्री० डी० टी० जोशी लखनऊ, पंडित केदारनाथजी दुबे शास्त्री, श्री० जी० पी० मुकर्जी (मोनी बाबू) पंडित पुरषोत्तमदास जी मिश्रा, संगीताचार्य, श्री० कनाईलाल दास (कलकत्ते वाले) श्री० भगवतीस्वरूपजी भटनागर (अयोध्या), पंडित बलभद्रप्रसाद जी, बाबू मोतीलालजी, पंडित सरजू महाराज, श्री० आई० डी० सेठ एम० ए०, श्री० ठा० महादेवसिंह, श्री० अजहरअली फारुक़ी एम० ए०, सम्पादक "साथी" आदि तथा अपने शिष्य वर्गों में पुत्र समान सर्व श्री० जितेन्द्र नारायण राय चौधरी बी० ए०, संगीत विशारद शिलाँग (आसाम), श्री० नरेन्द्र सहाय वर्मा एम० ए०, संगीत विशारद इटावा, श्री० सीतावर शरन श्रीवास्तव एम० ए०, एल० टी०, श्री माधोप्रशाद श्रीवास्तव संगीत विशारद (अपना भाई), श्री० टी० पी० बनर्जी (तारा बाबू) बी० ए०, संगीत विशारद, स्वर्गीय श्रीमती डी० ओझा, प्रसिद्ध नर्तकी कुमारी आशा ओझा (अब श्रीमती कृष्णकांत चतुर्वेदी बम्बई) श्री० ए० के० मुकर्जी (भूमिला बाबू) श्री कनाईलाल बक्शी सतना, श्री० आर० एन० अवस्थी, श्री शङ्करदयाल वर्मा, श्री० श्याम बहादुर

एम० ए०, एल-एल० बी० वकील, (स्व०) श्री० रामनाथ यादव, और श्री० मोहनलाल मालवी, श्री० राधा मोहन सक्सेना बी० ए०, श्री० इक़बाल बहादुर सक्सेना एम० ए०, "संगीत सुमन" के प्रसिद्ध ग्रन्थकर्ता श्री० गणेशप्रसाद श्रीवास्तव, (स्वर्ग) श्री० मुल्लन जी, श्री० ए० रहमान, श्री सिद्दीकी, पंडित बद्रीप्रसाद शुक्ल संगीत-विशारद, श्री० रामकृष्ण लिमये नागपुर, श्री० के० एन० मजूमदार ढाका, श्री० बैजनाथ प्रसाद जैसवाल, श्री० पैट्रिकपासकल मुजफ्फरपुर, श्री० ई० हेगिंस, श्री० बी० एन० योगेश्वर, श्री० दादू जी बी० ए० संपादक "तरुण", श्री० लालजी गोस्वामी, श्री० शम्भूनाथ श्रीवास्तव (भ) श्री० गंगाप्रसाद, श्री० प्रभूदयालजी मिश्रा संगीत विशारद जैपुर, श्री० रतीराम दुबे छत्तीसगढ़, (स्व०) श्रीमती पी० एल० सक्सेना, श्री० श्यामलाल, श्री० हवाई बाबू, श्री० राजभान, श्री० चन्द्रभान, श्री० श्यामा-चरनसिंह बी० ए०, श्री० प्यारेलाल चौधरी, एम० ए०, श्री० रामगुलाम शङ्करगढ़, श्री० बलकरनसिंह पबूसा आदि ऐसे अनेक स्नेहमय प्राणियों के प्रति अपने कर्त्तव्य को अनेक विघ्न बाधाओं के होते हुये भी मैं आंशिक रूप से पालन कर सका हूँ, इसका मुझे अत्यन्त हर्ष है।

पुस्तक की लिखाई तथा चित्रों की डिज़ाइन एवं बेले के बयान आदि में सहायता देने के लिये श्री० चन्दन बाबू और शुक्ल जी तथा अच्छी और सुन्दर छपाई के लिये "संगीत प्रेस" हाथरस के यशस्वी व्यवस्थापक तथा इस पुस्तक के प्रकाशक श्री प्रभूलाल जी गर्ग, हार्दिक धन्यवाद के पात्र हैं।

अन्त में हमारी भगवान के पवित्र चरणों में यही हार्दिक प्रार्थना है कि जिस प्रकार हमारे ऊपर अपने चरणों की छाया में पिछली अनेक जटिल से जटिल विघ्न बाधाओं को क्षण मात्र में आश्चर्यजनक रूप से काटते (उड़ाते) आये हैं, इसी तरह भविष्य में भी सदा हमारे मार्ग की समस्त विघ्न बाधाओं को दूर करते हुए हमें संगीत की अबाधित सेवा करने की अपूर्व शक्ति प्रदान करते रहें।

भारतीय संगीत सेवा आश्रम
४७५/अ० कटरा-इलाहाबाद
३१-१२-४८

निवेदक:—
बेनीप्रसाद श्रीवास्तव "भाई"

स्वरलिपियों का चिन्ह परिचय

चिन्ह	परिचय
प	जिन स्वरों के ऊपर नीचे कोई चिन्ह न हो, वे मध्य (बीचकी) सप्तक के शुद्ध स्वर हैं।
ध॒	जिन स्वरों के नीचे पड़ी लकीर हो, वे कोमल स्वर हैं; किन्तु कोमल मध्यम पर कोई चिन्ह नहीं होगा, क्योंकि कोमल म शुद्ध माना गया है।
मं	तीव्र मध्यम इस प्रकार होगा।
नि़	जिनके नीचे बिन्दी हो, वे मन्द्र (पहिली) सप्तक के स्वर हैं।
सां	ऊपर बिन्दी वाले स्वर तार सप्तक के हैं।
प –	जिस स्वर के आगे जितनी–लकीर हों उसे उतनी ही मात्रा तक और बजाइये।
रा ऽ	जिस अक्षर के आगे ऽ चिन्ह जितने हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और गाइये।
पध	इस प्रकार से जहां २ या अधिक स्वर मिले हुए हों वे १ मात्रा में बजेंगे।
×|०	× सम, ० खाली, | ताली के चिन्ह हैं।
,	यह चिन्ह स्वरलिपियों में या तानों में अलग–अलग टुकड़े दिखाता है।
*	ऐसा फूल जहां हो, वहां पर १ मात्रा चुप रहना होगा।
⌒	स्वरों के ऊपर यह चिन्ह मींड देने के लिये होता है।
नि सां	इस प्रकार किसी स्वर के ऊपर कोई स्वर हो, तो ऊपर वाले स्वर को ज़रा सा छूते हुए नीचे के स्वर को बजाइये, इसे कण कहते हैं।
(म)	इस प्रकार कोई स्वर ब्रैकिट में बन्द हो, तो उसके आगे का स्वर और वह स्वर और पहिले का स्वर तथा फिर वही स्वर लेकर एक मात्रा में ही बजाइए जैसे (म) = पमगम।
∿∿	यह चिन्ह स्वरों के ऊपर ज़मज़मा देने के लिये होता है, अर्थात् स्वरों को हिलाना चाहिये।

बेला–विज्ञान

अनुक्रमणिका

गत साधन

निम्न लिखित १४ रागों की गतें आलाप, तोड़ा और झाला सहित हैं।

बेला विज्ञान

ग्रन्थकार—

प्रो० बेनीप्रसाद श्रीवास्तव 'भाई'

(संगीताचार्य)

बेला-विज्ञान

सङ्गीत शास्त्र

(संक्षेप में शास्त्र सम्बन्धी आवश्यक बातें)

सङ्गीत—गायन-वादन और नृत्य इन तीनों कला-अङ्गों के सम्मिलित नाम को 'सङ्गीत' कहते हैं। सङ्गीत का सम्बन्ध नाद (आवाज़) से है।

नाद—सङ्गीत उपयोगी आवाज़ को 'नाद' कहते हैं।

बड़ा नाद—वह आवाज़ जो ज़ोर से निकले और दूर तक सुनाई दे, उसे 'बड़ा नाद' कहते हैं।

छोटा नाद—वह आवाज़ जो धीरे से निकले और पास ही तक सुनाई दे, उसे 'छोटा नाद' कहते हैं। उपर्युक्त नाद के छोटे तथा बड़े होने को अँग्रेजी में (Magnitude) कहते हैं।

नाद की ऊंचाई—वह आवाज़ जो नीचे के स्वर से चलकर ऊपर चढ़े, उसे नाद की ऊँचाई कहते हैं। जैसे—'स' से ऊँचा 'रे', 'रे' से ऊँचा 'ग' इत्यादि।

नाद की निचाई—वह आवाज़ जो ऊँचे (चढ़े) स्वर से उतर कर नीची आवाज़ पर बोले, उसे नाद की निचाई कहते हैं। जैसे—'प' से नीचा 'म' तथा 'ग' से नीचा 'रे' इत्यादि।

पिच (Pitch)—नाद की ऊँचाई तथा निचाई को अँग्रेजी में (Pitch) कहते हैं।

नाद की जाति—नाद की वह विशेषता जिसके आधार पर हम बिना देखे ही, केवल कानों से सुनकर, यह पहिचान लेते हैं कि यह नाद किस वाद्य, अथवा व्यक्ति इत्यादि का है ? नाद की जाति अथवा गुण कहलाती है।

टिम्बर—नाद की जाति को अँग्रेजी में (Timbre) कहते हैं। नाद से श्रुति और श्रुति से स्वरों का जन्म होता है। इस तरह सङ्गीत शास्त्र में मुख्य सात स्वर हैं, जिनके नाम (१) षड्ज (२) रिषभ (३) गंधार (४) मध्यम (५) पंचम (६) धैवत (७) निषाद हैं। इन सात स्वरों के प्रत्येक नाम का पहला अक्षर लेकर सा, रे, ग, म, प, ध और नि यह उच्चारण क्रम से किया जाता है, ये सब शुद्ध स्वर कहलाते हैं।

शुद्ध स्वर—वह स्वर जो स्थिर होकर बराबर बोले, उसे शुद्ध स्वर कहते हैं जैसे—सा, रे, ग, म, प, ध और नि, इनकी पहिचान के लिये स्वर के नीचे या ऊपर कोई चिन्ह नहीं रहता, जैसे—सा ग इत्यादि।

विकृत स्वर—उपर्युक्त सात शुद्ध स्वरों के अतिरिक्त जो स्वर अपने निश्चित स्थान से नीचे उतर कर या ऊपर चढ़कर बोलते हैं, वे विकृत स्वर कहलाते हैं। जैसे—रे॒, ग॒, म॑, ध॒, नि॒ इत्यादि। पहिचान के लिये स्वर के नीचे अथवा ऊपर नीचे लेटी लकीर या ऊपर एक खड़ी लकीर दी जाती है, जैसे—ग॒ कोमल ध॒ कोमल म॑ तीव्र इत्यादि।

कोमल स्वर—वह स्वर जो अपने (शुद्ध) निश्चित स्थान से नीचे उतर कर दुबारा स्थिर होकर बोलें, वह कोमल स्वर कहलाते हैं। अतएव हमारे सङ्गीत के सात शुद्ध स्वरों में चार स्वर कोमल हैं। जिनके नाम कोमल रे, कोमल ग, कोमल ध और कोमल नि हैं। पहिचान के लिये हम प्रत्येक कोमल स्वर के नीचे एक लेटी लकीर देते हैं, जैसे—रे॒, ग॒, इत्यादि।

तीव्र स्वर—(मध्यम को छोड़कर) शुद्ध स्वरों को ही तीव्र स्वर कहने का भी प्रचार है, परन्तु मध्यम जब अपने निश्चित स्थान से कुछ ऊँचा हो जाता है, तब उसे तीव्र या कड़ी मध्यम कहते हैं। स्वरलिपि में तीव्र मध्यम म॑ इस प्रकार लिखा जाता है। कुछ गायक शुद्ध मध्यम को कोमल मध्यम भी कहते हैं।

अचल स्वर—वह निश्चित स्थिर स्वर जो अपने निश्चित स्थान से न नीचे उतर कर कोमल होकर बोलें और न ऊपर चढ़कर तीव्र होकर बोलें, वह अचल स्वर कहलाते हैं। अतएव हमारे सङ्गीत के सात शुद्ध स्वरों में केवल दो स्वर अचल हैं, जिनके नाम 'सा' और 'प' हैं (ये ही दो अचल स्वर, शेष स्वरों के जन्मदाता हैं) पहिचान के लिये हम स्वर के ऊपर या नीचे कोई चिन्ह नहीं देते।

नोट:—इस तरह हमारे सङ्गीत में सात शुद्ध स्वर, सा, रे, ग, म, प, ध, और नि, तथा पांच विकृत स्वर जिसमें चार कोमल स्वर रे॒ ग॒ ध॒ तथा नि॒ और एक तीव्र स्वर म॑ यह सब मिलकर कुल बारह स्वर होते हैं। नीचे के चित्र से भली-भांति समझ लें:—

स्वर नम्बर—	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
शुद्ध स्वर—	सा		रे		ग	म		प		ध		नि
कोमल स्वर—	सा	रे॒		ग॒		म		प	ध॒		नि॒	
तीव्र स्वर—	सा		रे		ग		म॑	प		ध		नि

उपर्युक्त चित्र देखने से ज्ञात होगा कि स्वरों की आवाज़ दर्जे ब दर्जे एक के बाद दूसरी चढ़ती जाती है।

सप्तक—मध्य सप्तक के सा से तार सप्तक के सां तक आये हुए कुल बारह स्वरों की एक पंक्ति को सप्तक कहते हैं, निम्नलिखित चित्र से भलीभाँति समझ लें।

एक सप्तक के स्वर--

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सा	रे॒	रे	ग॒	ग	म	मं	प	ध॒	ध	नि॒	नी
सा		रे		ग	म		प		ध		नी

अर्थात् सात मुख्य स्वरों के (कोमल, तीव्र, तथा शुद्ध सब मिलाकर बारह स्वरों) के नाम समुदाय को एक सप्तक कहते हैं। मुख्य सप्तक तो तीन ही हैं, जिनके नाम (१) मन्द्र सप्तक (२) मध्य सप्तक और (३) तार सप्तक हैं। परन्तु वाद्य यन्त्रों में बहुधा इन तीन सप्तक स्वरों के अतिरिक्त कुछ नीचे और कुछ ऊपर के उतरे और चढ़े सप्तक के स्वर भी व्यवहार में आते हैं। इस तरह अब हम पांच सप्तकों का व्यवहार पाते हैं, जिनके नाम (१) अनुमन्द्र सप्तक (२) मन्द्र सप्तक (३) मध्य सप्तक (४) तार सप्तक (५) अनुतार सप्तक हैं।

अनुमन्द्र सप्तक—जिन वाद्य यन्त्रों में मन्द्र सप्तक के स्वरों से भी नीचे उतरे बहुत मोटे बोलने वाले स्वर काम में लाये जांय (जैसे वीणा, सितार, सारंगी, सरोद आदि में) वह सब अनुमन्द्र सप्तक के स्वर होंगे। पहिचान के लिये हर स्वर के नीचे एक के बजाय दो बिन्दी होंगी, जैसे—सा, रे, ग इत्यादि।

मन्द्र सप्तक—मध्य सप्तक के स्वरों से नीचे उतर कर कुछ मोटे बोलने वाले सप्तक के सभी स्वर मन्द्र सप्तक के होंगे। पहिचान के लिये प्रत्येक के नीचे एक बिन्दी होगी। जैसे—सा़, रे़, ग़, इत्यादि।

मध्य सप्तक—मन्द्र सप्तक के स्वरों से ऊपर चढ़ कर बोलने वाले सप्तक के सभी स्वर मध्य सप्तक के स्वर होंगे। (साधारणतया मध्यम आवाज़ के कारण ही वाद्य तथा गायन आदि मध्य सप्तक के स्वरों से ही आरम्भ होता है और इन्हीं स्वरों को अधिक काम में लाया जाता है) पहिचान के लिये प्रत्येक स्वर के नीचे या ऊपर कोई चिन्ह नहीं होता। जैसे—सा रे ग इत्यादि।

तार सप्तक—मध्य सप्तक के स्वरों से ऊपर चढ़ कर बोलने वाले सप्तक के सभी स्वर तार सप्तक के स्वर होंगे। पहिचान के लिये हर स्वर के ऊपर एक बिन्दी होगी जैसे—सां, रें, गं इत्यादि।

अनुतार सप्तक—तार सप्तक के स्वरों से भी ऊपर चढ़ कर बोलने वाले सप्तक के सभी स्वर अनुतार सप्तक के स्वर होंगे। (वायलिन में बहुधा इस सप्तक के स्वरों से भी अच्छा काम लेते हैं) पहिचान के लिये हर स्वर के ऊपर दो बिन्दी होती हैं, जैसे—सां, रें, गं इत्यादि।

सप्तक विवरण—

(१) अनुमन्द्र सप्तक—सा रे ग म प ध नी

(२) मन्द्र सप्तक—सा़ रे़ ग़ म़ प़ ध़ नि़

(३)—मध्य सप्तक—सा रे ग म प ध नी

(४)—तार सप्तक—सां रें गं मं पं धं नीं

(५)—अनुतार सप्तक—सा रे ग म प ध नी

आरोह—किसी भी नीचे (उतरे) स्वर से ऊपर (चढ़े) स्वर की ओर क्रम से जाने की क्रिया को आरोह कहते हैं। जैसे, सा रे ग म प ध नी सां।

अवरोह—किसी भी ऊपर (चढ़े) स्वर से नीचे (उतरे) स्वर की ओर क्रम से वापिस लौटने की क्रिया को अवरोह कहते हैं। जैसे, सां नी ध प म ग रे सा।

राग—वह ध्वनि विशेष, जो स्वर तथा वर्ण से विभूषित है, तथा मनुष्यों के हृदय का रंजन करने में समर्थ है, राग कहलाती है। जैसे, राग देश, राग यमन इत्यादि।

राग में आवश्यक बातें—हर राग में अपना आरोह, अवरोह होता है। पांच स्वर से कम के कोई राग नहीं होते। राग में स्वर म कभी वर्जित नहीं होता, शेष स्वरों में एक या दो स्वर वर्जित हो सकते हैं, परन्तु म तथा प स्वर दोनों एक साथ वर्जित नहीं हो सकते। रागों का जन्म थाट से होता है।

थाट—सात स्वरों के एक ऐसे सप्तक को कहते हैं, जिसमें से अनेक रागों का जन्म होता है। जैसे, कल्याण थाट, बिलावल थाट इत्यादि।

१० थाट—हमारे संगीत में कुल १० थाट माने जाते हैं, जिनके नाम तथा स्वर निम्नलिखित हैं:—

१	बिलावल थाट	सा		रे		ग	म		प		ध		नी	सां
२	कल्याण थाट	सा		रे		ग		म॑	प		ध		नी	सां
३	खमाज थाट	सा		रे		ग	म		प		ध	नि॒		सां
४	भैरव थाट	सा	रे॒			ग	म		प	ध॒			नि	सां
५	पूर्वी थाट	सा	रे॒			ग		म॑	प	ध॒			नी	सां
६	मारवा थाट	सा	रे॒			ग		म॑	प		ध		नी	सां
७	काफी थाट	सा		रे	ग॒		म		प		ध	नि॒		सां
८	आसावरी थाट	सा		रे	ग॒		म		प	ध॒		नि॒		सां
९	भैरवी थाट	सा	रे॒		ग॒		म		प	ध॒		नि॒		सां
१०	तोड़ी थाट	सा	रे॒		ग॒			म॑	प	ध॒			नी	सां

राग की जाति—राग में लगने वाले स्वरों के अलग-अलग वर्ग राग की जाति कहलाते हैं। मुख्य रूप से रागों की तीन जातियां हैं (१) संपूर्ण (२) षाडव (३) औडुव।

संपूर्ण-संपूर्ण—जिस राग के आरोह तथा अवरोह में सात स्वर लगते हों उसे संपूर्ण संपूर्ण जाति का राग कहते हैं।

षाडव-षाडव—जिस राग के आरोह तथा अवरोह में छैः स्वर लगते हों, उसे षाडव-षाडव जाति का राग कहते हैं।

औडव-औडव—जिस राग के आरोह तथा अवरोह में पांच स्वर लगते हों उसे औडव-औडव जाति का राग कहते हैं।

रागों की तीन मुख्य जातियों के मिश्रण से निम्नलिखित जातियां और बनती हैं:—

षाडव-संपूर्ण—जिस राग के आरोह में ६ स्वर तथा अवरोह में ७ स्वर लगते हों उसे षाडव-सपूर्ण जाति का राग कहते हैं।

औडव-संपूर्ण—जिस राग के आरोह में ५ स्वर तथा अवरोह में ७ स्वर लगते हों उसे औडव-संपूर्ण जाति का राग कहते हैं।

संपूर्ण-षाडव—जिस राग के आरोह में ७ स्वर तथा अवरोह में ६ स्वर लगते हों उसे संपूर्ण-षाडव जाति का राग कहते हैं।

संपूर्ण-औडव—जिस राग के आरोह में ७ स्वर तथा अवरोह में ५ स्वर लगते हों उसे संपूर्ण-औडव जाति का राग कहते हैं।

षाडव-औडव—जिस राग के आरोह में ६ स्वर तथा अवरोह में ५ स्वर लगते हों उसे षाडव-औडव जाति का राग कहते हैं।

औडव-षाडव—जिस राग के आरोह में ५ स्वर तथा अवरोह में ६ स्वर लगते हों उसे औडव-षाडव जाति का राग कहते हैं।

राग के महत्वपूर्ण स्वर—रागों की रचना कान और हृदय को प्रसन्न करने वाले स्वरसमूह से होती है। जिसका यथार्थ दिग्दर्शन चार प्रकार के स्वरों से होता है, (१) वादी स्वर (२) संवादी स्वर (३) अनुवादी स्वर तथा (४) विवादी स्वर।

वादी स्वरः—राग में आये हुए स्वरों में वह एक स्वर जो और स्वरों की अपेक्षा राग के रूप को प्रकट करने में सबसे अधिक महत्व रखता हो, वही स्वर उस राग का वादी स्वर होगा।

सम्वादी स्वर—राग में आये स्वरों में एक ऐसा दूसरा स्वर जो वादी स्वर के कार्य में पूरी सहायता प्रदान करता हो, वही स्वर उस राग का संवादी स्वर होगा।

अनुवादी स्वर—राग में आये वह सभी शेष स्वर जो वादी तथा सम्वादी स्वरों को सहायता प्रदान करते हों, वे सब स्वर उस राग के अनुवादी स्वर होंगे।

विवादी स्वरः—राग में ऐसे स्वर जो वर्जित हों और लग जाने से राग के रूप को नष्ट करते हों, वही सब स्वर विवादी स्वर कहलाते हैं।

वर्जित स्वरः—राग में न लगने वाला स्वर उस राग का वर्जित स्वर होगा।

वक्र स्वरः—ऐसा स्वर जो किसी स्वर तक जाके वापस लौटे और फिर उसे लांघ कर आगे बढ़ जाय तो वह लांघा स्वर वक्र स्वर कहलाता है, उदाहरणार्थ—जैसेः—ग म प म ध इसमें "प" वक्र स्वर है।

ग्रह स्वरः—वह स्वर जिससे राग आरम्भ होता है, उसे ग्रह स्वर कहते हैं।

अंश स्वरः—वादी स्वर को ही संस्कृत ग्रन्थों में 'अंश' स्वर कहा गया है।

न्यासः—राग तथा ताल की एक साथ समाप्ति जिस स्थान पर होती है, उसे न्यास कहते हैं।

अपन्यासः—रागादि के किसी अंश की समाप्ति के स्थान को अपन्यास कहते हैं। इसीको विन्यास भी कहते हैं।

संधिप्रकाश रागः—वह राग जो दिन और रात तथा रात-दिन के सन्धि समय में गाये-बजाये जाते हैं, वह सब संधिप्रकाश राग कहलाते हैं।

पूर्वाङ्गः—वह राग जिनका सा रे ग म प स्वरों में से कोई वादी स्वर हो, उसे पूर्वाङ्ग राग कहते हैं।

उत्तराङ्ग—वह राग जिनका म प ध नि सां स्वरों में से कोई वादी स्वर हो, उसे उत्तराङ्ग राग कहते हैं।

पकड़ः—राग में आये स्वरों का एक ऐसा छोटा स्वरसमुदाय जो राग के पूरे रूप को व्यक्त करता हो, उसे उस राग की पकड़ कहते हैं।

आलापः—राग में आये स्वरों को रूप सहित विलम्बित लय में फैलाने की क्रिया को आलाप कहते हैं।

तानः—राग में आये स्वरों को रूप सहित द्रुत से द्रुत लय में फैलाने की क्रिया को तान कहते हैं।

तोड़ाः—किसी तान के टुकड़े करके सम में मिलने की क्रिया को तोड़ा कहते हैं।

अलंकारः—नियमित क्रम से की हुई स्वर रचना को अलंकार कहते हैं।

पलटाः—तान, तोड़ा तथा अलंकार के वापस आने की क्रिया को पलटा कहते हैं।

अलटा-पलटाः—तान, तोड़ा तथा अलंकारों को अलट-पलट कर लेने-देने की क्रिया को ही अलटा-पलटा कहते हैं।

बहुतः—वे स्वर जो आरोह और अवरोह में या अवरोह और आरोह में समान रूप से लगते हैं, बहुत कहलाते हैं। यह दो प्रकार के होते हैं (१) अलंघन, (२) अभ्यास।

अलंघनः—वह स्वर जो आरोह और अवरोह में समान रूप से लगते हैं, अलंघन कहलाते हैं।

अभ्यासः—वह स्वर जो आरोही में लगता हो और अवरोही में वर्जित हो या आरोही में वर्जित हो और अवरोही में लगता हो, उसे अभ्यास कहते हैं।

आन्दोलित स्वर—वह स्वर जो हिलाकर या कंपाकर बजाये जाते हैं, आन्दोलित स्वर कहलाते हैं।

गमकः—आन्दोलित स्वरों को बल देकर बजाने की क्रिया को गमक कहते हैं।

कणः—स्वरों के साथ किसी दूसरे स्वर को छूकर बजाने की क्रिया को कण कहते हैं।

जमजमाः—स्वरों को गाते या बजाते समय हिलाने की क्रिया को जमजमा कहते हैं।

मींड़ या सूतः—दो या दो से अधिक स्वरों को कम से कम गज (कमानी) चला कर अटूट बजाने की क्रिया को सूत तथा सितार, सरोद आदि ऐसे तन्त्रों में कम से कम मिज़राब की ठोंक से धीरे-धीरे एक साथ परदे पर तार खींच कर बजाने की क्रिया को मींड़ कहते हैं।

तारः—वह स्वर जो रागादि के टीप के स्वरों में कहां तक जाना चाहिये यह बताता हो, उसे तार कहते हैं।

सरगमः—स्वरों के नामों के सांकेतिक अक्षरों को सरगम कहते हैं।

सपाट तानः—वह तान जिनके सभी स्वर बिना किसी बन्धन के सीधे तथा सपाट सिलसिलेवार तेज़ी से बजाये जाते हैं, उसे सपाट तान कहते हैं।

कूट तानः—वह तान जो किसी स्वर से एक के बाद दूसरे स्वरों को पीछे से हरबार दुहरा कर बढ़ती जाय उसे कूट तान कहते हैं।

फिरतः—फिरत की तानें कूटतान ही के सदृश होती हैं।

अचर्क तानः—हर स्वर दो बार समान रूप से बजाये जाने वाली तान को अचर्क तान कहते हैं।

रागांक तानः—वह तान जिसके छन्द में दो स्वर आरोही के और दो स्वर अवरोही के सदृश बजाये जांय, उसे रागांक तान कहते हैं।

साम्यक तानः—तीन-तीन स्वरों के छन्द से एक के बाद दूसरे स्वर मे बराबर बजने वाली तान को साम्यक तान कहते हैं।

सरोक तानः—वह तान जो चार-चार स्वरों के छन्द से साम्यक तान के सदृश बजाई जाय, उसे सरोक तान कहते हैं।

खटकाः—वह तान जिनके स्वरों के छन्द धक्का सदृश बजाये जांय, उसे खटका कहते हैं।

झटकाः—वह तान जिनके स्वरों के छन्द झटका सदृश बजाये जांय, उसे झटका कहते हैं।

छूटः—वह तान जिनके स्वरों के छन्द एक दूसरे को लांघते हुए जाते हों उसे छूट की तान कहते हैं।

बोल तान—वह तान जिनके स्वर-अक्षर बजाय आकार के गीत-शब्द के अक्षर पिरो कर कहे जांय, उसे बोल तान कहते हैं।

बोल आलाप—वह आलाप जिनके स्वरों में आकार न कह कर गीत के शब्द पिरो कर गाये जांय उसे बोल आलाप कहते हैं।

छन्द—अनेक तानों के छोटे-छोटे प्रकार से अलंकृत मिश्रित तान को क्रम से बजाने को छन्द कहते हैं।

हलका—किसी तान के प्रत्येक दो स्वर के बाद तीसरा स्वर दो बार फैलाकर बजाने की तान को हलका कहते हैं।

लड़त—वह तान जिसमें ठाह-दून की दोनों लय बिना किसी क्रम से मौजूद हों उसे लड़त कहते हैं।

नीचे उदाहरण दिये जाते हैं:—

आलाप— जैसे सा — — — — — — — रे — — — — — — — — ॥

तान— " सारे गम पम गम पध निसां।

अलंकार— " सारे गरे गम गम पम पध, या सारेगमरेगमप।

सपाट तान— " सारेगम पधनिसां निधपम गरेसारे।

कूट तान— " सा — सा रे सा — सा रे ग रे सा — सा रे ग म ग रे सा -।

अचर्क तान— " सासा रेरे गग मम पप।

रागाङ्ग तान— " सारे रेसा, सारेरेग।

साम्यक तान— " सा रे ग — रे ग म — ग म प —।

सरोक तान— " सा रे ग म, रे ग म प, ग म प ध।

आस— " रेग या रेगम।

मींड़— " सानिसा या रेम

जमजमा— " सा या ग।

खटका— " सारे रेग गम मप।

झटका— " सा रे ग म सारे गम पध निसां।

छूट— " सा ग रे म ग प म ध।

बोल तान " { सा — — — — प — — रे — — — — }
{ का ऽ ऽ ऽ हे ऽ मो ऽ ऽ ऽ से ऽ ऽ }

छन्द— " सारे गरे सारे गम, रेग मग रेग मप।

हलका— " सा रे ग ग, रे ग म म, ग म प प।

लड़त— " निसा सा सा सा सा सा निसा सा सा सा निसा सा सा सा सा सा।

अलटा— " सांनि धप मग रेसा।

अलटा-पलटा— " सांनि धप धनि सांरें, निध पम गम पध।

कण— " म प सां
प, ग, नि।

सूत— " सानिसा, रेम।

गत या लहरा—किसी राग के स्वरों की किसी ताल में एक ऐसी सुन्दर रचना जिसमें स्थाई, जोड़ और अन्तरा या स्थाई तथा अन्तरा ऐसे तीन या दो भाग बँधे हों और वीणा, सितार, सरोद ऐसे तंत्रों में मिज़राब या जवा से तथा सारङ्गी, दिलरुबा, इसराज तथा बेला आदि पर गज (कमानी) से तथा बांसुरी, शहनाई, आदि पर मुँह से फूंक द्वारा बजाये जांय, उसे गत या लहरा कहते हैं।

नोट—(अ) मिज़राब से बजने वाली सभी रचना गत कहलाती हैं। और गज (कमानी) से बजने वाली सभी रचना लहरा (गत) कहलाती हैं।

(ब) बेला (Violin) पर सितार तथा सरोद की गतों के बजाने का भी चलन है।

बाज और उनके विभाग—बेला, सितार ऐसे तंत्रों के बाज की अपेक्षा वीणा का बाज अधिक विस्तृत और शास्त्रपूर्ण रहता है। जिसके आलाप, जोड़, गत, झाले ठोंक के बाज चार भाग में विभाजित रहते हैं। जिनके नाम (१) स्थाई (२) अन्तरा (३) संचारी और (४) आभोग हैं।

स्थाई—राग में आये आलाप या तालबद्ध गत का वह स्वर भाग जो मध्य सप्तक के स्वर "सा" की ओर अपना संबन्ध जोड़ने की क्रिया को दिखाते हों, उसे स्थाई कहते हैं, (गत तथा गायन की स्थाई पूरे बाज तथा गायकी में बार-बार गाई तथा बजाई जाती है) स्थाई का दूसरा नाम टेक भी है।

अन्तरा—राग में आये हुए आलाप या तालबद्ध गत का वह स्वर भाग जो तार सप्तक के "सां" की ओर अपना सम्बन्ध जोड़ने की क्रिया को दिखाता हो, उसे अन्तरा कहते हैं। अन्तरा, स्थाई के बाद गाया या बजाया जाता है; अन्तरा का दूसरा नाम जोड़ या मंझा भी है।

संचारी—राग में आये आलाप या तालबद्ध गत का वह स्वर भाग, जो स्थाई तथा अन्तरे के स्वर मिश्रण से बना हो और तार सप्तक के "सां" की ओर ही

अपना आकर्षण रखने की क्रिया को दिखाता हो, उसे संचारी कहते हैं। संचारी-स्थाई, अन्तरा के बाद गाया या बजाया जाता है।

आभोग—राग में आये आलाप या तालबद्ध गत का वह स्वर भाग जो स्थाई, अन्तरा तथा संचारी ऐसे तीनों भागों के स्वर मिश्रण से बना हो, और मध्य सप्तक के "सा" की ओर अपना आकर्षण वापिस मिल जाने की क्रिया को दिखाता हो, तो उसे आभोग कहते हैं। आभोग-स्थाई, अन्तरा तथा संचारी के बाद गाया बजाया जाता है।

नोट—गत की रचनाओं (किसी-किसी ध्रुपद की रचनाओं में भी) ख्याल तथा ठुमरी आदि की रचनाओं में तो स्थाई, अन्तरा, स्थाई-जोड़, या स्थाई-जोड़ और अन्तरा ऐसे दो या तीन ही भाग पाये जाते हैं।

गत के भेद—क्यों कि सितार तथा सरोद की गतों के बजाने का चलन बेले पर भी है, इसलिये गत का भेद भी यहां बता देना ज़रूरी है। गतों के दो भेद हैं, (१) मसीदख़ानी गत (२) रज़ाख़ानी गत।

मसीदख़ानी—मसीदख़ानी गत विलम्बित लय में बजाई जाती है, जिसके बोल साधारण रूप से, दा दा रा दिर दा दिर दा रा दा दा रा दिर दा दिर दा रा जैसे होते हैं।

दिल्ली बाज—मसीदख़ानी गत को दिल्ली बाज भी कहते हैं।

बहादुरख़ानी—मसीदख़ानी प्रकार की गत को ही बहादुरख़ानी बाज भी कहते हैं।

रज़ाख़ानी गत—रज़ाख़ानी प्रकार की गत द्रुतलय में बजाई जाती है। जिसके बोल दा ऽरे दा दा ऽरे दा दा रा दा दिर दिर दिर दा रदा ऽर दारा जैसे होते हैं।

पूर्वी बाज—रज़ाख़ानी प्रकार की गत को ही पूर्वी बाज कहते हैं।

फ़िरोज़ख़ानी—रज़ाख़ानी प्रकार की गत को ही फ़िरोज़ख़ानी बाज भी कहते हैं।
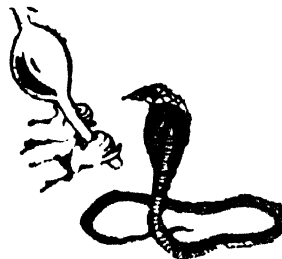
ताल का बयान

सङ्गीत विज्ञान का ताल से बड़ा घनिष्ठ सम्बन्ध है, अतः सङ्गीत में जहां स्वर तथा राग के ज्ञान की आवश्यकता है, वहां ताल तथा लय मात्रा ज्ञान की भी कहीं उससे अधिक जरूरत है। बिना ताल ज्ञान के सङ्गीत के किसी भाग का परिश्रम बिलकुल बेकार और अशुद्ध है। वास्तव में देखा जाय तो सङ्गीत का व्याकरण ही ताल है, सङ्गीत शास्त्र ही ताल पर अवलंबित है।

सङ्गीत विज्ञान का वास्तविक संबन्ध ताल से है, अतएव गायन-वादन के स्वर तथा नृत्य तत्कार के बोलादि कहने में जो समय लगता है, उस समय-व्यय का हिसाब मात्रा से किया जाता है, और इसी हिसाब से मात्राओं के शुमार से अनेक तालों की रचना हुई है। अतएव गाने तथा बजाने के समय व्यय की नाप, ताल के ही पैमाने से होती है।

ताल—समय नाप के पैमाने को ताल कहते हैं। ताल मात्राओं से बनता है। मात्राओं के ही अनेक शुमार के अनुसार अनेक तालों की रचना हुई है।

मात्रा—मात्रा समय का एक छोटा सा हिस्सा है। अर्थात् स्वस्थ मनुष्य की नाड़ी एक बार जितना समय धड़कने में लेती है, उसी को मात्रा कहते हैं। अर्थात् एक धड़कन एक मात्रा की होती है, एक सैकिंड के $\frac{1}{2}$ के बराबर वाले समय को भी एक मात्रा कहते हैं।

ठेका—ताल में उन बोल अक्षरों की एक ऐसी विशिष्ट रचना को जो तबला या पखावज ऐसे साजों पर बजाकर जब दिखाये जाते हैं, तब उसे ठेका कहते हैं।

ताली—ठेके को मात्रानुसार हाथों की ताली से बजाकर बताने को ताली कहते हैं।

बानी—तबला तथा पखावज पर निकलने वाले सभी मात्रा के बोलों को बानी कहते हैं।

शुद्ध बानी—साफ और शुद्ध निकलने वाले सभी अक्षरों को शुद्ध बानी कहते हैं।

आघात (जरब)—ठेका या ताल की मात्रा गिनते हुये ताली तथा खाली स्थान के दिखाने को आघात या ज़रब कहते हैं।

ठेका और उनके भाग—सभी ताल (ठेका) दो से अधिक भागों में विभाजित होते हैं। जिनके नाम (१) सम (२) दूसरी ताल (३) खाली (४) तीसरी ताल इत्यादि हैं।

सम—इस विभाग में आये मात्राओं की पहली मात्रा पर ताली प्रगट करने की क्रिया को "सम" कहते हैं। ताल में आये सभी भागों में "सम" का भाग प्रधान होता है। "सम" को पहली ताल भी कहते हैं।

खाली (फांक)—खाली विभाग में आयी मात्राओं की पहली मात्रा को बिना ताली की आवाज़ के हथेली उलट कर संकेत करने की क्रिया को खाली या फांक कहते हैं। खाली को कुछ लोग "अतीत" भी कहते हैं।

शेष भाग—ताल के शेष सभी भागों में आई 'मात्राओं की पहली मात्रा को ताली बजा कर तथा खाली दिखाकर दिखाया जाता है।

ताल के विभाग और उनके नाम—ताल में आये भागों के नाम तथा उनके सांकेतिक चिन्ह भी तीन ताल में जान लेने चाहिये:—

१ सम—ताल में आये भागों में पहले भाग की पहली मात्रा पहली ताल कहलाती है, जिसे सभी लोग "सम" कहते हैं चिन्ह × है।

२ विषम—ताल में आये भागों में दूसरे भाग की पहली मात्रा दूसरी ताल कहलाती है जिसे कुछ लोग "विषम" कहते हैं। चिन्ह २ है।

३ अतीत—ताल में आये भागों में तीसरे भाग की पहली मात्रा खाली ताल कहलाती है, जिसे कुछ लोग "अतीत" कहते हैं। चिन्ह ० है।

४ अनाघात—ताल में आये भागों में चौथे भाग की पहली मात्रा तीसरी ताल कहलाती है, जिसे कुछ लोग "अनाघात" कहते हैं। चिन्ह ३ है।

नोटः—इसी तरह शेष और भागों की तालें गिनती से जैसे ४, ५, ६, आदि संकेतों से तथा खाली के सब भाग ० चिन्ह से बताये जांयगे।

तोड़—ठेके के ठीक सम पर गायन अथवा वादन दोनों के एक साथ मिलने से पहिले की आहट से जो टुकड़ा (छोटे से छोटा) बनकर सम पर आ मिलता है, उस टुकड़े को तोड़ कहते हैं।

तिहाई—किसी भी टुकड़े को तीन बार बराबर से बजाने को तिहाई कहते हैं।

परन—तबले या पखावज के किसी बोल को विविध प्रकार से फैलाने की क्रिया को परन कहते हैं। परन कई प्रकार की होती हैं।

रेला—एक मात्रा में आठ-आठ अक्षर के बोलों की एक ऐसी रचना, जो ताल की आवृत्तियों में विविध प्रकार से फैलाकर बजाई जाय, उसे रेला कहते हैं। रेला के भी कई प्रकार हैं।

बांट—किसी बँधे बोल के हर बोल को विविध रूप से तरह-तरह से फैलाकर बजाने को उस बोल का बांट कहते हैं।

आमद—ताल बजाने की क्रिया से पहले टुकड़े या मुहरे को आमद कहते हैं।

चक्रदार—वह बंधे बोल जो कई बार चक्कर लगाने के बाद ठीक सम पर टूटते हैं (मिलते या खतम होते हैं) उसे उस बोल का चक्रदार बोल कहते हैं।

आवृत्ति—किसी ताल को सम से सम तक एक बार बताने या बजाने की क्रिया को एक आवृत्ति कहते हैं, इसी तरह जितनी बार दुहरायेंगे उतनी ही आवृत्तियाँ कही जायँगी।

लय—गाने बजाने अथवा नाचने में जो समय व्यतीत होता है, उस समय की एक सी चाल को लय कहते हैं।

लय भेद—लय के मुख्य तीन भेद हैं (१) विलंबित लय (२) मध्यलय तथा (३) द्रुत लय।

विलंबित लय—मात्रा को दुगने विलंब की मात्रा मानकर गाने तथा बजाने की क्रिया को "विलंबित लय" कहते हैं। जैसे साऽ, रेऽ, गऽ इत्यादि।

मध्यलय—साधारण मात्रा को मान कर गाने तथा बजाने की क्रिया को 'मध्यलय' कहते हैं। जैसे सा, रे, ग, म इत्यादि।

द्रुत लय—मात्रा को ½ विलम्ब की मात्रा मान कर गाने तथा बजाने की क्रिया को "द्रुत लय" कहते हैं। जैसे सारे गम पध निसां इत्यादि।

निम्नलिखित लयों की भी ज़रूरत होती है:—

अतिविलंबित लय—मात्रा को चौगुन विलंब की मात्रा मानकर गाने तथा बजाने की क्रिया को "अतिविलंबित लय" कहते हैं। जैसे साऽऽऽ, रेऽऽऽ इत्यादि।

चौगुन लय—मात्रा को ¼ विलंब की मात्रा मान कर गाने तथा बजाने की क्रिया को "चौगुन लय" कहते हैं। जैसे सारेगम पधनिसां इत्यादि।

नोट—इसी तरह और भी लय के प्रकार बनाये जा सकते हैं।

साथ करना—गाने तथा बजाने की लयकारी के अनुसार हूबहू संगत करने की क्रिया को "साथ करना" कहते हैं।

(१) तीन ताल (आदि ताल)

तीन ताल में १६ मात्राएँ होती हैं, जो चार भागों में विभाजित हैं। तीन भाग पर ताली तथा एक भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १, ५, १३ पर ताली और ९ खाली होती है।

मात्रा	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
ताल	×	२	०	३
ठेका	धा धिन धिन ता	ता धिन धिन ता	ता तिन तिन ता	ता धिन धिन ता

(२) झपताल

झपताल में १० मात्रा होती हैं, जो चार भागों में विभाजित हैं। तीन भाग पर ताली तथा एक भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १, ३, ८ पर ताली और ६ पर खाली होती है।

मात्रा		२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ताल	×		२			०		३		
ठेका	धी	ना	धी	धी	ना	ती	ना	धी	धी	ना

(३) एक ताल

इकताला में १२ मात्रा होती हैं, जो छः भागों में विभाजित हैं। चार भाग पर ताली तथा दो भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १, ५, ९, ११, पर ताली और ३, ७ पर खाली होती हैं।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
ताल—	×		०		२		०		३		४	
ठेका—	धिन	धिन	धागे	तिरकिट	तू	ना	कत	ता	धागे	तिरकिट	धिन	नाना

(४) चौताल

चौताल में १२ मात्रा होती हैं, जो छः भागों में विभाजित हैं। चार भागों पर ताली तथा दो भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १, ५, ९, ११ पर ताली और ३, ७ पर खाली होती हैं।

मात्रा-	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
ताल-	×		०		२		०		३		४	
ठेका-	धा	धा	दिन	ता	तिट	धागे	दिन	ता	तिट	कत	गदि	गन

(५) तीव्रा ताल

तीव्रा ताल में ७ मात्रा होती हैं, जो तीन भागों में विभाजित हैं। तीनों भागों पर ताली हैं (इस ताल में खाली नहीं होती) मात्रानुसार १, ४, ६ पर ताली होती हैं।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७
ताल—	×			२		३	
ठेका (तबला)	धी	धी	ना	धी	त्रिक	धी	ना
ठेका (पखावज)	धा	दिन	ता	तेटे	कत	गदि	गन

(६) रूपक ताल

रूपक ताल में ७ मात्रा होती हैं, जो तीन भागों में विभाजित हैं। एक भाग पर खाली तथा दो भाग पर ताली होती है। मात्रानुसार ४, ६, पर ताली और एक पर खाली होती है। इस ताल की पहली ताली यानी सम खाली पर ही मानी जाती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७
ताल—	×			२		३	
ठेका (१)	तिन	तिन	ना	धी	ना	धी	ना
ठेका (२)	तिन	*	त्रिक	धिन	*	धा	गे

(७) ताल कहरवा

ताल कहरवा में ८ मात्रा होती हैं, जो दो भागों में विभाजित हैं। एक भाग पर ताली तथा दूसरे भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १ पर ताली और ५ पर खाली होती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
ताल—	×				०			
ठेका—	धा	गे	ना	ति	न	क	धि	न

(८) ताल दादरा

दादरा ताल में ६ मात्रा होती हैं, जो दो भागों में विभाजित हैं। एक भाग पर ताली तथा दूसरे भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १ पर ताली और ४ पर खाली होती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६
ताल—	×			०		
ठेका—	धा	धी	ना	धा	तू	ना

(९) ताल कव्वाली

कव्वाली ताल में ८ मात्रा होती हैं, जो चार भागों में विभाजित हैं। तीन भाग पर ताली तथा एक भाग पर खाली होती है, मात्रानुसार १, ३, ७ पर ताली और ५ पर खाली होती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
ताल—	×		२		०		३	
ठेका—	धा	गे	ना	तिन	ना	तिन	ना	तिट

(१०) ताल दीपचन्दी

दीपचन्दी ताल में १४ मात्रा होती हैं, जो चार भागों में विभाजित हैं। तीन भाग पर ताली तथा एक भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १, ४, ११ पर ताली और ८ पर खाली होती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
ताल—	×			२				०			३			
ठेका—	धा	धिन	ऽ	धा	धा	तिन	ऽ	ता	तिन	ऽ	धा	धा	धिन	ऽ

(११) जत ताल

जत ताल में ८ मात्रा होती हैं, जो चार भागों में विभाजित हैं। तीन भाग पर ताली तथा एक भाग पर खाली होती है। मात्रानुसार १, ३, ७ पर ताली और ५ पर खाली होती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
ताल—	×		२		०		३	
ठेका—	धा	धिन	धाधा	तिन	ता	तिन	धाधा	धिन

बेला का बयान

बेला कैसे पकड़ें ?

—— * ——

बेला बांये हाथ में पकड़ा जाता है। ठोड़ी टेलपीस (Tail piece) के बांये तरफ बेले के सीने पर टेकी जाती है। बांये हाथ की उङ्गलियों की दूसरी (या बीच वाली) गांटें (Knuckles) और तंत्रकार की नाक एक सतह में रहती है। ऐसा करने से बेला पृथ्वी से समानान्तर (Parallel) रहता है। बेले की बांई तरफ का भाग ४५ डिगरी के कोण पर उठा रहता है, जिससे पिछले तार पर गज (Bow) आसानी से पहुँच सके। बेले का चौड़ा वाला भाग बांई हंसली की हड्डी (Collar bone) पर, ठोड़ी के नीचे खूब घुमाकर, रक्खा जाता है, (क्योंकि जब बेले पर सूत का काम होता है तो उसे ठोड़ी से खूब दबाये रहना पड़ता है) बांया कंधा बेले की पीठ पर किसी समय भी न छूना चाहिये। बांया बाजू इतना आगे बढ़ाकर रक्खा जाता है, कि उसकी कुहनी बेले के नीचे (ठीक बीचोंबीच) आ जाय, कुहनी शरीर से छूती हुई हरगिज न रहे।
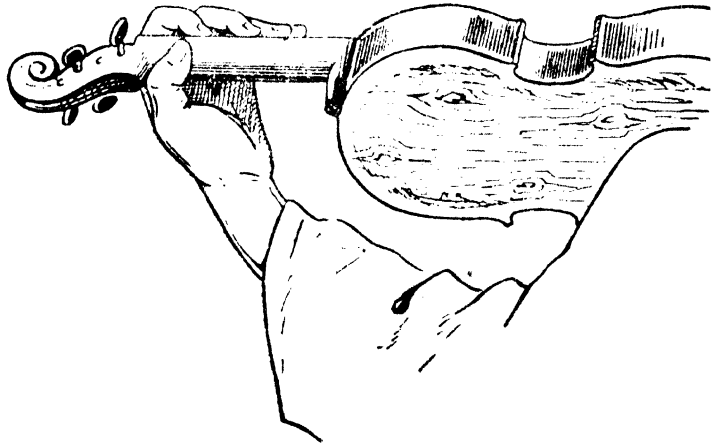
बांये हाथ की पहली उङ्गली की तीसरी रेखा (उङ्गली की जड़) (Crease)

वह ठीक स्थान है, जहां बेले के फिंगर बोर्ड (Finger board) के कोने का किनारा लगाना चाहिये, ऐसा करने से उङ्गलियां स्वरों के करीब–करीब ठीक स्थानों पर पड़ती हैं। बेले की गर्दन (Neck) अँगूठे के पोर की गद्दी के ऊपर रक्खी जाती है, ऐसा करने से पूरी उङ्गलियां (Finger board) से ऊपर निकली रहती हैं, और मध्यम के तार पर भी जो दूर पड़ता है आसानी से पहुँच जाती हैं। कलाई सीधी रखनी चाहिये। बेले की गर्दन पर सिवा अँगूठे व पहली उङ्गली के, हाथ का कोई भाग न छूना चाहिये। कुछ लोग गर्दन के नीचे पूरी हथेली लगाये रहते हैं। यह बहुत भद्दा भी दिखाई देता है, और इससे बजाने में हाथ रुकता है। तार पर उङ्गलियां इस तरह रखनी चाहिये कि उङ्गलियों के जोड़ (Joints) मुड़े हुए, चौकोर रहें। जिससे तार पर उङ्गलियों की नोंक ऊपर से खड़ी हुई गिरे, तात्पर्य यह है कि—

(१) अँगूठे व पहली उङ्गली के बीच की गाई बेले की गर्दन से अलग रहे।

(२) बेले की गर्दन का बोझ अँगूठे की गद्दी के ऊपर रहे।

(३) उङ्गलियों की पूरी लम्बाई (Finger board) से ऊपर रहे।

(४) उङ्गलियों के जोड़ चौकोर मुड़े हुये रहें, ताकि उङ्गलियों की नोंक तार पर ऊपर से पड़े।

(५) कलाई बेले के किसी भी भाग को न छुए।

(६) बेला पृथ्वी से समानान्तर दाहिनी ओर को ४५ डिग्री के कोण पर झुका हुआ रहे।

गज (BOW) का प्रयोग

गज को दाहिने हाथ के अँगूठे और पहली व चौथी उङ्गलियों पर साधा जाता है। अँगूठे के पोर की गद्दी को (करीब नाखून के बीच के मुकाबले) गज पर चाँदी के छल्ले के पास रखिये। अँगूठा गज की एड़ी (Heel) की ओर छुङ्गली (चौथी) उङ्गली के समानान्तर झुका रहना चाहिये, चौथी (छुङ्गली) उङ्गली की नोंक गज के ऊपर (अँगूठे से १॥ इन्च पीछे) रखनी चाहिये। पहली उङ्गली का पहला मोड़ (Joint) गज पर सामने की ओर (अँगूठे से १॥ इन्च आगे) रखना चाहिये। अब गज, बीच की बाकी दो उङ्गलियों की मदद के बिना, पूरीतौर से सधा (Balanced) हुआ है। अब बीच की बाकी दोनों उङ्गलियों को गज पर पहली व चौथी उङ्गलियों के बीच इस तरह आसानी से रख लिया जाय, कि उनके बीच–बीच थोड़ा
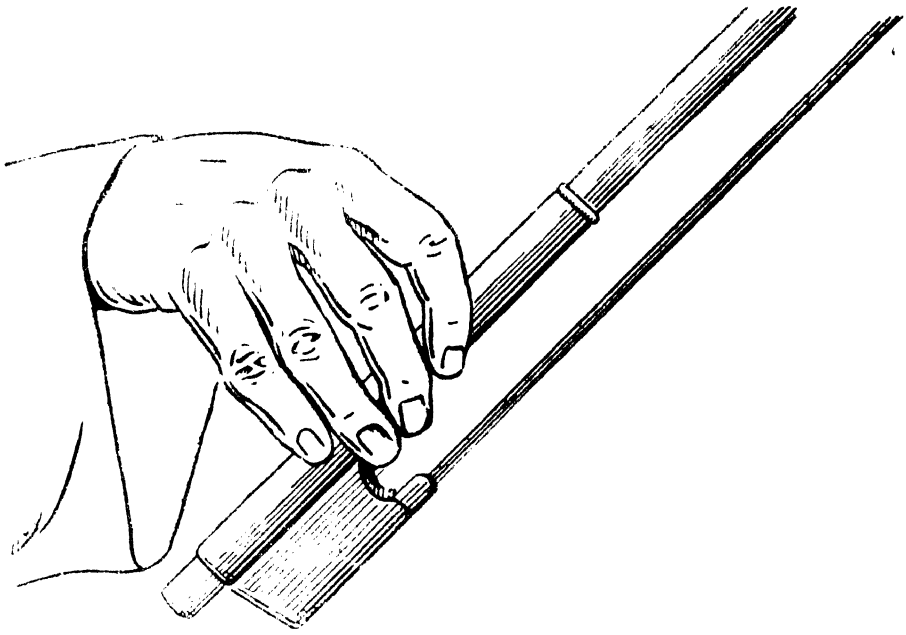
फासला रहे, वे गज की एड़ी की ओर झुकी हों और वे गाँठों (Joints) पर मुड़ी न हों।

आप देखेंगे कि इस तरह दूसरी उङ्गली अंगूठे के सामने है, और गज पहली उङ्गली के पहिले मोड़ (Crease) पर होकर (और दूसरे मोड़ की ओर जाता हुआ) दूसरी व तीसरी उङ्गलियों के पहिले मोड़ों पर होकर और चौथी उङ्गली की नोंक को छूता हुआ जाता है। चौथी उङ्गली छोटी होने के कारण, स्वभावतः गज के ऊपर टिकी रहेगी अर्थात् बाकी तीन उङ्गलियों की भांति यह उङ्गली लटकी नहीं रहेगी।

नोट—गज को तारों पर इस तरह चलाना चाहिये कि:—

(१) वह एक सिरे से दूसरे सिरे तक सीधा और ब्रिज (Bridge) के समानान्तर (Parallel) चले।

(१) बालों का बाहर वाला किनारा तार पर छुये।

मधुर आवाज़ पैदा करने के यह दो मुख्य साधन हैं।

इसका भी ध्यान रहना चाहिये कि जब गज की नोंक के क़रीब का भाग इस्तैमाल हो, उस समय दाहिनी कलाई शरीर के पास न आ जाय।

पहली व चौथी उँगलियों का काम
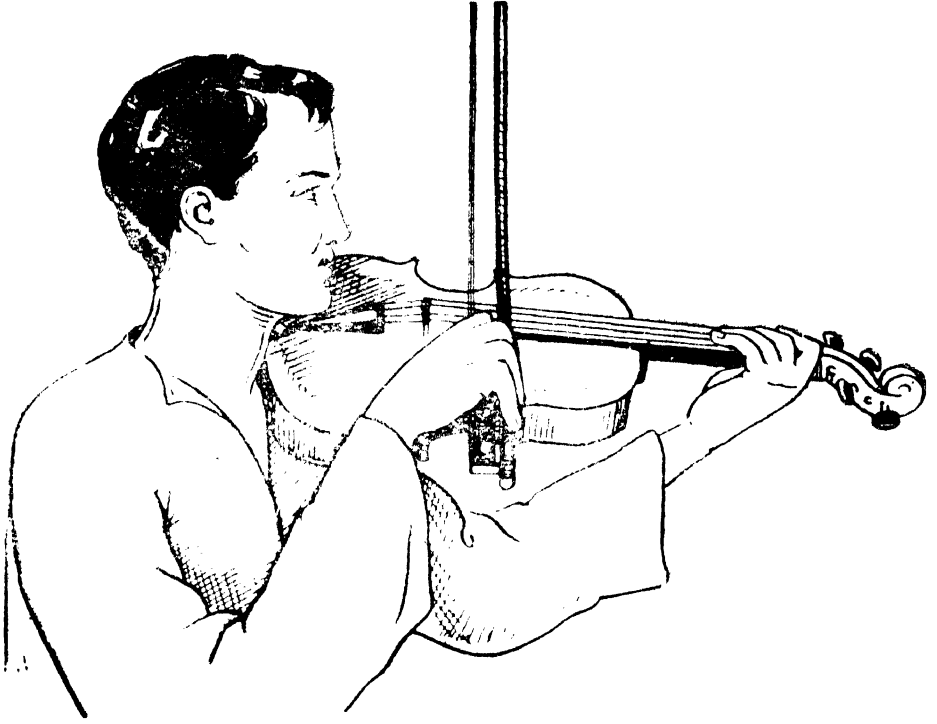
गज अँगूठे व दूसरी उँगली से थामा जाता है, पहली व तीसरी उँगली इसको पकड़ने में मदद देती है, और उँगली गज को साधती (balance) करती है। पहली उँगली का काम तारों पर गज़ का दबाव बढ़ाना है। अगर आवाज़ हलकी निकालनी हो तो पहली उँगली दूसरी व तीसरी उँगलियों की भांति गज़ पर मामूली तौर से रक्खी रहती है, और गज़ को केवल चलाने में मदद देती है। अगर जोरदार (तेज़) आवाज़ निकालनी हो, तो पहली उँगली का दबाव बढ़ा दिया जाता है, इससे गज़ के बाल (जिनका किनारा साधारणतः तारों को छूता रहता है) पूरी चौड़ाई से (एक फीते की तरह) तारों पर आ जाते हैं और जोरदार आवाज़ पैदा कर देते हैं। चूंकि इस दबाव के डालने का ज़रिया पहली उँगली ही है, इसलिये यह उँगली गज़ पर इतने हलके से रखनी चाहिये कि जब गज़ नीचे की ओर जाय तो गज़ इस उँगली के पहले जोड़ की लाइन से करीब करीब दूसरे जोड़ की लाइन में चला आये।

चौथी उँगली गज का कुल भार उठाये रहती है। इस तरह हलकी आवाज निकालते समय वह पहली उँगली की काफी मदद करती है। क्योंकि चौथी उँगली का दबाव डालने से गज तारों पर से उठ सा जाता है।

प्रथम अभ्यास

गज को ठीक-ठीक पकड़ना, साधना, (balance करना) और उसे तारों पर इतना आहिस्ता से दबाना चाहिये कि हलकी से हलकी सांस के

मानिन्द आवाज़ पैदा हो। यह बात गज को तारों पर बहुत हलके से रखने पर निर्भर है। फिर धीरे धीरे दबाव बढ़ाते जाना चाहिये, जिससे आवाज़ बिना कर्कश हुये ज़ोर से पैदा होगी, यह सांस जैसी हलकी आवाज़ गज के किसी भी भाग से, गज ऊपर व नीचे दोनों ओर चलाते हुए निकालने का अभ्यास अत्यन्त आवश्यक है।

गज को ब्रिज (Bridge) से करीब एक इन्च की दूरी पर चलाना चाहिये, ब्रिज के पास गज चलाने से ज़्यादा ज़ोरदार आवाज निकलती है।

कलाई की हरकत—

गज को ब्रिज के समानान्तर रखने के लिये यह जरूरी है कि जब गज की एड़ी तारों पर हो, उस वक्त कलाई का बाहरी भाग ऊपर को मुड़ा हुआ हो। यह कलाई का मोड़ गज जैसे जैसे नीचे उतरता आता है, घटता और बदलता जाता है। यहां तक कि जब गज की नोक तारों पर होती है, उस वक्त कलाई की सूरत पहली सूरत की बिलकुल उलटी हो जाती है। यानी कलाई के अन्दर की ओर वाला भाग

बाहर ज़मीन की ओर मुड़ जाता है, और हाथ (कलाई से उगलियों तक का भाग) ऊपर को झुक जाता है।

गज को चलाना

गज की पूरी लम्बाई को तारों पर चलाना चाहिये, यह नहीं कि गज के सिर्फ एक तिहाई हिस्से को ही इस्तैमाल किया जाय। तेजी के साथ पूरी लम्बाई से गज खींचने से मुलायम, मीठी और तेज़ आवाज निकलती है। यह आदत शुरू से डालनी चाहिये।

गाने या गत का बारीक नाजुक काम गज के ऊपरी आधे भाग से किया जाता है। जब फुर्ती से बजाना हो, तब भी गज का ऊपरी भाग ही इस्तैमाल किया जाय। गज का निचला आधा भाग इस्तैमाल करते समय गज व हाथ का पूरा वज़न तारों पर रहता है, जिससे आवाज़ तेज़ निकलती है।

गज को उसकी नोंक से बीच तक चलाने में दाहिने बाजू का केवल अगला भाग (कुहनी से उङ्गलियों तक) ऊपर को जाता है। गज को उसके बीच से एड़ी तक चलाने में बाजू का ऊपरी भाग (कन्धे से कुहनी तक) ऊपर को जाता है, यहां तक कि कलाई का बाहरी भाग ऊपर को मुड़ जाता है। इस वक्त बाजू से कलाई को हलका सा झटका देना चाहिये, ताकि ऊपर व नीचे जाने के बीच में आवाज़ का सिलसिला कायम रह सके, यह थोड़ा अभ्यास करने से हो सकेगा। गज को नीचे उतारते समय ठीक उल्टा तरीका अपनाया जाता है, यानी एड़ी से बीच तक गज चलाने में बाजू का ऊपरी भाग नीचे आता है, उसके बाद बाजू का अगला भाग।

बेला (Violin) के तार

१ बेला का सबसे पतला तार चढ़े रिषभ (रें) का तार ('E' String) कहलाता है।
२ " " उससे मोटा "साधारण पंचम (प) " ('A' Srting) " "
३ " " " " " " स्वर (स) " ('D' String) " "
४ " " " " " मन्द्र मध्यम (म़) " ('G' String) " "

बेला मिलाना

३ 'D' String मध्य सप्तक के 'स' से मिलाया जाता है।
२ 'A' String " " के 'प' से " " "
१ 'E' String तार सप्तक के 'रें' से " " "
४ 'G' String मन्द्र " के 'म़' से " " "
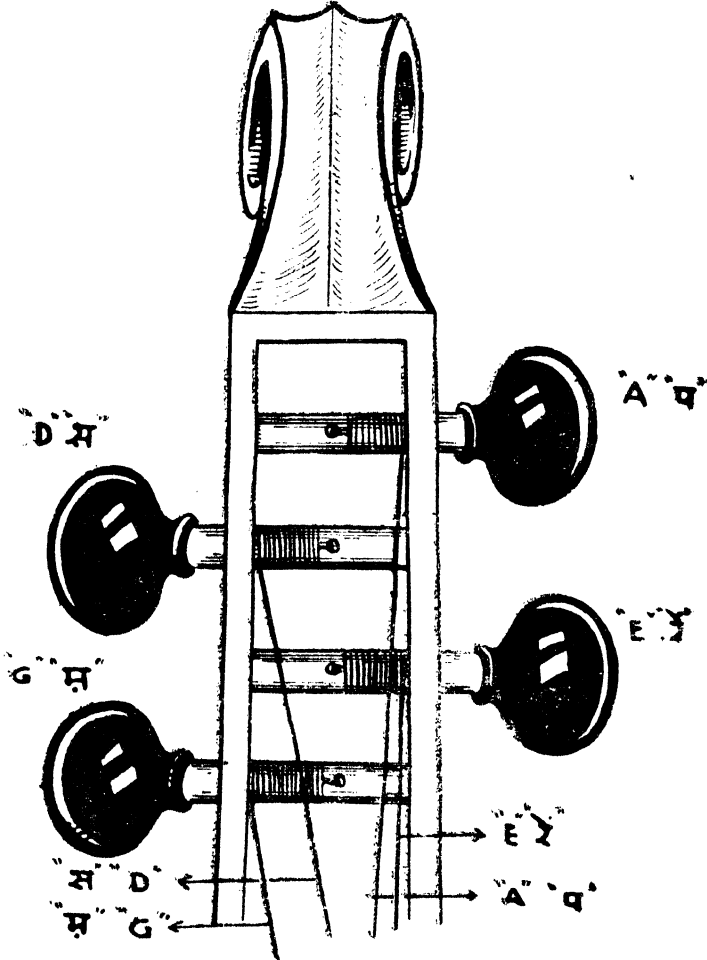
नोट—गतकारी के शौकीन गतकारी में झाला बजाते समय चिकारी का काम लेने के लिये 'E' String को तार सप्तक के 'रें' पर न मिला कर तार सप्तक के 'सां' से मिलाते हैं।

बेला मिलाते समय तार को बार-बार चढ़ाना उतारना न चाहिये, मिलाने में देर लगाने से कान थक जाता है, और स्वरों का बारीक फर्क फिर मालूम करना मुश्किल हो हो जाता है। टेल पीस (Tail Piece) में ऐडजस्टर (Adjuster on Bell Crank Nut) लगा लेने से तारों को बहुत थोड़ा सा चढ़ाने उतारने में बहुत आसानी पड़ती है। यही सुविधा मामूली खूंटियों के बजाय मशीन हेड (Machine Head) लगाने से होती है।

खूंटियों पर तार चढ़ाना

यह बहुत ज़रूरी है कि खूँटियों पर तार चढ़ाते समय तार का सिरा खूंटी के छेद से निकाल कर उसे मोड़ कर स्क्रौल (Scroll) की दीवार की ओर कर दिया जाय। तार को टेलपीस में लगाने के बाद उसका दूसरा सिरा खूंटी के छेद में डाल कर करीब $\frac{1}{8}$ इन्च बाहर निकाल देना चाहिये, तब खूंटी घुमा कर इस सिरे को तार के पहले लपेट में दाब कर सिरे का रुख स्क्रौल की दीवार की ओर कर देना चाहिये। खूंटी पर तार के बाकी लपेट स्क्रौल की दीवार की ओर पड़ते चले जायें, इससे खूंटी जकड़ जायगी और फिसल कर धुलेगी नहीं। खूंटी में छेद स्क्रौल की दीवार से $\frac{1}{8}$ इन्च से ज्यादा फासले पर हर्गिज न होना चाहिए।

आवाज़ बनाना

गज को तार पर ज्यादा न दबाना चाहिये, वरना बेले की गूंज (Vibration) कम हो जाने से आवाज़ रुकी हुई निकलती है। मधुर आवाज एक बड़ी इमारत की तरह है, जो धीरे-धीरे बन पाती है, पहला नियम बालों के फीते के किनारे से बजाना है, अगर गज़ तार पर काफी करवट देकर चलाया जायगा तो स्वर साफ़ मुलायम और गूंजता हुआ पैदा होगा, अगर बालों के फ़ीते की पूरी चौड़ाई इस्तैमाल करनी हो तो गज पर पहली उङ्गली का हलका दबाव दे देने से ऐसा हो जायगा। दूसरा नियम यह है कि तेज़ बजाने में जैसे तान या तोड़ा लेने में गज का ऊपरी आधा
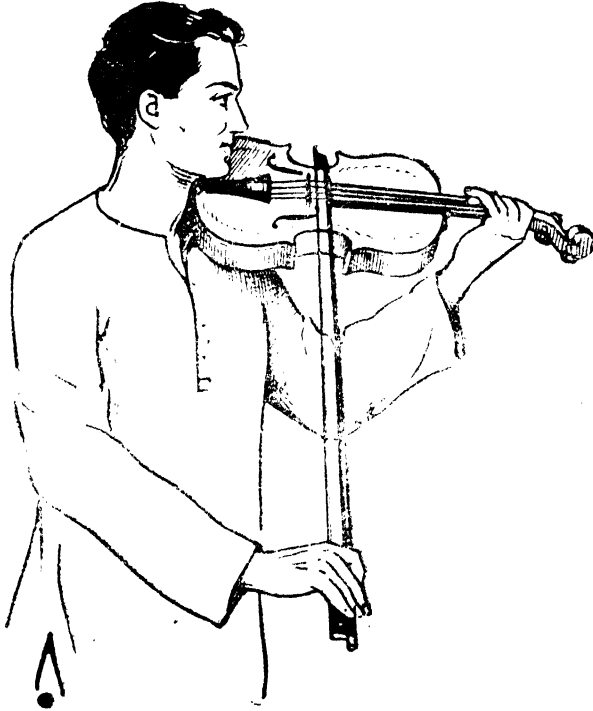
हिस्सा (बीच से नोंक तक) इस्तैमाल किया जाय। जब कोई स्वर देर तक बजाना हो तो गज को ब्रिज (Bridge) के नज़दीक चलाया जाय।

कम्पन

तार पर उङ्गलियां जितनी हलकी रक्खी जायेंगी, उतना ही सुन्दर कम्पन पैदा होगा, क्योंकि कम्पन करने में उङ्गली को तार पर से बार-बार ज़रा सा उठाकर फिर दबाया जाता है। उङ्गली का दबाव हलका रक्खे बगैर ऐसा करना सम्भव नहीं है। कम्पन करने में उङ्गली तार को छोड़ नहीं देती। उङ्गली का वजन, या दबाव बार-बार कम करके ज्यादा किया जाता है।

तार मज़बूती से दबाना

चाहे कितना ही तेज़ क्यों न बजाना हो, तार को उङ्गली की नोंक द्वारा मज़बूती से दाबें। उङ्गलियों के नाखून ज़रा भी बढ़े हुए न होने चाहिये, वह गोश्त से काफी पीछे तक कटे हों, उङ्गली तार पर से केवल इतनी ऊंची उठाई जाय कि तार से अलग होजाय।

लचीली उंगलियां
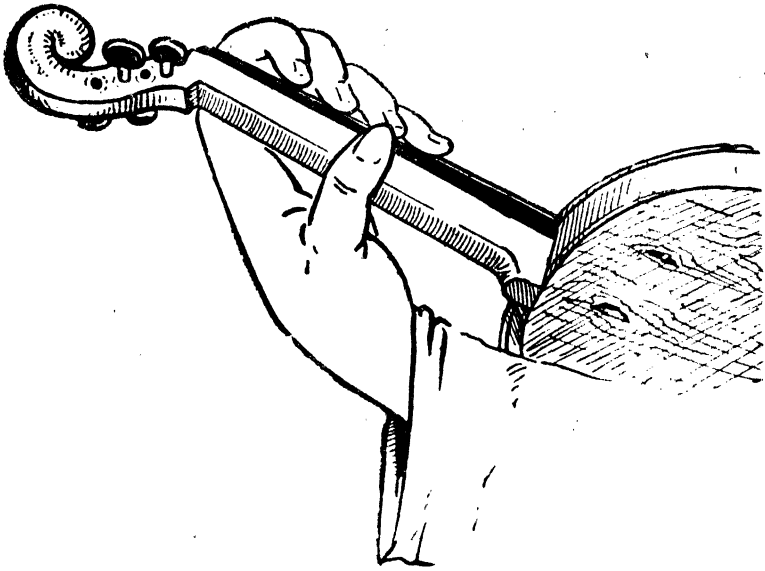
बायें हाथ की उगलियां अगर सख्त हैं, तो बेला बजाने में मुश्किल पड़ती है उङ्गलियां नर्म और लचीली करने के लिये सबसे आसान तरीका यह है कि बोतल के पूरो साइज वाले तीन कार्क (काग) बांये हाथ की चारों उङ्गलियों के बीच की तीन गाइयों में खूब गहरे ठूंस दीजिये, बीच की गाई में कार्क सबसे पीछे डाला जाय, पहले तो कार्कों को गाइयों में वैसे ही रक्खा जाय, मगर कुछ समय बाद मुट्ठी खोली व बन्द की जाय, (पहले सब उङ्गलियां एक साथ खोली व बन्द की जांय) ऐसा करने से वह पुट्ठे जिनसे उंगलियां चलाई जाती हैं, नर्म पड़ जाते हैं और आसानी से उंगलियां अलग-अलग चलने लगती हैं।

गज के बाल साफ करना

गज को कस कर बालों को पानी से तर करके उन पर साबुन लगाकर अँगूठे के नाखून से बालों के ऊपर का मैल खुरच डालिये, तब पानी की हलकी धार से बाल धो डालिये (छड़ी से पानी न छूने पावे) बाल धोकर गज को तुरन्त ही ढीला कर देना चाहिये, वर्ना बल सूख कर सिकुड़ेंगे और निकल पड़ेंगे। जब बाल सूख जावें तो उन पर बारीक पिसा हुआ बिरोजा (Rosin) मल दिया जाय, और गज को बिरोजे के गट्टे पर १५—२० बार चलाया जाय। गज के बाल इस्तैमाल होते होते घिस जाते हैं और तब वह तार को नहीं पकड़ते, इस दशा में उन्हें बदल देना चाहिये, चाहे गज में सब बाल मौजूद हों और एक भी न टूटा हो।

गज पर नये बाल पहनाना

बाल घोड़े के होने चाहिये। घोड़े के बाल घोड़ी के बाल की बनिस्बत ज्यादा सफेद, कम चिकने व ज्यादा मजबूत होते हैं।

नये बालों को साफ पानी में भिगो दीजिये, तब गज के नट बक्स (Nut Box) पर के छल्ले को चाकू की नोक से खिसका कर आहिस्ता से उतार दीजिये, अब लकड़ी की उस पच्चड़ को जो छल्ले के नीचे बालों को कसे रहती है, निकाल लीजिये उसके बाद नट (Nut) बक्स पर का ढक्कन खिसका कर निकाल लीजिये और तब बालों को खींच कर नट बक्स में से निकाल लीजिये। बालों का सिरा नट बक्स के अन्दर के गड्ढे में एक और पच्चड़ से दबा रहता है, इस पच्चड़ को भी होशियारी से रख लीजिये।

अब, गज की नोंक में एक पच्चड़ होती है, उसे होशियारी से निकाल कर बालों को खींच कर निकाल लीजिये, इस पच्चड़ को भी रख लीजिये।

नये बालों का बँधा हुआ सिरा नोंक के गढ़े में रखकर बाल फैलाकर पच्चड़ कस के लगा दीजिये, गज की नोंक को एक खूंटी से बांध कर लटका दीजिये।

बालों को एक बारीक कंघी से काढ़ लीजिये, जिसमें कि बाल एक के ऊपर दूसरा न चढ़ा रहे, या बाल छोटी बड़ी लम्बाई के न रह जांय, बालों की नट (Nut) तक लम्बाई नापकर उस जगह बालों को एक क्लिप (Clip) से दबा लीजिये, एक मजबूत धागे से इस क्लिप के बाहर बालों को कसकर बांधकर बाकी बालों को काट दीजिये, बालों के सिरे को हलके गर्म लोहे पर छुआ दीजिये, इससे सिरे फूल जाते हैं। अब छल्ले को बालों में पहनाकर सिरा पीछे मोड़कर नट के गढ़े में रखकर पच्चड़ कस दीजिये। बालों को अब उलट कर नट का खिसकने वाला ढक्कन लगा कर छल्ला चढ़ा दीजिये, और बालों को फैलाकर छल्ले के अन्दर पच्चड़ लगा दीजिये, फिर नट को गज में लगा दीजिये, अब गज को हलका सा कसकर रात भर छोड़ दीजिये, सुबह बाल कसे हुये और बराबर मिलेंगे।

गज पर बाल कभी भी बगैर गीले किये न चढ़ाने चाहिये, वरना छड़ी टेढ़ी पड़ जायगी।

गज को परखना

गज के पेच (Nut) के पास आँख लगाकर देखना चाहिये कि गज बिल्कुल सीधा है, फिर पेच (नं० ३) को इतना कसो कि छड़ी बिलकुल सीधी हो जाय। नं० ३ के पेच को कसते समय नं० २ का स्थान सरकने लगेगा। अब देखना चाहिये कि छड़ी दाहिने या बायें झुक तो नहीं जाती, खास तौर से उस जगह पर जहां वह सबसे ज्यादा पतली होती है, (देखिये नं० १) अगर वह सीधी रहती है तो उसका पेच नं० ३ इतना ढीला करके कि छड़ी बालों को (नं० ४) छूने लगे, यह देखना चाहिये कि छड़ी का सबसे ज्यादा घुमाव (खमदार भाग नं० ५) बालों के बीचों बीच गिरता है। अगर गज में यह सब बातें मौजूद हों तो वह खरीदने योग्य है।

गज पर बिरोज़ा लगाना

बिरोजे पर गज तीन या चार बार आगे पीछे मामूली दबाव के साथ आहिस्ता आहिस्ता चलना चाहिये। तेजी से चलाने से बिरोजा गर्म होकर जलने लगता है। आहिस्ता-आहिस्ता चलाने से बिरोजा मैदा की तरह बारीक घिस कर बालों पर लग जाता है, बालों को उंगली से कभी न छूना चाहिये।

ब्रिज लगाना

ब्रिज जितना आगे को लगाया जायगा उतनी ही मुलायम व कमज़ोर आवाज निकलेगी, अगर उसे *साउन्ड पोस्ट (Sound Post) के ऊपर लगाया जायगा तो सख्त व तेज आवाज़ पैदा होगी। बेले के सीने पर अँग्रेजी के "S" की तरह जो दो जगह कटी हुई रहती हैं, उसे हम चित्र में दिखा रहे हैं। उनमें दो खांचे कटे रहते हैं, ऊपर वाले खांचे के मुकाबले में साउन्ड पोस्ट लगाना चाहिये, और नीचे वाले के मुकाबले में ब्रिज रखना चाहिये, साउन्ड पोस्ट ब्रिज के दाहिने पाये (Leg) के नीचे रहे। ब्रिज ऊपर से इस तरह घुमाव देकर कटा हो कि पहला (या "रें" वाला) तार बनिस्बत बाकी तीन तारों के फिंगर बोर्ड के ज्यादा करीब हो।
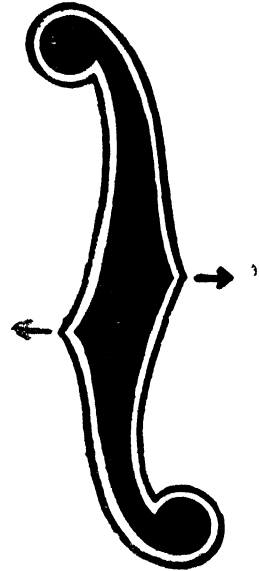
* साउन्ड पोस्ट (Sound Post)—यह लकड़ी का लगभग २ इन्च का एक टुकड़ा होता है जो कि ब्रिज के नीचे, बेला के अन्दर खड़ा हुआ लगा रहता है, इससे आवाज सुरीली होती है।

अभ्यास का समय

सुबह हाथ मुलायम रहता है अतएव यही समय अभ्यास के लिये सबसे अच्छा है। लगातार डेढ़ घंटा अभ्यास करने के बजाय आध-आध घंटे तीन दफा में अभ्यास करना ज्यादा अच्छा है।

बेले की वार्निश

बेले की वार्निश को साफ और चमकीला रखना बहुत जरूरी है। ब्रिज के पास बिरोजे के पाउडर को हर्गिज न जमा होने देना चाहिये, इससे बेले की गूंज कम हो जाती है।

बेले को साफ करने का मिश्रण

अलसी का तेल	$3\frac{1}{2}$	भाग
तारपीन का तेल	$\frac{1}{2}$	भाग
पानी	२	भाग

एक शीशी में इन तीनों वस्तुओं को खूब हिलाकर कपड़े पर जरा सा लेकर बेले पर फुर्ती से रगड़ देना चाहिये, तब एक साफ कपड़े से पोंछकर, दूसरे साफ कपड़े से हलके हाथ से थोड़ी देर तक बेले को रगड़ते रहना चाहिये।

भूल कर भी बेले पर फिर से रंग या वार्निश न करानी चाहिये, वर्ना आवाज दब जायगी। विलायत में बेले पर बिरोजे की वार्निश की जाती है, जो यहां नहीं होती।

उम्दा बिरोजा बनाना

आधी छटांक साफ शर्बती रंग के बिरोजे (Rosin) को पीस कर एक कटोरी में हलकी आग पर गर्म करना चाहिये, यहां तक कि वह पिघल कर तेल सा हो जाय, तब उसमें ६ बूंद मोमबत्ती वाला मोम डालना चाहिये, डालते समय मोम पिघला हुआ होना चाहिये। इनको एक लकड़ी से खूब चलाकर मिलालें, मिल जाने पर एक कागज की डिबिया में ढाल लेना चाहिये, तब उसे ठंडा होने दें।

१ छटांक बिरोजे में करीब $1'' \times 1'' \times \frac{1}{2}''$ बड़ी टिकिया बनती है। बिरोजे की कई टिकियां बना लेनी चाहिये, क्योंकि पुराना पड़ने से बिरोजा और अच्छा हो जाता है।

गज में दुबारा स्प्रिङ्ग (लचक) लाना

गज को इस्तैमाल करने के बाद ढीला करके रखना चाहिये, अगर हर वक्त कसा हुआ रहेगा तो उसका स्प्रिङ्ग (Spring) जाता रहेगा।

नोट:—बेला हमेशा चढ़ा हुआ रखना चाहिये—

अगर गज का स्प्रिङ्ग जाता रहे तो उसका पेच निकालकर उसके बालों को गज की नोंक की ओर लपेटकर छोटी लच्छी बना लेनी चाहिये, ताकि मुट्ठी में आजाय। लच्छी को मुट्ठी में बन्द करके गज को तेज आग के सामने से गुजारते रहना चाहिये, गज को इसी तरह आगे पीछे चलाते रहना चाहिए, यहां तक कि लकड़ी इतनी मुलायम होजाय, कि उसको झुकाकर उसमें बांकपन (खम) लाया जा सके। गज को गर्म करने में १० से २० मिनट तक लगेंगे, गज आग के पास न हो जिससे उसकी वार्निश खराब हो जाय। जब गज खमादार होजाय तब बाल खोलकर लगा दिये जाँय, बाल बिलकुल ढीले रहें, वर्ना गज फिर सीधा हो जायगा, तब गज के नट (Nut) के नीचे एक डोरा पिरो कर गज को खुली जगह में (दीवार के सहारे नहीं) इस तरह लटका देना चाहिये, कि गज की नोक जमीन की ओर रहे। घण्टे भर के अन्दर गज ठंठा हो जायगा। लटकाने के पहले पेच के पास आंख लगाकर देख लेना चाहिये, कि गज का खम ठीक है, और वह इधर-उधर को टेढ़ा तो नहीं है, ठंडा होने पर गज का स्प्रिङ्ग कायम रहेगा।

बेला—

बेला एक विदेशी वाद्य यंत्र (तंत्र) है, उसके थामने का तरीका भी विदेशी ढङ्ग से ही बताया गया है, जो सर्वथा विज्ञान की दृष्टि से ठीक और उचित है। खड़े होकर या कुर्सी पर बैठकर या कम से कम इस तरह बैठें कि बजाने में बांया घुटना खड़ा रहे और दाहिने पैर की पलथी लगी रहे। इस तरह बजाने में जब गज "म" वाले तार पर चलाया जायगा तब दाहिने बाजू को कुछ उठाना पड़ेगा। "स" के तार पर गज चलाते समय हाथ कुछ और नीचा हो जायगा, और गज कुछ खड़ा चलने लगेगा, यहाँ तक कि "रें" का तार बजाते समय दाहिना बाजू शरीर से छूता रहेगा, और गज बिलकुल खड़ा (Vertically) चलेगा।

कुछ लोग पलथी लगा कर बैठ कर बेला बजाते हैं। वह बेले के चौड़े भाग को बांई ओर सीने पर टेकते हैं, और स्क्रोल (Scroll) को पैर के बांये पंजे पर रख लेते हैं। नियम के विरुद्ध होने के अतिरिक्त इस तरह बैठकर बजाने में एक बड़ा ऐब यह है कि "म" और "स" के तार पर तो गज आसानी से चल सकता है, लेकिन "प" और "रें" के तार को बजाते समय, गज चलाने के लिये जगह न होने के कारण बेले को बार-बार बांया और तिरछा करना पड़ता है।

बेला में शुद्ध तथा विकृत स्वर—
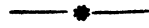
फिंगर बोर्ड पर स्वरों का स्थान

बेला के ४ तार कौन-कौन से स्वरों में मिलाए जावें ? इस पर मुख्यत: दो मत हैं । कुछ लोग— "सा प सा प" इस प्रकार मिलाते हैं और कुछ गुणी म सा प रें इस प्रकार मिलाते हैं । हम यहां पर बेला के फिंगर बोर्ड का जो चित्र दे रहे हैं, इसमें म सा प रें की पद्धति पर शुद्ध कोमल व तीव्र स्वरों के स्थान बताए गए हैं । पाठकों को चाहिए कि पहले शुद्ध स्वरों का अभ्यास करें, इसके बाद विकृत (कोमल-तीव्र) स्वरों को निकालें ।

मुंह से विलम्बित लय में ४ अक्षर (एक, दो, तीन, चार) कहने में जितना समय लगता है, उतने समय तक एक ही तार पर गज चलाना चाहिए । इसी प्रकार अन्य ३ तारों पर भी चलावें । ध्यान रहे, गज चलते समय बीच में रुकने न पावे, वरना स्वर टूट जायगा और मात्रा व ताल का हिसाब भी बिगड़ जायगा । हां, अभ्यास होजाने के बाद गज को बीच में रोक-रोक कर भी आप बजा सकेंगे, और तब तालभंग होने या स्वर टूटने का कोई भय नहीं रहेगा ।

शुद्ध स्वर—

नोट—उङ्गलियों के नम्बर इस प्रकार दिये गये हैं:— (१) तर्जनी (२) मध्यमा (३) अनामिका (४) कनिष्ठा अर्थात् सबसे अन्तिम छोटी उङ्गली ।
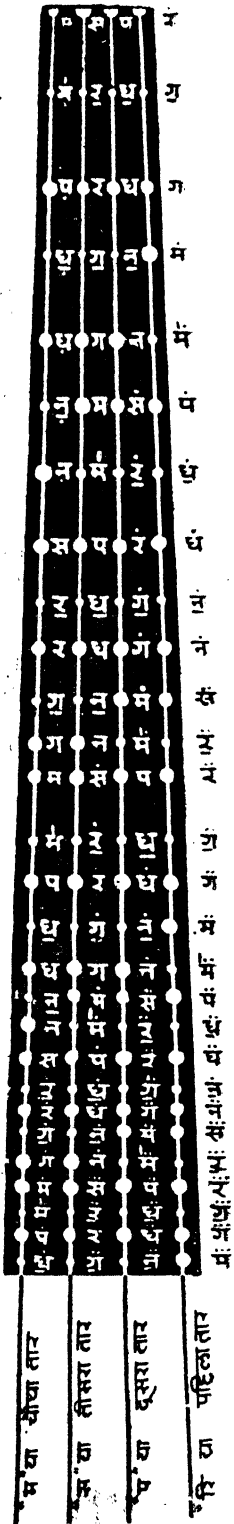
शुद्ध स्वर

चौथा तार	म़	प़	ध़	नि़	मन्द्र सप्तक के ४ स्वर
उँगली नम्बर	०	१	२	३	
तीसरा तार	सा	रे	ग	म	मध्य सप्तक के ४ स्वर
उँगली नम्बर	०	१	२	३	
दूसरा तार	प	ध	नि	सं	मध्य सप्तक के ३ और तार सप्तक का १ स्वर
उँगली नम्बर	०	१	२	३	
पहिला तार	रें	गं	मं	पं	तार सप्तक के ४ स्वर
उँगली नम्बर	०	१	२	३	

उपरोक्त चित्र में स्वरों के नीचे जहां उगलियों के नम्बर दिये हैं, वहां आप देख रहे हैं कि म़ स प रें के नीचे किसी भी उँगली का नम्बर नहीं दिया, इसका कारण यह है कि यहां पर केवल गज (Bow) चलाने से ही ये स्वर निकल आवेंगे। क्योंकि वे तार इन्हीं स्वरों पर मिले हुए हैं।

विकृत स्वर

विकृत का अर्थ है, अपने स्थान से हटा हुआ। रे ग ध नि यह चार स्वर अपने स्थान से हटकर कोमल हो जाते हैं, क्योंकि ये नीचे की ओर हटते हैं और मध्यम कुछ ऊपर की ओर हट कर विकृत होता है, अतः उसे तीव्र या कड़ी मध्यम कहते हैं। हां तो, १२ स्वरों में ७ शुद्ध और ५ विकृत स्वर हैं। शुद्ध स्वर ऊपर बताये जा चुके हैं, अब विकृत स्वर देखिये:—

चौथा तार	म़॑	ध़॒	नि़॒	मन्द्र सप्तक के ३ विकृत स्वर
उङ्गली नं०	१	२	३	
तीसरा तार	रे॒	ग॒	म॑	मध्य सप्तक के ३ बिकृत स्वर
उङ्गली नं०	१	२	३	

दूसरा तार	धु	नि	रें	मध्य सप्तक के २ और तार सप्तक
उङ्गली नं०	१	२	३	का १ विकृत स्वर
पहिला तार	गं	मं	धं	तार सप्तक के ३ विकृत स्वर
उङ्गली नं०	१	२	३	

यह केवल प्रारम्भिक ज्ञान के लिए लिखे गए हैं, इनके आगे भी जो स्वर हैं वे फिंगर बोर्ड के चित्र में दिखाए गए हैं।

अभ्यास करने का तरीका

पहले एक-एक स्वर को चढ़ते व उतरते दोनों गजों में बजाना चाहिये, गज की चाल मामूली हो, न ज्यादा तेज़ न ज्यादा धीमी।

नीचे दी हुई पहली चढ़ती लाइन का मतलब यह है कि गज ऊपर को जारहा है यानी तार पर गज अपनी नोंक से एड़ी तक जा रहा है, दूसरी उतरती हुई लाइन नीचे उतरते गज के लिये है।
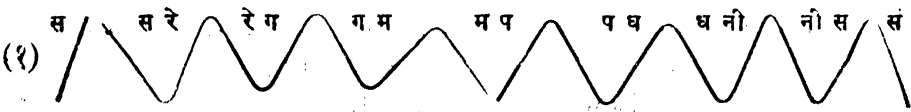
इसी प्रकार निम्नलिखित चित्रानुसार एक-एक स्वर को चढ़ते व उतरते गज में बजाना चाहिए।

इसी प्रकार नीचे दिये चित्रानुसार एक एक स्वर चढ़ते-उतरते गजों में बजाना चाहिए।
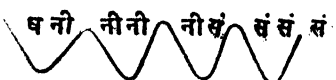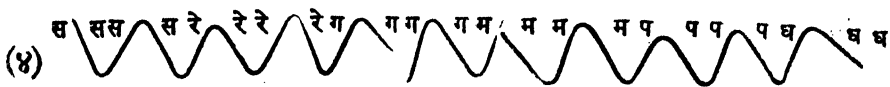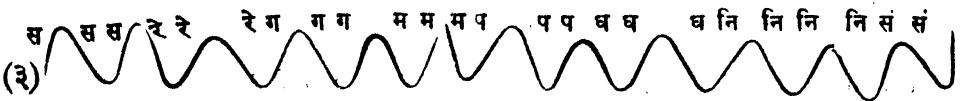
इस के बाद चढ़ते गज में 'स' और उतरते गज में 'रे' इत्यादि बजाना चाहिये।

(५)
इसके बाद निम्नलिखित तरीके पर उतरते चढ़ते हुए गज में स्वरों को बजाना चाहिये।

(६) सारे गम पध निसं संनि धप मग रेस

(७) सरेग मपधनीसंनी धपम गरेसा

(८) सरेगम पधनीसं संनीधप मगरेसा

(९) सरेगमप धनीसंनीधपमगरेस

(१०) सरेगमपधनीसं संनीधपमगरेस

(११) सरेगमपधनीसं संनीधपमगरेस सरेगमपधनीसं संनीधपमगरेस
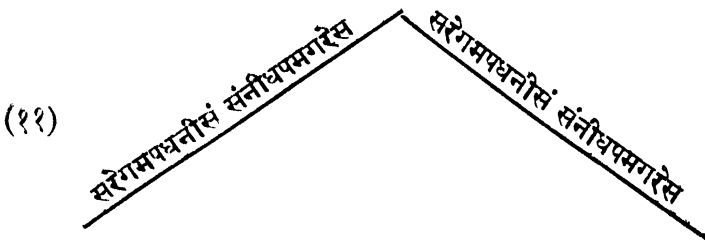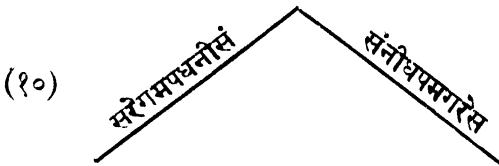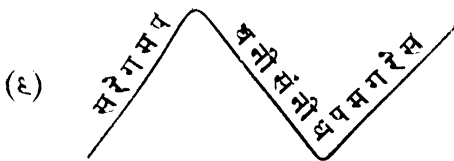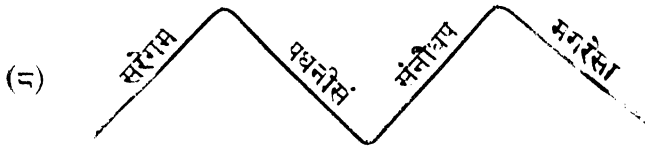
नोट—उपरोक्त सभी साधनों से हर एक स्वर का एक मात्रा काल में (खूब विलम्बित लय में) साधन करना चाहिए और तत्पश्चात् प्रत्येक स्वर का $\frac{1}{2}$ मात्रा, $\frac{1}{4}$ मात्रा, $\frac{1}{8}$ मात्रा तथा $\frac{1}{16}$ मात्रा में साधन करना चाहिए।

आवश्यक बातें

(१) बेला सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों को बेला सीखने से पहिले ताल का कुछ ज्ञान अवश्य कर लेना चाहिये। अधिक नहीं तो कम से कम चार ठेके तो याद कर लेने ही चाहिये-कहरवा, दादरा, तीनताल और झपताल।

(२) अभ्यास करने से पहिले बेला के चारों तार ठीक-ठीक स्वर में मिला लेने चाहिये। इनको मिलाने में हारमोनियम से सहायता ले सकते हैं, यदि तार ठीक नहीं मिलेंगे तो आरम्भ में ही हाथ बिगड़ जायेगा और स्वर बेसुरे निकलेंगे।

(३) नवीन शिक्षार्थियों को चाहिये कि पहिले विलम्बित लय में अभ्यास शुरू करें। पहले से ही जल्दी करके बजाने में हाथ बिगड़ जाता है।

(४) गज (Bow) ठीक स्थान पर बराबर सीधा चलाना चाहिये। और उसके बाल न अधिक कसे हों न ज्यादा ढीले हों।

(५) गज के बालों पर बिना बिरोजा लगाये स्तैमाल नहीं करना चाहिये।

(६) धैर्यपूर्वक इस पुस्तक में लिखे हुये नियमों पर ध्यान देकर अभ्यास करना चाहिये। अवश्य ही सफलता प्राप्त होगी। कोई बात समझ में न आये तो उसे दो बार पढ़ें तीन बार पढ़ें, तब भी समझ में न आवे तो सङ्गीत कार्यालय हाथरस, के पते पर अथवा लेखक के पते पर पत्र लिखकर पूछ सकते हैं।

पहिले दिये हुये तरीके पर जब स्वर साफ और मधुर निकलने लग जांय, तब आगे दिये हुए स्वर साधन के सभी अलङ्कारों को बजाने का अभ्यास करना चाहिये, पहिले तो बेले पर हाथ एक ही जगह रखकर (यानी एक-एक तार पर चार स्वर बजाते हुए) अलंकार बजाने चाहिये, सूत का काम बहुत मेहनत चाहता है, मगर बेले की सुन्दरता सूत के काम में ही है।

हस्त साधन

स्वर-साधन के आवश्यक अलंकार—

१ आरोह—सा, रे, ग, म, प, ध, नी, सां ।
अवरोह–सां, नी, ध, प, म, ग, रे, सा ।

२ आरोह—सारे, रेग, गम, मप, पध, धनी, नीसां ।
अवरोह–सांनी, नीध, धप, पम, मग, गरे, रेसा ।

३ आरोह—सारेगऽ, रेगमऽ, गमपऽ, मपधऽ, पधनीऽ, धनीसांऽ ।
अवरोह–सांनीधऽ, नीधपऽ, धपमऽ, पमगऽ, मगरेऽ, गरेसाऽ ।

४ आरोह—सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनी, धनीसां ।
अवरोह–सांनीध, नीधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा ।

५ आरोह—सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनी, पधनीसां ।
अवरोह–सांनीधप, नीधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा ।

६ आरोह—सारेगमपऽ, रेगमपधऽ, गमपधनीऽ, मपधनीसांऽ ।
अवरोह–सांनीधपमऽ, नीधपमगऽ, धपमगरेऽ, पमगरेसाऽ ।

७ आरोह—सारेगमप, रेगमपध, गमपधनी मपधनीसां ।
अवरोह–सांनीधपम, नीधपमग, धपमगरे, पमगरेसा ।

८ आरोह—सारेगमपध, रेगमपधनी, गमपधनीसां ।
अवरोह–सांनीधपमग, नीधपमगरे, धपमगरेसा ।

९ आरोह—सारेगमपधनीऽ, रेगमपधनीसांऽ ।
अवरोह–सांनीधपमगरेऽ, नीधपमगरेसाऽ ।

१० आरोह—सारेगमपधनी, रेगमपधनीसां ।
अवरोह–सांनीधपमगरे, नीधपमगरेसा ।

११ आरोह—साग, रेम, गप, मध, पनी, धसां ।
अवरोह–सांध, नीप, धम, पग, मरे, गसा ।

१२ आरोह—साम, रेप, गध, मनी, पसां ।
अवरोह–सांप, नीम, धग, परे, मसा ।

१३ आरोह—साप, रेध गनी, मसां ।
अवरोह–सांम, नीग, धरे, पसा ।

१४ आरोह—साध, रेनी, गसां ।
अवरोह–सांग, नीरे, धसा ।

१५ आरोह—सानी, रेसां ।
अवरोह–सांरे, नीसा ।

१६ आरोह—सारेसारेसारेगऽ, रेगरेगरेगमऽ, गमगमगमपऽ, मपमपमपधऽ, पधपधपधनीऽ, धनीधनीधनीसां ।

अवरोह–सांनीसांनीसांनीधऽ, नीधनीधनीधपऽ, धपधपधपमऽ, पमपमपमगऽ,
मगमगमगरेऽ, गरेगरेगरेसा ।

१७ आरोह–सारेसारेगऽ, रेगरेगमऽ, गमगमपऽ, मपमपधऽ, पधपधनीऽ, धनीधनीसांऽ ।
अवरोह्–सांनीसांनीधऽ, नीधनीधपऽ, धपधपमऽ, पमपमगऽ, मगमगरेऽ, गरेगरेसाऽ ।

१८ आरोह्—सारेसारेसारेगम, रेगरेगरेगमप, गमगमगमपध, मपमपमपधनी,
पधपधपधनीसां ।

अवरोह्–सांनीसांनीसांनीधप, नीधनीधनीधपम, धपधपधपमग, पमपमपमगरे,
मगमगमगरेसा ।

१९ आरोह्—सारेसारेगम, रेगरेगमप, गमगमपध, मपमपधनी, पधपधनीसां ।
अवरोह्–सांनीसांनीधप, नीधनीधपम, धपधपमग, पमपमगरे, मगमगरेसा ।

२० आरोह्—सारेसारेगसारेगमऽ, रेगरेगमरेगमपऽ, गमगमपगमपधऽ, मपमपधमपधनीऽ'
पधपधनीपधनीसांऽ ।

अवरोह्–सांनीसांनीधसांनीधपऽ, नीधनीधपनीधपमऽ, धपधपमधपमगऽ,
पमपमगपमगरेऽ, मगमगरेमगरेसाऽ ।

२१ आरोह्—सारेगरेसारेगम, रेगमगरेगमप, गमपमगमपध, मपधपमपधनी,
पधनीधपधनीसां ।

अवरोह्–सांनीधनीसांनीधप, नीधपधनीधपम, धपमपधपमग, पमगमपमगरे,
मगरेगमगरेसा ।

२२ आरोह्—सारेगमगरेसारेगम, रेगमपमगरेगमप, गमपधपमगमपध, मपधनीधप
मपधनी, पधनीसांनीधपधनीसां ।

अवरोह–सांनीधपधनीसांनीधप, नीधपमपधनीधपम, धपमगमपधपमग, पमगरेगम
पमगरे, मगरेसारेगमगरेसा ।

२३ आरोह—सारेगमगरेसारेसारेगम, रेगमपमगरेगरेगमप, गमपधपमगमगमपध,
मपधनीधपमपमपधनी, पधनीसानिधपधपधनीसां ।

अवरोह–सांनीधपधनिसांनीसांनीधप, नीधपमपधनीधनीधपम, धपमगमपधपधपमग,
पमगरेगमपमपमगरे, मगरेसारेगमगमगरेसा ।

२४ आरोह्—सारेगमगरेसारेसारेगरेसारेगम, रेगमपमगरेगरेगमगरेगमप, गमपधपमगम–
गमपमगमपध, मपधनीधपमपमपधपमपधनी पधनीसांनीधपध–
पधनीधपधनीसां,

अवरोह्–सांनीधपधनीसांनीसांनीधनीसांनीधप, नीधपमपधनीधनीधपमनीधपम,
धपमगमपधपधपमपधपमग, पमगरेगमपमपमगमपमगरे, मगरेसारेगमग–
मगरेगमगरेगसा ।

२५ आरोह्—सारेसागसामसारेगम, रेगरेमरेपरेगमप, गमगपगधगमपध, मपमधमनी–
मपधनी, पधपनीपसांपधनीसां ।

अवरोह्–सांनीसांधसांपसांनीधप नीधनीपनीमनीधपम, धपधमधगधपमग,
पमपगपरेपमगरे, मगमरेमसामगरेसा ।

२६ आरोह—सासा, रेरे, गग, मम, पप, धध, नीनी, सांसां ।
अवरोह–सांसां, नीनी, धध, पप, मम, गग, रेरे, सासा ।

२७ आरोह—सासासा, रेरेरे, गगग, ममम, पपप, धधध, नीनीनी, सांसांसां ।
अवरोह—सांसांसां, नीनीनी, धधध, पपप, ममम, गगग, रेरेरे, सासासा ।

२८ आरोह—सासासासा, रेरेरेरे, गगगग, मममम, पपपप, धधधध, नीनीनीनी, सांसांसांसां ।
अवरोह–सांसांसांसां, नीनीनीनी, धधधध, पपपप, मममम, गगगग, रेरेरेरे, सासासासा ।

२९ आरोह—सारेसाऽ, सारेगरेसाऽ, सारेगमगरेसाऽ, सारेगमपमगरेसाऽ, सारेगमपधपमगरेसाऽ, सारेगमपधनीधपमगरेसाऽ, सारेगमपधनीसांनीधपमगरेसाऽ, ।

अवरोह–सांनीसांऽ, सांनीधनीसांऽ, सांनीधपधनीसांऽ, सांनीधपमपधनीसांऽ, सांनीधपमगमपधनीसांऽ, सांनीधपमगरेगमपधनीसांऽ, सांनीधपमगरेसारेगमपधनीसांऽ ।

३० आरोह—सा रे सा ग सा म सा प सा ध सा नी सा सं ।
अवरोह–सां नी सां ध सां प सां म सां ग सां रे सां सा ।

३१ आरोह—सागमऽ, रेमपमऽ, गमधऽ, मधनीऽ, पनीसांऽ ।
अवरोह–सांधपऽ, नीपमऽ, पमगऽ, पगरेऽ, मरेसाऽ ।

३२ आरोह—सागमरेमप, गपधमधनी, पनीसां ।
अवरोह–सांधप, नीपमधमग, पगरेमरेसा ।

३३ आरोह—सागपऽ, रेमधऽ, गपनीऽ, मधसांऽ ।
अवरोह–सांधमऽ, नीपगऽ, धमरेऽ, पगसाऽ ।

३४ आरोह–सागपरेमध, गपनीमधसां ।
अवरोह–सांधमनीपग, धमरेपगसा ।

३५ आरोह—सारेमऽ, रेगपऽ, गमधऽ, मपनीऽ, पधसांऽ ।
अवरोह–सांनीपऽ, नीधमऽ, धपगऽ, पमरेऽ, मगसाऽ ।

३६ आरोह—सारेमरेगप, गमधमपनी, धपसां ।
अवरोह–सांनीप, नीधमधपग, पमरेमगसा ।

३७ आरोह—सामरेऽ, रेपगऽ, गधमऽ, मनीपऽ, पसांधऽ, धरेंनीऽ, नीगंसांऽ ।
अवरोह–सांपनिऽ, नीमधऽ, धगपऽ, परेमऽ, मसागऽ, गऩिरेऽ, रेधुसाऽ ।

३८ आरोह—सामरेरेपग, गधममनीप, पसांधधरेंनी, नीगंसां ।
अवरोह–सांपनी, नीमधधगप, परेममसाग, गऩिरेरेधुसा ।

३९ आरोह–सारेपम, रेगधम, गमनीप, मपसांध, पधरेंनी, धनीगंसां ।
अवरोह–सांनीमध, नीधगप, धपरेम, पमसाग, मगऩिरे, गरेधुसा ।

४० आरोह—सारेपम, रेगधप, गमनीध, मपसांनि, पधरेंसां ।
अवरोह–सांनीमप, नीधगम, धपरेग, पमसारे, मगऩिसा ।

४१ आरोह—सा ग प ध नि सां ।
अवरोह–सां नी ध प ग सा ।

४२ आरोह—सा रे म ध नि सां ।
अवरोह—सां नि ध म रे सा ।

४३ आरोह—सा रे ग प नि सां ।
अवरोह—सां नि प ग रे सा ।

४४ आरोह—सा रे ग म ध सां ।
अवरोह—सां ध म ग रे सा ।

४५ आरोह—सा रे म प ध सां ।
अवरोह—सां ध प म रे सा ।

४६ आरोह—सा ग म प ध नि सां ।
अवरोह—सां नि ध प म ग सा ।

४७ आरोह—सा रे ग म ध नि सां ।
अवरोह—सां नि ध म ग रे सा ।

४८ आरोह—सा रे ग म प ध सां ।
अवरोह—सां ध प म ग रे सा ।

४९ आरोह—सा रे ग प ध नि सां ।
अवरोह—सां नि ध प ग रे सा ।

५० आरोह—सा रे म प ध नि सां ।
अवरोह—सां नि ध प म रे सा ।

५१ आरोह—सा रे ग म प नि सां ।
अवरोह—सां नि प म ग रे सा ।

५२ आरोह—सा रे ग प सां ।
अवरोह—सां प ग रे सा ।

५३ आरोह—सा ग म ध सां ।
अवरोह—सां ध म ग सा ।

५४ आरोह—सा ग प ध सां ।
अवरोह—सां ध प ग सा ।

५५ आरोह—सा रे प ध सां
अवरोह—सां ध प रे सा ।

५६ आरोह—सा ग प सां ।
अवरोह—सां प ग सा ।

५७ आरोह—सा रे प सां ।
अवरोह—सां प रे सा ।

५८ अवरोह—सा ग ध सां ।
अवरोह—सां ध ग सा ।

५९ आरोह—सासा, रेसा, गसा, मसा, पसा, धसा, निसा, सांसां ।
अवरोह—सांसां, निसां, धसां, पसां, मसां, गसां, रेसां सासां ।

६० आरोह—सारेगग, रेगमम, गमपप, मपधध, पधनीनी, धनीसांसां।
अवरोह–सांनीधध, नीधपप, धपमम, पमगग, मगरेरे, गरेसासा।

६१ आरोह—सासारेग, रेरेगम, गगमप, ममपध, पपधनी, धधनीसां।
अवरोह–सांसांनीध, नीनीधप, धधपम, पपमग, ममगरे, गगरेसा।

६२ आरोह—सारेरेग, रेगगम, गममप, मपपध, पधधनी, धनीनीसां।
अवरोह–सांनीनीध, नीधधप, धपपम, पममग, मगगरे, गरेरेसा।

६३ आरोह—सारेगरेसा, रेगमगरे, गमपमग, मपधपम, पधनीधप, धनीसांनिध।
अवरोह–सांनीधनीसां, नीधपधनी, धपमपध, पमगमप, मगरेगम गरेसारेग।

६४ आरोह—गरेसाऽ, मगरेऽ, पमग, धपमऽ, नीधपऽ, सांनीधऽ, रेंसांनीऽ, गंरेंसांऽ।
अवरोह–धनीसांऽ, पधनीऽ, मपधऽ, गमपऽ, रेगमऽ, सारेगऽ, निसारेऽ, धनिसाऽ।

६५ आरोह—गरेसामगरे, पमगधपम, नीधपसांनीध, रेंसांनीगंरेंसां।
अवरोह–धनीसांपधनी, मपधगमप, रेगमसारेग, निसारेधनिसा।

६६ आरोह–सारेसाऽ, रेगरेऽ, गमगऽ, मपमऽ, पधपऽ, धनीधऽ, नीसांनीऽ, सांरेंसांऽ।
अवरोह–सांनीसांऽ, नीधनीऽ, धपधऽ, पमपऽ, मगमऽ, गरेगऽ, रेसारेऽ, सानिसाऽ।

६७ आरोह–सारेसारेगरे, गमगमपम, पधपधनीध, नीसांनीसांरेंसां।
अवरोह–सांनीसांनीधनी, धपधपमप मगमगरेग, रेसारेसानीसा।

६८ आरोह–सागसाऽ, रेमरेऽ, गपगऽ, मधमऽ, पनीपऽ, धसांधऽ, नीरेंनीऽ, सांगंसांऽ।
अवरोह–सांधसांऽ, नीपनीऽ, धमधऽ, पगपऽ, मरेमऽ, गसासाऽ, रेनिरेऽ, साधसाऽ।

६९ आरोह—सागसारेमरे, गपगमधम, पनीपधसांध, नीरेंनीसांगंसां।
अवरोह–सांधसांनीपनी, धमधपगप, मरेमगसाग, रेनिरेसाधसा।

७० आरोह—सारेसाग, रेगरेम, गमगप, मपमध, पधपनी, धनीधसां।
अवरोह—सांनीसांध, नीधनीप, धपधम, पमपग मगमरे, गरेगसा।

७१ आरोह—सासारेरेसासागग, रेरेगगरेरेमम गगममगगपप, ममपपममधध, पपधधपपनीनी, धधनीनीधधसांसां।

अवरोह–सांसांनीनीसांसांधध, नीनीधधनीनीपप, धधपपधधमम, पपममपपगग, ममगगममरेरे, गगरेरेगगसासा।

७२ आरोह—सागरेसा, रेमगरे, गपमग, मधपम, पनीधप, धसांनीधनीरेंसांनी, सागंरेंसां।
अवरोह–साधनीसां, नीपधनी, धमपध, पगमप, मरेगम, गसारेग, रेनिसारे, साधनिसा।

७३ आरोह—सागरेगमगरेसा, रेमगमपमगरे, गपमपधपमग, मधपधनिधपम, पनीधनी सांनीधप, धसांनीसांरेंसांनीध निरेंसांरेंगंरेंसांनि, सांगंरेंगंमंरेंसां।

अवरोह–सांधनीधपधनीसां, नीपधपमपधनी, धमपमगमपध, पगमगरेगमप, मरेगरेसारेगम, गसारेसानिसारेग, रेनिसानिधनिसारे, साधनिधपधनिसा।

७४ आरोह—मामगसा, रेपमरे, गधपग, मनीधम, पसांनीप, धरेंसांध, नीगंरेंनी, सांमंगंसां।
अवरोह—सांपधसां, नीमपनी, धगमध, परेगप, मसारेम, गनिसाग, रेधनिरे, सापधसा।

७५ आरोह—सारेरेगमगरेसा, रेगगमपमगरे, गममपधपमग, मपपधनीधपम, पधधनीसांनीधप।
अवरोह—सांनीनीधपधनीसां, नीधधपमपधनी, धपपमगमपध, पमममगरेगमप, मगगरेसारेगम।

७६ आरोह—मगगरेरेसा, पममगगरे, धपपममग, नीधधपपम, सांनीनीधधप।
अवरोह—पधधनीनीसां, मपपधधनी, गममपपध, रेगगममप, सारेरेगगम।

७७ आरोह—सापगरेसारेगप, रेधमगरेगमध, गनिपमगमपनी, मसांधपमपधसां।
अवरोह—सांमधनीसांनीपम, नीगपधनीधमग, धरेमपधपगरे, पसागमपमरेसा।

७८ आरोह—सासारेमगऽ, रेरेगपमऽ, गगमधपऽ, ममपनीधऽ, पपधसांनीऽ, धधनीरेंसांऽ।
अवोह—सांसांनीपधऽ, नीनीधमपऽ, धधपगमऽ, पपमरेगऽ, ममगसारेऽ, गगरेनिसाऽ।

७९ आरोह—सासारेमगरे, रेगपम, गगमधपम, मपनीध, पपधसांनीध, धनीरेंसां।
अवरोह—सांसांनीपधनी, नीधमप, धधपगमप, पमरेग, ममगसारेग, गरेनिसा।

८० आरोह—सारेरेसा, रेगगरे, गममग, मपपम, पधधप, धनीनीध, नीसांसांनी।
अवरोह—सांनीनीसां, नीधधनी, धपपध, पममप, मगगम, गरेरेग, रेसासारे।

८१ आरोह—सारेमरे, रेगपग, गमधम, मपनीप, पधसांध।
अवरोह—सांनीपनी, नीधमध, धपगप, पमरेम, मगसाग।

८२ आरोह—मरेसारे, पगरेग, धमगम, नीपमप सांधनीध।
अवरोह—पनीसांनी, मधनीध, गपधप, रेमपम, सागमग।

८३ आरोह—गरेसारे, मगरेग, पमगम, धपमप, नीधपध, सांनीधनी, रेंसांनिसां।
अवरोह—धनीसांनी, पधनीध, मपधप, गमपम, रेगमग, सारेगरे, निसारेसा।

नोट—उपरोक्त सभी स्वरसाधन ठांह, दून तथा चौगुन की लय में अलग-अलग तैयार होने चाहिये।

गत साधन

(१) राग बिलावल

बिलावल राग बिलावल थाट से पैदा होता है, इस राग में सब शुद्ध स्वर लगते हैं। इस राग का वादी स्वर 'ध' तथा सम्वादी स्वर 'ग' है। समय सुबह ७–८ बजे का है। यह गम्भीर स्वभाव का राग है।

आरोह—सा ऽ रे ऽ ग ऽ म ऽ प ऽ ध नि सां।
अवरोह—सां नि ध ऽ प ऽ म ग ऽ रे ऽ सा ऽ।
पकड़—ग म रे ऽ ग प ऽ ध ऽ नि सां।

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

सा	रे	ग	ऽ	म	ग	ऽ	प	ऽ	म	ग	ऽ	म	रे	ऽ	ग
प	ऽ	म	ग	ऽ	म	रे	ऽ	सा	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	नि	सां
ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	सां	रें	गं	मं	पं	गं	ऽ	मं	रें	ऽ	सां
ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ग	म	रे	ऽ	ग	प	म	ग	म	रे
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

गत राग बिलावल, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
सां	ऽ	ध	प	म	ग	म	रे	सा	ऽ	ग	मरे	ग	प	ध	नि

अन्तरा—

सां	ऽ	रें	सां	गं	मं	गं	रें	गं	मं	पं	गं	मं	रें	सां	नि

तोड़ा—

(१) सां	ऽ	ध	प	म	ग	म	रे	सारे	गप	धनि	सांरें	सांनि	धप	गप	धनि

(२) सारे गप धनि सांरें	सांनि धप मग मरे	सा ऽ म रे	ग प ध नि
(३) सां ऽ ध प	निसां धप रेंसां निसां	गंमं गंरें पंऽ मंगं	रेंसां रेंऽ सांनि धप
(४) गंमं पंगं मंपं गंमं	गंमं पंगं मंरें सांऽ	गम पग मप गम	गम पग मरे साऽ
गंमं पंगं मंरें सांऽ	गम पग मरे साऽ	गप धनि सांऽ गप	धनि सांऽ गप धनि
(५) मग मरे सारे गप	धनि सांरें गंरें सांनि	धप मग मरे गप	धनि सांध निसां धनि
पध निप धनि सांऽ	धनि सांरें गंसां रेंगं	मंपं मंगं मंरें सांऽ	प मग गरे साऽ

झाला (चौगुन में भी बजाइये)

सं ऽ ध प	म ग म रे	म ऽ ग मरे	ग प गप धनि
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संस संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप
मग मरे गप धनि	सं ऽ मग मरे	गप धनि सं ऽ	मग मरे गप धनि
सं ऽ ऽ धप	मग मरे सऽ मरे	गप स मरे गप	स मरे गप धनि
सं ऽ मरे गप	स मरे गप धनि	सं ऽ मरे गप	स मरे गप धनि
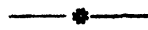
(२) गत राग बिलावल, त्रिताल (विलंबित लय)

स्थाई—

×	२	०	३
	सा सा रे सा	ग मग म रे	ग प ध नि
सां ऽ नि ऽ	सां ऽ सां निसां	ध ऽ ध प	ऽ प म ग
म ऽ रे ऽ	सा ऽ रे रे	ग मग म रे	ग प ध नि

अन्तरा—

सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	निसां	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
म	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	रे	सा	नि़सा	ग	रे	सा	नि़	ध़	ध़
सा	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ग	मग	म	रे	ग	प	ऽ	प	म	ग
म	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	रे	ग	मग	म	रे	ग	प	ध	नि

तोड़ा—

(१)	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	निसां	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
	म	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	सा	*	धप	मग	मरे	साऽ	ऽम	गप	धनि
(२)	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	निसां	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
	म	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	सा	*	गप	मग	मरे	साऽ	ऽम	गप	धनि
(३)	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	निसां	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
	म	ऽ	रें	ऽ	गप	धनि	सांरें	गंरें	सांनि	धप	मग	मरे	साऽ	ऽम	गप	धनि
(४)	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	निसां	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
	गंमं	गंरें	सांनि	धनि	धप	मग	रेग	पऽ	ऽनि	धप	मग	मरे	साऽ	ऽम	गप	धनि
(५)	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	निसां	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
	गरे	साऽ	मग	मरे	साऽ	पऽ	मग	मरे	साऽ	धप	मग	मरे	साऽ	सांरें	सांनि	धप
	मग	मरे	साऽ	ऽम	गप	धनि	सांऽ	सांऽ	ऽम	गप	धनि	सांऽ	साऽ	ऽम	गप	धनि
(६)	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	निसां	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
	सारे	गप	मग	मरे	गप	धनि	धप	मग	मरे	गप	धनि	सांनि	धप	मग	मरे	गप
	धनि	सांरें	गंरें	सांनि	धप	मग	मरे	ऽसा	गम	गरे	गप	ऽप	धप	मग	मरे	साऽ
	ऽसा	ऽम	गप	धनि	सांऽ	ऽऽ	मग	गरे	गप	ऽप	धप	मग	मरे	साऽ	ऽसा	ऽम
	गप	धनि	सांऽ	ऽऽ	गम	गरे	गप	ऽप	धप	मग	मरे	साऽ	ऽसा	ऽसा	गप	धनि

झाला—(चौगुन में भी बजाइये)

सां	ऽ	नि	ऽ	सं	ऽ	मं	निसं	ध	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	ग
म	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ	रे	स	ग	मग	म	रे	ग	प	ध	नि
संनि	संसं	संसं	संसं	संध	संसं	संसं	संसं	संप	संसं	संसं	संसं	संनि	संसं	संध	संसं
संनि	संसं	संसं	संसं	संध	संसं	संसं	संसं	संप	संसं	संसं	संसं	संनि	संसं	संध	संसं
सऽ	ससं	संसं	संसं	रेऽ	रेसं	संसं	संसं	गऽ	गसं	संसं	संसं	पऽ	पसं	संसं	संसं
सऽ	ससं	संसं	संसं	रेऽ	रेसं	संसं	संसं	गऽ	गसं	संसं	संसं	पऽ	पसं	संसं	संसं
मऽ	रेसं	संसं	संसं	गऽ	पसं	संसं	संसं	मऽ	गसं	संसं	संसं	मऽ	रेसं	संसं	संसं
सऽ	रेसं	संसं	संसं	गऽ	पसं	संसं	संसं	मऽ	गसं	संसं	संसं	मऽ	रेसं	संसं	संसं
सऽरेरे	गप	मग	संसं	संसं	संसं	संसं	संसं	मऽरेरे	गप	धनि	संसं	संसं	संसं	संसं	संसं
सऽरेरे	गप	मग	संसं	संसं	संसं	संसं	संसं	मऽरेरे	गप	धनि	संसं	संसं	संसं	संसं	संसं
सऽरेरे	गप	मग	संसं	मऽरेरे	गप	धनि	संसं	संऽनिनि	धप	मग	संसं	धऽपप	मग	रेस	सस
ऽरे	गम	गरे	गप	ऽप	मग	मरे	सऽ	ऽम	गप	धनि	संऽ	ऽसं	धऽपप	मग	मरे
सस	ऽरे	गम	गरे	गप	ऽप	मग	मरे	सऽ	ऽम	गप	धनि	संऽ	संऽ	ऽसं	धऽपप
मग	मरे	सस	ऽरे	गम	गरे	गप	ऽप	मग	मरे	सऽ	ऽम	गप	धनि	संऽ	संऽ

राग बिलावल

गत आरम्भ से पहले का आलाप (चौगुन भी करिये)

१—सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
२—सा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ

ऽ	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

३—प	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
सां	ऽ	रें	ऽ	गं	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ
गं	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३) गत राग बिलावल, तीनताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
ग	ऽ	म	रे	ग	प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	सा

अन्तरा—

ग	ऽ	म	रे	ग	प	ध	नि	सां	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	गं	मं
गं	रें	सां	ऽ	प	ऽ	ध	नि	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	सा

गत सम्बन्धित आलाप

१—ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
ध	ऽ	प	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ

रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ
सा	ऽ	रे	सा	ग	प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	सा
२—ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	रे	ऽ	प	ऽ	म	ग	म	रे	ग	प	म	ग	म	रे
सा	ऽ	रे	सा	ग	प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	सा
३—ग	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ
गं	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	गं	ऽ
मं	रें	सां	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	रे	ग	प	म	ग	म	रे
सा	ऽ	रे	सा	ग	प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	सा

तोड़ा—

१—ग	ऽ	म	रे	ग	प	ध	नि	सारे	गप	धनि	सांरें	सांनि	धप	मग	रेसा
२—ग	ऽ	म	रे	ग	प	ध	नि	सारे	गप	धनि	सांरें	सांनि	धप	मग	रेसा
सारे	गप	धनि	सांरें	सांनि	धप	मग	रेसा	सारे	गप	धनि	सांरें	सांनि	धप	मग	रेसा

३—ग ऽ म रे	ग प ध नि	सारे गप मग मरे	गप धप मग रेसा
४—ग ऽ म रे	ग प ध नि	सारे गप मग मरे	गप धप मग रेसा
सारे गप मग मरे	गप धप मग रेसा	सारे गप मग मरे	गप धप मग रेसा
५—ग ऽ म रे	ग प ध नि	गंमं पंगं मंरें सांऽ	ऽनि धप मग मरे
मग रेसा गऽ ऽनि	धप मग मरे मग	रेसा गऽ ऽनि धप	मग मरे मग रेसा
६—ग ऽ म रे	ग प ध नि	गंमं पंगं मंरें सांऽ	ऽनि धप मग रेसा
गंमं पंगं मंरें सांऽ	ऽनि धप मग रेसा	गंमं पंगं मंरें सांऽ	ऽनि धप मग, मरे
मग रेसा ऽप मग	मरे गप धनि सांऽ	ऽनि धप मग रेसा	गऽ मग मरे गप
धनि सांऽ ऽनि धप	मग रेसा गऽ मग	मरे गप धनि सांऽ	ऽनि धप मग रेसा
७—सारे गप मग मरे	साऽ धनि धप मग	मरे साऽ सांरें सांनि	धप मग मरे साऽ
मरे साऽ सांरें सांनि	धप मग मरे साऽ	मरे साऽ सांरें सांनि	धप मग मरे साऽ
गंमं गंरें सांनि धप	मग रेसा नि़ऽ सांऽ	निध ऽप सांनि धप	मग मरे मग रेसा
गऽ ऽनि सांनि धप	मग मरे मग रेसा	गऽ ऽनि सांनि धप	मग मरे मग रेसा
८—ग ऽ म रे	सारे गम गरे गम	पम गरे गप धनि	सांनि धप मग गम
पम गरे गप धनि	सांनि धप मग गम	पम गरे गप धनि	सांनि धप मग रेसा
९—ग ऽ म रे	सांरें गंमं गंरें सांनि	धप धनि सांरें गंरें	सांनि धप मग सांनि
धप धनि सांरें गंरें	सांनि धप मग सांनि	धप धनि सांरें गंरें	सांनि धप मग रेसा
१०—ग ऽ म रे	मग मरे पम गरे	रेंसां निसां गंमं गंरें	पंऽ मंगं रेंसां रेंऽ
सांनि धप सांऽ निध	निसां ऽग पध निसां	ऽनि धप मग रेसा	गऽ निध निसां ऽग
पध निसां ऽनि धप	मग रेसा ग निध	निसां ऽग पध निसां	ऽनि धप मग रेसा
गऽ ऽग पध निसां	ऽनि धप मग रेसा	गऽ ऽग पध निसां	ऽनि धप मग रेसा
११—सारे गप धसां रेंगं	पंमं गंरें सांनि धप	मग रेसा ग रेसा	ग रेसा मग मरे
गप धनि सां सां	मग मरे गप धनि	सां सां मग मरे	मप धनि सां सां

राग बिलावल—

१२—ग ऽ म रे	सरे सरे गप गप	धनि धनि संनि संनि	धप धप मग मग
रेम रेस निस निस	सरे गरे गप गप	धनि संनि धप मग	मरे गप धनि संऽ
धप मग मरे स—	रेस गम गरे गप	पंगं मंरें संऽ गप	धनि प मग रेस
ऽप मग मरे सऽ	ऽस प ग मरे	सऽ ऽस प ग	मरे सऽ ऽस प
१३—सरे गरे गप गप	धप धनि धनि रेंसं	रेंगं रेंगं पंगं पंगं	मंगं मंरें गंरें मरें
संरें संनि संनि धनि	धप मग मरे गप	धनि संऽ मग रेसा	गं पंगं मंगं मंरें
गंरें गंरें संरें संनि	संनि धनि धप मग	मरे गप धनि सं	मग रेसा ग पंगं
मंगं मंरें गंरें गंरें	संरें संनि संनि धनि	धप मग मरे गप	धनि संऽ मग रेस

झाला (चौगुन भी करिये)

ग ऽ म रे	ग प ध न	सं ऽ सं सं	रें सं सं सं
मग मरे गप धनि	धप ऽनि निनि संन	संसं निसं निसं संसं	संनि धप मग रेसा
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	सनि संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि ननि
धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध	पम पप पप पप	पऽ पप ऽप पप
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध	पम पप पप पप	पऽ पप ऽप पप
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप
सरे गरे गप धप	धसं रेंसं रेंगं पंगं	पंमं गंमं गंरें सारें	संनि धप मग रेस
ग मरे गप धनि	सं सं रेंसं गंमं	गंरें सं प धनि	संनि धप मग रेस
ग स प धनि	संनि धप मग रेस	ग सं प धनि	संनि धप मग रेस

झाला लय बढाकर (खाली से चौगुन भी कीजिये)

सासा रेरे गग पप	मम गग मम रेरे	गग पप धध पप	धध सांसां निनि धध
पप मम गग रेरे	गग पप धध सांसां	रेंरें गंगं रेंरें सांसां	निसां ऽसां सांऽ धप
मग मरे सा रेसा	ग धप मग मरे	सा रेसा ग धप	मग मरे सा रेसा

झाला

ममम गगग रेरेरे गगग	पपप धधध निनिनि सांसांसां	निनिनि निनिनि सांसांसां सांसांसां
धधध पपप ममम गगग	ममम रेरेरे गगग पपप	ममम गगग ममम रेरेरे
सासासा सासासा निनिनि सासासा	गगग रेरेरे सासासा निनिनि	धधध धधध सासासा सासासा
रेरेरे सासासा गगग ममम	गगग रेरेरे गगग पपप	धधध निनिनि सांऽ गगग
ममम गगग रेरेरे गगग	पपप धधध निनिनि सांऽ	गगग ममम गगग रेरेरे
गगग पपप धधध निनिनि	सां ऽ म रे	ग प ध नि
सां नि ध धनि	सांनि धप मग रेसा	

झाला

गगगग गगगग मममम रेरेरेरे	गगगग पपपप धधधध निनिनिनि
सांसांसांसां निनिनिनि धधधध पपपप	मममम गगगग रेरेरेरे सासासासा
गगगग गगगग मममम रेरेरेरे	गगगग पपपप धधधध निनिनिनि
सांसांसांसां सांसांसांसां सांसांसांसां सांसांसांसां	रेंरेंरेंरें सांसांसांसां गंगंगंगं मंमंमंमं
गंगंगंगं रेंरेंरेंरें सांसांसांसां सांसांसांसां	पपपप पपपप धधधध निनिनिनि
सांसांसांसां निनिनिनि धधधध पपपप	मममम गगगग रेरेरेरे सासासासा

ग ऽ ग मरे	गप धनि सांनि धप	मग सांनि धप मग	सांनि धप मग रेसा
सां ऽ धप मग	सांनि धप मग रेसा	प ऽ धप मग	सांनि धप मग रेसा

अन्तिम तोड़ा

मगम रेधनि धपरें सांनिसां	गंमंगं रेंपंमं मंगंरें सांरेंरें	सांनिध पसांसां निधप मगरे
सांसांनि धनिसां सांगप धनिसां	सासासा रेगम पधनि सांरेंसां	निधप मगम रेसासा ग
मगग रेसासा ग ग	मगग रेसासा ग ग	

(४) गत राग बिलावल, एकताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		०		२		०		३		४	
सां	ऽ	ध	प	म	ग	म	रे	ग	प	ध	नि

जोड़—

सां	ऽ	ध	प	म	ग	ऽ	प	म	ग	म	रे
सा	ऽ	रे	सा	ग	म	ग	रे	ग	प	ध	नि

अन्तरा—

सां	ऽ	रें	सां	गं	मं	गं	रें	पं	गं	मं	रें
सां	ऽ	ध	प	म	ग	म	रे	ग	प	ध	नि

तोड़ा—

१—सां	ऽ	ध	प	म	ग	मग	रेसा	मग	मरे	गप	धनि
२—सां	ऽ	ध	प	म	ग	मग	रेसा	मग	मरे	गप	धनि
मग	रेसा	मग	मरे	गप	धनि	मग	रेसा	मग	मरे	गप	धनि
३—सां	ऽ	ध	प	म	ग	सारे	गप	मग	मरे	गप	धनि
४—सां	ऽ	ध	प	म	ग	सारे	गप	मग	मरे	गप	धनि
सारे	गप	मग	मरे	गप	धनि	सारे	गप	मग	मरे	गप	धनि
५—सां	ऽ	ध	प	रेंसां	निध	पम	गप	मग	मरे	गप	धनि
६—सां	ऽ	गप	धनि	सांनि	धप	मग	रेसा	ऽग	मरे	गप	धनि
७—सांरें	निसां	धनि	ऽप	मग	रेग	पम	गरे	गप	धसां	निध	पम
गरे	गप	मग	मरे	गप	धनि	सांऽ	गप	धनि	सांऽ	गप	धनि

८—सं	ऽ	ध	प	मग	रेग	पध	निसं	धनि	ऽप	मग	रेसा
गम	गरे	गप	मग	मरे	गप	धनि	संऽ	गरे	गप	मग	मरे
गप	धनि	सं	सं	गरे	गप	मग	मरे	गप	धनि	सं	सं
संऽ	ऽऽ	ध	प	म	ग	म	रे	ग	मरे	गप	धनि
९—सं	ऽ	गंगं	रेंरें	मंमं	गंगं	रेंरें	संसं	रेंरें	संसं	गंगं	रेंरें
संसं	निनि	संसं	निनि	रेंरें	संसं	निनि	संसं	गंगं	मंमं	गंगं	रेंरें
संसं	निनि	धध	पप	मम	गग	मम	रेरे	गग	पप	धध	निनि
गप	धनि	सं	धध	निनि	गप	धनि	सं	धध	निनि	गप	पध
१०—ममम	गगग	ममम	रेरेरे	गगग	ममम	पपप	धधध	निनिनि	संसंसं	रेंरेंरें	संसंसं
धधध	निनिनि	संसंसं	रेंरेंरें	गंगंगं	संसंसं	रेरेरे	गगग	ममम	पपप	गरेसा	रेऩिसा
संरेरे	गगग	ममम	पपप	गरेसा	रेऩिसा	संरेरे	गगग	ममम	पपप	गरेसा	रेऩिसा
संरेरे	गगग	ममम	पपप	गरेसा	रेऩिसा	संऽ	गगग	ममम	पपप	गरेसा	रेऩिसा
११—गंमं	पंगं	मंरें	संऽ	गम	पग	मरे	साऽ	गम	गरे	धनि	ऽप
संनि	धनि	संरें	संनि	धप	ऽनि	धप	मग	मरे	गप	धनि	संऽ
मग	मरे	गप	धनि	संऽ	संऽ	मग	मरे	गप	धनि	संऽ	संऽ
सं	ऽ	ध	प	म	ग	म	रे	ग	मरे	गप	धनि
१२—मगरे	गपध	निसंनि	धपप	मगम	रेसासा	मरेग	पधनि	संऽ	संऽ	संऽ	मगम
रेसासा	मरेग	पधनि	संऽ	संऽ	संऽ	मगम	रेसासा	मरेग	पधनि	संऽ	संऽ
सं	ऽ	ध	प	म	ग	म	रे	ग	प	ध	नि

झाला (चौगुन में भी बजायें)

संनि	संसं	धप	धध	मग	मम	रेसा	रेरे	संरें	संसं	गंमं	गंगं
पंमं	पंपं	गंरें	गंगं	संनि	संसं	धप	धध	मग	मम	रेसा	रेरे
संनि	संसं	संसं	संसं	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	पम	पप
संनि	संसं	संसं	संसं	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	पम	पप

सांनि सांसां	निध निनि	धप धध	पम पप	सांनि सांसां	निध निनि
धप धध	पम पप	मग रेसा	सांऽ ऽनि	धप मग	मरे गप
धनि सांऽ	सांऽ मग	रेसा सांऽ	ऽनि धप	मग मरे	गप धनि
सांऽ सांऽ	मग रेसा	सांऽ ऽनि	धप मग	मरे गप	धनि सांऽ
सां ऽ	ध प	म ग	म रे	ग प	ध नि

झाला—

पपप पपप	धधध निनिनि	संसंसं रेंरेंरें	गंगंगं रेंरेंरें	संसंसं निनिनि	धधध पपप
ममम गगग	रेरेरे सासासा	गगग ममम	गगग रेरेरे	सारेग मगरे	गमप मगरे
गपध निसंनि	धपम गरेसा	संऽ रेंरेंरें	सारेग मगरे	गमप मगरे	गपध निसंनि
धपम गरेसा	सांऽ रेंरेंरें	सारेग मगरे	गमप मगरे	गपध निसंनि	धपम गरेसा
संऽ ऽ	ध प	संनिसंसं संधसंसं	संपसंसं संमसंसं	संनिसंसं संधसंसं	संपसंसं संमसंसं
संनिसंसं निधनिनि	धपधध पमपप	संनिसंसं निधनिनि	धपधध पमपप	संनिसंसं निधनिनि	धपधध पमपप
संनिधप मगमरे	गपधनि सांऽ	संऽ मगसारे	गपधनि संऽ	संऽ मगमरे	गपधनि सं

अन्तिम तोड़ा—

संऽधप मगमरे	गपधनि सांसां	सांऽ मगमरे	गपधनि सांसां	सांऽ मगमरे	गपधनि सांसां

(२) राग यमन

यमन राग कल्याण थाट से पैदा होता है, इस राग में मध्यम (मं) स्वर तीव्र लगता है, शेष सभी स्वर शुद्ध लगते हैं, इस राग का वादी स्वर गंधार (ग) है और सम्वादी स्वर निषाद (नि) समय ६–७ बजे शाम का है, यह गंभीर तथा शान्त स्वभाव का राग है।

आरोह:—सा रे ग ऽ मं प ऽ ध ऽ नि सां।
अवरोह:—सां नि ध ऽ प ऽ मं ग ऽ रे सा।
पकड़:—नि़ रे ग ऽ रे ग ऽ प मं ग ऽ रे ग ऽ रे नि़ रे सा।

आलाप—

सा	ऽ	नि़	रे	सा	ऽ	नि़	रे	ग	ऽ	रे	ग	ऽ	प	मं	ग
ऽ	रे	ग	मं	प	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	नि	रें	नि	ध	मं	ध
सां	ऽ	रें	सां	ऽ	ऽनि	ऽरें	ऽगं	ऽ	ऽरें	ऽ	नि	रें	सां	ऽ	नि
ध	प	मं	ग	ऽ	रे	ग	ऽ	मं	प	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ

(५) गत राग यमन, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
प	ऽ	मं	प	ग	रे	नि़	रे	सा	ऽ	ग	प	मं	प	ग	मं

अन्तरा—

प	ऽ	मं	प	ग	रे	नि़	रे	सा	ध़	सा	रे	प	रे	ग	मं
नि	ध	मं	प	ग	रे	सा	ऽ	सा	ऽ	ग	प	मं	प	ग	मं

तोड़ा—

१—सारे गमं पध निसां	सांनि धप मंग रेसा	ऽसा साऽ ग प	मं ऽप मंप गमं
२—गमं पध निसां रेंसां	निध पमं गरे साऽ	साऽ ऽ ग प	मं गप मंप गमं
३—नि़रे गमं पऽ गमं	पध निऽ मंप धनि	रेऽ धनि सांरें गंरें	सांनि धप मंग रेसा
नि़रे गमं पध निसां	रेंसां निध पमं गरे	नि़रे गमं पऽ नि़रे	गमं पऽ नि़रे गमं

४—धनि़ ध़रे निग रेमं	गध पमं गरे साऽ	मंप धनि सांऽ गमं	पध निऽ निरे गमं
५—सांनि धप मंग रेग	धप मंग रेग सारे	सांनि धप मंऽ निध	पमं गऽ निरे गमं

झाला (चौगुन भी कीजिये)

प	ऽ	मं	प	ग	रे	नि़	रे	सा	ऽ	ग	प	निरे	गमं	पध	निसां
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	धध	धध	पमं	पप	पप	पप
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	धध	धध	पमं	पप	पप	पप
सांनि	सांसां	निध	निनि	धप	धध	पमं	पप	सांनि	सांसां	निध	निनि	धप	धध	पमं	पप
मंग	मंमं	गरे	गग	रेसा	रेरे	सानि़	सासा	ध़नि़	ध़सा	नि़सा	नि़रे	गमं	पग	मंप	गमं

(६) गत राग यमन, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

						सां	सां	नि	ऽसां	नि	ध	प	मं	प	ध
नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	प	मंप	ग	ऽ	ऽ	रे	ग	मं	प	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	सां	सां	नि	ऽसां	नि	ध	प	मं	प	ध

अन्तरा—

नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	प	मंप	ग	ऽ	ऽ	रे	ग	मं	प	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ग	ग	रे	ग	रे	सा	ऽ	रे	नि़	सा
ध़	नि़	ध़	सा	ऽ	नि़	रे	सा	नि़	रे	ऽ	ग	ऽ	मं	प	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ	सां	सां	नि	ऽसां	नि	ध	प	मं	प	•ध

तोड़ा—

(१) नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	प	मंप	ग	ऽ	ऽ	रे	ग	मं	प	—
ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	सां	सां	* गमं	पध	निसां		निध	पमं	गरे	साऽ

(२)	नि ऽ ध ऽ	प ऽ प म॑प	ग ऽ ऽ रे	ग म॑ प ऽ
	ग ऽ रे ऽ	सा ऽ सां सां	* गम॑ पध निसां	निध पम॑ गरे साऽ
	* गम॑ पध निसां	निध पम॑ गरे साऽ	* गम॑ पध निसां	निध पम॑ गरे साऽ
(३)	नि ऽ ध ऽ	प ऽ प म॑प	ग ऽ ऽ रे	ग म॑ प ऽ
	ग ऽ रे ऽ	सा ऽ सां सां	* गंम॑ं पंम॑ं गंरें	सांनि धप म॑ग रेसा
(४)	नि ऽ ध ऽ	प ऽ प म॑प	ग ऽ ऽ रे	ग म॑ प ऽ
	ग ऽ रे ऽ	सा ऽ सां सां	* गंम॑ं पंम॑ं गंरें	सांनि धप म॑ग रेसा
	* गंम॑ं पंम॑ं गंरें	सांनि धप म॑ग रेसा	* गंम॑ं पंम॑ं गंरें	सांनि धप म॑ग रेसा
(५)	नि ऽ ध ऽ	प ऽ प म॑प	ग ऽ ऽ रे	ग म॑ प ऽ
	ग ऽ रे ऽ	नि़रे गम॑ पध निसां	रेंगं पंपं म॑ंगं रेंसां	निध पम॑ गरे साऽ
(६)	नि ऽ ध ऽ	प ऽ प म॑प	ग ऽ ऽ रे	ग म॑ प ऽ
	नि़रे गम॑ पऽ गम॑	पध निऽ म॑प धनि	रेंऽ धनि सांरें गंरें	सांनि धप म॑ग रेसा
(७)	नि ऽ ध ऽ	प ऽ प म॑प	ग ऽ ऽ रे	ग म॑ प ऽ
	ध़नि़ ध़रे नि़ग रेम॑	गध पम॑ पध निसां	रेंसां निध पम॑ गरे	गम॑ पम॑ गरे साऽ
(८)	नि ऽ ध ऽ	प ऽ प म॑प	ग ऽ ऽ रे	ग म॑ प ऽ
	गंरें गंध ऽनि संनि	सांगं ऽम॑ं पध निसां	* गंम॑ं पंम॑ं गंरें	सांनि धप म॑ग रेसा

झाला (चौगुन भी कीजिये)

सांनि सांसां सांसां सांसां	सां सांसां ऽसां सांसां	निध निनि निनि निनि	नि निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	ध धध ऽध धध	पम॑ पप पप पप	प पप ऽप पप
सांनि सांसां सांसां सांसां	सां सांसां ऽसां सांसां	निध निनि निनि निनि	नि निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	ध धध ऽध धध	पम॑ पप पप पप	प पप ऽप पप
सांनि सांसां निध निनि	धप धध पम॑ पप	सांनि सांसां निध निनि	धप धध पम॑ पप
म॑ग म॑म॑ गरे गग	रेसा रेरे सानि़ सासा	नि़रे गम॑ पध निसां	निध पम॑ गरे सारे
सानि़ नि़नि़ नि़सा सासा	साध़ ध़ध़ ध़सा सासा	साप़ प़प़ प़सा सासा	साम़॑ म़॑म़॑ म़॑सा सासा

सानि़ नि़नि़ नि़सा सासा	साध़ ध़ध़ ध़सा सासा	साप़ प़प़ प़सा सासा	साम़ म़म़ म़सा सासा
सानि़ सासा रेसा रेरे	गरे गग मंग मंमं	पमं पप धप धध	निध निनि सांनि सांसां
सानि़ सासा रेसा रेरे	गरे गग मंग मंमं	पमं पप धप धध	निध निनि सांनि सांसां
सांनि धनि धप मंप	मंग रेग रेसा ऽरे	गरे गमं पमं पध	निध निसां ऽनि पमं
गमं पध निऽ निध	निसां ऽनि पमं गमं	पध निऽ निध निसां	ऽनि पमं गमं पध

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

(१) सा ऽ ऽ ऽ	रे सा नि़ ऽ	नि़ सा नि़ ऽ	रे ग ऽ रे
ग ऽ मं ग	ऽ प ऽ ऽ	ऽ प मं ऽ	ग ऽ ऽ रे
ग ऽ रे ऽ	नि़ रे ऽ सा	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
(२) नि़ रे ग ऽ	रे सा ऽ रे	ग ऽ मं ग	ऽ प मं ग
ऽ प मं प	मं ग ऽ ध	ऽ प मं ग	ऽ रे ग ऽ
प रे सा ऽ	नि़ रे ऽ सा	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
(३) नि़ ध़ ऽ प़	ऽ ऽ ऽ ध़	नि़ ऽ रे ग	ऽ नि़ रे ग
ऽ रे ऽ ग	ऽ प मं ग	ऽ प ऽ प	मं ग ऽ प
मं ऽ ध प	मं ग ऽ रे	ग ऽ प रे	सा ऽ नि़ रे
ऽ सा ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
(४) ग ऽ प ध	प सां ऽ सां	सां ऽ ऽ ऽ	नि रें सां ऽ
नि ऽ ऽ ऽ	नि रें गं रें	सां ऽ रें सां	ऽ नि ध ऽ
प ऽ रें सां	ऽ नि ध ऽ	प ऽ मं प	ऽ मं ग ऽ
ऽ ऽ प मं	ग ऽ रे ग	ऽ रे ऽ नि़	रे ऽ सा ऽ
(५) सारे सारे गरे सारे	गमं गरे सारे गमं	पमं गरे सारे गमं	पध पमं गरे सारे
गमं पध निध पमं	गरे सारे गमं पध	निसां निध पमं गरे	प रे सा नि़
रे ऽ सा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(७) गत राग यमन, त्रिताल [द्रुतलय]

स्थाई—

३				×				२				०			
सां	ध	नि	ध	प	मं	प	ग	ऽ	नि	ध	मं	प	ग	मं	प

अन्तरा—

सा	ध	नि	ध	प	मं	प	ग	ऽ	ऽ	रें	ग	मं	प	ध	नि
सां	रें	सां	नि	ध	प	मं	ग	रे	सा	ऽ	नि़	रे	ग	मं	प

गत सम्बन्धित आलाप राग यमन

(१)	सां	ध	नि	ध	प	मं	प	ग	ऽ	ऽ	रें	ग	ऽ	ऽ	ऽ	मं
	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ग	ऽ	प	मं	ग	ऽ	ऽ	मं	प
(२)	सां	ध	नि	ध	प	मं	प	ग	ऽ	ऽ	मं	प	मं	ग	ऽ	ऽ
	रे	ग	मं	प	ऽ	ऽ	मं	ग	ऽ	ऽ	प	मं	प	मं	ग	ऽ
	ऽ	ध	प	मं	ग	ऽ	ऽ	रे	ग	मं	प	ऽ	रे	सा	ऽ	रे
	नि़	रे	ग	मं	प	ध	नि	सां	ऽ	नि	ध	मं	प	ग	मं	प
(३)	सां	ध	नि	ध	प	मं	प	ग	ऽ	ऽ	मं	ग	ऽ	प	मं	ग
	ऽ	प	ध	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	रें	ऽ	गं	ऽ	ऽ	ऽ
	रें	ऽ	नि	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
	मं	ऽ	ग	ऽ	मं	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	मं	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	रे	सा	ऽ	रे	ग	मं	प	ध	नि	सां
	नि	ध	प	मं	म	मं	प	ध	ऽ	नि	ध	मं	प	ग	मं	प
(१)	सां	ध	नि	ध	प	मं	प	सारे	गमं	पध	निसां	निध	पमं	गरे	साऽ	पऽ
	सां	ध	नि	पसां	धनि	धप	मंप	गऽ	ऽ	नि	ध	मं	प	ग	मं	प

२—सां ध नि ध	प मं प सारे	सा— सारे गरे सारे	साऽ सारे गमं पमं
गरे सारे साऽ सारे	गमं पध निसां निध	पमं गरे साऽ ऽसां	धनि धप मंप गऽ
गमं पध निसां निध	पमं गरे साऽ ऽसां	धनि धप मंऽ गऽ	गमं पध निसां निध
पमं गरे साऽ ऽसां	धनि धप पमं गऽ	ऽ नि ध मं	प धमं पग मंप
३—सां ध नि ध	प मं प सारे	गमं पध निरें गरें	सांनि धप मंग रेग
रेसा ऽध निसां पसां	धनि धप मंप गऽ	ऽ नि ध मं	प ग मं प
४—सां ध नि ध	प मं प सारे	सारे गमं गमं गमं	पध पध पध निध
निध निध पमं पमं	पमं गरे ऽसा गऽ	ऽ नि ध मं	प गमं पग मंप
५—सां ध नि ध	प मं प सारे	गरे सासा सारे गमं	पमं गरे सासा सारे
गमं पध निध पमं	गरे सासा सारे गमं	पध निसां निध पमं	गरे सासा गरे गमं
पध निसां नि धप	मंप गऽ सारे गमं	पध निसां ऽनि धप	मंप गऽ सारे गमं
पध निसां ऽनि धप	मंप गऽ मंप गऽ	ऽ नि ध मं	प ग मं प
६—सां ध नि ध	प मं प नि़रे	गनि़ रेग मंग मंप	धप धनि सांनि सांरें
गरें सांनि धप मंग	रेसा नि़रे गमं पऽ	ऽमं गऽ ऽऽ रेसा	नि़रे गमं पऽ ऽमं
गऽ ऽऽ रेसा नि़रे	गमं पऽ ऽमं गऽ	ऽऽ नि ध मं	प ग मंग मंप
७—सां ध नि ध	प मं प गरे	सामं गरे पमं गध	पमं निध पसां निध
रेंसां निगं रेंसां निध	पमं गरे सारे नि़रे	गमं पध निसां पऽ	ऽमं गऽ ऽगं रेंसां
निध पमं गरे सारे	नि़रे गमं पध निसां	पऽ ऽमं गऽ ऽगं	रेंसां निध पमं गरे
सारे नि़रे गमं पध	निसां पऽ ऽमं गऽ	ऽ नि ध मं	प ग मं प

झाला (चौगुन भी करें)

सां ध नि ध	प मं प ग	ममं ऽमं धनि संऽ	संसं ऽसं संसं निऽ
निनि निनि निनि धनि	धरें संनि संसं संनि	संसं संसं संसं संध	संसं संसं संसं संप
संसं संसं संसं संमं	संसं संसं संसं संनि	संसं संसं संसं संध	संसं संनि संसं संप
संसं संसं संसं संमं	संसं संसं संसं संनि	संसं संसं संसं संध	संसं संनि संसं संनिं
संसं संनि संसं संध	संसं संनि संसं संनि	संसं निध निनि धप	धध पमं पप संनि

सांसां निध निनि धप	धध पर्म पप सांनि	सांसां निध पर्म गरे	सारे नि़रे गर्म धनि
ऽरें सांऽ निध ऽप	र्म नि़रे ऽप गऽ	ऽ नि ध र्म	म ग र्म प

(५) गत राग यमन, झपताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		२			०		३		
नि	ऽ	ध	ऽ	प	र्म	प	ग	ऽ	र्म

जोड़—

प	रे	ग	ऽ	रे	नि़	रे	सा	ऽ	रे
नि़	रे	ग	ऽ	र्म	प	ध	नि	ऽ	सां
रें	सां	नि	ऽ	ध	र्म	प	ग	ऽ	र्म

अन्तरा—

प	ग	र्म	प	ध	नि	सां	सां	ऽ	सां
नि	रें	गं	ऽ	रें	नि	सां	नि	ध	प
र्म	प	ग	ऽ	र्म	प	ध	नि	ऽ	सां
रें	सां	र्म	ऽ	ध	र्म	प	ग	ऽ	र्म

गत सम्बन्धित आलाप राग यमन

१-नि़	रे	ग	ऽ	रे	ग	ऽ	रे	नि़	रे
सा	ऽ	ऽ	रे	नि़	रे	ग	र्म	ऽ	र्म
प	र्म	ग	ऽ	ऽ	ध	प	र्म	ग	ऽ
नि	ध	प	ऽ	प	र्म	प	ग	ऽ	र्म
२-प	ग	र्म	प	ध	नि	सां	सां	ऽ	सां
नि	रें	गं	ऽ	ऽ	पं	र्मं	गं	ऽ	धं
पं	मं	गं	ऽ	ऽ	नि	रें	सां	नि	ध
र्म	प	ग	र्म	प	र्म	प	ग	ऽ	र्म

तोड़ा—

१—ऩिरे	गऩि	रेग	म॑प	म॑प	गम॑	पग	म॑प	धनि	धनि
सांनि	धप	म॑प	गम॑	प	म॑	प	ग	ऽ	म॑
२—गंरें	सांनि	धनि	सांरें	सांनि	धप	म॑प	गम॑	पध	पम॑
गंरें	साऩि	ऩिरे	गम॑	पध	निसां	पऽ	ग	ऽ	म॑प
३—रेसा	गरे	म॑ग	पम॑	धप	गरे	म॑ग	पम॑	धप	निध
म॑ग	पम॑	धप	निध	सांनि	धप	म॑ग	ग	ऽ	म॑प
४—सांनि	सांनि	धप	म॑प	म॑ग	रेग	रेसा	ऩिरे	ऽग	ऽम॑
प	ग	ऽ	म॑प	नि	ऩिरे	ऽग	ऽम॑	प	ग
ऽ	म॑प	नि	ऩिरे	ऽग	ऽम॑	प	ग	ऽ	म॑प
५—ऩिरे	सारे	ऩिरे	गरे	ऩिरे	सारे	ऩिरे	गम॑	गरे	ऩिरे
सारे	ऩिरे	गम॑	पम॑	गरे	ऩिरे	सारे	ऩिरे	गम॑	पध
पम॑	गरे	ऩिरे	सारे	ऩिरे	गम॑	पध	निध	पम॑	गरे
ऩिरे	सारे	ऩिरे	गम॑	पध	निसां	निध	पम॑	गरे	सारे
ऩिरे	ऽग	ऽम॑	प	नि	पम॑	गरे	सारे	ऩिरे	ऽग
ऽम॑	पऽ	नि	पम॑	गरे	सारे	ऩिरे	ऽग	ऽम॑	पऽ
६—सां	निध	ऽध	निरें	मं	गं	रें	सां	सां	निध
ऽसां	निध	प	प	म॑ग	ऽम॑	ग	म॑ग	निध	म॑ग
रेसा	सांनि	ध	पम॑	पग	*म॑प	नि	रेंसां	सांनि	ध
पम॑	पग	*म॑प	नि	रेंसां	सांनि	ध	पम॑	पग	*म॑प

(७) गंरें	सांगं	रेंसां	रेंसां	निरें	सांनि	सांनि	निसां	निध	निध
पनि	धप	गंरें	सांगं	रेंसां	रेंसां	निरें	सांनि	सांनि	धसां
निध	निध	पनि	धम॑	गंरें	सांरें	सांनि	सांनि	धनि	धप
गंरें	सांरें	सांनि	सांनि	धनि	धप	धप	म॑प	म॑ग	म॑ग
रेंग	रेंसा	रेंसां	नि	धम॑	पग	म॑प	ऽप	नि	ऽ
धम॑	पग	म॑प	ऽप	नि	ऽ	धम॑	पग	म॑प	ऽप

झाला (चौगुन में भी बजायें)

पग	म॑प	धनि	सांनि	सांसां	निनि	सांसां	सांनि	सांध	सांसां
निरें	गंरें	निरें	सांनि	सांसां	निध	निनि	धप	धध	पम॑
पप	निसां	निध	पम॑	पप	म॑ग	गग	गग	गग	गग
पम॑	गरे	नि़रे	सानि़	सासा	सानि़	नि़नि़	रेसा	सासा	गरे
रेरे	म॑ग	गग	पम॑	म॑म॑	धप	पप	निध	सांसां	सांसां
निध	सांसां	निध	निनि	निनि	निध	निध	धप	पप	पप
धप	धप	पम॑	पप	पप	पम॑	पप	म॑ग	म॑ग	म॑म॑
गरे	गग	रेसा	नि़रे	सासा	सारे	नि़रे	गम॑	पध	निसां
रेंसां	नि	धम॑	पग	ऽम॑	नि	रेंसां	नि	धम॑	पग
ऽम॑	नि	नि	रेंसां	नि	धम॑	पग	ऽम॑	नि	नि

(९) गत राग यमन, त्रिताल [मध्यलय]

स्थाई—

३				×				२				०			
नि़	रे	ग	म॑	प	म॑	ग	रे	ग	म॑	प	म॑	ग	रे	सा	रे

अन्तरा—

नि़	रे	ग	म॑	प	म॑	ग	रे	ग	म॑	प	ध	नि	सां	रें	सां
नि	ध	प	म॑	ग	म॑	प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म॑	ग	रे

तोड़ा—

(१) नि़ रे ग मं	सारे गमं पध निसं	निध पमं गरे साऽ	ग रे सा रे
(२) नि़ रे ग मं	सारे गमं रेग मंप	गमं पध मंप धनि	ग रे सा रे
(३) नि़ रे ग मं	संनि धप निध पमं	धप मंग पमं गरे	ग रे सा रे
(४) नि़ रे ग मं	सारे सारे सारे गग	रेग रेग रेग मंमं	गमं गमं गमं पप
मंप मंप मंप धध	सारे सारे सारे गग	रेग रेग रेग मंमं	गमं गमं गमं पप
मंप मंप मंप धध	सारे गग रेग मंमं	गमं पप मंप धध	सारे गग रेग मंमं
गमं पप मंप धध	सारे गमं पध निसं	निध पमं गरे साऽ	नि़रे गमं पऽ नि़रे
गमं पऽ नि़रे गमं	प मं ग रे	ग मं प मं	ग रे सा रे
(५) नि़ रे ग मं	सानि धप धनि संरें	निध पमं पध निसं	धप मंग मंप धनि
पमं गरे गमं पध	निसं निध पमं गरे	ऽसा नि़रे गमं पऽ	नि़रे गमं पऽ पऽ
नि़रे गमं पऽ पऽ	प मं ग रे	ग मं प मं	ग रे सा रे

झाला (चौगुन में भी बजायें)

नि़ रे ग मं	संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं
संनि संसं संध संसं	संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं

संनि संसं संध संसं	संनि संसं निध निनि	धप धध पमं पप	संनि संसं निध निनि
धप धध पमं पप	संनि धप मंग रेसा	नि़रे गमं पध नि़सं	ऽसा गमं प ऽसा
गमं ऽसा गमं	प मं ग रे	ग मं प मं	ग रे सा रे

(१०) गत राग यमन, त्रिताल (विलंबित)

स्थाई—

×				२				०				३			
											गग	रे	नि़नि़	सा	रे
ग	ग	ग	रेरे	ग	म॑म॑	प	म॑	ग	रे	सा	गग	रे	नि़नि़	सा	रे

जोड़—

ग	ग	ग	रेरे	ग	म॑म॑	प	म॑	ग	रे	सा	गग	रे	नि़नि़	सा	रे
ध़	नि़नि़	सा	रे	ग	म॑म॑	प	म॑	ग	रे	सा	गग	रे	नि़नि़	सा	रे

अन्तरा—

प	ग	प	धध	सां	निनि	रें	सां	गं	रें	सां	निनि	ध	पप	ग	म॑
प	धध	प	म॑	ग	म॑म॑	प	म॑	ग	रे	सा	गग	रे	नि़नि़	सा	रे

तोड़ा—

१—साऽरेरे गम॑ पध निध	पऽम॑म॑ गरे गरे साऽ	पऽधध पम॑ गरे गग	रे	नि़नि़	सा	रे
२—साऽरेरे गम॑ पध निरें	गंऽरेंरें सांनि धप म॑ग	रेग रेसा ऽरे गग	रे	नि़नि़	सा	रे
३—पऽधध निरें गंरें सांनि	धऽपप म॑ग रेग रेसा	ऽग रेसा ऽरे गग	रे	नि़नि़	सा	रे

४—सारेगग	रेगम॑म॑	गम॑पप	म॑पधध	सारेगग	रेगम॑म॑	गम॑पप	म॑पधध
सारेगम॑	पधनिसां	सांनिधप	म॑गरेसा	पधपम॑	गरेगग	नि़नि़	सारे

५— ग	ग	ग	रेरे	ग	म॑म॑	प	म॑
सारेगम॑	पधरेग	म॑पधनि	गम॑पध	ऽपऽम॑	गरेगग	रेऽनि़नि़	सारे
६— सारे	सारे	सारे	गगगग	रेग	रेग	रेग	म॑म॑म॑म॑
गम॑	गम॑	गम॑	पपपप	म॑प	म॑प	म॑प	धधधध

सारे	सारे	सारे	गगगग	रेग	रेग	रेग	मंमंमंमं
गमं	गमं	गमं	पपपप	मंप	मंप	मंप	धधधध
सारे	गगगग	रेग	मंमंमंमं	गमं	पपपप	मंप	धधधध
सारे	गगगग	रेग	मंमंमंमं	गमं	पपपप	मंप	धधधध
साऽरेरे	गमं	पध	निसां	निऽधध	पमं	गरे	सानि॒
ध॒नि॒	सारे	गऽ	ध॒नि॒	सारे	गऽ	ध॒नि॒	सारे

सांनिसांसां	सांसांसांसां	निधनिनि	निनिनिनि	धपधध	धधधध	पमंपप	पपपप
सांनिसांसां	सांसांसांसां	निधनिनि	निनिनिनि	धधधध	धधधध	पमंपप	पपपप
सांनिसांसां	निधनिनि	धपधध	पमंपप	सांनिसांसां	निधनिनि	धपधध	पमंपप
ध॒ऽनि॒नि॒	सारे	गऽ	ध॒ऽनि॒नि॒	सारे	गऽ	ध॒ऽनि॒नि॒	सारे

———

(३) राग खमाज

खमाज राग खमाज थाट से पैदा होता है, इस राग के आरोह में शुद्ध नि तथा अवरोह में कोमल नि॒ का प्रयोग होता है। शेष सभी स्वर शुद्ध लगते हैं, आरोह में रे स्वर वर्जित है, प और ध स्वर भी आरोह में दुर्बल हैं, वादी स्वर ग है, तथा संवादी स्वर नि है, रात के दूसरे प्रहर का राग है, स्वभाव चंचल है।

आरोह:—सा ऽ ग म ऽ प ऽ ध नि सां ऽ।

अवरोह:—सां नि॒ ध प ऽ म ग ऽ रे सा।

पकड़:—नि॒ ध ऽ म प ध ऽ म ग ऽ।

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

ग	ऽ	सा	ग	म	प	ऽ	ध	ध	ऽ	म	प	ध	ऽ	म	ग
ऽ	सां	ऽ	नि॒	ध	ऽ	म	ग	म	प	ग	म	ग	ऽ	म	ग
रे	सा	ऽ	ग	म	ध	ऽ	म	ध	नि	सां	ऽ	नि	सां	रें	नि
सां	गं	मं	गं	सां	ऽ	नि॒	ध	म	प	ध	ऽ	म	ग	ऽ	ऽ

(४) गत राग खमाज, त्रिताल (द्रुतलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
											नि॒	ध	म	ऽ	प
सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	ऽ	सा	ग	म	नि॒	ध	म	ऽ	प

अन्तरा—

ग	म	ध	नि	सां	ऽ	नि	सां	रें	नि	सां	ध	नि॒	ध	प	ध

तोड़ा—

१—सां ऽ नि॒ ध	प म ग ऽ	* गम पध निसां	नि॒ध पम गरे साऽ
२—सां ऽ नि॒ ध	प म ग ऽ	* पनि सांगं ऽरें	सांनि॒ धप मप रेसा
३—साग मप गम नि॒ध	पम गम पध निसां	नि॒ध पम गम पनि	सांगं ऽरेंग सांनि॒ ध
ऽनि॒ धप मग रेसा	ऽग मनि॒ धम ऽप	सांऽ मनि॒ धम ऽप	संऽ मनि॒ धम ऽप

४—गंमं गंरें संनि संरें	संनि धप मग रेस	निसा गम पध निसं	संऽ निसं ऽसं निसं
संऽ गम पध निसं	संऽ निसं सं निसां	संऽ गम पध निसं	संऽ निसं ऽसं निसं
५—गम ऽध पम गम	पध ऽनि धप गम	पध ऽरें सांनि धनि	धप धप मप मग
मग रेग रेसा ऽग	मनि धम ऽप संऽ	धम ऽप संऽ संऽ	धम ऽप संऽ संऽ

झाला (चौगुन में भी बजाइये)

गम धनि संनि संसं	पनि संरें निध पम	गम पध निसं रेंसं	निध पम गरे सानि
ऽनि सासा निनि सासा	गग मम गग मम	पप निनि संसं रेंरें	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं
संप संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	संम संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं
संप संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	संम संसं संसं संसं	सासा सासं संमं संमं
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि सांसां निध निनि	धप धध मप पप
संनि धप मनि मग	धम ऽप संऽ मग	मनि धम ऽप संऽ	मग मनि धम ऽप

(१२) गत राग खमाज, त्रिताल (विलम्बित लय)

स्थाई—

×				२				०				३			
											सासा	ग	मम	प	ध
सं	नि	सं	निनि	ध	मम	प	ध	म	ग		ग सासा	ग	मम	प	ध

अन्तरा—

सं	नि	सं	निनि	ध	मम	प	ध	म	ग	ग	निनि	नि	निनि	सां	प
ध	संसं	नि	ध	ध	मम	प	ध	म	ग		गसासा	ग	मम	प	ध

तोड़ा—

(१)निऽसासा गम पध निसं	निऽधध पम गरे साऽ	पऽधध पम गरे सासा	ग मम प ध

(२)	गंऽगंरें	सांनि॒रेंऽ	रेंसांनि॒ध	सांऽसांनि॒	धपनि॒ऽ	नि॒धपम	धऽधप	मगपऽ
	पमगरे	मऽमग	रेसागऽ	गरेसासा	गऽमम	पध	सांऽ	धऽधप
	मगपऽ	पमगरे	मऽमग	रेसागऽ	गरेसासा	गऽमम	पध	सांऽ
	धऽधप	मगपऽ	पमगरे	मऽमग	रेसागऽ	गरेसासा	गऽमम	पध

(३)	निऽसांसां गंरें सांनि॒ धनि॒	रेंऽसांसां नि॒ध पध सांनि॒	धऽपप मप नि॒ध पम	गऽ मम धप मगरेग
	पऽमम गरे नि़सा गम	पध निसां नि॒ऽधध पम	गरे मऽमग ऽरे सासा	गऽ मम गऽमम पध

(४)	गऽमम पध निसां ऽसां	नि॒ऽधध पम गरे साऽ	पऽमम गम नि॒ऽधध पध	रेंऽसांसां निसां गंऽमंमं पंमं
	गंरें सांनि॒ धप मग	ऽऽमम पध सांऽ धप	मग ऽऽमम पध सांऽ	धप मग ऽऽमम पध

(५)	नि॒ध नि॒ध मध निसां	रेंरें सांसां गंगं रेंसां	ऽरें सांनि॒ धप मप	धम गम पध सांऽ
	सांनि॒ धप मप धम	गम पध सांऽ सांऽ	सांनि॒ धप मप धम	गम पध सांऽ सांऽ

झाला चौगुन में बजाने में बहुत सुन्दर लगेगा ।

नि़सा सासा सांसां सांसां	सांसा सांसां सांसां सांसां	ग मम सांसां मसां	सांम सांम सांसां मसां
प धध सांसां धसां	सांध सांध सांसां धसां	नि सांसां सांसा सांसां	सांसां सासां सांसां सांसां
नि़ऽ सासा सांसां सांसां	सांसा सांसा सांसां सांसां	ग मम सांसां मसा	सांम सांम सांसां मसां
प धध सांसां धसां	सांध सांध सांसां धसां	नि सांसां सांसां सांसां	सांसां सांसा सांसां सांसां
निसां सांसां सांसां गसां	सांम सांसां धसां सांनि॒	सांसां निसां सांनि सांसां	निसां सांसां सांसां गसां
सांम सांसां धसां सांनि	सांसां निसां सांनि सांसां	सांनि सांसां निध नि॒नि॒	धप धध पम पप
सांनि॒ सांनि॒ सांसां नि॒ध	नि॒ध नि॒नि॒ धप धप	धध पम पम पप	सांनि॒ सांनि॒ सांसां नि॒ध
नि॒ध नि॒नि॒ धप धप	धध पम पम पप	सांनि॒ सांसां नि॒ध नि॒नि॒	धप धध पम पप
सांसां सांसां निनि निनि	सांसां सांसां नि॒नि॒ नि॒नि॒	धध धध मम मम	पप पप धध धध
मम मम गग गग	गग गग सासा सासां	गग गग मम मम	पप पप धध धध
सांसां सांसां निनि सांसां	गग गग मम मम	मम मम पप पप	धध धध सांसां सांसां
नि नि सां सां	गग गग मम मम	पप पप धध धध	सांसां सांसां नि नि

आलाप राग खमाज (चौगुन में बजाइये)

(१)	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
	म	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
(२)	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
(३)	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ
	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	गं	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ
	ध	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ
	नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ
	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	म
	ग	ऽ	ऽ	रे	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(१३) गत राग खमाज, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
नि़	सा	ग	ऽ	ग	म	ध	नि	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग

जोड़—

ऽ	सां	नि	सां	ध	नि॒	प	ध	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग

अन्तरा—

ऽ	म	ध	नि	सां	ऽ	सां	ऽ	सां	गं	मं	गं	नि	नि	सां	ऽ
ऽ	रें	नि	सां	ध	नि॒	प	ध	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग

गत सम्बन्धित आलाप—

(१) ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध
ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ
ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ
ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	म	ग	म
प	ध	नि	सां	नि॒	ध	ऽ	म	प	ध	ऽ	म	ग	ऽ	ऽ	म
ग	रे	सा	रे	नि़	सा	ग	म	प	ध	नि	सां	नि॒	ध	ग	म
ग	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	प	ध	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग

(२) गम	पध	नि	ऽ	नि	सां	ऽ	नि॒	प	ध	ग	म	प	ध	नि॒	ध
ऽ	म	ग	ऽ	ऽ	म	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	ग	म	प	ध
नि	सां	नि॒	ध	ग	म	ध	म	ग	ऽ	नि॒	ध	प	ग	म	ग
ऽ	रे	सा	नि़	सा	ग	म	प	ऽ	नि॒	ध	प	ऽ	सां	ऽ	नि॒
ध	प	ग	म	ग	रे	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ
ग	म	प	ध	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	म	प	ध
नि	सां	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	ध	नि	सां
ऽ	रें	नि	सां	ध	नि॒	प	ध	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग

(३)	ग	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	सां	ऽ
	नि	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ
	गं	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ
	नि॒	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	म
	प	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ
	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	म
	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	ग	म	प	ध	नि	सां	नि॒	ध	ग	म
	ग	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	प	ध	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग

थोड़ी लय बढ़ाकर नीचे के तोड़े बजाना चाहिये ।

(१)	नि़सा गम पध निसां	नि॒ध पम गरे साऽ	सां नि॒ ध सांनि॒	धम पम मग ऽग

(२)	गम पध निसां नि॒ध	पम गम पध निसां	रेंसां निसां नि॒ध ऽनि॒	धम पध मग ऽग

(३)	नि़सा गम पम गम	पध पम गम पध	नि॒ध पम गम पध	निसां नि॒ध पम गम
	पध निसां रेंसां निसां	गंमं पंमं गंरें सांनि॒	धप मग रेसा नि़सा	गम पध निसां नि॒ध
	ऽम पध मग ऽग	निऽ सांनि॒ धप मग	रेसा नि़सा गम पध	निसां नि॒ध ऽम पध
	मग ऽग निऽ सांनि॒	धप मग रेसा नि़सा	गम पध निसां नि॒ध	ऽम पध मग ऽग

(४)	गंऽ गंरें सांनि रेंऽ	रेंसां नि॒ध सांऽ सांनि॒	धप नि॒ऽ नि॒ध पम	धऽ धप मग पऽ
	पम गरे मऽ मग	रेसा ऽग नि़सा गम	ऽप गम ऽध गम	धनि ऽसां मंगं रेंसां
	ऽनि॒ धप मप धम	गम पध निसां नि॒ध	ऽम पध मग ऽग	नि॒ऽ धम गम पध
	निसां नि॒ध ऽम पध	मग ऽग नि॒ऽ धम	गम पध निसां नि॒ध	ऽम पध मग ऽग

(५)	साग ऽग मप ऽग	मग ऽप धऽ गम	गऽ मध ऽप धम	गनि॒ धप मग ऽग
	मप ऽम गरे साऽ	ऽरे नि़सा गम पध	निसां नि॒ध ऽनि॒ ऽनि॒	धम पध मग ऽग

(६)	सासा सासा नि़नि़ सासा	सासा गग मम गग	गग सासा गग मम	गग गग सासा गग
	मम पप मम गग	गग पप मम गग	रेंरें सासा गम पध	निसां नि॒ध ऽनि॒ ऽनि॒

धम पध मग ऽग	नि़ऽ गग रेरे सासा	गम पध निसां निध	ऽनि ऽनि धम पध
मग ऽग नि़ऽ गग	रेरे सासा गम पध	निसां निध ऽनि ऽनि	धम पध मग ऽग

(७)	गमप	धनिसां	गमप	मपध	पधनि	धनिसां	निधप	धपम
	पमग	मगरे	गरेसा	गगम	पधसां	निधम	पधम	गऽग
	निऽ	मगरे	गरेसा	गगम	पधसां	निधम	पधम	गऽग
	निऽ	मगरे	गरेसा	गगम	पधसां	निधम	पधम	गऽग

(८)	सांनि सांसां पम गम	पध सांनि सांसां निध	पम गम पध सांनि	सांसां पम गम पध
	सांनि सांसां निध निनि	धप धध पम पप	सांनि सांसां निध निनि	धप धध पम पप
	सांनि ऽसां निध ऽनि	धप ऽध पम ऽप	सांनि ऽसां निध ऽनि	धप ऽध पम ऽप
	सांनि सांऽ निध निऽ	धप धऽ पम पऽ	सांनि सांऽ निध निऽ	धप धऽ पम पऽ
	सांनि धप मग रेसा	निसां गम पनि सांरें	सांनि सांनि धनि धप	धप मप मग मग
	रेग रेसा गम पध	निसां निध ऽनि ऽनि	धम पध मग ऽग	निऽ धप धप मप
	मग मग रेग रेसा	गम पध निसां निध	ऽनि ऽनि धम पध	मग ऽग निऽ धप
	धप मप मग मग	रेग रेसा गम पध	निसां निध ऽनि ऽनि	धप पध मग ऽग

(९)	साग मप मग मप	निध पम गम पध	निसां निध पम गम	पध निसां रेंसां निध
	पम गम पध निसां	निध पम गरे साऽ	मप धसां निध ऽनि	धम पध मग ऽग

(१०)	निनिनि	धधध	निनिनि	धधध	ममम	धधध	निनिनि	सांसांसां
	रेंरेंरें	सांसांसां	गंगंगं	रेंरेंरें	सांसांसां	रेंरेंरें	सांसांसां	निनिनि
	धधध	पपप	ममम	पपप	धधध	ममम	गगग	ममम
	प	ध	सां	नि	ध	म	पध	सांनि

धम पध मग ऽग	नि़ऽ ममम प ध	सां नि ध म	पध सांनि धम पध
मग ऽग नि़ऽ ममम	प ध सां नि	ध म पध सांनि	धम पध मग ऽग

झाला १ चौगुन में बजायें

गम पध निसां निसां	ऽसां निध निसां ऽसां	निध रेंसां निसां ऽसां	निध सांसां सांनि सांसां
सांनि सांसां सांसां सांसां	निध सांसां सांसां सांसां	धप सांसां सांसां सांसां	सांनि सांसां निध सांसां

संनि संसं संसं संसं	निध संसं संसं संसं	धप संसं संसं संसं	संनि संसं निध संसं
संनि निनि निसं संसं	संनि निनि निसं संसं	संध धध धसं संसं	संप पप पसं संसं
संनि निनि निसं संसं	संनि निनि निसं संसं	संध धध धसं धसं	संप पप पसं संसं
गंगं गंगं गंरें संनि	संसं संसं संनि धप	निनि निनि निध पम	धध धध प मग
गंगं गंगं गंरें संनि	संसं संसं संनि धप	निनि निनि निध पम	धध धध धप मग
गंगं गंरें संनि संसं	संनि धप निनि निध	पम धध धप मग	गंगं गंरें संनि संसं
संनि धप निनि निध	पम धध धप मग	गंरें संनि संसं धप	निनि निध पम धप
मग ऽम प ध	निसं ऽनि धम पम	मग ऽग निऽ गंरें	संनि संसं धप निनि
निध पम धप गम	ऽम प ध निसं	ऽनि धम पध मग	ऽग नि़ऽ गंरें संनि
संसं धप निनि निध	पम धप मग ऽम	प ध निसं ऽनि	धम पध मग ऽग

झाला–२ (चौगुन में भी बजायें)

नि़नि़ सस गग गग	गग मम पप धध	संसं निनि धध मम	पप धध मम गग
नि़नि़ सस गग गग	गग मम पप धध	संसं निनि धध मम	पप धध मम गग
गग संसं निनि संसं	धध निनि पप धध	संसं निनि धध मम	पप धध मम गग
गग मम धध निनि	संसं संसं संसं संसं	संसं गंगं मंमं गंगं	निनि निनि संसं संसं
संसं रेंरें निनि संसं	धध निनि पप धध	संसं निनि धध मम	पप धध मम गग
नि़स नि़स गऽ गम	पध संनि धम पध	मग ऽग निऽ मग	ऽग नि़ऽ मग ऽग
नि़ स ग ऽ	ग म प ध	संनि नि़स गऽ गम	पध संनि धम पध
मग ऽसं निसं धनि	पध संनि धम पध	मग धम पध मग	धम पध मग ऽग
नि़ऽ सऽ गऽ ऽऽ	नि़सं गऽ गम पध	संनि धम पध मग	ऽम धनि संऽ संऽ
संगं मंगं निनि संऽ	ऽरें निसं धनि पध	संनि धम पध मग	ऽग नि़ऽ नि़सं धनि
पध संनि धम पध	मग ऽग नि़ ऽरें	निसं धनि पध संनि	धम पध मग ऽग

(१४) गत राग खमाज, झपताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		२			०		३		
नि़	सा	ग	ऽ	ग	म	प	म	ग	म
नि॒	ध	म	ऽ	प	ध	म	ग	ऽ	ग

अन्तरा—

ग	म	ध	ऽ	नि	सां	नि	सां	सां	सां
सां	गं	मं	मं	गं	नि	नि	सां	सां	नि
सां	रें	नि	नि	सां	ध	नि॒	प	ध	नि
सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग	ऽ	ग

गत संबंधित आलाप १

सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ
ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	म	ग	म
नि॒	ध	म	ऽ	प	ध	म	ग	ऽ	ग

गत संबंधित आलाप २

नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ

ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	म	प	म	ग	म
नि॒	ध	म	ऽ	प	ध	म	ग	ऽ	ग

गत संबंधित आलाप ३

ग	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ
नि	ऽ	सां	ऽ	रें	नि	सां	नि॒	ध	म
ग	म	प	ध	सां	नि॒	ध	म	ऽ	म
ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	ग	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ध	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ
ध़	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	म	ग	म
नि॒	ध	म	ऽ	प	ध	म	ग	ऽ	ग

तोड़ा—

(१) नि़	सा	ग	ऽ	ग	गम	पध	नि॒ध	पम	गरें

(२)	नि़	सा	ग	ऽ	ग	पध	निसां	नि॒ध	पम	गरे
(३)	नि़	सा	ग	ऽ	ग	मध	पनि॒	धप	मग	रेसा
(४)	मंगं	रेंसां	ऽरें	सांनि॒	धप	मप	सांनि॒	धप	मग	रेसा
(५)	नि़सा	गम	ऽप	गम	ऽध	गम	धनि	ऽसां	नि॒ध	मग
	ऽम	पनि	सांरें	सांनि॒	धप	धम	धम	पध	मग	ऽग
(६)	साऽ	नि़सा	ऽग	मग	ऽसा	गम	गऽ	साग	मप	मग
	ऽप	मग	रेसा	धनि॒	पध	सांनि॒	धम	पध	मग	ऽग
(७)	गंगं	रेंसां	नि॒ध	पध	सांनि॒	धप	मग	रेसा	नि़सा	गम
	पध	निसां	रेंऽ	नि॒ध	ऽम	पध	मग	ऽग	नि़	नि़सा
	गम	पध	निसां	रेंऽ	नि॒ध	ऽम	पध	मग	ऽग	नि़
	नि़सा	गम	पध	निसां	रेंऽ	नि॒ध	ऽम	पध	मग	ऽग
(८)	गम	पध	निसां	ऽसां	नि॒ध	पम	गरे	ऽप	मग	ऽध
	पम	ऽनि॒	धप	ऽसां	नि॒ध	पम	गरे	पध	मग	ऽग
(९)	नि़सा	गम	पम	गम	पध	निसां	नि॒ध	पम	गम	पध
	नि॒ध	पम	गम	पध	निसां	गंमं	गंरें	सांनि॒	धप	मग
	रेसा	ऽसा	ग	म	प	ध	नि	पध	निसां	ऽनि॒
	धम	पध	मग	ऽग	नि़	मग	ऽग	नि़	मग	ऽग
(१०)	नि़सा	पम	पम	गम	धप	मप	नि॒ध	नि॒ध	पध	सांनि॒
	धनि॒	रेंसां	निसां	ऽनि॒	धप	मप	सांनि॒	धप	मग	रेसा
	ऽम	पध	मग	ऽग	नि़	धप	मग	रेसा	ऽम	पध
	मग	गऽ	नि़	धप	मग	रेसा	ऽम	पध	मग	ऽग

झाला—(गत की लय बढ़ा कर झाला बजाइये)

गम	धऽ	निसां	निसां	ऽसां	रेंसां	निसां	नि॒ध	नि॒सां	सांसां
सांनि	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒नि॒
धप	धध	धप	धध	धध	पम	पप	पम	पप	पप
सांनि	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒नि॒
धप	धध	धप	धध	धध	पम	पप	पम	पप	पप
सांनि	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒नि॒	धप	धध	पम	पप	पप
सांनि	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒नि॒	धप	धध	पम	पप	पप
सांनि	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	धप	धध	पम	पप	सांनि	सांसां
नि॒ध	नि॒नि॒	धप	धध	पम	पप	सांनि॒	धप	मग	रेसा
ऽसा	सासा	नि़सा	ऽसा	सासा	नि़सा	गसा	नि़मा	नि़सा	सासा
ऽसा	सासा	नि़सा	ऽसा	सासा	नि़सा	गसा	नि़सा	नि़सा	सासा
नि़सा	सानि़	गम	मग	पम	मप	गरे	रेग	सानि़	नि़सा
नि़सा	सानि़	गम	मग	पम	मप	गरे	रेग	सानि़	नि़सा
नि़सा	गसा	साग	मग	गम	पम	पध	धप	धनि॒	नि॒ध
नि़सा	गसा	साग	मग	गम	पम	पध	धप	धनि॒	नि॒ध
सांनि॒	धप	मग	रेसा	गम	पध	निसां	नि॒ध	नि॒सां	सांसां
पसां	सांसां	मसां	सांसां	सांनि॒	धप	मग	रेसा	मग	ऽग
नि़नि़	सासा	गग	गग	गग	मम	पप	मम	गग	मम
नि॒नि॒	धध	मम	मम	पप	धध	मम	गग	गग	गग
नि़नि़	सासा	गग	गग	गग	मम	पप	मम	गग	मम
नि॒नि॒	धध	मम	मम	पप	धध	मम	गग	गग	गग
गग	मम	धध	धध	निनि	सांसां	निनि	सांसां	सांसां	सांसां
सांसां	गंगं	मंमं	मंमं	गंगं	निनि	निनि	सांसां	सांसां	निनि

सांसां	रेंरें	निनि	निनि	सांसां	धध	नि॒नि॒	पप	पप	धध
सांसां	नि॒नि॒	धध	मम	पप	धध	मम	गग	गग	गग
सा	ग	साग	मप	ऽनि॒	धऽ	मप	ऽग	मग	ऽम
पग	मग	ऽनि॒	धप	गम	गरे	साऽ	ऽम	गम	नि॒ध
मऽ	ऽप	धम	गऽ	ऽग	धनि	सांनि॒	धप	मग	रेसा
ऽप	मग	रेसा	धनि॒	पध	सांनि॒	धम	पध	मग	ऽग
नि़सा	गऽ	गम	पम	गम	नि॒ध	मऽ	पध	मग	ऽग
गम	धऽ	निसां	निसां	सांसां	सांगं	मंमं	गंनि॒	निसां	सांनि॒
सांरें	निनि	सांध	नि॒ध	पध	सांनि॒	धम	पध	मग	ऽग
नि़	धम	पध	मग	ऽग	नि़	धम	पध	मग	ऽग

(१५) गत राग खमाज, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

०				३				×				२			
प	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग	ऽ	प	म	ग	रे	ग	म

जोड़—

प	सां	नि॒	ध	म	प	ध	म	ग	ऽ	प	म	ग	रे	सा	रे
नि़	सा	ग	म	प	ध	नि	सां	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	म

अन्तरा—

ग	म	ध	नि	सां	नि	सां	ऽ	प	नि	सां	रें	नि	सां	नि॒	ध
गं	मं	गं	रें	सां	नि॒	प	ध	सां	ऽ	प	म	ग	रे	ग	म

तोड़ा—

(१) प सां त्रि ध	म प ध म	नि़सा गम पनि सांरें	सांत्रि धप मग रेसा
(२) प सां त्रि ध	सांत्रि सांत्रि धम मप	त्रिध त्रिध पम गम	पध निसां त्रिध पम
गरे साऽ ऽत्रि ध	म त्रिध मप धम	ग ऽ प म	ग रे ग म
(३) प सां त्रि ध	म प ध म	गम पऽ त्रिध ऽम	पऽ गम गरे गम
(४) प सां त्रि ध	गम पनि सांऽ निसां	ऽनि सांरें निसां त्रिध	पम गम गरे गम
(५) धग मग ऽग मध	ऽसां त्रिध ऽरें सांत्रि	ध त्रि पग मग	ऽम गम गरे गम
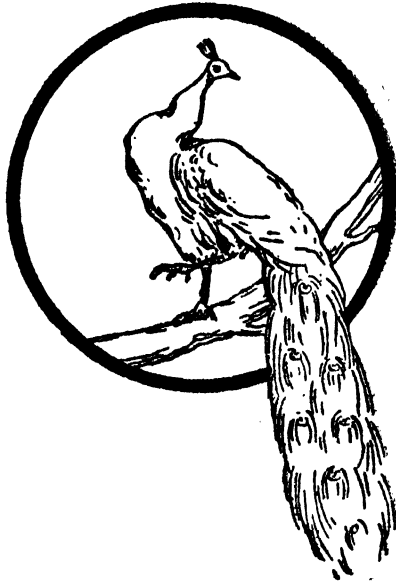
(४) राग भैरव

भैरव राग भैरव थाट से पैदा होता है, इस राग में रे तथा ध स्वर कोमल लगते हैं, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। आरोह में रे स्वर दुर्बल है। वादी स्वर ध तथा सम्वादी स्वर रे है, यह प्रातःकाल का राग है, इसका स्वभाव गम्भीर है।

आरोह—सा रे ग म ऽ प ध ऽ नी सां।
अवरोह—सां नी ध ऽ प ऽ म ग ऽ रे ऽ सा।
पकड़—म ग म प ऽ ध ऽ प ऽ म ग रे ऽ सा ऽ।

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

सा	ऽ	ग	ऽ	म	प	ध	ऽ	प	ऽ	म	ग	रे	ऽ	सा	ऽ
ग	म	प	ऽ	म	ग	रे	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
नि	ध	ऽ	प	सा	ऽ	प	म	ग	रे	ऽ	म	प	ऽ	ध	ऽ
सां	ऽ	रें	सां	ध	ऽ	पं	मं	गं	रें	सां	ऽ	नि	ध	प	ऽ
म	प	ध	प	ऽ	सा	ऽ	म	प	म	ग	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ

[१६] गत राग भैरव, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
								रे	सा	म	ग	म	प	ऽ	प
ध	ऽ	प	ध	म	प	म	ग	रे	सा	म	ग	म	प	ऽ	प

अन्तरा—

ध	ऽ	प	ध	म	प	म	ग	रे	सा	नि	सा	ग	म	प	ध
नि	सां	रें	सां	नि	ध	प	म	ग	म	प	ध	सां	नि	ध	प
ऽ	ध	प	ध	म	प	म	ग	रे	सा	म	ग	म	प	ऽ	प

तोड़ा—

१—सारे गम पध निसां	निध पम गरे साऽ	म ग मप मग	रेसा मग मप ऽप

२—पधु निसं निधु पम	गम पधु पम गरे	सा ग मप मग	रेसा मग मप ऽप
३—गम पधु निसं रेंसं	निधु पम गरे साऽ	गऽ मऽ गऽ ऽग	रेसा मग मप ऽप
४—संरें निसं धुनि पधु	मप गम रेग सारे	ऽम गऽ मप मग	रेसा मग मप ऽप
५—निसा गम पम गम	पधु पम गम पधु	निधु पम गम पधु	निसं निधु पम गम
पधु निसं रेंसं निधु	पम गरे साऽ ऽम	गम पधु संनि धुप	ऽधु पधु मप मग
रेसा मग मप ऽप	धुऽ ऽम गम पधु	संनि धुप ऽधु पधु	मप मग रेसा मग
मप ऽप धुऽ ऽम	गम पधु संनि धुप	ऽधु पधु मप मग	रेसा मग मप ऽप

झाला (खाली से चौगुन में बजायें)

संनि संसं संसं संसं	संधु संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संम संसं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संधु संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संम संसं संसं संसं
संनि संसं संधु संसं	संप संसं संम संसं	संनि संसं संधु संसं	संप संसं संम संसं
संनि संसं निधु निनि	धुप धुधु पम पप	संनि संसं निधु निनि	धुप धुधु पम पप
ऽधु पंमं गंरें संनि	धुप मग रेसा मग	मप ऽप संऽ मप	ऽप निऽ मप ऽप

(१७) गत राग भैरव, त्रिताल [विलम्बित]

स्थाई—

×	२	०	३
		सासा	म गग म प
धु धु प मम	ग मम ग म	म रे सा सासा	म गग म प

जोड़—

धु धु प मम	ग मम ग म	म रे सा निनि	सा रेरे सा नि
धु पप प रे	सा मम ग म	म रे सा सासा	म गग म प

अन्तरा—

धु धु प मम	ग मम ग म	म रे सा धुधु	धु मम धु प
सां सां सां सांसां	रें रेंरें रें सां	नि सां सां रेंरें	सां निनि धु प
नि धुधु प म	ग मम ग म	म रे सा सासा	म गग म प

तोड़ा—

१–निऽसासा गग रेसा निसा	गऽमम पम गरे सासा	म रे सा, सासा	म गग म प
२–निऽसासा गग रेसा निसा	गऽमम पम गरे सासा	निऽसासा गग रेसा निसा	गऽमम पम गरे सासा
निऽसासा गग रेसा निसा	गऽमम पम गरे सासा	म रे सा सासा	म गग म प
३–निऽसासा गम पसां निधु	पऽमनि गरे गरे सासा	ऽम रे सा सासा	म गग म प
४–निऽसासा गम पसां निधु	पऽमम गरे गरे सासा	निऽसासा गम पसां निधु	पऽमम गरे गरे सासा
निऽसासा गम पसां निधु	पऽमम गरे गरे सासा	ऽम रे सा सासा	म गग म प
५–मग ऽम गरे ऽसा	निधु ऽप साऽ निसा	ऽप मग रेऽ रेऽ	रेसा गग म प
६–मग ऽम गरे ऽसा	निधु ऽप साऽ निसा	मग ऽम गरे ऽसा	निधु ऽप साऽ निसा
मग ऽम गरे ऽसा	निधु ऽप साऽ निसा	ऽप मग रेऽ रेऽ	रेसा गग म प
७–मग रेसा मप मग	रेसा धुप मग रेसा	धुनि धुप मग रेसा	सानि धुप मग रेसा
निसा गम पधु निसां	ऽनि निऽ धुप ऽम	गऽ ऽम रेसा ऽसा	ऽसा ऽम गऽ ऽग
ऽग मप धुऽ रेसा	ऽसा ऽसा ऽम गऽ	ऽग ऽग मप धुऽ	रेसा ऽसा ऽसा ऽम
गऽ ऽग ऽग मप	धुऽ ऽम गऽ ऽग	ऽग मप धुऽ ऽम	गऽ ऽग ऽग मप
८–निऽसासा गम पम गम	पऽधुधु पम गम पधु	निऽधुधु पम गम पधु	निऽसांसां निधु पम गम
पऽधुधु निसां गंगं रेंसां	निऽधुधु पम गरे सासा	रेसा ऽसा ऽसा ऽम	गऽ ऽग ऽग मप
ऽसा गरे सासा रेसा	ऽसा ऽसा ऽम गऽ	ऽग ऽग मप धुऽ	पम गरे सासा रेसा
ऽसा ऽसा ऽम गऽ	ऽग ऽग मप धुऽ	रेसा ऽसा ऽसा ऽम	गऽ ऽग ऽग मप

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ध	ध	प	मम	ग	मम	ग	म	ध	मप	ऽप	धप	सां	सांध	ऽसां	सांसां
रेंसां	सांसां	रेंगं	गंगं	रेंसां	सांसां	निध	धध	पम	मप	ऽप	धप	सां	सांध	ऽसां	सांसां
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांसां	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	सांनि	सांसां	सांध	सांसां
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांसां	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	सांनि	सांसां	सांध	सांसां
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	धध	धध	पम	पप	पप	पप
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	धध	धध	पम	पप	पप	पप
सांनि	सांसां	सांसां	निध	निनि	निनि	धप	धध	धध	पम	पप	पप	सांनि	सांसां	सांसां	निध
निनि	निनि	धप	धध	धध	पम	पप	पप	सांनि	सांसां	निध	निनि	धप	धध	पम	पप
सांनि	सांसां	निध	निनि	धप	धध	पम	पप	सांनि	धनि	धप	धप	मप	मग	मग	रेग
रेसा	ऽम	गऽ	ऽऽ	ऽग	मप	धऽ	निध	निनि	धप	धध	पम	पप	सांनि	धनि	धप
धप	मप	मग	मग	रेग	रेसा	ऽम	गऽ	ऽऽ	ऽग	मप	धऽ	निध	निनि	धप	धध
पम	पप	सांनि	धनि	धप	धप	मप	मग	मग	रेग	रेसा	ऽम	गऽ	ऽऽ	ऽग	मप

गत आरम्भ करने से पहले इस आलाप को बजाइये, तत्पश्चात् चौगुन कीजिये ।

(१) सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	प़	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ

प़	ऽ	ऽ	ऽ	म़	ऽ	प़	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	–	–	–	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ

(१८) गत राग भैरव, त्रिताल (मध्यलय)

×				२				०				३			
नि	ऽ	ध	प	ऽ	म	ग	रे	ग	म	ध	प	म	प	ग	म
ध	प	प	म	ग	रे	सा	ऽ	नि़	सा	ग	म	प	ध	नि	सां
नि	ध	प	म	ग	म	ग	रे	ग	म	ध	प	म	प	ग	म

अन्तरा—

ग	म	प	ध	नि	नि	सां	ऽ	ध	नि	सां	रें	सां	नि	ध	प
म	ग	म	प	ग	म	ग	रे	ग	म	ध	प	म	प	ग	म

गत संबन्धित आलाप

१—ग	रे॒	ऽ	सा	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध़॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे॒	ऽ
ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	म	ध॒	प	म	प	ग	म
२—नि़	ऽ	सा	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ
ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	रे॒	ऽ	रे॒	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
रे॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ध॒	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
म	ऽ	रे॒	ऽ	सा	ऽ	ग	रे॒	ग	म	ध॒	प	म	प	ग	म
३—म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	रें॒	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	रें॒	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ	म	प	ग	म

तोड़ा—

१—नि	ऽ	ध॒	प	ऽ	म	ग	रे॒	साध॒	पध॒	मप	मग	रे॒ग	मप	मग	ऽम
२—नि	ऽ	ध॒	प	ऽ	म	ग	रे॒	सारे॒	गम	पध॒	निसां	निध॒	पम	गरे॒	साऽ

३—साग ऽम पऽ धऽ	पऽ मप ऽम गरे	गम पम गरे ऽरे	साऽ मप मग ऽम
४—निसा गग रेसा निसा	गम पम गरे सासा	निसा गम पध निसं	निध पम गरे गम
५—गम पध निसं रेंसं	निध पम गरे सासा	गंगं रेंगं गंरें सांनि	धप मग रेसा निसा
गम पध निसं गम	पम गरे गम पध	निसं ऽसं निध पम	ऽग मप मग ऽम
६—पध निसं निध पम	गरे सारे मग रेग	पम गम धप मप	निध पध संनि धनि
रेंसं निसं निध पध	पम गम गरे सारे	गम पध निऽ गम	पध निऽ गम पध
७—सारे गरे गम गम	पम पध पध निध	निसं सारे गरे गम	पम पध निध निसं
निध निध पम धप	धप मग मग मग	रेसा ऽरे गरे गम	पम पध निध निसं
रेंसं रेंगं रेंसं निध	पम गरे गम पम	गरे ऽरे साऽ मप	मग ऽम नि गम
पम गरे ऽरे साऽ	मप मग ऽम निऽ	गम पम गरे ऽरे	साऽ मप मग ऽम

८—गगग ममम पपप धधध	निनिनि संसंसा गंगंगं रेंरेंरें	संसंसं निनिनि धधध निनिनि
संसंसं रेंरेंरें संसंसं निनिनि	धधध पपप ममम गगग	रेरेरे सासासा निसाग मपध
गमप धनिसं धनिसं रेंगंरें	संनिध निसंरें संनिध पमग	मगम गरेसा निसाग मपध
निऽ पमग मगम गरेसा	निसाग मपध निऽ पमग	मगम गरेसा निसाग मपध

९—गम पम पध निध	निसं निसं गंसं गंरें	गंरें संरें संनि संनि	धनि धनि धनि संनि
संरें संरें संरें संनि	संनि धनि धप धप	मप मग मग रेग	रेसा ऽरे साऽ मप
संरें संरें संरें संनि	संनि धनि धप धप	मप मग मग रेग	रेसा ऽरे साऽ मप
मग ऽम नि रेंसं	ऽरे साऽ मप मग	ऽम नि रेसा ऽरे	साऽ मप मग ऽम
१०—सारे गम ऽप धऽ	निसं ऽनि धऽ पऽ	मग ऽरे रेसा गऽ	मप ऽध धम मग
रेऽ साऽ गम पऽ	मग रेऽ साऽ गऽ	मप धप ऽसा ऽम	पम गरे ऽसा निसा
रेऽ साऽ गम पऽ	मग रेऽ साऽ गऽ	मप धप ऽसा ऽम	पम गरे ऽसा निसा
ऽध पऽ सारे रेसा	मग ऽम गरे साऽ	निसा रेसा निध पप	मप धध परे रेसा
ऽरे साऽ मप मग	ऽम नि नि ऽ	नि धध परे रेसा	ऽरे साऽ मप मग
ऽम नि नि ऽ	नि धध परे रेसा	ऽरे साऽ मप मग	ऽम नि नि ऽ

झाला (चौगुन में भी बजायें)

नि ऽ धु प	ऽ म ग रे	ग गम ऽम पप	धु धुनि नि संसं
सं संसं संसं संसं	रे रेसं संसं संसं	सा ससं संसं संसं	ग गसं संसं संसं
सा सासं संसं संसं	रे रेसं संसं संसं	सं संसं संसं संसं	ग गसं संसं संसं
म मसं संसं संसं	संसं संसं प पसं	संसं संसं संसं संसं	धुऽ धुसं संसं संसं
म मसं संसं संसं	संसं संसं प पसं	संसं संसं धु धुसं	संसं संसं संसं संसं
निसं संसं संसं संसं	निसं निसं ऽनि संसं	धुसं संसं संसं संसं	धुसं धुसं ऽधु संसं
पसं संसं संसं संसं	पसं पसं ऽप संसं	मसं संसं संसं संसं	मसं मसं ऽम संसं
गसं ऽग संसं रेसं	ऽरें संसं निसं ऽनि	संसं संसं ऽसं संसं	ऽनि धुप मप धुप
ऽप मग रेसा ऽरे	साऽ मप मगऽ म	नि रेसा ऽरे साऽ	मप मग ऽम नि
रेसा ऽरे साऽ मप	मग ऽम नि साऽ	मप मग ऽम नि	साऽ मप मग ऽम

झाले पर गत (चौगुन में भी बजायें)

निनि निनि धुधु पप	पप मम गग रेरे	गग मम धुधु पप	मम पप गग मम
धुधु पप पप मम	गग रेरे सासा सासा	निनि सासा गग मम	पप धुधु निनि संसं
निनि धुधु पप मम	गग मम गग रेरे	गग मम धुधु पप	मम पप गग मम
गग मम पप धुधु	निनि निनि संसं संसं	धुधु निनि संसं रेंरें	संसं निनि धुधु पप
मम गग मम पप	गग मम गग रेरे	गग मम धुधु पप	मम पप गग मम
निऽ धुप ऽम गरे	गम धुप मप गम	धुप ऽम गरे साऽ	निसा गम पधु निसं
निधु पम गम गरे	गम धुप मप गम	नि धुप मप गम	नि धुप मप गम
नि ऽ गम पधु	निनि संऽ धुनि संरें	संनि धुप मग मप	गम गरे गम धुप
मप गम निऽ गम	गरे गम धुप मप	गम निऽ गम गरे	गम धुप मप गम
नि ऽ निऽ धुप	ऽम गरे गम धुप	मप गम धुप मप	गम धुप मप गम
नि * * मप	गम धुप मप गम	नि * * मप	गम धुप मप गम

(१६) गत राग भैरव, झपताल, [मध्यलय]

स्थाई—

×		२			०		३		
ध॒	ऽ	ध॒	प	ध॒	म	प	म	ग	म

जोड़—

×		२			०		३		
ग	रे॒	ग	म	प	म	ग	रे॒	रे॒	सा
नि़	सा	ग	ऽ	म	प	ध॒	नि	सां	रें॒
सां	नि	ध॒	प	ध॒	म	प	म	ग	म

अन्तरा—

×		२			०		३		
ग	म	प	ध॒	नि	सां	ऽ	नि	सां	रें॒
ध॒	ध॒	नि	सां	रें॒	सां	नि	ध॒	प	म
ग	म	प	ध॒	नि	सां	नि	ध॒	प	म
ग	रे॒	ग	म	प	म	ग	रे॒	रे॒	सा
नि़	सा	ग	ऽ	म	प	ध॒	नि	सां	रें॒
सां	नि	ध॒	प	ध॒	म	प	म	ग	म

गत सम्बन्धित आलाप

×		२			०		३		
१–सा	ऽ	रे॒	रे॒	सा	ग	म	प	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ध॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	ग	म
२–ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	प	ऽ	म
ऽ	ग	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ
ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म
ऽ	ग	ऽ	रे॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग

ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग
ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध़॒	ऽ	प़	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ
म	ग	ऽ	म	ग	रे॒	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ
सा	ऽ	नि़	सा	ऽ	रे॒	रे॒	ऽ	सा	ऽ
ग	रे॒	ग	म	प	नि	सां	नि	ध॒	प
सां	नि	ध॒	प	ध॒	म	प	म	ग	म

३—म	ग	म	ऽ	प	प	ध॒	ध॒	ऽ	ध॒
प	प	नि	ऽ	ध॒	ध॒	प	सां	नि	ध॒
ध॒	प	रें॒	ऽ	सां	नि	ध॒	ध॒	ऽ	प
म	ग॒	रे॒	ऽ	सा	म	प	प	ऽ	ध॒
प	सां	सां	ऽ	सां	सां	सां	सां	ऽ	सां
रें॒	ऽ	रें॒	ऽ	सां	ध॒	ऽ	ध॒	प	प
नि	ध॒	ध॒	ऽ	प	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ध॒	ध॒	ऽ	प	म	प	म	ग	म

तोड़ा—

(१) नि़सा	रे॒सा	गम	निनि	ध॒प	मग	रे॒सा	मप	मग	ऽम
(२) गम	पध॒	निसां	रें॒सां	निध॒	पम	गरे॒	साऽ	मप	मग
ऽम	ध॒ऽ	ध॒ऽ	मग	ऽम	ध॒ऽ	ध॒ऽ	मग	गम	ध॒ऽ
(३) सारे॒	गरे॒	गम	गम	पम	पध॒	निध॒	निसां	निसां	रें॒सां
रें॒गं	रें॒सां	निध॒	पम	गरे॒	गम	पध॒	मप	मग	ऽम

(४)	साग	रेम	गप	मध	पनि	धसां	निध	पम	गरे	साऽ
	ऽग	मप	धऽ	साऽ	ऽग	मप	धऽ	साऽ	ऽग	मप
(५)	निसा	गम	पध	निसां	गंमं	पंमं	गंरें	सांनि	धप	मग
	रेसा	निसा	पध	निध	पम	गम	पध	निसां	ऽसां	धनि
	धप	मग	रेसा	ऽरे	साऽ	धध	पध	मप	मग	ऽम
	धऽ	पध	मप	मग	ऽम	धऽ	पध	मप	मग	ऽम
(६)	निनि	सासा	गग	गम	मम	पप	पप	गग	गम	मम
	पप	धध	निनि	निनि	निनि	धध	निनि	सांसां	सांरें	रेंरें
	गंगं	गंगं	रेंरें	रेंसां	सांसां	निनि	धध	पप	पप	पप
	मम	गग	रेरे	रेसा	सासा	निनि	सासा	गम	पम	पध
	पध	निध	निसां	निसां	रेंसां	रेंगं	रेंसां	निध	पम	गम
	ऽध	पध	मप	मग	ऽम	धऽ	रेंगं	रेंसां	निध	पम
	गम	ऽध	पध	मप	मग	ऽम	धऽ	धऽ	रेंगं	रेंसां
	निध	पम	गम	ऽध	पध	मप	मग	ऽम	धऽ	धऽ
(७)	निसा	साग	गम	मप	पध	धनि	निसां	सांगं	गंमं	मंपं
	पंमं	मंगं	गंरें	रेंसां	सांनि	निध	धप	पम	मग	गरे
	रेसा	सानि	निसा	गम	पध	मप	मग	ऽम	धऽ	गम
	पध	मप	मग	ऽम	धऽ	गम	पध	मप	मग	ऽम
(८)	निसा	गसा	गम	गम	पम	पध	पध	निध	निसां	निसां
	गंसां	गंमं	गंमं	पंमं	पंमं	पंमं	गंमं	गंरें	सांरें	सांनि
	सांनि	धनि	धप	धप	मप	मग	मग	रेग	रेसा	रेसा
	निसा	निसा	निसा	गसा	गम	पम	पध	निध	निसां	गंसां
	गंमं	पंमं	गंमं	गंरें	सांरें	सांनि	धनि	धप	मप	मग
	रेग	रेसा	ऽरे	साऽ	मप	मग	ऽम	पध	निसां	गंगं

रेंसां	निध	पम	गरे	साऽ	मप	मग	ऽम	धऽ	साऽ
मप	मग	ऽम	धऽ	साऽ	मप	मग	ऽम	धऽ	साऽ

(९) निसा	निसा	गम	गम	पम	गम	गम	गम	पध	पम
गम	गम	गम	पध	निध	पम	गम	पध	निसां	निध
पम	गम	पध	निसां	गंगं	रेंसां	निध	पम	गरे	साऽ
ऽरे	साऽ	मप	मग	ऽम	धऽ	धऽ	ऽऽ	गम	पध
निसां	निध	पम	गम	पध	निसां	गंगं	रेंसां	निध	पम
गरे	साऽ	ऽरे	साऽ	मप	मग	ऽम	धऽ	धऽ	ऽऽ
गम	पध	निसां	निध	पम	गम	पध	निसां	गंगं	रेंसां
निध	पम	गरे	साऽ	ऽरे	साऽ	मप	मग	ऽम	धऽ
(१०) सांरेंगं	रेंसांनि	सांरेंसां	निधनि	सांनिध	पधनि	धपम	पधप	मगम	पमग
मगरे	गरेसा	सासासा	रेरेरे	गगग	रेरेरे	सांसांसां	निनिनि	सांसांसां	रेंरेंरें
सांसांसां	निनिनि	धनिसां	निधप	मगरे	गमप	धऽ	सांसांसां	निनिनि	धनिसां
निधप	मगरे	गमप	धऽ	सांसांसां	निनिनि	धनिसां	निधप	मगरे	गमप

झाला (गत की लय बढ़ाकर बजायें)

मप	पप	निनि	निसां	सांसां	रेंनि	सांसां	निसां	सांसां	निनि
सांनि	सांसां	सांनि	निसां	सांसां	सांध	सांसां	सांध	धसां	सांसां
सांप	सांसां	सांप	पसां	सांसां	सांम	सांसां	सांम	मसां	सांसां
सांनि	सांसां	सांनि	निसां	सांसां	सांध	सांसां	सांध	धसां	सांसां
सांप	सांसां	सांप	पसां	सांसां	सांम	सांसां	सांम	मसां	सांसां
सांनि	सांसां	सानि	निसां	सांसां	निध	निनि	निध	धनि	निनि
धप	धध	धप	पध	धध	पम	पप	पम	मप	पप
सांनि	सांसां	सांनि	निसां	सांसां	निध	निनि	निध	धनि	निनि
धप	धध	धप	पध	धध	पम	पप	पम	मप	पप
सांनि	सांसां	निध	निनि	धप	धध	पम	पप	सांनि	सांसां

निध	निनि	धप	धध	पम	पप	सांनि	धप	मग	रेसा
ऽरे	मप	मग	ऽम	धऽ	धप	धध	पम	पप	सांनि
धप	मग	रेसा	ऽरे	मप	मग	ऽम	धऽ	धप	धध
पम	पप	सांनि	धप	मग	रेसा	ऽरे	मप	मग	ऽम

गतनुमा झाला (बढ़ी लय में ही इसे बजायें)

धध	धध	धध	पप	धध	मम	पप	मम	गग	मम
गग	रेरे	गग	मम	पप	मम	गग	रेरे	रेरे	सासा
निनि	सासा	गग	गग	मम	पप	धध	निनि	सांसां	रेंरें
सांसां	निनि	धध	पप	धध	मम	पप	मम	गग	मम
ध	ऽ	ध	प	ध	म	प	म	ग	म
गग	मम	पप	धध	निनि	सांसां	सांसां	निनि	सांसां	रेंरें
धध	धध	निनि	सांसां	रेंरें	सांसां	निनि	धध	पप	मम
गग	मम	पप	धध	निनि	सांसां	निनि	धध	पप	मम
गग	रेरे	गग	मम	पप	मम	गग	रेरे	रेरे	सासा
धऽ	धप	धम	पम	गम	गरे	गम	पम	गरे	रेसा
निसा	गग	मप	धनि	सांरें	सांनि	धप	धम	पम	गम
धऽ	ऽऽ	धऽ	धप	धम	पम	गम	गरे	गम	पम
गरे	रेसा	गम	पध	निसां	ऽनि	सांरें	धध	निसां	रेंसां
निध	पम	गरे	गम	पम	गरे	रेसा	ऽसा	ऽध	मप
मग	ऽम	धऽ	रेंसां	निध	पम	गरे	गम	पम	गरे
रेसा	ऽसा	ऽध	मप	मग	ऽम	धऽ	रेंसां	निध	पम
गरे	गम	पम	गरे	रेसा	ऽसा	ऽध	मप	मग	ऽम

(५) राग काफ़ी

राग काफी, काफी थाट से पैदा होता है, इस राग में ग तथा नि स्वर कोमल लगते हैं। शेष सभी स्वर शुद्ध हैं, शुद्ध ग और नि का भी प्रयोग होता है, इसका वादी स्वर प तथा सम्वादी स्वर सा है। यह मध्य रात्रि का राग है, लेकिन लोग इसे हर समय गाते-बजाते हैं, राग काफ़ी का स्वभाव चंचल है।

आरोह—सा रे ग ऽ म ऽ प ऽ ध नि सां।
अवरोह—सां नि ध प ऽ म ग ऽ रे ऽ सा ऽ।
पकड़—सा रे रे ग ऽ म प म प ऽ।

गत बजाने से पहले नीचे दिये आलाप को बजायें (चौगुन में भी बजायें)

सा	नि़	सा	ऽ	रे	ग	रे	ऽ	म	प	म	प	ऽ	ध	म	प
ऽ	म	ग	रे	ऽ	रे	प	म	प	म	ग	रे	ऽ	नि	ध	म
प	म	ग	रे	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	रे	म	ग	रे	ऽ	म	ऽ
म	प	नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	नि	सां	रें	सां	नि	ध	म
प	ग	रे	ऽ	ऽ	रे	प	म	प	म	ग	रे	ऽ	नि़	ऽ	सा
ऽ	रे	म	ग	रे	ऽ	म	ऽ	म	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

[२०] गत राग काफ़ी, त्रिताल [मध्यलय]

स्थाई—

×				२				०				३			
								नि़	सा	रे	ग	रे	म	ऽ	म
प	ऽ	ध	प	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	रे	ग	रे	म	ऽ	म

अन्तरा—

प	ऽ	ध	प	ग	रे	सा	रे	नि	सां	नि	ध	म	ध	नि	सां
नि	ध	म	प	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	रे	ग	रे	म	ऽ	म

तोड़ा—

१–प	ऽ	ध	प	ग	रे	सा	नि़	सारे	गम	पध	निसां	निध	पम	गरे	सारे

२—प ऽ ध प	ग रे सा रे	निध पनि धप निध	संनि धप मग रेसा
३—प ऽ ध प	ग रे सा रे	धनि संरें गंरें संनि	धप मग रेसा निसा
ऽरे गम पध निसं	निध पम गरे सारे	पऽ पम गरे सारे	पऽ पम गरे सारे
४—गरे साग रेसा गंरें	संगं रेंसं निध पम	गम पध निसं निध	पम गरे सारे पऽ
मग ऽम पऽ पम	गरे सारे पऽ मग	ऽम पऽ पम गरे	सारे पऽ मग ऽम
५—साग रेम गरे सारे	रेम गप मग रेग	गप मध पम गम	मध पनि धप मप
पनि धसं निध पध	निरें संगं रेंसं निध	पम गरे सारे निसा	रेग रेम ऽम पऽ
मग ऽम पऽ रेग	रेम ऽम पऽ मग	ऽम पऽ रेग रेम	ऽम पऽ मग ऽम

झाला (चौगुन में भी बजायें)

निसा सासा सानि सासा	रेग गग गरे गग	मप पप पम पप	पध धध धप धध
निसा सासा सानि सासा	रेग गग गरे गग	मप पप पम पप	पध धध धप धध
धनि निनि निध निनि	निसं संसं संनि संसं	संरें गंरें संनि धप	मप गम पध निसं
धनि निनि निध निनि	निसं संसं संनि संसं	संरें गंरें संनि धप	मप गम पध निसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संम संसं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संम संसं संसं संसं
सासा सासं संसं संसं	संसं संसं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं	संसं संसं संसं संसं
सासा सासं संसं संसं	संसं संसं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं	संसं संसं संसं संसं
सासा सासं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं
सासा सासं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप
संनि धप मग रेसा	ऽरे सारे निसा गम	प मग ऽम प	रेसा ऽरे सारे निसा
गम प मग ऽम	प प रेसा ऽरे	सारे निसा गम प	मग ऽम प प

(२१) गत राग काफ़ी, त्रिताल (विलंबित)

स्थाई—

×	२	०	३
		रेरे	ग मम प म
प प ध संसं	नि धध म प	ग रे निसा रेरे	ग मम प म

अन्तरा—

प प ध संसं	नि धध म प	ग रे निसा गग	म निनि प ग
रें नि सा संसं	नि धध म प	ग रे निसा रे	ग मम प म

तोड़ा—

१—साऽरेरे गम पध निसं	निऽधध पम गरे साऽ	मऽपप गरे निसा रेरें	गऽ ऽऽरेरे गऽमम पम
२—संऽरेंरें संनि धप मग	रेऽसासा निसा गग रेसा	मऽपप गरे निसा रेरे	गऽ ऽऽरेरे गऽमम पम
३—संऽरेंरें निसं धनि पध	मऽपप गम रेग सारे	निऽसासा रेग मपमग	मऽपप धनि धप मग
मऽपप धनि संनि धप	मऽगग मप धनि संरें	गंऽरेंरें निसं रेंध निसं	पऽधध निम पध गम
पऽरेरे गम पध निसं	निऽधध पम गरे साऽ	ऽरे गम पम पऽ	निसं निऽधध पम गरे
साऽ ऽरे गम पम	पऽ पऽ निसं निऽधध	पम गरे साऽ ऽरे	गम पम पऽ पऽ
४—गंऽरेंरें संरें रेंऽसंसं निसं	संऽनिनि धनि निऽधध पध	धऽपप मप पऽमम गम	मऽगग रेग गऽरेरे सारे
गम पध निसं निध	पम गरे साऽ ऽम	गम पऽ मग ऽम	पऽ गम मऽगग रेग
गऽरेरे सारे गम पध	निसं निध पम गरे	साऽ ऽम गम पऽ	मग ऽम पऽ गम
मऽगग रेगगऽरेरे सारे	गम पध निसां निध	पम गरे साऽ ऽम	गम पऽ मग ऽम
५—सारे सारे गरे गम	गम गम पम पध	पध पध निध निसं	निसं निसं रेंसं रेंगं
रेंसं निध पम गरे	सारे गरे गम गम	पम पध पध निध	निसं रेंसं रेंगं रेंसं
निध पम गरे सारे	गरे गम पम पध	निध निसं निध पम	गरे सारे गम पऽ
मग ऽम पऽ गरे	सारे गम पऽ मग	ऽम पऽ गरे सारे	गम पऽ मग ऽम

झाला (चौगुन में भी बजायें)

सांनि सांसां निध सांनि	सांसां निध निनि धप	निध निनि धप धध	पम धप धध पम
पप मग पम पप	मग मम गरे मग	मम गरे गग रेसा	गरे गग रेसा सासा
सानि निसा सासा सानि	रेसा सासा मग मम	गरे रेग गग सानि	सासा सानि निसा सासा
सांनि सांसां निध निनि	धप धध पम पप	सांनि सांसां निध निनि	धप धप पम पप
सांनि सांसां सासा सासां	निध निनि सासा सासां	सांध सांसां सासा सासां	सांप सांसां सासा सासां
सांनि सासा सासा सासां	निध निनि सासा सासां	सांध सांसां सासा सासां	सांप सांसां सासा सासां
सांनि सासा सासां निध	सासा सासां धप सासा	सासां पम सासा सासां	सांनि सासा सासां निध
सासा सासां धप सासा	सासां पम सासा सासां	ऽनि धप मग रेसा	ऽरे गम पग मप
गम पऽ मग ऽम	पऽ सासां ऽनि धप	मग रेसा ऽरे गम	पग मप गम पऽ
मग ऽम पऽ सासां	ऽनि धप मग रेसा	ऽरे गम पग मप	धम पऽ मग ऽम

गत बजाने से पहले नीचे दिये आलाप को बजाना चाहिये। (चौगुन में भी बजायें)

(१) सा ऽ रे ऽ	रे ऽ ग ऽ	ऽ ऽ म ऽ	प ऽ म ऽ
प ऽ ऽ ऽ	म ऽ प ऽ	ग ऽ रे ऽ	ऽ ऽ म ऽ
प ऽ ऽ ऽ	म ऽ प ऽ	ध ऽ ऽ प	ऽ ऽ ध ऽ
म ऽ प ऽ	ऽ ऽ ध ऽ	म ऽ ग ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
म ऽ ग ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	रे ऽ प ऽ	म ऽ प ऽ
ग ऽ रे ऽ	ऽ ऽ म ऽ	ग ऽ रे ऽ	सा ऽ ऽ ऽ
ऽ ऽ म ऽ	ग ऽ रे ऽ	ऽ ऽ म ऽ	ऽ ऽ म ऽ
प ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(२) म ऽ ग ऽ	रे ऽ ग ऽ	रे ऽ प ऽ	ग ऽ रे ऽ
ऽ ऽ म ऽ	प ऽ ऽ ऽ	ध ऽ प ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
म ऽ ग ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	सा ऽ ग ऽ	रे ऽ म ऽ
ग ऽ रे ऽ	ऽ ऽ नि ऽ	ध ऽ म ऽ	प ऽ ग ऽ

	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ
	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
(३)	म	ऽ	म	प	ऽ	प	नि	नि	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	रें	ऽ	गं॒	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ
	सां	ऽ	नि	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ
	ध	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	प	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ
	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	रें	ऽ	रें	ऽ
	ऽ	ऽ	गं॒	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	नि॒	ऽ
	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ
	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ऽ	ध	ऽ
	ऽ	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ
	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ
	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

[१२] गत राग काफ़ी, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
												नि़॒	सा	ग॒	म
प	ऽ	ध	प	ऽ	प	म	प	ग॒	रे	सा	रे	नि़॒	सा	ग॒	म

जोड़—

प	ऽ	ध	प	ऽ	प	ध	प	ग॒	म	प	ध	नि॒	ध	म	प
ग॒	रे	ऽ	प	ऽ	प	म	प	ग॒	रे	सा	रे	नि़॒	सा	ग॒	म

अन्तरा—

प	ऽ	ध	प	ऽ	प	नि	सां	रें	ग॒ं	रें	सां	रें	नि	सां	रें
सां	नि॒	ध	प	ऽ	प	म	प	ग॒	रे	सा	रे	नि़॒	सा	ग॒	म

स्वरालाप (चौगुन भी कीजिये)

(१)	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ
	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	नि़॒	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ

(२)	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ग॒	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ
	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	ऽ	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	रे	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	नि़॒	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ
	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	ग॒	रे	सा	रे	नि़॒	सा	नि़॒सा	ग॒म

(३)	म	ऽ	म	प	ऽ	प	नि	नि	सां	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
	रें	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
	रें	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	नि	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ
	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	नि	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ

तोड़ा—

१—सारे गम पध निसां	निध पम गरे साऽ	ऽप मप गरे सारे	नि सा निसा गम
२—गंरें सांनि धप मग	रेग मग रेसा निसा	ऽप मप गरे सारे	नि सारे निसा गम
३—धप धम पनि ऽध	पम गरे सांनि धप	रेंसां निध परें गंरें	सांनि धप गऽ रेप
मप सांऽ मगं रेंसां	निध पम पनि धप	मग रेसा ऽप मप	गरे सारे निसा गम
४—प ऽ धप ऽप	पम गरे गम पऽ	धप धम पम गरे	गम पऽ निनि धप
मग ऽरे गम पऽ	सांनि धप मग रेग	ऽम पऽ रेंसां निध	पम गरे गम पऽ
गंरें सांनि धप मग	रेग मप ऽप मप	गऽ रेग मप धनि	सांऽ निध ऽनि धप
धनि सांरें गंरें सांनि	धप मग रेसा सांरें	सांनि धप ऽप मप	गरे सारे निसा गम
५—सारे गरे गम गम	पम पध पध निध	निसां निसां रेंसां रेंगं	रेंसां निध पम गरे
साऽ *ग ऽम पऽ	*प मप गरे सारे	निसा गम पऽ गऽ	ऽऽ मऽ पऽ पम
गरे साऽ *ग ऽम	पऽ *प मप गरे	सारे निसा गम पऽ	गऽ ऽऽ मऽ पऽ
पम गरे साऽ *ग	ऽम पऽ *प मप	गरे सारे निसा गम	पऽ गऽ ऽऽ मऽ

६—सागु रेम गुप मध	पनि धप मगु मप	धनि सांनि धप मगु	मप धनि सांरें ऽसां
निध पम गुरे गुम	पऽ निनि धप मगु	ऽरे गुम पऽ सांनि	धप मगु रेगु ऽम
पऽ रेंसां निध पम	गुरे गुम पऽ गुंरें	सांनि धप मगु रेगु	मप मगु रेगु ऽम
पऽ धप ऽप धप	गुम पध निध मप	गुरे *प ऽप मप	गुरे सारे निसा गुम

७—रेगु रेऽ मगु रेऽ	पम गुरे ऽध पम	गुरे ऽनि धम ऽप	धम ऽप मप गुरे
ऽप मगु रेऽ साऽ	ऽरे पऽ ऽप मप	गुरे सारे निसा गुम	पऽ ऽऽ धम ऽप
मप गुरे ऽप मगु	रेऽ साऽ ऽरे ऽप	ऽप मप गुरे सारे	निसा गुम पऽ ऽऽ
धम ऽप मप गुरे	ऽप मगु रेऽ साऽ	ऽरे पऽ ऽप मप	गुरे सारे निसा गुम

८—साऽ रेसा ऽनि धनि	साऽ धनि साध निसा	मध निसा ऽध निसा	गुरे मगु रेप मप
गुरें सारें सांनि धप	मप रेंरें सांनि धप	निनि धप मप धम	गुरे रेगु रेम गुरे
सारे निसा गुम पऽ	मगु ऽम पऽ ऽऽ	धम गुरे रेगु रेम	गुरे सारे निसा गुम
पऽ मगु ऽम पऽ	ऽऽ धम गुरे रेगु	रेम गुरे सारे निसा	गुम पऽ मगु ऽम

९—सास सासा रेरे सासा	निनि धध निनि सासा	धध निनि सासा सासा	मम धध निनि सासा
सासा धध निनि सासा	पप पप निनि सांसां	रेंरें गुंगुं रेंरें सांसां	रेंरें निनि सासा रेंरें
सांसां निनि धध पप	पप पप मम पप	गुगु रेरे सासा रेरे	निनि सासा गुगु मम
पगु रेसा ऽरे निसा	गुम ऽम पऽ ऽरे	निसा गुम ऽम पऽ	ऽरे निसा गुम ऽम

१०—सासासा रेरेरे गुगुगु ममम	पपप धधध निनिनि सांसांसां	रेंरेंरें गुंगुंगुं मंमंमं पंपंपं
मंमंमं गुंगुंगुं रेंरेंरें सांसांसां	निनिनि धधध पपप ममम	गुगुगु रेरेरे गुगुगु ममम
गुगुगु रेरेरे सासासा सासासा	निनिनि सासासा गुगुगु ममम	पऽध पऽप धपगु मपध
निधम पगुरे रेमम पमप	गुरेसा रेनिसा गुमप पधप	पपम पगुरे सारेनि सागुम
पऽ रेनिसा गुमप पधप	पपम पगुरे सारेनि सगुम	पऽ रेनिसा गुमप पधप
पपम पगुरे सारेनि मगुप		

झाला (चौगुन में भी बजायें)

प ऽ ध प	ऽ प नि नि	सां ऽ सां ऽ	रें नि सां सां
सांनि सांसां सांसां सांसां	सांध सांसां सांसां सांसां	सांप सांसां सांसां सांसां	सांनि सांसां सांध सांसां

संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संध संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं
संप संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संम संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संध संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं
संप संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संम संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं
निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि निनि	निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध	धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध
पम पप पप पप	पऽ पप ऽप पप	पम पप पप पप	पऽ पप ऽप पप
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं
निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि निनि	निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध	धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध
पम पप पप पप	पऽ पप ऽप पप	पम पप पप पप	पऽ पप ऽप पप
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप
संनि धम मग रेसा	ऽरे गम पऽ मग	रेसा ऽरे गम पऽ	मग रेसा ऽरे गम
प ऽ प धप	ऽप मप गरे सारे	निसा गम पऽ धप	ऽप धप गम पध
निध मप गरे [illegible]प	ऽप मप गरे सारे	निसा गम पऽ निसा	गम पऽ निसा धम
प ऽ ध प	ऽ प म रे	ग रे सा रे	नि सा ग म
प ऽ ध प	ऽ प प धप	ऽप मप गरे सारे	निसा गम पऽ धप
ऽप निसं रेंगं रेंसं	रेंनि संरें संनि धप	ऽप मरे गरे सारे	निसा गम पऽ ऽऽ
धप ऽप निसं रेंगं	रेंसं रेंनि संरें संनि	धप ऽप मप गरे	सारे निसा गम पऽ
ऽऽ धप ऽप निसं	रेंगं रेंसं रेंनि संरें	संनि धप ऽप मप	गरे सारे निसा गम

पपध पपप निसंरें गंसंसं	रेंनिसं रेंसंनि धपप पमप	गरेसा रेनिसा गमप पधप
धपप निसंरें गंरेंसं रेंनिसं	रेंसंनि धपप पमप गरेसा	ग मप धपप गरेसा
सानिसा रेनिसा ग मप	गरेसा रेनिसा ग म	

(२३) गत राग काफी—एकताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		०		२		०		३		४	
			ग	म	नि	प	ग	ऽ	रे	सा	रे
प	ऽ	प	ग	म	नि	प	ग	ऽ	रे	सा	रे

जोड़—

प	ऽ	प	म	ग	म	नि	ध	नि	प	ध	नि
सां	नि	प	ग	म	नि	प	ग	ऽ	रे	सा	रे

अन्तरा—

प़	ऽ	प	म	ग	म	प	नि	सां	ऽ	सां	नि
सां	रें	गं	रें	सां	रें	नि	सां	रें	सां	नि	ध
म	प	ग	रे	प	म	ध	प	नि	ध	सां	नि
रें	सां	गं	रें	सां	नि	प	ग	ऽ	रे	सा	रे

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

१—प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
रे	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ
प	म	प	नि	ध	म	प	ग	ऽ	रे	सा	रे
२—म	ग	रे	ऽ	प	म	ग	रे	ऽ	ध	प	म
ग	रे	ऽ	नि	ध	म	प	म	ग	रे	ऽ	ध

म	प	म	ग॒	रे	ऽ	रे	प	म	प	म	ग॒
रे	ऽ	सा	ऽ	रे	म	ग॒	रे	ऽ	नि॒	ध	प
म	प	ग॒	रे	ऽ	नि़	ऽ	नि़	सा	ऽ	रे	म
ग॒	रे	ऽ	म	ऽ	म	नि	सां	नि॒	ध	म	प
ग॒	रे	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ध	प	म	प	ग॒	रे
ऽ	सा	ग॒	रे	सा	नि॒	प	ग॒	ऽ	रे	सा	रे
३—म	प	नि	ऽ	नि	नि	ऽ	ऽ	ऽ	नि	सां	ऽ
ऽ	नि	रें	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ध	नि॒	ऽ	ध
म	प	नि	सां	रें	गं॒	रें	सां	रें	नि	सां	रें
सां	नि॒	ध	म	प	ग॒	रे	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ध
प	म	प	ग॒	रे	ऽ	म	ग॒	रे	ऽ	नि़	सा
ऽ	म	ग॒	रे	ऽ	प	नि	सां	नि॒	ध	म	प
ग॒	रे	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ध	प	म	प	ग॒	रे
ऽ	सा	ग॒	रे	सा	नि॒	प	ग॒	ऽ	रे	सा	रे

तोड़ा—

१—सारे	ग॒म	पध	नि॒सां	नि॒ध	पम	ग॒रे	सारे	ऽनि॒	पग॒	ऽरे	सारे
२—सारे	ग॒म	पध	नि॒सां	धनि॒	सांप	धनि॒	मप	ऽनि॒	पग॒	ऽरे	सारे
३—धप	धम	पनि॒	नि॒ध	पम	ग॒रे	सांनि॒	धप	रेंसां	नि॒ध	परें	गं॒रें
सांनि॒	धप	ग॒ऽ	रेप	मप	सांऽ	मंगं॒	रेंसां	रेंगं॒	मंपं	मंगं॒	रेंसां
नि॒ध	पम	पनि॒	धप	मग॒	रेसा	ऽनि॒	पग॒	ऽरे	सारे	पऽ	मग॒
रेसा	ऽनि॒	पग॒	ऽरे	सारे	पऽ	मग॒	रेसा	ऽनि॒	पग॒	ऽरे	सारे

४—सारे	गरे	गम	गम	पम	पध	पध	निध	निसां	निसां	रेंगं	रेंसां
निध	पम	गरे	सारे	गरे	गम	पम	पध	निध	निसां	रेंसां	रेंगं
रेंसां	निध	पम	गरे	ऽनि	सांप	धनि	मप	ऽनि	पग	ऽरे	सारे
५—सारे	गम	पप	मग	रेग	मप	धध	पम	गम	पध	निनि	धप
मप	धनि	सांसां	निध	पध	निसां	रेंरें	सांनि	धनि	सांरें	गंरें	सांनि
धप	मप	मग	मग	रेंसा	ऽनि	पग	ऽरे	सारे	पऽ	रेसा	ऽनि
पग	ऽरे	सारे	पऽ	पऽ	रेसा	ऽनि	पग	ऽरे	सारे	पऽ	पऽ

अन्तरा—

६—सारे	गम	गरे	गम	पम	गरे	गम	पध	पम	गम	पध	निध
पम	गम	पध	निसां	निध	पम	गम	पध	निसां	रेंसां	निध	निध
पम	गरे	साऽ	ऽनि	पग	ऽरे	सारे	सांऽ	पऽ	गरे	साऽ	ऽनि
पग	ऽरे	सारे	सांऽ	पऽ	गरे	साऽ	ऽनि	पग	ऽरे	सारे	सांऽ
७—प	ऽ	मप	धम	पग	ऽरे	रेग	रेम	गरे	निसा	निध	मप
धम	गरे	निसा	गरे	ऽम	गरे	ऽम	पध	मप	गरे	ऽम	पध
निध	सांनि	धम	पध	मप	गरे	ऽग	रेम	गरे	निसा	ऽनि	पग
ऽरे	मग	ऽम	पऽ	सांऽ	निऽ	पऽ	गऽ	मऽ	निऽ	पऽ	गऽ
मनि	पग	ऽरे	सारे	पऽ	गऽ	मऽ	निऽ	पऽ	गऽ	मनि	पग
ऽरे	सारे	पऽ	गऽ	मऽ	निऽ	पऽ	गऽ	मनि	पग	ऽरे	सारे
८—निसारे	गमप	मगम	पधनि	धपम	गमप	धनिसां	निधप	मगम	पधनि	सांरेंरें	सांनिध
पमग	रेसासा	धनिसां	निपग	मनिप	गऽरे	साऽरे	पऽ	निधप	मगम	पधनि	सांरेंरें
सांनिध	पमग	रेसासा	धनिसा	निपग	मनिप	गऽरे	साऽरे	पऽ	पऽ	निधप	मगम
पधनि	सांरेंरें	सांनिध	पमग	रेसासा	धनिसां	निपग	मनिप	गऽरे	साऽरे	पऽ	पऽ

(९) गग रेसा	गम गरे	पप मग	धध पम	निनि धप	सांसां निध
रेंरें सांनि	गंगं रेंसा	निध पम	गरे सानि	सारे गरे	गम पम
पऽ मप	मग ऽनि	पग ऽरे	सारे पऽ	सांऽ मप	मग ऽनि
पग ऽरे	सारे पऽ	सांऽ मप	मग ऽनि	पग ऽरे	सारे पऽ
सांऽ ऽ	प ग	म नि	पऽ मग	मनि पग	ऽरे सारे

(१०)सांरें सांगं	रेंगं सांरें	निसां निरें	सांरें निसां	धनि धसां	निसां धनि
पध पनि	धनि पध	मप मध	पध मप	गम गप	मप गम
रेग रेम	गम रेग	सारे साग	रेग सारे	ऽप मप	गरे ऽनि
पग ऽरे	सारे गरे	ऽम गम	पऽ सारे	साग रेग	सारे ऽप
मप गरे	ऽनि पग	ऽरे सारे	गरे ऽम	गम पऽ	सारे साग
रेग सारे	ऽप मप	गरे ऽनि	पग ऽरे	सारे गरे	ऽम गम

झाला—(चौगुन में भी बजायें)

पऽ पम	ऽम पनि	सांऽ निसां	ऽनि सासां	निसां रेंगं	रेंसां रेंनि
सांसां निध	निध निनि	धप धप	धध पम	पम पप	मग मग
मम गरे	गरे गग	रेसा रेसा	ऽरे गम	पध निसां	रेंगं रेंसां
रेंसां धप	ऽध मप	गरे ऽम	गरे निसा	ऽम गरे	मप निसां
ऽनि पग	ऽरे सारे	पऽ निसा	ऽम गरे	मप निसां	ऽनि पग
ऽरे सारे	पऽ निसा	ऽम गरे	मप निसां	ऽनि पग	ऽरे सारे
सांनि सांसां	सांसां सांसां	सांध सांसां	सांसां सांसां	सांनि सांसां	सांध सांसां
सांनि सांसां	सांसां सांसां	सांध सांसां	सांरें सांसां	सांनि सांसां	सांध सांसां
सांनि सांसां	सांऽ सांसां	ऽसां सांसां	निध निनि	निऽ निनि	ऽनि निनि
धप धध	धऽ धध	ऽध धध	पम पप	पऽ पप	ऽप पप
सांनि सांसां	सांऽ सांसां	ऽसां सांसां	निध निनि	निऽ निनि	ऽनि निनि

धप	धध	धऽ	धध	ऽध	धध	पम	पप	पऽ	पप	ऽप	पप
सांनि	सांसां	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒ध	धप	धध	धध	पम	पप	पप
सांनि	सांसां	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	नि॒नि॒	धप	धध	धध	पम	पप	पप
सांनि	सांनि	सांसां	नि॒ध	नि॒ध	नि॒नि॒	धप	धप	धध	पम	पम	पप
सांनि	सांनि	सांसां	नि॒ध	नि॒ध	नि॒नि॒	धप	धप	धध	पम	पम	पप
सांनि	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒	धप	धध	पम	पप	सांनि	सांसां	नि॒ध	नि॒नि॒
धप	धध	पम	पप	सांनि॒	सांनि॒	धनि॒	धप	धप	मप	सांनि॒	धप
मग॒	रेसा	ऽरे	मप	निसां	ऽनि॒	पग॒	ऽरे	सारे	पऽ	मग॒	ऽम
ग॒	म	प	सांनि॒	धप	मग॒	रेसा	ऽरे	मप	निसां	ऽनि॒	पग॒
ऽरे	सारे	पऽ	मग॒	ऽम	ग॒	म	प	सांनि॒	धप	मग॒	रेसा
ऽरे	मप	निसां	ऽनि॒	पग॒	ऽरे	सारे	पऽ	मग॒	ऽम	ग॒	म

---

(६) राग आसावरी

आसावरी राग आसावरी थाट से पैदा होता है, इस राग में ग ध और नि स्वर कोमल लगते हैं, और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं, आरोह में ग और नि स्वर वर्जित हैं, और अवरोह सम्पूर्ण है, वादी स्वर ध तथा सम्वादी स्वर ग है। प्रातःकाल दस-ग्यारह बजे तक यह राग गाया जाता है। राग का स्वभाव गम्भीर है।

आरोह—सा ऽ रे ऽ म प ऽ ध ऽ सां ऽ।
अवरोह—सां नि ध ऽ प म ग ऽ रे सा।
पकड़—रे म प नि ध प ऽ।

आलाप (चौगुन भी करें)

सा	रे	म	प	ऽ	ध	प	ऽ	नि	ध	प	ऽ	ध	म	प	ऽ
ग	ऽ	रे	सा	रे	म	प	ध	म	प	ग	ऽ	रे	सा	रे	म
प	ऽ	नि	ध	प	ऽ	ग	ग	रे	सा	रे	म	प	ध	सां	ऽ
गं	ऽ	रें	सां	नि	ध	प	ऽ	म	प	ग	ऽ	रे	सा	रे	म
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

[२४] स्थाई गत-राग आसावरी त्रिताल (मध्यलय)

×				२				०				३			
										रे	सा	ऽ	रे	म	प
ध	ऽ	प	ऽ	ध	म	प	ध	ग	ऽ	रे	सा	ऽ	रे	म	प

अन्तरा—

ध	ऽ	प	ऽ	ध	म	प	ध	ग	ऽ	रे	ग	ऽ	रें	सां	रें
सां	नि	ध	प	ऽ	ध	म	प	ग	ऽ	रे	सा	ऽ	रे	म	प

तोड़ा—

१-सारे मप धप मप	सांनि धप मग रेसा	ग ऽ रे पध	गऽ रेसा ऽरे मप

२–पंमं गंरें सांनि रेंरें	सांनि धप निनि धप	मग रेसा रेम पसा	ऽग रेसा ऽरे मप
३–सानि धनि सारे मप	धनि सांनि धप मप	मग रेसा ऽरे मप	सांऽ रेसा ऽरे मप
४–सारे सारे मरे मप	मप धप सारे मरे	मप धप निध पम	पध सांऽ ऽरे मप
५–सारे मप मग रेसा	मप धप मग रेसा	रेंरें सांनि धप पंमं	गंरें सांनि रेंरें सांनि
धप मग रेसा ऽम	गंरें सांनि धप मग	रेसा ऽरे मप सांऽ	धऽ ऽमं गंरें सांनि
धप मग रेसा ऽरे	मप सांऽ धऽ ऽमं	गंरें सांनि धप मग	रेसा ऽरे मप सांऽ

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ध ऽ प ऽ	ध म प ध	म मप ऽप धप	सं संरें ऽनि संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संसं संसं संध संसं	सासा सासा संसं संसं	संनि संसं सासा संसं
ऽसं संसं संसं संसं	संनि संनि संसं निध	निध निनि धप धप	धध पम पम पप
संनि संनि संसं निध	निध निनि धप धप	धध पम पम पप	संनि संसं निध निनि
धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि धप मग रेसा
रेम पनि धप मप	संनि संनि संसं निध	निध निनि धप धप	धध पम पम पप
संनि संसं संध संसं	संप संसं संम संसं	संनि संसं संध संसं	संप संसं संम संसं
संसं संसं निनि निनि	धध पप पप रेंरें	संसं संसं निनि धध	धध पप पप धध
मम पप गग गग	रेसा मऽ पध ऽसां	संध संऽ धऽ मम	पप गग गग रेसा
मऽ पध ऽसं संध	सांऽ ध मम पप	गग गग रेसा मऽ	पध ऽसं संध संऽ

[२५] गत राग आसावरी, त्रिताल [विलंबित लय]

स्थाई—

		सासा	रे मम प सां
ध ध प पप	ध मम प ध	ग रे गरे सासा	रे मम प सां

जोड़—

ध ध प पप	ध मम प ध	ग रे गरे मम	ग रेरे नि सा
ग रे ग रेसा	रे मम प ध	ग रे गरे सासा	रे मम प सां

अन्तरा—

ध ध प पप	ध मम प ध	ग रे गरे सासा	रे मम प ध
सां रें सां मंमं	गं रेंरें मं गं	रें सां ध पम	गं रेंरें सां रें
सां नि निध प	ध मम प ध	ग रे गरे सासा	रे मम प सां

तोड़ा—

१—साऽरेरे मप धप मप	निऽधध पम गरे साऽ	पऽधध पम गरे सासा	रे गरेसासा रेऽमम पसां
२—धऽपप मप धनि सांनि	धऽपप मग रेसा निसा	पऽधध पम गरे सासा	रे मम प सां
३—सांऽरेंरें सांनि धप मप	निऽनिनि धप मग रेसा	रेऽमम पध मप सांऽ	मप सांऽ मप सांऽ
४—पंऽमंमं गंरें सांनि रेंरें	सांनिनि धप निनि धप	मऽगग रेसा रेम पसां	धऽ पसां धऽ पसां
५—साऽरेरे मप धप मप	निऽधध पध सांनि धनि	रेंऽसांसां निसां गंरें सांरें	मंऽरेंरें सांनि धप मग
रेऽसासा निसा ऽनि धप	मप मग रेसा ऽरे	मप सांऽ धऽ रेऽसासा	निसा ऽनि धप मप
मग रेसा ऽरे मप	सांऽधऽरेऽसासा निसा	ऽनि धप मप मग	रेसा ऽरे मप सांऽ
धऽ धप मप मग	रेसा ऽरे मप सांऽ	धऽ धप मप मग	रेसा ऽरे मप सांऽ

झाला (चौगुन में भी बजायें)

संनि संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	निध निनि निनि निनि	सासा सासं संसं संसं
धप धध धध धध	सासा सासं संसं संसं	पम पप पप पप	सासा सासं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	सासा सासं संसं संसं	निध निनि निनि निनि	सासा सासं संसं संसं
धप धध धध धध	सासा सासं संसं संसं	पम पप पप पप	सासा सासं संसं संसं
संनि संसं सासा सासं	निध निनि सासा सासं	धप धध सासा सासं	पम पप सासा सासं
संनि संसं सासा सासं	निध निनि सासा सासं	धप धध सासा सासं	पम पप सासा सासं
संनि संसं सासा निध	निनि सासा धप धध	सासा पम पप सासा	संनि संसं सासा निध
निनि सासा धप धध	सासा पम पप सासा	संनि सासा निध सासा	धप सासा पम सासा
संनिसासा निधसासा	धप सासा पम सासा	संनि संसं निध निनि	धप धध पम मप
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि धप मग रेसा	ऽरे मप सांऽ धऽ
संसं निध निनि धप	धध पम पप सांनि	धप मग रेसा ऽरे	मप संऽ धऽ धऽ
संसं निध निनि धप	धध पसा पप सांनि	धप मग रेस ऽरे	मप संऽ धऽ धऽ

गत बजाने से पहिले नीचे दिये आलाप को बजाना चाहिये (चौगुन में भी बजाइये)

१—सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
२—रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

३—सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	ध़॒	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	म़	ऽ	प़	ऽ
ध॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

४—म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	गं॒	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	गं॒	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध॒	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ
ध॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ध॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(२६) गत राग आसावरी, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

३				×				२				०			
ग॒	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	प	ध॒	म	प	ध॒	प	ग॒	सा

जोड़—

रे	सा	ऽ	प	म़	प़	ध़॒	सा	ऽ	सा	रे	म	प	ध॒	ग॒	सा

अन्तरा—

ग	रे	ऽ	म	प	नि	म	ऽ	प	ध	ऽ	ध	सां	सां	रें	सां
सां	गं	रें	सां	ध	प	प	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प	ग	सा

गत संबन्धित आलाप—

१–ग	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऩि	ऽ
ध़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	म़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	म़	ऽ	प़	ऽ
ध़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
ग	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	प	ध	म	प	ध	प	ग	सा

२–ग	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	र	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	ध	प	ग	सा
ग	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	प	ध	म	प	ध	प	ग	सा

३–ग	रे	ऽ	म	प	सां	रें	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ध	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	सा
ग	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	प	ध	म	प	ध	प	ग	सा

तोड़ा—

(१)	ग रे ऽ म	प सा सारे मप	धप मप सांनि धप	मग रेसा ध प
	मप धप गसा गरे	ऽम पसां ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा
(२)	ग रे ऽ म	प सां सारें गंगं	रेंसां निध पध निनि	धप मग ऽध पध
	मप धप गसा गरे	ऽम पसां ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा
(३)	ग रे ऽ म	प सां सारे गरे	मप सांऽ निध पध	पम पम गम गरे
	गरे साम गरे मप	निध पम पध सांनि	धप मग रेसा ऽरे	मप सांऽ ध ऽरे
	मप सांऽ धऽ ऽरे	मप सांऽ ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा
(४)	ग रे ऽ म	प सा सारे मप	निनि धप मप सांऽ	रेंरें सांनि धप रेंमं
	पंगं ऽरें सांऽ मंगं	रेंसां निध ऽप मप	सांऽ निध पम गरे	गग रेसा ऽरे मप
	सां सां ध निध	पम गरे गग रेसा	ऽरे मप सां सां	ध निध पम गरे
	गग रेसा ऽरे मप	सां सां ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा
(५)	ग रे ऽ म	प सां ध ऽ	प ध निनि धप	मप गऽ रेसा ऽरे
	मप निनि धप मप	सांऽ रेंरें सांनि धप	मग रेसा मंमं गंरें	सांनि धप मग रेसा
	गसा गरे ऽम पसां	धऽ सांनि धप मग	रेसा गसा गरे ऽम	पसां धऽ सांनि धप
	मग रेसा गसा गरे	ऽम पसां ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा
(६)	ग रे ऽ म	प सां सारे सारे	मरे मप मप धप	पध धसां ऽरें निसा
	पध मप गम रेग	सारे निमा ऽरे मरे	मप धप ऽध निसां	धऽ मप धप ऽध
	निसां धऽ मप धप	ऽध निसां ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा
(७)	ग रे ऽ सा	प सां पंमं गंरें	सांनि रेंरें सांनि धप	निनि धप मग रेसा
	रेम पसां ऽध निसां	धऽ निनि धप मग	रेसा रेम पसां ऽध	निसां धऽ निनि धप
	मग रेसा रेम पसां	ऽध निसां ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा
(८)	ग रे ऽ म	प सां सांसां निध	पम गरे सारे मप	निनि धप मग रेसा
	रेम पध मप सांऽ	निध पऽ रेंरें सांनि	धप गंगं रेंसां निध	पऽ मंमं गंरें सांनि

रेंरें सांनि धप निनि	धप मग रेसा ऽरे	मप सांऽ धऽ मंमं	गंरें सांनि रेंरें सांनि
धप निनि धप मग	रेसा ऽरे मप सांऽ	धऽ मंमं गंरें सांनि	रेंरें सांनि धप निनि
धप मग रेसा ऽरे	मप सांऽ ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा

(९) ग रे ऽ म	प सां मंगं मंगं	रेंसां निध निध पम	गरे गरे सारे मप
सांऽ ऽनि मप सांऽ	धऽ ऽऽ गरे सारे	मप सांऽ ऽध मप	सांऽ धऽ ऽऽ गरे
सारे मप सांऽ ऽध	मप सांऽ ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा

(१०) ग रे ऽ म	प सां सारेम पनिनि	धपम पसांसां रेंरेंसां निधप
रेंमंपं गंगंरें सांसां गंरेंसां	निधध पमप सांसांनि धपम	गरेग गरेसा रेमप धगसा
गरेरे मपसां धऽ गरेसा	रेमप निगसा गरेरे मपसां	धऽ गपसा रेमप धगम
गरेरे मपसां ध ऽ	प ध म प	ध प ग सा

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ग रे ऽ म	प सं ध ऽ	प ध म प	ध प म मप
ऽप धप सं संसं	ऽसं संसं संनि संसं	संसं संसं संध संसं	संसं संसं संप संसं
संसं संसं संनि संसं	संध संसं संनि संसं	संसं संसं संध संसं	संसं संसं संप संसं
संसं संसं संनि संसं	संध संसं संनि निसं	ऽनि संसं रेंसं निसं	ऽनि संसं गंसं निसं
ऽनि संसं संसं संसं	संसं संसं संनि निसं	ऽनि संसं रेंसं निसं	ऽनि संसं गंसं निसं
ऽनि संसं संसं संसं	संसं निनि धध धध	पप पप मम गग	गग रेरे गग रेरे
सासा रेरे मम मम	पप पप संसं संसं	धध धध पप पप	धध मम पप पप
गग रेरे सासा सासा	रेरे मम पप धध	मम पप गग गग	रेरे सासा ऽरे मप
गरे ऽम पऽ संऽ	धऽ ऽऽ सासा ऽरे	मप गरे ऽम पऽ	साऽ धध ऽऽ सासा
ऽरे मप गरे ऽम	पऽ संऽ धऽ ऽऽ	प ध म प	ध प ग सा

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ग	रे	ऽ	म	प	सां	धध	धध	पप	धध	मम	पप	धध	पप	गग	सासा
रेरे	सासा	सासा	पप	मम	पप	धध	सासा	सासा	सासा	रेरे	मम	पप	धध	गग	सासा
गरे	ऽप	पसां	धऽ	पप	धध	गग	सासा	गरे	ऽम	पसां	धऽ	धऽ	पप	धध	गग
सासा	गरे	ऽम	पसां	धऽ	धऽ	धऽ	ऽऽ	प	ध	म	प	ध	म	ग	सा
ग	रे	ऽ	म	प	सां	ममम	ममम	पपप	धधध	धधध	धधध				
सांसांसां	सांसांसां	रेंरेंरें	सांसांसां	सांसांसां	गंगंगं	रेरेरे	सांसांसां	धधध	पपप	पपप	गंगंगं				
रेंरेंरें	सांसांसां	रेरेरे	निनिनि	धधध	पपप	गगग	सासासा	गगग	रेरेरे	रेरेरे	ममम				
पपप	सांसांसां	ध	ऽ	प	ध	म	प	ध	प	ग	सा				
ग	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	प	पध	मप	धप	गसा	रेसा	ऽप़	मप़
धसा	ऽसा	रेम	पध	गसा	गरे	ऽम	गसा	गरे	ऽम	गसा	गरे	ऽम	पसां	धऽ	गरे
ऽम	पसां	धऽ	गरे	ऽम	पसां	ध	ऽ	प	ध	म	प	ध	प	ग	सा
ग	रे	ऽ	म	प	सां	ध	ऽ	पध	ऽध	सांसां	रेंसां	ऽगं	रेंसां	धप	मग
रेंसां	रेंनि	धप	गसा	गरे	ऽम	पसां	सांऽ	धऽ	धप	गसा	गरे	ऽम	पसां	सांऽ	धऽ
धप	गसा	गरे	ऽम	पसां	सांऽ	ध	ऽ	प	ध	म	प	ध	प	ग	सा
ग	रे	ऽ	म	ऽम	पसां	ध	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(२७) गत राग आसावरी ताल एकताल (मध्यलय)

स्थाई—

४		×		०		२		०		३	
म	प	सां	ध	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा

जोड़—

रे	म	प	ध	ध	प	म	प	ग	ऽ	रे	सा

अन्तरा—

म	प	ध॒	सां	ऽ	सां	सां	ऽ	सां	रें	सां	ऽ
सां	रें	गं॒	रें	सां	रें	सां	नि॒	ध॒	प	म	प
सां	ऽ	ध॒	प	ग॒	रे	रे	सा	म	रे	म	प
ध॒	प	नि॒	ध	ध॒	प	म	प	ग॒	ऽ	रे	सा

गत सम्बन्धित आलाप राग आसावरी

(१) म	प	सां	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒
ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे
ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध॒
ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा
म	प	सां	ध॒	ऽ	प	ध॒	प	ग॒	ऽ	रे	सा

(२) म	प	सां	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	प	ध॒
ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे
ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	ध़॒	ऽ	प़	ऽ	ऽ
ऽ	म़	ऽ	प़	ऽ	ध़॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे
ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	म	ऽ	प
ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ
ध॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ
ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ

रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	ध	प	ग	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	ध	प	ध	प	ऽ	ध
मप	ग	पसां	ध	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा

(३) प	प	सां	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	ऽ
ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध
ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ
गं	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	सां	नि	ध	प	ऽ	सां	ध	प
ऽ	म	प	ऽ	ग	ऽ	रे	सा	म	रे	म	प
ध	प	नि	ध	ध	प	म	प	ग	ऽ	रे	सा
म	प	सां	ध	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा

तोड़ा—

(१) म	प	सां	ध	ऽ	प	धप	मप	निध	पम	गरे	निसा

(२) म	प	सां	सारे	मरे	मप	धप	निध	पम	पध	गऽ	रेसा
म	प	पसां	ध	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा

(३) म	प	सां	रेंरें	सांनि	धप	निनि	धप	मग	रेसा	ऽग	साऽ
रेसा	ऽम	पसां	धऽ	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा

(४) म	प	सां	सारे	मप	धप	मप	निध	पम	रेम	पध	सांनि
धप	ऽध	मप	गऽ	रेसा	ऽग	साऽ	रेसा	ऽम	पऽ	सांऽ	धऽ

पध सांनि	धप Sध	मप गS	रेसा Sग	साS रेसा	Sम पS
सांS धS	पध सांनि	धप Sध	मप गS	रेसा Sग	साS रेसा
Sम पS	सांS धS	S प	ध प	ग S	रे सा

(५) सा प	सां निनि	धप मग	रेसा रेंरें	सांनि धप	मग रेसा
मंमं गंरें	सांनि धप	मग रेसा	Sग साS	रेसा Sम	पसां सांS
धS मंमं	गंरें सांनि	धप मग	रेसा Sग	साS रेसा	Sम पसां
सांS धS	मंमं गंरें	सांनि धप	मग रेसा	Sग साS	रेसा Sम
पसां Sसां	सांS ध	S प	ध प	ग S	रे सा

(६) म प	सांS सा	रेम Sप	सांS धS	पS धम	पS गरे
साS रेम	पध मप	गS रेसा	रेम पS	धप Sनि	धप Sसां
निध पS	मप धम	पग Sरे	साS रेम	पध पसां	धS पग
Sरे मS	रेम पध	पसां धS	धS पग	Sरे साS	रेम पध
पसां धS	धS धS	S प	ध प	ग S	रे सा

(७) म प	सां रेंरें	मम पप	मम पप	धध पप	धध सांसां
सांसां निनि	निनि धध	पप पप	रेंरें सांसां	सांसां निनि	धध धध
पप पप	धध मम	पप गग	गग रेरे	सासा रेसा	रेम गS
रेसा Sम	पसां धS	रेम गS	रेसा Sम	पसां धS	रेम गS
रेसा Sम	पसां धS	S प	ध प	ग S	रे सा

(८) म प	सं ममम	पपप धधध	संसंसं संसंसं	धधध संसंसं	गंगंगं रेंरेंरें
संसंसं संसंसं	संसंसं गंगंगं	रेंरेंरें संसंसं	निनिनि धधध	पपप संसंसं	निनिनि धधध
पपप गगग	गगग रेरेरे	ममम पपप	धधध गगग	रेरेरे सासासा	पमप गSरे
मपप गरेसा	मपसं धS	पमप गSरे	मपप गरेसा	मपसं धS	पमप गSरे
मपप गरेसा	मपसं धS	S प	ध प	ग S	रे सा

९—म प	सां रेम	गरे साऽ	निध पऽ	मप धसा	ऽरे मप
ऽध मप	गऽ रेसा	ऽरे मप	मप धप	धसां ऽनि	निध पप
रेंसां ऽनि	धऽ पऽ	धम पग	ऽरे साऽ	ऽरे मप	गऽ रेसा
ऽम पसां	रेंसां धऽ	गऽ ऽसा	ऽम पसां	सांऽ धऽ	गऽ रेसा
ऽम पसां	सांऽ धऽ	ऽ प	ध प	ग ऽ	रे सा

१०—म प	सां मप	धनि सारें	मंरें सांनि	धप मग	रेसा ऽनि
धनि सारे	मप धनि	सांनि रेंसां	गंरें मंगं	रेसा निध	पम गरे
साऽ ऽरे	ऽम पसां	सांऽ धऽ	मंगं रेंसां	निध पम	गरे साऽ
ऽरे ऽम	पसां सांऽ	धऽ मंगं	रेंसां निध	पम गरे	साऽ ऽरे
ऽम पसां	सां ध	ऽ प	ध प	ग ऽ	रे सा

झाला (चौगुन में भी बजायें)

म प	सां ध	ऽ प	म मप	ऽप धध	सांऽ सांसां
ऽसां सांसां	सांसां निसां	सांसां रेंसां	सांसां गंरें	सांसां निध	निध पध
मप सांनि	सांसां सांसां	सांसां सांऽ	सांसां ऽसां	सांसां सांध	सांसां सांसां
सांसां सांऽ	सांसां ऽसां	सांसां सांप	सांसां सांसां	सांसां सांऽ	सांसां ऽसां
सांसां सांम	सांसां सांसां	सांसां सांऽ	सांसां ऽसां	सांसां रेंसां	सांसां गंसां
सांसां मसां	सांसां निध	पध मप	गऽ रेसा	ऽसा सासा	सानि सानि
सासा साध	सांसां सांनि	सासा सासा	साध सासा	सासा सानि	सासा साध
सासा सानि	सासा सासा	साध सासा	सासा सानि	सासा साध	सासा मप
ध सां	सां ध	ऽ प	ध प	ग ऽ	रे सा

चाल (चौगुन में भी बजायें)

म प	सां धध	धध पप	धध पम	गग गग	रेरे सासा
रेरे मम	पप धध	धध पप	मम पप	गग गग	रेरे सासा
मम पप	धध सांसां	सांसां सांसां	सांसां सांसां	सांसां रेंरें	सांसां सांसां

सांसां	रेंरें	गग	रेंरें	सांसां	रेंरें	सांसां	निनि	धध	पप	मम	पप
सांसां	सांसां	धध	पप	गग	रेंरें	रेंरें	सासा	मम	रेरे	मम	पप
धध	पप	निनि	धध	धध	पप	मम	पप	गग	गग	रेरे	सासा
मम	पप	सांसां	धधध	धधध	पपप	धधध	पपप	गगग	गगग	रेरेरे	सासासा
रेरेरे	ममम	पपप	धधध	धधध	पपप	ममम	पपप	गगग	गगग	रेरेरे	सासासा
ममम	पपप	धधध	सांसांसां	सांसांसां	सांसांसां	सांसांसां	सांसांसां	सांसांसां	रेंरेंरें	सांसांसां	सांसांसां
सांसां	रेंरेंरें	गंगंगं	रेंरेंरें	सांसांसां	रेंरेंरें	सांसांसां	निनिनि	धधध	पपप	ममम	पपप
सांसांसां	सांसांसां	धधध	पपप	गगग	रेरेरे	रेरेरे	सासासा	ममम	रेरेरे	ममम	पपप
धधध	पपप	निनिनि	धध	धधध	पप	ममम	पप	गगग	गग	रेरेरे	सासा
ममम	पपप	सांसांसां	ध	धधध	पप	ममम	पप	गगग	गग	रेरेरे	सासा
ममम	पपप	सांसांसां	ध	धधध	पप	ममम	पप	गगग	गग	रेरेरे	सासा
ममम	पपप	सांसांसां	ध	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा
म	प	सां	ध	पध	पग	ऽरे	साम	पसां	ध	साम	पसां
ध	साम	पसां	ध	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा
म	प	सां	ध	पध	पग	ऽरे	सारे	मप	धध	पम	पग
ऽरे	साम	पसां	ध	ऽ	प	ध	प	ग	ऽ	रे	सा
म	प	सां	ध	पध	पग	ऽरे	साम	पध	सां	सांसां	ऽसां
रेंसां	ऽसां	रेंगं	रेंसां	रेंसां	निध	पम	पसां	ऽध	पग	रेरे	साम
रेंम	पध	पनि	धध	पम	पग	ऽरे	साम	पसां	धऽ	पध	पनि
धध	पम	पग	ऽरे	साम	पसां	ध	पध	पनि	धध	पम	पग
ऽरे	साम	पसां	धऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

(७) राग भैरवी

भैरवी राग, भैरवी थाट से पैदा होता है, इस राग में रे, ग ध और नि स्वर कोमल लगते हैं, शेष सब स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर म है और सम्वादी सा है। यह प्रातःकाल का राग है, गुणी लोग शुद्ध रे तथा तीव्र मं को लगाकर राग की रंजकता को और बढ़ा देते हैं, कुशल कलाकार इस राग में प्रायः १२ स्वरों का प्रयोग दिखाते हैं। इस राग की प्रकृति चंचल है।

आरोह—सा ऽ रे ग ऽ म ऽ प ध ऽ नि सां ऽ।
अवरोह—सां ऽ नि ध प म ऽ ग ऽ रे सा ऽ।
पकड़— म ग ऽ म ग रे सा ऽ ध़ नि़ सा ऽ रे सा।

गत बजाने से पहले नीचे दिये आलाप को बजायें (चौगुन में भी बजायें)

सा	ऽ	ध़	नि़	सा	ऽ	म	ग	प	म	ग	ऽ	ध	प	ऽ	ध
म	प	ग	ऽ	म	ग	ऽ	सा	रे	सा	ऽ	नि़	सा	ग	म	प
ऽ	ध	प	ऽ	नि	ध	प	ऽ	सां	ऽ	ध	ऽ	नि	प	ऽ	ध
म	प	ऽ	म	ऽ	ध	नि	सां	रें	सां	ऽ	गं	रें	सां	ऽ	मं
गं	रें	सां	ऽ	ध	सां	ऽ	रें	नि	सां	ऽ	ध	म	प	ऽ	म
ग	रे	सा	ऽ	ध़	नि़	सा	रे	सा	ऽ	रे	म	ग	रे	सा	ऽ

(२८) गत राग भैरवी, त्रिताल [मध्यलय

स्थाई—

×				२				०				३			
												नि़	सा	ग	म
प	ध	प	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	ग	म

अन्तरा—

	ध	प	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	रे	ध	म	ध	नि
सां	ऽ	रें	सां	ध	नि	ध	रें	सां	नि	ध	म	म	प	ग	म
प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	ग	म

तोड़ा—

१–सारे गम पध निसं	निध पम गरे साऽ	ग रे सा पम	गरे सारे निसा गम
२–निध पम गम पध	निध पम गरे साऽ	ऽग रेसा ऽसा ऽम	गरे सारे निसा गम
३–निसा गम पध निसं	गंगं रेंसं निध पम	गरे सानि साऽ गम	पऽ गम पऽ गम
४–साग मप धनि संगं	मंपं मंगं रेंसं निध	पम गरे सानि साऽ	गम पग मप गम
५–निसा गम पम गम	पध पम गम पध	निध पम गम पध	निसं निध पम गम
पध निसं रेंसं निध	पम गम पध निसं	गंगं रेंसं निध पम	गरे साऽ ऽरें संनि
धप मप गम पध	निसं निध पम गरे	सारे निसा गम पऽ	पध निसं निध पम
गरे सारे निसा गम	पऽ पऽ पध निसं	निध पम गरे सारे	निसा गम पऽ पऽ

झाला (चौगुन में भी बजायें)

प ध प म	ग म प म	धम धनि ऽसं संसं	रेंसं संसं गंसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संम संसं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संम संसं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संरे सासं संसं संसं	संगं सासं संसा संसं	संम सासं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	संरे सासं संसं संसं	संग सासं संसं संसं	संम सासं संसं संसं
संसं रेंरें संसं गंगं	रेंसं संसं गंरें संसं	मंगं रेंरें संसं धध	संसं रेंरें निनि संसं
धध निनि संसं रेंरें	गंरें संसं निध पप	गप पध निध पप	धम पप गग मग
गग रेसा ऽरे सारे	निसा गम पऽ गऽ	ऽग मऽ पऽ गग	रेसा ऽरे सारे निसा
गम पऽ गऽ ऽग	मऽ पऽ गग रेसा	ऽरे सारे निसा गम	पऽ गऽ ऽग मऽ
प ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(२६) गत राग भैरवी, त्रिताल (विलम्बित लय)

स्थाई—

×				२				०				३			
											सरे	नि	सस	ग	म
प	प	प	गग	म	धध	प	म	ग	रे	स	सरे	नि	सस	ग	म

अन्तरा—

प	प	प	गग	म	धध	प	म	ग	रे	म	मम	ग	मम	ध	नि
सं	रें	सं	संसं	नि	संसं	रें	सं	नि	ध	प	गग	म	धध	प	ध
म	पप	ग	नि	म	धध	प	म	ग	रे	म	सरे	नि	सस	ग	म

तोड़ा—

१—सऽरेरे गम पध निसं	निऽधध पम गरे सऽ	पऽधध पम गरे सरे	नि सस ग म
२-संऽनिनि धनि संनि धप	मऽपप धप मग रेस	ऽऽधध पम गरे सरे	नि गरेसरे निसस गम
३—सरे गरे गम गम	पम पध पध निध	निसं निध पम गरे	सरे गरेसरे निऽसस गम
४—संऽरेंरें संगं रेंगं संरें	निऽसंसं निरें सरें निसं	धऽनिनि धसं निसं धनि	पऽधध पनि धनि पध
संऽरेंरें संगं रेंगं निऽसंसं	निरें संरें धऽनिनि धसं	निसं पऽधध पनि धनि	संऽनिनि धम धनि संनि
संऽरेंरें संगं निऽसंसं निरें	धऽनिनि धसं पऽधध पनि	संऽरेंरें संगं निऽसंसं निरें	धऽनिनि धसं पऽधध पनि
संनिधप मगरेस निसगम पप	पऽ पनि संनिधप मगरेस	निसगम पप पऽ पनि	सनिधप मगरेस निसगम पप

५—सरेसग	रेगसरे	रेगरेम	गमरेग	गमगप	मपगम	मपमध	पधमप
पधपनि	धनिपध	धनिधसं	निसंधनि	निसंनिरें	संरेंनिसं	संरेंसंगं	रेंगंसंरें
संगंरेंगं	संरेंनिसं	धनिपध	मपगम	गरेसरे	निसगम	पऽ	धनिपध
मपगम	गरेसरे	निसगम	पऽ	धनिपध	मपगम	गरेसरे	निसगम

झाला (चौगुन में भी बजायें)

प	प	प	गग	म	धध	प	म	गरे	सम	गरे	पम	गनि	पम	निध	पसं
संनि	संसं	संसं	संसं	संध	संसं	संसं	संसं	संप	संसं	संसं	संसं	संनि	संसं	संध	संसं
संनि	संसं	संसं	संसं	संध	संसं	संसं	संसं	संप	संसं	संसं	संसं	संनि	संसं	संध	संसं
संनि	संसं	संसं	संसं	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	धध	धध	पम	पप	पप	पप
संनि	संसं	संसं	संसं	निध	निनि	निनि	निनि	धप	धध	धध	धध	पम	पप	पप	पप
संनि	संसं	निध	निनि	धप	धध	पम	पप	संनि	संसं	निध	निनि	धप	धध	पम	पप
संनि	धप	मग	रेस	निस	निस	ऽनि	सस	धनि	धस	ऽनि	सस	पध	पस	ऽनि	सस
निस	ऽनि	सस	धस	ऽनि	सस	पस	ऽनि	सस	निस	ऽनि	धस	ऽनि	पस	ऽनि	सस
सनि	सस	सध	सस	सप	सस	सम	सस	सनि	सस	सध	सस	सप	सस	सम	सस
गरे	सम	गरे	पम	गध	पम	निध	पसं	निध	रेंसं	ऽगं	रेंसं	निध	पम	गरे	सऽ
ऽरे	निस	गम	पऽ	ऽस	गम	पऽ	ऽगं	रेंसं	निध	पम	गरे	सऽ	ऽरे	निस	गम
पऽ	ऽस	गम	पऽ	ऽगं	रेंसां	निध	पम	गरे	सऽ	ऽरे	निसा	गम	पऽ	ऽस	गम
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

गत बजाने से पहिले नीचे दिये आलाप को बजायें (चौगुन में भी बजायें)

१-नि	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
स	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	नि	ऽ
स	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ
स	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
२-स	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	नि	ऽ
स	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे
ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

३–ध	ऽ	नि	ऽ	सा	ऽ	रे॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	म	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	नि॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें॒	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	नि॒	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	रें॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	गं॒	ऽ	रें॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
मं	ऽ	गं॒	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	गं॒	ऽ	रें॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
ध॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें॒	ऽ	नि॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ
सां	ऽ	रें॒	ऽ	गं॒	ऽ	रें॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध॒	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३०) गत राग भैरवी, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

३				×				२				०			
नि	सा	ग॒	म	ध॒	ऽ	ध॒	म	प	नि॒	ध॒	प	म	ग॒	रे॒	सा

जोड़—

ऽ	नि	ध	नि	सा	रे॒	म	ग॒	नि	ग॒	ऽ	म	ग॒	रे॒	सा	रे॒

अन्तरा—

ध॒	म	ध॒	नि॒	सां	ऽ	रें॒	सां	ध॒	नि॒	ध॒	रें॒	सां	नि॒	ध॒	म
सां	रें॒	सां	नि॒	ध॒	प	म	ग॒	नि	ग॒	ऽ	म	ग॒	रे॒	सा	रे॒

गत सम्बन्धित आलाप

१–नि़	सा	ग	म	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
२–ध	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
रें	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३–ध	ऽ	म	ध	सां	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऽ	नि़	ध़	नि़	सा	रे	म	ग	नि	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
म	ग	रे	सा	ऽ	रे	ग	ऽ	म	ग	रे	सा	ध़	ऽ	नि़	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ग	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
ऽ	रें	सां	नि	ध	प	म	ग	नि़	ग	ऽ	म	ग	रे	सा	रे

तोड़ा—

(१) नि़	सा	ग	म	सारे	गम	पध	निसां	निध	पम	गरे	साऽ	पनि	धप	मग	रेसा
नि़	रेसा	नि़सा	गम	ध	ऽ	ध	म	प	नि	ध	प	म	ग	रे	सा

(२) नि सा ग म | गरे साम गरे पम | गध पम निध पसां | निध रेंसां निगं रेंसां
निध पम गरे सारे | निसा गम पध निसां | निध पम गरे सारे | निसा गम पऽ निसा
गम पऽ निसा गम | प ऽ ध म | प नि ध प | म ग रे सा

(३) निसा सा ऽसा गम | निसा गग रेसा निसा | गम पम गरे सासा | निसा गम पध पम
गरे सासा निसा गम | ध ऽ ध म | धम पनि धप ऽप | मग रेसा ऽसा गम
गम पऽ ऽप मग | रेसा ऽसा ऽसा गम | पऽ पऽ ऽप मग | रेसा ऽसा ऽसा गम
पऽ गम प गम | प ऽ ध म | प नि ध प | म ग रे सा

(४) नि सा ग म | साग मध निसां गंगं | रेंसां निध पम गरे | ऽग मप धनि सांगं
मंपं मंगं रेंसां निध | पम गरे सासा धम | पनि धप मग रेसा | निसा गम पऽ पम
गरे सासा धम पनि | धप मग रेसा निसा | गम पऽ पम गरे | सासा धम पनि धप
मग रेसा निसा गम | प ऽ ध म | प नि ध प | म ग रे सा

(५) नि सा ग म | निसा गम पध निसा | गंगं रेंसां निध पम | गरे सानि साऽ गम
प गम प गम | प ऽ ध म | प नि ध प | म ग रे सा

(६) नि सा ग म | निध निध पम गम | पध पध निसां निध | पम पम गम पध
निसां निसां गंगं रेंसां | निध पम गरे साऽ | ग म प गरे | सा ग म प
गरे साऽ ग म | प ऽ ध म | ग रे ऽ रे | गरे ऽरे गरे सारे
नि सा निसा गम | ध ऽ ध म | प नि ध प | म ग रे सारे

(७) नि सा ग म | निसा गम पम गम | पध पम गम पध | निध पम गम पध
निसां निध पम गम | पध निसां गंगं रेंसां | निध पम गरे साऽ | ग म प ग
म प ग म | प ऽ ध म | ग रे ऽ रे | ग रे सा रे

(८) नि सा ग म | निसा गम ऽप गम | पध ऽनि मप धनि | ऽसां धनि सांरें गंऽ
रेंसां निध पम गरे | सारे निसा गम पऽ | प ऽ सारे निसा | गम प प ऽ
सारे निसा गम प | प ऽ ध म | ग रे ऽ रे | ग रे सा रे

(९) नि सा ग म | ध ऽ ध म | प नि ध प
म ग रे सा | नि सा ग म | सागम पधनि सांगंमं पंमंगं

रेंसंनि धपम गरेग रेसरे	निनिस गऽम पऽ निनिस	गऽम प निनिस गऽम
प ऽ ध म	ग रे ऽ रे	ग रे स रे

(१०) नि स ग म	ध ऽ ध म	प नि मध ऽम	पनि धप मग ऽरे
सरे निस निस गम	संनि संनि संनि धप	निध निध निध पम	धप धप धप मग
पम पम पम गरे	संनि संनि संनि धप	निध निध निध पम	धप धप धप मग
पम पम पम गरे	संनि संनि धप निध	निध पम धप धप	मग पम पम गरे
संनि संनि धप निध	निध पम धप धप	मग पम पम गरे	संनि धप निध पम
धप मग पम गरे	संनि धप निध पम	धप मग पम गरे	निस गम पध निस
सं सं सं पम	गरे निसा गम पध	निसं सं सं सं	पम गरे निस गम
पध निसं सं सं	सं ऽ ध म	प नि ध प	म ग रे सरे
नि स निस गम	ध ऽ ध म	प नि ध प	म ऽम गरे सरे

झाला (चौगुन में भी बजायें)

नि सा ग म	ध ऽ ध म	प नि ध प	धम धनि ऽनि संसं
रेंसं संसं निसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं
संनि संसं संध संसं	संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं
संनि संसं संध संसं	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि
धप धध पम पप	संनि धप मग रेंस	ऽरे गम पध निसं	ऽरे गम प ऽरे
गम प ऽरे गम	ध ऽ ध म	प नि ध प	म ग रे सरे
धम धनि ऽनि निनि	निसं निसं ऽनि संसं	संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं
संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संध संसं संसं संसं
संऽ संसं ऽसं संसं	संप संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संम संसं संसं संसं
संऽ संसं ऽसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं संऽ संसं	संध संसं संसं संसं
संऽ संसं ऽसं संसं	संप संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	संम संसं संसं संसं
संऽ संसं ऽसं संसं	संनि निसं ऽनि संसं	निध धनि ऽध निनि	धप पध ऽप धध

पम मप ऽम मप	सांनि निसां ऽनि सांसां	निध धनि ऽध निनि	धप पध ऽप धध
पम मप ऽम पप	सांनि निसां ऽसां निध	धनि ऽनि धप पध	ऽध पम मप ऽप
सांनि निसां ऽसां निध	धनि ऽनि धप पध	ऽध पम मप ऽप	सांनि ऽसां निध ऽनि
धप ऽध पम ऽप	सांनि ऽसां निध ऽनि	धप ऽध पम ऽप	सांनि निसां निध धनि
धप पध पम मप	सांनि निसां निध धनि	धप पध पम मप	सांनि धप मग रेसा
सारे गम पध निसां	गम पध निध सांऽ	सांऽ निसा गम पध	निध सां सां निसा
गम पध निध सां	सां ऽ ध म	प नि ध प	म ग रे सारे
नि सा ग म	धध धध धध मम	पप निनि धध पप	मम गग रेरे सासा
निनि सासा गग मम	धध धध धध मम	पप निनि धध पप	मम गग रेरे सासा
सासा निनि धध निनि	सासा रेरे मम गग	निनि गग गग मम	गग रेरे सासा रेरे
निनि सासा गग मम	धध धध धध मम	पप निनि धध पप	मम गग रेरे सासा
धध मम धध निनि	सांसां सांसां रेंरें सांसां	धध निनि धध रेंरें	सांसां निनि धध मम
सांसां रेंरें सांसां निनि	धध पप मम गग	निनि गग गग मम	गग रेरे सासा रेरे
निनि सासा गग मम	धऽ धम पनि धप	मग रेसा निसा गम	प रेसा निसा गम
प रेसा निसा गम	प ऽ ध म	प नि ध प	म ग रे सा
नि रेसा निसा गम	ध ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(३१) गत राग भैरवी ताल दादरा (द्रुतलय)

स्थाई—

×			०			×			०		
ध	सां	रें	सां	ध	प	नि	ध	प	ग	ऽ	म
प	नि	ध	प	ग	म	ग	रे	सा	प	ग	म

अन्तरा—

ध	म	म	ध	नि	ध	नि	सां	रें	सां	ऽ	ऽ
नि	सां	रें	सां	गं	मं	सां	गं	रें	सां	प	ध

नि	सां	रें	सां	नि	ध	नि	ध	प	ग	ऽ	म
प	नि	ध	प	ग	म	ग	रे	सा	प	ग	म

गत सम्बन्धित स्वरालाप—राग भैरवी

(१)	ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	ध़	ऽ	ऩि	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
	ऩि	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ
	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ

(२)	ध़	ध़	ऩि	सा	ऽ	ऽ	रे	रे	रे	सा	ऽ	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऩि	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ
	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ
	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ
	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
	प	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	रे	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३)	ध	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ
	नि	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ
	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ
	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	ऽ	गं	ऽ	ऽ
	रें	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ

ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ
म	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

तोड़ा—

(१)	सारे	गम	पध	निसां	निध	पम	गरे	साऽ	गम	गरे	साप	गम
(२)	मग	रेग	रेसा	रेंसां	निसां	निध	सांनि	धनि	धप	धप	मप	मसां
	सासां	निसां	निध	निध	पध	पम	पम	गम	गरे	गरे	सारे	निसा
	गम	प	प	पध	पम	पम	गम	गरे	गरे	सारे	निसा	गम
	प	प	पध	पम	पम	गम	गरे	सारे	निसा	गम	प	प
(३)	गग	रेरे	सासा	धध	निनि	सासा	सासा	रेरे	निनि	सासा	सासा	सासा
	गग	गग	मम	गग	मम	गग	गग	पप	मम	गग	गग	गग
	रेरे	सासा	सासा	पनि	धप	गम	गरे	साप	गम	धग	मध	गम
(४)	सासासा	धनिसा	मगप	मगग	धपप	धमप	गगग	मगग	रेसासा	रेमग	गरेसा	निसासा
	मगम	पपप	पनिध	पगम	गरेसा	पगम	धऽ	गरेसा	पगम	धऽ	गरेसा	पगम
(५)	निसाग	मपध	निसांगं	गंरेंसां	निधप	मगरे	सानिसा	धनिसा	गंरेंसां	निधप	मगरे	गरेसा
	निधप	गऽम	पनिध	पगम	गरेसा	पगम	धऽ	गरेसा	पगम	धऽ	गरेसा	पगम
(६)	निसा	सासा	गग	गग	रेरे	सासा	निनि	सासा	गग	मम	पप	मम
	पप	मम	गग	रेरे	सासा	सासा	पनि	धप	गम	गरे	साप	गम
(७)	मग	रेग	ऽम	गम	पऽ	पऽ	मग	रेसा	सानि	साग	मप	गऽ
	मग	रेसा	ऽनि	साऽ	गम	पऽ	धप	ऽनि	धप	सांसां	धध	निनि
	पप	धध	मम	पप	पप	गग	मग	ऽप	मग	रेसा	ऽरे	गऽ
	पम	गऽ	मग	रेसा	ऽरे	गम	धऽ	धप	गम	गरे	साप	गम

(८) निसा	ऽग	मप	धम	ऽनि	धप	सांऽ	धऽ	निप	ऽध	मप	गऽ
मग	ऽप	मग	रेसा	ऽरे	गऽ	पम	गऽ	ऽम	गरे	साऽ	ऽसां
रेंसां	धप	निध	पग	ऽमं	पनि	ऽनि	धम	गम	गरे	साम	गम
धऽ	ऽप	गम	गरे	साप	गम	धऽ	ऽप	गम	गरे	साप	गम
गग	रेरे	सासा	धध	निनि	सासा	रेनि	सासा	निनि	सासा	गग	मग
गप	पम	गग	रेसा	साध	निसा	सासा	रेरे	सासा	गग	रेरे	सासा
मम	गग	रेरे	सासा	पप	मम	गग	रेरे	सासा	धध	पप	मम
गग	रेरे	सासा	निनि	धध	पप	मम	गग	रेरे	सासा	सांसां	निनि
धध	पप	मम	गग	रेरे	सासा	रेंरें	सांसां	निनि	धध	पप	मम
गग	रेरे	सासा	ऽनि	साग	मप	निध	ऽप	गऽ	पनि	धप	गम
गरे	साप	ऽग	ऽम	धऽ	ऽप	गऽ	पनि	धप	गम	गरे	साप
ऽग	ऽम	धऽ	ऽप	गऽ	पनि	धप	गम	गरे	साप	ऽग	ऽम
गरे	साम	गरे	पम	गध	पम	निध	पसां	निध	रेंसां	निगं	रेंसां
निध	पम	गरे	साम	गरे	पम	गध	पम	निध	पसां	निध	रेंसां
निगं	रेंसां	निध	पम	गरे	साप	गम	धऽ	ऽम	धनि	सांऽ	गंरें
साप	गम	धऽ	ऽम	धनि	सांऽ	गरे	साप	गम	धऽ	ऽम	धनि
सां	ऽ	रें	सां	ध	प	नि	ध	प	ग	ऽ	म
प	नि	ध	प	ग	म	ग	रे	गम	गरे	साप	गम

(गत की लय बढ़ाकर झाला बजायें)

गरे	सासा	सासा	निसा	सासा	सासा	गरे	गरे	सासा	निसा	सासा	सासा
गग	गग	गग	रेरे	सासा	सासा	निसा	सासा	धसा	सासा	रेसा	सासा
निसा	गम	पध	पप	धनि	सांसां	रेंसां	सांसां	गंसां	सांसां	रेंनि	सांसां
धम	धनि	सांरें	गंरें	सांनि	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांसां
साप	सांसां	सांसां	सांम	सांसां	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांसां

सांप	सांसां	सांसां	सांम	सांसां	सांसां	सांनि	सांसां	सांध	सांसां	सांप	सांसां
सांम	सांसां	सांनि	सांसां	सांध	सांसां	सांप	सांसां	सांम	सांसां	सांनि	धप
मग	रेसा	ऽरे	गम	धऽ	रेसा	ऽरे	गम	धऽ	रेसा	ऽरे	गम

चाल—

धध	सांसां	रेंरें	सांसां	धध	पप	निनि	धध	पप	गग	गग	मम
पप	निनि	धध	पप	गग	मम	गग	रेरे	सासा	प	गग	मम
धध	मम	मम	धध	निनि	धध	निनि	सांसां	रेंरें	सांसां	सांसां	सांसां
निनि	सांसां	रेंरें	सांसां	गंगं	मंमं	सांसां	गंगं	रेंरें	सांसां	पप	धध
निनि	सांसां	रेंरें	सांसां	निनि	धध	निनि	धध	पप	गग	गग	मम
पप	निनि	धध	पप	गग	मम	गग	रेरे	सासा	पप	गग	मम

अन्तिम टुकड़ा—

धसां	रेंसां	धप	निध	पग	ऽम	पनि	धप	गम	गरे	साप	पग
ऽनि	धऽ	साप	पग	ऽम	धऽ	धऽ	साप	पग	ऽम	धऽ	धऽ

धमनि	धनिध	निसांरें	सांसांसां	निसांरें	सांगंमं	सांगंरें	सांपध	निसांरें
सांनिध	निधप	गऽम	पनिध	पगम	गरेसा	पगम	धऽ	पगम
गरेसा	पगम	धऽ	पगम	गरेसा	पगम	ध	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(८) राग भूपाली

राग भूपाली कल्याण थाट से पैदा होता है, इसके आरोह तथा अवरोह में म तथा नी स्वर वर्जित हैं, शेष स्वर सब शुद्ध लगते हैं, वादी स्वर ग तथा सम्वादी स्वर ध है, रात के प्रथम प्रहर का राग है, भूपाली राग का स्वभाव शान्ति का है।

आरोह:—सा रे ऽ ग प ऽ ध ऽ सां ऽ।
अवरोह:—सां ऽ ध प ऽ ग ऽ रे सा ऽ।
पकड़:—ग ऽ रे ऽ सा ध़ ऽ सा रे ग ऽ प ग ऽ ध प ग ऽ रे सा ऽ।
गत बजाने से पहिले नीचे दिये आलाप को बजाना चाहिये।

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ध़	ऽ	सा	रे	ग	ऽ	प	ग	ऽ	ध	प
ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ध़	ऽ	प़	ऽ	ध़	सा	ऽ	रे	सा	ध़	ऽ
सा	रे	ऽ	ग	रे	सा	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ग	प	ध	सां	ऽ
प	ध	सां	रें	ऽ	गं	रें	ऽ	सां	ऽ	पं	गं	रें	ऽ	सां	ऽ
सां	ध	प	ग	रे	ऽ	ग	रे	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३२) गत राग भूपाली, त्रिताल [मध्यलय]

स्थाई—

×				२				०				३			
								ग	रे	सा	ध़	ऽ	ध़	सा	रे
प	ऽ	ग	ऽ	ग	रे	ग	प	ग	रे	सा	ध़	ऽ	ध़	सा	रे

अन्तरा—

प	ऽ	ग	ऽ	ग	रे	ग	प	ध	सां	रें	गं	रें	सां	ध	प
ध	सां	ध	प	ग	रे	ग	प	ग	रे	सा	ध़	ऽ	ध़	सा	रे

तोड़ा—

(१)	प	ऽ	ग	ऽ	ग	रे	ग	प	* गप	धसां	धप		गरे	साध़	ऽध़	सारे
(२)	प	ऽ	ग	ऽ	ग	रे	ग	प	* सांरें	गंरें	सांरें		सांध	पध	पग	रेसा
	ऽप	गरे	साध़	ऽध़	सारे	पऽ	साध़	ऽध़	सारे	पऽ	पऽ	साध़	ऽध़	सारे	पऽ	पऽ

(३) गंरें संरें संध पध	पग रेग रेस ध़स	ऽरे गरे गप गरे	गप धप गरे सध़
ऽध़ सरे पऽ गप	धप गरे सध़ ऽध़	सरे पऽ गप धप	गरे सध़ ऽध़ सरे
(४) गंपं गंरें संरें संध	पध पग रेग रेस	गरे पग धप संध	रेंसं धप गरे गप
गरे सध़ ऽध़ सरे	पऽ गप गरे सध़	ऽध़ सरे पऽ गप	गरे सध़ ऽध़ सरे
(५) सरे गरे सरे गप	गरे सरे गप धप	गरे सरे गप धसं	धप गरे सरे गप
धसं रेंगं पंगं रेंसं	धप गरे सरे सध़	ऽध़ सरे पऽ ऽध़	सरे पऽ ऽध़ सरे

झाला (चौगुन में भी बजायें)

प गप ऽप धप	सं संसं ऽसं संसं	संसं संसं संसं संसं	संसं संसं संसं संसं
सस ससं संसं संसं	रेरे रेसं संसं संसं	गग गसं संसं संसं	पप पसं संसं संसं
सस ससं संसं संसं	रेरे रेसं संसं संसं	गग गसं संसं संसं	पप पसं संसं संसं
सस ससं संसं रेरे	रेंसं संसं गग गसं	संसं पप पसं संसं	सस ससं संसं रेरे
रेसं ससं गग गसं	संसं पप पसं संसं	सस ससं रेरे रेसं	गग गसं पप पसं
सस ससं रेरे रेसं	गग गसं पप पसं	संध धसं संसं संसं	संप पसं संसं संसं
सस ससं रेरे रेसं	गग गसं पप पसं	संध धसं संसं संसं	संप पसं संसं संसं
संध संसं संप संसं	संग संसं संरे संसं	संध संसं संप संसं	संग संसं संरे संसं
संध संसं संप संसं	संग संसं संरे संसं	संध संसं संप संसं	संग संसं संरे संसं
गरे सप गरे धप	गसं धप रेंसं धगं	रेंसं धप गरे सरे	सध़ ऽध़ सरे गप
धसं ऽध ऽध संऽ	पऽ धगं रेंसं धप	गरे सरे सध़ ऽध़	सरे गप धसं ऽध
ऽध संऽ पऽ धगं	रेंसं धप गरे सरे	साध़ ऽध़ सारे गप	धसं ऽध ऽध संऽ
पऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(३३) गत राग भूपाली त्रिताल [विलम्बित लय]

स्थाई—

×	२	०	३
		गग	रे सध़ स रें
प ग ग रेंरे	ग धप ध प	ग रे सरे गग	रे सध़ स रे

जोड़—

प ग ग रेरे	ग पप ध प	ग रे सारे गग	रे धऺधऺ रे सा
पऺ धऺधऺ सा रे	ग पप ध प	ग रे सारे गग	रे साधऺ सा रे

अन्तरा—

प ग ग रेरे	ग पप ध प	ग रे सारे गग	प गग प ध
सां रेंरें सां गं	रें धध रें सां	ध सां ध पप	ग पप ध सां
ध पप ग रे	ग पप ध प	ग रे सारे गग	रे साधऺ सा रे

तोड़ा—

(१)साऽरेरे गप धसां धप	गऽरेरे गप गरे साऽ	पऽधध पग रेसा गग	रे साधऺ सा रे
(२)सांऽरेंरें गंरें सांऽ पध	धऽसांसां धप गरे साऽ	पऽधध पग रेसा गग	रेऽ ऽऽगग रेऽसाधऺ सारे
(३) गंगं रेंसां रेंरें सांध	सांसां धप धध पग	गंगं रेंसां रेंरें सांध	सांसां धप धध पग
गंऽ गंरें सांध रेंऽ	रेंसां धप सांऽ सांध	पग धऽ धप गरे	गंऽ गंरें सांध रेंऽ
ऽगं गंरें सांऽ ऽरें	रेंसां धप ऽसां सांध	पग ऽध धप गरे	ऽगं गंरें सांध ऽरें
गंऽ गंरें ऽसां धरें	रेंसां ऽध पसां सांध	ऽप गध धप सारे	रेगं गंरें ऽसां धरें
रेंसां धप सांऽ सांध	पग धऽ धप गरे	पऽ पग रेसा ऽरे	साधऺ सारे पऽ गऽ
गरे पऽ पग रेसा	ऽरे साधऺ सारे पऽ	गऽ गरे पऽ पग	रेसा ऽरे साधऺ सारे
(४)सांरें सांध सांध पध	पग पग रेग रेसा	रेसा गग रेग रेसा	पप गप गरे धध
पध पप सांसां धसां	धध रेंरें सांरें सांसां	धसां सांसां धप गरे	सारे साधऺ सारे गऽ
ऽरे साधऺ ऽधऺ सारे	प ऽ धसां सांसां	धप गरे सारे साधऺ	सारे गऽ ऽरे साधऺ
ऽधऺ सारे प ऽ	धसां सांसां धप गरे	सारे साधऺ सारे गऽ	ऽरे साधऺ ऽधऺ सारे
(५) गरे ऽप गरे ऽग	पग रेग ऽध पग	रेग ऽपऺ धऺसा रेग	ऽध पग ऽसां धप
गऽ धप गरे ऽसा	रेसा ऽधऺ ऽधऺ सारे	प ऽ ऽध पग	रेग ऽपऺ धऺसा रेग
ऽध पग ऽसां धप	ऽध पग ऽसां धप	रेसा ऽधऺ ऽधऺ सारे	प ऽ ऽध पग
रेग ऽपऺ धऺसा रेग	ऽध पग ऽसां धप	गऽ धप गरे ऽसा	रेसा ऽधऺ ऽधऺ सारे

अलाप (चौगुन में भी बजायें)

गग	पध	संसं	संसं	पसं	संसं	धसं	संसं	पध	संरें	रेंगं	रेंरें	संसं	संसं	पंपं	गंगं
रेंरें	रेंरें	संसं	संसं	रेंरें	रेंरें	संसं	संसं	संसं	धध	पप	गग	गग	धध	पप	गग
रेरे	रेरे	गग	पप	धध	संसं	धध	पप	गग	रेरे	रेंरे	गग	रेरे	सस	प़प़	ध़ध़
सस	सस	ध़ध़	सस	सस	गग	रेरे	गग	पप	गग	रेरे	सस	सस	रेरे	पप	गग
संध	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं	संप	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं
संग	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं	संरें	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं
संध	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं	सप	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं
सग	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं	संरें	संसं	संसं	संसं	सस	ससं	संसं	संसं
संध	संसं	संप	संसं	संग	संसं	संरें	संसं	संध	संसं	संप	संसं	संग	संसं	संरें	संसं
रेंसं	धप	गऽ	धप	ऽरे	गऽ	रेस	रेस	ऽध़	सरे	गऽ	प़ऽ	पऽ	ऽऽ	संग	संसं
संरें	ससं	रेंसं	धप	गऽ	धप	ऽरे	गऽ	रेस	रेस	ऽध़	सारे	गऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ
संग	संसं	संरें	संसं	रेंसं	धप	गऽ	धप	ऽरे	गऽ	रेस	रेस	ऽध़	सरे	गऽ	ऽऽ

गत बजाने से पहिले नीचे दिये आलाप को बजाना चाहिये (चौगुन में भी बजायें)

१—सा	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

२—ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ
ध़	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
ऽ	ऽ	सां	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ

ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	धृ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

३—ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ
सां	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
पं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ
सां	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	पृ	ऽ	ध	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	धृ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ
प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ध	ऽ	रें	ऽ
सां	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	धृ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३४) गत राग भूपाली, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
ग	ऽ	ग	रे	ग	प	ध	प	ग	प	ग	रे	सा	धृ	सा	रे

जोड़

ग	प	ध	सां	रें	सां	ध	प	ग	प	ग	रे	सा	धृ	सा	रे

अन्तरा—

प	ग	प	ध	प	सां	ऽ	सां	ध	ध	सां	रें	ध	सां	ध	प
गं	पं	गं	रें	ध	सां	ध	प	ग	प	ग	रे	सा	ध़	सा	रे

गत सम्बन्धित आलाप

१—ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	ध़	ऽ
सा	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
सां	ऽ	ध	ऽ	रें	सां	ध	प	ग	प	ग	रे	स	ध़	सा	रे
२—ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	ध	सां	रें	सां	ध	प	ग	प	ग	रे	सा	ध़	सा	रे
३—प	ग	प	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ध	प	ग	प	ग	रे	सा	ध़	सा	रे

तोड़ा—

१—ग	ऽ	ग	रे	ग	प	ध	प	* गप	धसां	धप		गरे	ऽरे	साध़	सारे
ग	ऽ	ग	रे	ग	प	ध	प	सारे	गप	धसां	धप	गरे	ऽरे	साध़	सारे
सारे	गप	धसां	धप	गरे	ऽरे	साध़	सारे	सारे	गप	धसां	धप	गरे	ऽरे	साध़	सारे
२—ग	ऽ	ग	रे	ग	प	ध	प	*	धप	ऽध	सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा
ग	ऽ	ग	रे	ग	प	ध	प	गप	धप	ऽध	सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा
गप	धप	ऽध	सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा	गप	धप	ऽध	सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा

३—ग ऽ ग रे	ग प ध प	सारे गप धसां रेंसां	धप गरे साध् सारे
ग ऽ ग रे	ग प ध प	सारे गप धसां रेंसां	धप गरे साध् सारे
सारे गप धसां रेंसां	धप गरे साध् सारे	सारे गप धसां रेंसां	धप गरे साध् सारे
४—सारे गरे गप गप	धप धसां धसां रेंसां	रेंगं रेंसां धप गरे	साध् सारे गऽ धसां
रेंसां रेंगं रेंसां धप	गरे साध् सारे गऽ	धसां रेंसां रेंगं रेंसां	धप गरे साध् सारे
५—गंरें सांरें सांध सांध	पध पग पग रेसा	सारे गप धसां रेंसां	धप गरे साध् सारे
६—रेसा गरे गप ऽग	धप सांध पध सांरें	सांध पग रेसा ऽध्	सारे गऽ पध सांरें
सांध पग रेसा ऽध्	सारे गऽ गऽ पध	सांरें सांध पग रेसा	ऽध् सारे गऽ गऽ
७—सारे सारे गरे सारे	गप गरे सारे गप	धप गरे सारे गप	धसां धप गरे सारे
गप धसां रेंसां धप	गरे सारे गप धसां	रेंगं रेंसां धप गरे	ऽसा ध्सा ऽरे गऽ
रेंसां धप गरे ऽसा	ध्सा ऽरे गऽ गऽ	रेंसां धप गरे ऽसा	ध्सा ऽरे गऽ गऽ
गऽ धप गरे ऽसा	ध्सा ऽरे गऽ गऽ	गऽ धप गरे ऽसा	ध्सा ऽरे गऽ गऽ
८—गरे साध् पध् साऽ	रेग ऽप गऽ धप	गरे ऽसा धप गरे	ऽरें सांध पग रेऽ
पग रेऽ गरे साऽ	ऽध् सारे गऽ गरे	साऽ ऽध् सारे गऽ	गरे साऽ ऽध् सारे
९—गग रेरे रेरे पप	गग रेरे रेरे गग	पप गग रेरे गग	गग धध पप गग
रेरे गग गग पप	ध्ध् सासा रेरे गग	गग धध पप गग	गग सांसां धध पप
गग गग धध पप	गग रेरे रेरे सासा	रेरे सासा सासा रेरे	धध सांसां धध पप
गंगं पंपं गंगं रेंरें	धध सांसां धध पप	गग पप गग रेरे	सासा ध्ध् सासा रेरे

१०—गरेसा ध्पध् सासारे गगप	गगध पगरे रेसासा धपग	रेरेरें सांधप गरेरे रेपग
रेरेग गरेसा ध्सारे पऽ	गऽ सांधप गरेरे रेपग	रेरेग गरेसा ध्सारे पऽ
गऽ सांधप गरेरे रेपग	रेरेग गरेसा ध्सारे पऽ	

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ध्सा साध् सारे रेसा	रेग गरे गप पग	पध धप धसां सांध	सांरें रेंसां रेंगं गंरें
सांध पग रेसा ऽरे	साध् सारे गऽ ऽरे	साध् सारे गऽ ऽरे	साध् सारे गऽ गऽ

ध़स	सस	सध़	सस	सरे	सस	रेस	सस	सध़	ध़स	ध़स	सस	सध़	सस	ध़स	सस
सध़	सस	सप़	सस	सध़	रेरे	सध़	सस	सध़	सस	सप़	सस	सध़	रेरे	सध़	सस
ध़स	सध़	सध़	सस	ध़स	सध़	सध़	रेरे	ध़स	सध़	सध़	गग	ध़स	साध़	सध़	पप
ध़स	सध़	सध़	सस	ध़स	सध़	सध़	रेरे	ध़स	सध़	सध़	गग	ध़स	सध़	सध़	पप
पग	पप	गरे	गग	रेसा	रेरे	सध़	सस	पग	पप	गरे	गग	रेसा	रेरे	सध़	सस
सरे	गप	धसं	संसं	संध	संसं	संप	संसं	संग	संसं	संध	संसं	संध	संसं	संप	संसं
संग	संसं	संध	संसं	संध	संरें	गंपं	गंरें	संध	संरें	संध	पग	पध	संध	संसं	संसं
संध	संसं	संसं	संसं	संप	संसं	संसं	संसं	संग	संसं	संसं	संसं	संध	संसं	संप	संसं
संध	संसं	संसं	संसं	संप	संसं	संसं	संसं	संग	संसं	संसं	ससं	संध	संसं	संप	संसं
संध	संसं	धप	धध	पग	पप	गरे	गग	संध	संसं	धप	धध	पग	पप	गरे	गग
ध़स	गस	सरे	परे	रेग	धग	गप	सप	पध	रेंध	धसं	संसं	संध	गध	धप	रेप
पग	सग	गरे	ध़रे	रेध़	सस	गस	ध़स	परे	सरे	धग	रेस	संप	गप	रेंध	पध
संरें	गंरें	संरें	संध	पग	रेसा	ऽसा	धप	गप	गरे	सध़	रेस	ऽरे	सध़	सरे	पऽ
गऽ	ऽरे	सध़	रेसा	ऽरे	सध़	सरे	पऽ	गप	ऽरे	सध़	रेस	ऽरे	सध़	सरे	पऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३५) गत राग भूपाली, त्रिताल (विलम्बित लय)

स्थाई—

×				२				०				३			
प	ग	ग	रेरे	ग	पप	ध	प	ग	रे	सा	ग़रे	सा	ध़ध़	सा	रे

अन्तरा—

प	गग	प	ध	प	संसं	रें	सं	ध	ध	सं	रेंरें	सं	धध	प	ग
रे	गग	प	ध	सं	संसं	ध	प	ग	रे	सा	रेरे	स	ध़ध़	स	रे

गत सम्बन्धित आलाप

(१)	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	ऽ	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध़	ऽ	सा	ऽ
	रे	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ध	प	ग	रे	सा	रे	सा	ध़	सा	रे
(२)	ग	ऽ	रे	ऽ	ध़	ऽ	प़	ऽ	ध़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	ऽ	ऽ	ग	ऽ	प	ऽ	ध	प	ग	रे	सा	रे	सा	ध़	सा	रे
(३)	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
	प	ऽ	ध	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
	पं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
	ध	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	सा	रे	सा	ध़	सा	रे

तोड़ा—

१—सारे गग रेग पप	गप धध पध सांसां	रेंसां धप गरे रेरे	सा ध़ध़ सा रे
२—सारे गग रेग पप	गप धध पध सांसां	सारे गग रेग पप	गप धध पध सांसां
सारे गप धसां रेंगं	रेंसां धप गरे साध़	ऽसां धप गरे रेरे	सा ध़ध़ सा रे
३—सारे गप गरे गप	धप गप धसां रेंसां	धप गरे ऽसा धप	गरे सारे साध़ सारे
४—सारे गप गरे गप	धप गप धसां रेंसां	सारे गप गरे गप	धप गप धसां रेंसां
सारे गप धसां रेंगं	रेंसां धप गरे साध़	ऽप गरे ऽसा धप	गरे सारे साध़ सारे
५—गंरें सांरें सांध सांध	पध पग पग रेग	रेसा ऽरे ऽसा धप	गरे सारे साध़ सारे
प ऽ ऽसा धप	गरे सारे साध़ सारे	प ऽ ऽसा धप	गरे सारे साध़ सारे

६–पंगं गंपं गंरें रेंगं	रेंसं संरें संध धसं	धप पध पग गप	रेग रेग रेस सरे
ऽस धप गऽ ऽरे	सध़ सरे गऽ पग	गप गरे रेग रेस	सरे ऽस धप गऽ
ऽरे सध़ सरे गऽ	पग गप गरे रेग	रेस रेस ऽस धप	गऽ ऽरे सध़ सरे
पऽ सरे ऽस धप	गऽ ऽरे सध़ सरे	पऽ सरे ऽस धप	गऽ ऽरे सध़ रेस
७–गंपं पंगं रेंगं गंरें	संरें रेंसं धसं संध	पध धप गप पग	रेग गरे सरे रेस
ध़स सध़ सरे ऽप	गरे सरे सध़ सरे	गऽ ऽरे सरे रेस	ध़स सध़ सरे ऽप
गरे सरे सध़ सरे	गऽ ऽरे सरे रेस	ध़स सध़ सरे ऽप	गरे सरे सध़ सरे
पऽ सध़ सरे ऽप	गरे सरे सध़ सरे	पऽ सध़ सरे ऽप	गरे सरे सध़ सरे

झाला (चौगुन में भी बजायें)

संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संग संसं संसं संसं	संध संसं संप संसं
संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संग संसं संसं संसं	संध संसं संप संसं
संध संध संसं संसं	संप संप संसं संसं	संग संग संसं संसं	संरें संसं संसं संसं
संध संध संसं संसं	संप संप संसं संसं	संग संग संसं संसं	संरें संसं संसं संसं
संध संसं धप धध	पग पप गरे गग	संध संसं धप धध	पग पप गरे गग
संध पग रेस ऽरे	सध़ सरे पऽ गऽ	ऽरे सध़ सरे पऽ	गऽ ऽरे सध़ सरे
प ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(३६) गत राग भूपाली, झपताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		२			०		३		
सां	सां	ध	ध	प	ग	प	ग	रे	सा

जोड़—

स	ध़	स	स	रे	ग	प	ग	रे	सा

अन्तरा—

प	ग	प	ध	प	सां	ध	ध	सां	सां
ध	ध	सां	रें	सां	ध	सां	ध	प	प
गं	रें	रें	।	रें	सां	ध	सां	ध	प
ग	प	ध	ध	प	ग	प	ग	रे	सा

गत सम्बन्धित आलाप—

१—ग	ऽ	रे	सा	ऽ	प	ग	ऽ	रे	ऽ
ग	प	ग	रे	ग	ऽ	ध	प	ग	रें
ग	ऽ	प़	ध़	सा	रे	ग	ऽ	ध	प
ग	प	प	ध	प	ग	प	ग	रे	सा
२—ग	रे	ऽ	प	ग	रे	ऽ	ग	प	ग
रे	ग	ऽ	ध	प	ग	रे	ग	ऽ	प
ध़	सा	रे	ग	ऽ	ध	प	ग	ऽ	ध
ग	प	प	ध	प	ग	प	ग	रे	सा
३—ग	ऽ	प	ध	सां	ऽ	प	ध	सां	रें
ऽ	गं	रें	ऽ	सां	ऽ	पं	गं	रें	ऽ
सां	ऽ	रें	ऽ	सां	ध	प	ग	ऽ	ध
ग	प	प	ध़	प	ग	प	ग	रे	सा

तोड़ा—

(१) सां	सां	ध	ध	प	सारे	गप	धसां	धप	गरे
सां	सां	ध	ध	प	गरे	गप	धसां	धप	गरे
गरे	गप	धसां	धप	गरे	गरे	गप	धसां	धप	गरे
(२) सां	सां	ध	ध	प	सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा
सां	सां	ध	ध	प	सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा
सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा	सांरें	गंरें	सांध	पग	रेसा

(३)	गरें	सारें	|	सांध	सांध	पध	|	पग	पग	|	रेग	रेसा	ऽध़
	सारे	सांऽ	|	सांऽ	ऽध़	सारे	|	सांऽ	सांऽ	|	ऽध़	सारे	सांऽ
(४)	सारे	गरे	|	गप	गरे	गप	|	धप	गरे	|	गप	धसां	सांध
	पग	रेग	|	पध	सारें	गंरें	|	सांध	ऽसा	|	रेग	पग	रेसा
(५)	सारे	गरे	|	गप	धप	धसां	|	रेंसां	रेंगं	|	पंगं	रेंसां	ऽध
	पध	पग	|	रेग	रेसा	ऽरे	|	ग	प	|	ध	सां	रेंसां
	ऽध	पध	|	पग	रेग	रेसा	|	ऽरे	ग	|	प	ध	सां
	रेंसां	ऽध	|	पध	पग	रेग	|	रेसा	ऽरे	|	ग	प	ध
(६)	रेसा	सारे	|	गग	गरे	रेग	|	पप	पग	|	गप	धध	धप
	पध	सांसां	|	रेसा	सारे	गग	|	गरे	रेग	|	पप	पग	गप
	धध	धप	|	पध	सांसां	रेसा	|	गग	गरे	|	पप	पग	धध
	धप	सांसां	|	रेसा	गग	गरे	|	पप	पग	|	धध	धप	सांसां
	ऽध	सांसां	|	धप	गरे	ऽग	|	रेसा	ऽध़	|	सारे	गऽ	ऽरे
	गप	ध*	|	सां	सांसां	ऽध	|	सांसां	धप	|	गरे	ऽग	रेसा
	ऽध़	सारे	|	गऽ	ऽरे	गप	|	धऽ	सांऽ	|	सांसां	ऽध	सांसां
	धप	गरे	|	ऽग	रेसा	ऽध़	|	सारे	गऽ	|	ऽर	गप	धऽ
(७)	गग	रेसा	|	पप	गग	रेसा	|	धप	़गग	|	रेसा	सांध	पंगं
	रेंसां	गंरें	|	सांध	पग	रेसा	|	पंगं	रेंसां	|	धप	गग	रेसा
	ऽरे	ग	|	प	ध	सां	|	धप	गग	|	रेसा	ऽरे	ग
	प	ध	|	सां	धप	गग	|	रेसा	ऽरे	|	ग	प	ध
(८)	गरे	ऽप	|	गरे	ऽग	पग	|	रेग	ऽध	|	पग	रेग	ऽप
	ध़सा	ऽरे	|	गऽ	धप	गऽ	|	सांध	पग	|	ऽध	पग	रेसा
	ऽग	पध	|	सांऽ	गऽ	सांध	|	पग	ऽध	|	पग	रेसा	ऽग
	पध	सांऽ	|	गऽ	सांध	पग	|	ऽध	पग	|	रेसा	ऽग	पध

९—गगप	धसांसां	पधसां	रेंरेंगं	रेंरेंसां	सांपंगं	रेंरेंसां	सांरेंरें	सांधप	गगध
पगरे	रेगप	धसांध	पगरे	रेगरे	साप़ध़	सासाध़	सासाग	रेगप	गरेसा
सारेग	गपध	सांऽ	रेगरे	साप़ध़	सासाध़	सासाग	रेगप	गरेसा	सारेग
गपध	सांऽ	रेगरे	साप़ध़	सासाध़	सासाग	रेगप	गरेसा	सारेग	गपध
१०—गग	रेरे	रेरे	पप	गग	रेरे	रेरे	गग	पप	गग
रेरे	गग	गग	धध	पप	गग	रेरे	गग	प़प़	ध़ध़
सासा	रेरे	गग	गग	धध	पप	ऽग	पध	सांऽ	गग
धध	पप	ऽग	पध	सांऽ	गग	धध	पप	ऽग	पध

झाला (गत की लय बढ़ाकर बजायें)

सांध	सांसां	सांध	सांसां	सांसां	सांप	सांसां	सांप	सांसां	सांसां
सांध	सांसां	सांध	सांसां	सांसां	सांप	सांसां	सांप	सांसां	सांसां
सांध	सांसां	धप	धध	धध	पग	पप	गरे	गग	गग
सांध	सांसां	धप	धध	धध	पग	पप	गरे	गग	गग
सांध	सांसां	धप	धध	पग	पप	गरे	गग	सांध	सांसां
धप	धध	पग	पप	गरे	गग	प़प़	ध़ध़	सासा	सासा
ध़ध़	सासा	सासा	गग	रेरे	गग	पप	गग	रेरे	सासा
ऽध़	सारे	ऽग	ऽऽ	ऽप	धऽ	सांऽ	गग	पप	गग
रेरे	सासा	ऽध़	सारे	ऽग	ऽऽ	ऽप	धऽ	सांऽ	गग
पप	गग	रेरे	सासा	ऽध़	सारे	ऽग	ऽऽ	ऽप	धऽ

(९) राग बिहाग

बिहाग राग बिलावल थाट से पैदा होता है, आरोह में रे तथा ध स्वर वर्जित हैं, तथा अवरोह सम्पूर्ण है, अवरोह में भी रे तथा ध स्वर वर्जित ही के समान हैं अर्थात् दुर्बल हैं, इस राग में मं तीव्र विवादी स्वर होते हुये भी राग की रंजकता बढ़ाने के लिये प्रयुक्त होता है, और बाक़ी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं, इस राग का वादी स्वर ग तथा सम्वादी स्वर नि है, समय रात्रि का दूसरा प्रहर है, राग का स्वभाव चंचल है।

आरोह—सा ग ऽ म प ऽ नि सां ऽ।

अवरोह—सां ऽ नि ध प ऽ म ग ऽ रे सा ऽ।

पकड़—नि़ सा ऽ ग म प ऽ नि ध प ऽ ग म प म ग ऽ सा ऽ।

गत बजाने से पहिले नीचे दिये आलाप का अभ्यास करें। फिर चौगुन में बजायें।

आलाप—

सा	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	प	नि़	सा	ग	ऽ	म	ग	ऽ
प	मं	ग	म	ग	ऽ	रे	सा	नि़	सा	ग	म	प	ऽ	ग	म
प	ऽ	ग	म	ग	ऽ	प	मं	ग	म	ग	ऽ	रे	सा	ऽ	प
नि	सां	ऽ	गं	म	प	नि	सां	ऽ	गं	रें	सां	ऽ	नि	प	ऽ
ग	म	ग	ऽ	प	मं	ग	म	ग	ऽ	रे	सा	ऽ	ग	म	ग

[३७] गत राग बिहाग, ताल त्रिताल [मध्यलय]

स्थाई—

×				२				०				३			
								सा	ग	म	प	ऽ	नि	सां	नि
प	ऽ	ग	म	ग	रे	सा	नि़	सा	ग	म	प	ऽ	नि	सां	नि

अन्तरा—

प	ऽ	ग	म	ग	रे	सा	नि़	प़	नि़	सा	ग	ऽ	प	ऽ	मं
ग	ऽ	ऽ	म	ग	रे	सा	नि़	सा	ग	म	प	ऽ	नि	सां	नि

तोड़ा—

(१) * गम	पनि	धप	मंप	गम	गरे	सानि़	सा	ग	म	प	ऽ	नि	सां	नि

(२) गम पनि धप मंप	गम पम गरे सनि़	स ग म प	ऽ नि सं नि
(३) गम पनि धप मंप	गम पम गरे सनि़	गम पनि धप मंप	गम पम गरे सनि़
गम पनि धप मंप	गम पम गरे सनि़	स ग म प	ऽ मप ऽनि संनि
(४) निसं निध पर्म गम	पर्म गम गरे सनि़	स ग म प	ऽ नि सं नि
निसं निध पर्म गम	पर्म गम गरे सनि़	स ग म सनि़	सग मप ऽनि संनि
(५) नि़स गम पर्म गम	पनि धप मंप गम	पनि संरें संनि धप	मंप गम गरे सनि़
सग मप ऽनि संनि	पऽ सनि़ सग मप	ऽनि संनि पऽ सनि़	सग मप ऽनि संनि
(६) नि़स गम गऽ मप	गम पनि संरें संनि	धप मंप गम पनि	संरें गंरें संनि धप
मंप गम गरे सनि़	सग मप ऽनि संनि	पऽ सनि़ सग मप	ऽनि संनि पऽ सनि़
सग मप ऽनि संनि	पऽ ऽऽ सग मप	ऽनि संनि पऽ ऽऽ	सग मप ऽनि संनि
ऽध पर्म गम गरे	सनि़ सग मप ऽनि	संनि सं सं पर्म	गम पग मप गम
(७) नि़स गम पर्म गम	पध पर्म गम पध	निध पर्म गम पध	निसं निध पर्म गम
पनि संरें संनि धप	मंप गम गऽ पर्म	पऽ निऽ संऽ ऽनि	संनि पऽ पर्म गम
पनि संरें संनि धप	मंप गम गऽ पर्म	पऽ निऽ संऽ ऽनि	संनि पऽ पऽ पर्म
गम पनि संरें संनि	धप मंप गम गऽ	पर्म पऽ निऽ संऽ	ऽनि संनि पऽ पऽ

झाला (चौगुन में भी बजायें)

प ऽ ग म	ग रे स नि़	ग म प नि	ऽ नि सं सं
संरें संसं संसं संसं	संगं संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं
संरें संसं संसं संसं	संगं संसं गंरें गंगं	रेंसं रेंरें संनि संसं	निध निनि धप धध
पम पप मग मम	गम गग मप मम	पम पप मग मम	गरे गग रेसा रेरे
सनि़ सस गस गग	रेग रेरे सरे सस	सनि़ सस गस गग	रेग रेरे सारे सासा
नि़प़ नि़नि़ सस सग	मप गग मप पप	निसं संसं संसं संसं	निध पप पप पप
गम गग पर्म पप	निनि संसं संगं संसं	रेंसं संसं निप पप	पनि संसं गंगं संसं

निध पप गम पप	निसां सांसां गंरें सांसां	सांनि निनि धप पप	गम पप धप मम
गग रेरे सासा ऽप	ऽनि सांनि प धप	पप गम पप धप	मम गग रेरे सासा
ऽप ऽनि सांनि पऽ	धप पप गम पप	धप मम गग रेरे	सासा ऽप ऽनि सांनि
प ऽ ग म	गग रेरे सासा ऩिऩि	सासा गग मम पप	पप निनि सांसां निनि
पप पप गग मम	गग रेरे सासा ऩिऩि	प़प़ ऩिऩि सासा गग	गग पप पप म॑म॑
गग गग गग मम	गग रेरे सासा ऩिऩि	सासा गग मम पप	पप निनि सांसां निनि

पऽप पऽप गऽग मऽम	गऽग रेऽरे साऽसा ऩिऽऩि	सऽस गऽग मऽम पऽप
पऽप निऽनि सांऽसां निऽनि	पऽप पऽप गऽग मऽम	गऽग रेऽरे साऽसा ऩिऽऩि
प़ऽप़ ऩिऽऩि साऽसा गऽग	गऽग पऽप पऽप म॑ऽम॑	गऽग गऽग गऽग मऽम
गऽग रेऽरे साऽसा ऩिऽऩि	साऽसा गऽग मऽम पऽप	पऽप निऽनि सांऽसां निऽनि
पपप पपप गगग ममम	गगग रेरेरे सासासा ऩिऩिऩि	सासासा गगग ममम पपप
पपप निनिनि सांसांसां निनिनि	पपप पपप गगग ममम	गगग रेरेरे सासासा ऩिऩिऩि
प़प़प़ ऩिऩिऩि सासासा गगग	गगग पपप पपप म॑म॑म॑	गगग गगग गगग ममम
गगग रेरेरे सासासा ऩिऩिऩि	सासासा गगग ममम पपप	पपप निनिनि सांसांसां निनिनि
पऽ गम गरे साऩि	गम गरे साऩि गरे	साऩि पऽगम गरेसाऩि सागमप
ऽनिसाग मपऽनि सागमप ऽनिसांनि	पऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(३८) गत राग बिहाग, ताल—त्रिताल (विलम्बित लय)

स्थाई—

×	२	०	३
		ऩिसा	ग गम प नि
सां नि प गम	ग गम प म॑	ग म म ऩिसा	ग गम प नि

जोड़—

मं	नि	प	गम	ग	गम	प	मं	ग	म	ग	मम	ग	सस	नि़	प़
प़	नि़नि़	स	ग	प	गग	प	मं	ग	म	ग	नि़स	ग	गम	प	नि

अन्तरा—

मं	नि	प	गम	ग	गम	प	मं	ग	म	ग	मम	ग	पप	सं	सं
सं	रें	सं	संसं	नि	पप	सं	नि	पमं	गम	ग	नि़स	ग	गम	प	नि

तोड़ा—

(१) नि़स गम पमं गम	गऽ गम पमं गरे	सऽ ऽग मग नि़स	ग गम प नि
(२) नि़स गम पमं गम	पनि धप मंप गम	पनि संनि धप मंप	गम पनि संरें संनि
धप मंप गम पनि	संरें गंरें संनि धप	मंप गम गऽ नि़स	गऽ गम प नि
(३) संनि धप मंप गम	पनि संरें संनि धप	मंप ऽग मग नि़स	ग गम प नि
(४) पंमं गंमं गंरें संनि	धप मंप गम गरे	सनि़ ऽस गऽ गम	पऽ निऽ संऽ गम
गरे सनि़ ऽस गऽ	गम पऽ निऽ सांऽ	गम गरे सनि़ ऽस	गऽ गम पऽ निऽ
(५) गंगं रेंसं निध पमं	गम पनि संनि ऽध	पमं गम गरे सनि़	ऽध पमं गम पनि
संगं ऽरें संनि धप	मंप गम गऽ पमं	पऽ निऽ संऽ संगं	ऽरें संनि धप मंप
गम गऽ पमं पऽ	निऽ संऽ संगं ऽरें	संनि धप मंप गम	गऽ पमं पऽ निऽ
गम पनि ऽनि निनि	निनि निसं निसं ऽनि	संसं निसं ऽनि संसं	संसं संसं निसं संसं
धसं संसं निसं संसं	धसं संसं रेंसं संसं	धसं संसं निसं संसं	धसं संसं रेंसं संसं
धसं संसं निसं संसं	धसं संसं रेंसं संसं	धसं संसं निसं संसं	धसं संसं रेंसं संसं
धसं संसं धनि निनि	पध धध मंप पप	धसं संसं धनि निनि	पध धध मंप पप
धसं धसं ऽसं धनि	धनि ऽनि पध पध	ऽध मंप मंप ऽप	धसं धसं ऽसं धनि

धनि ऽनि पध पध	ऽध मंप मंप ऽप	धसां ऽसां धनि ऽनि	पध ऽध पर्म पऽ
धसां ऽसां धनि ऽनि	पध ऽध मंप ऽप	धसां सांऽ धनि निऽ	पध धऽ मंप पऽ
धसां सांऽ धनि निऽ	पध धऽ मंप पऽ	धऽ सांसां धऽ निनि	पऽ धध मंऽ पप
धऽ सांसां धऽ निनि	पऽ धध मंऽ पप	धसां ऽसां धनि ऽनि	पध ऽध मंप ऽप
धसां ऽसां धनि ऽनि	पध ऽध मंप ऽप	धसां धनि पध मंप	धसां धनि निध मंप
ऽनि धप सांऽ निप	ऽध पऽ गम गऽ	रेंसा ऽनि सांऽ ऽनि	धप सांऽ निप ऽध
पऽ गम गऽ रेंसा	ऽनि सांऽ ऽनि धप	सांऽ निप ऽध पऽ	गम गऽ रेंसा ऽनि

सांसां निनि पप गम	गग गम पप मंमं	गग मम गग नि़सा	गग गम पप निनि

सांसां निनि पप गम	गग गम पप मंमं	गग मम गग मम	गग सासा नि़नि़ प़प़
प़प़ नि़नि़ सासा गग	पप गम पप मंमं	गग मम गग नि़सा	गग गम पप निनि

सांसां निनि पप गम	गग गम पप मंमं	गग मम गग मम	गग पप सांसां सांसां
सांसां रेंरें सांसां सांसां	निनि पप सांसां निनि	पर्म गम गऽ नि़सा	गऽ गम प नि
सां नि प गम	ग गम प मं	ग म ग नि़सा	ग गम प नि

सांसांसां निनिनि पपप गगम	गगग गगम पपप मंमंमं	गगग ममम गगग नि़नि़सा
गगग गगम पपप निनिनि	सांसांसां निनिनि पपप गगम	गगग गगम पपप मंमंमं
गगग ममम गगग ममम	गगग सासासा नि़नि़नि़ प़प़प़	प़प़प़ नि़नि़नि़ सासासा गगग
पपप गगम पपप मंमंमं	गगग ममम गगग नि़नि़सा	गगग गगम पपप निनिनि

सांसांसां निनिनि पपप गगम	गगग गगम पपप मंमंमं	गगग ममम गगग ममम
गगग पपप सांसांसां सांसांसां	सांसांसां रेंरेंरें सांसांसां सांसांसां	निनिनि पपप सांसांसां निनिनि
पपर्म गगम गगग नि़नि़सा	गगग गगम पपप निनिनि	सांऽ निऽ सांनि पऽगम
गऽगम पर्म गम गऽनि़सा	गऽगम गम गऽनि़सा गऽगम	गम गऽनि़सा गऽगम पनि
सां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

आलाप राग बिहाग

१—सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	म॑	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
ऽ	प	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
२—नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
३—ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	गं	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	नि	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	गं	ऽ
ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ
पं	ऽ	मं॑	ऽ	गं	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ग	नि़सा	ग	पम॑	गम	ग	रेसा	ऽप़	नि़सा	ग	मग	ऽप	गम	ग	रेसा
नि़सा	गम	पऽ	गम	पग	मग	ऽनि	धप	ऽग	मप	मग	ऽसा	ऽग	मप	ऽग	मप

धप	ऽग	मग	ऽरे	सा	गम	प	निध	प	सां	निप	ऽध	प	गम	ग	रेसा
गम	पप	निनि	सांऽ	ऽऽ	सांगं	सांऽ	रेंसां	ऽनि	पऽ	पनि	सांगं	ऽसां	निनि	पऽ	गम
पनि	सांऽ	ऽऽ	गंरें	पंमं	गंमं	गंऽ	गंसां	ऽसां	निऽ	धप	ऽग	मप	धप	मग	ऽरे
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३९) गत राग बिहाग—त्रिताल (द्रुतलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
			ध	प	मं	प	ध	ग	म	ग	प	ऽ	नि	ध	सां
नि	ऽ	ऽ	ध	प	मं	प	ध	ग	म	ग	प	ऽ	नि	ध	सां

जोड़—

नि	ऽ	ऽ	ध	प	मं	प	ध	ग	म	ग	प	ऽ	प	प	मं
ग	म	ग	रे	सा	नि़	प	ध	ग	म	ग	प	ऽ	नि	ध	सां

अन्तरा—

नि	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	प	नि	सां	ऽ	सां	ऽ	सां	रें	सां	गं
रें	सां	नि	ध	प	मं	ग	म	ग	रे	सा	नि़	सा	ग	म	प
नि	सां	नि	ध	प	मं	प	ध	ग	म	ग	प	ऽ	न	ध	सां

आलाप—

(१)	नि	ऽ	ऽ	प	ऽ	मं	ग	म	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	ग	म	गम	गप	ऽनि	धसां
(२)	नि	ऽ	ऽ	प	ऽ	मं	ग	म	ग	ऽ	प	मं	ग	म	ग	सा
	ऽ	नि़	प़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग़	ऽ	म़	ऽ	प़	ऽ
	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	म	ग	ऽ	सा	ऽ	सा	ऽ	प	ऽ	ग	म

	ग ऽ सा ऽ	सां ऽ नि प	ऽ म॑ ग म	ग ऽ सा ऽ
	नि़ सा ग म	प नि सां रें	सां ऽ नि प	ऽ म॑ ग म
	ग ऽ प म॑	ग म ग ऽ	ग म ग प	ऽ प प म॑
	ग म ग रे	सा नि प ध	ग म ग पध	गम गप ऽनि धसां

(३)	नि ऽ ऽ ग	ऽ म प नि	सां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
	सां ऽ रें ऽ	सां ऽ ऽ ऽ	गं ऽ ऽ ऽ	नि ऽ सां ऽ
	ऽ ऽ पं ऽ	ऽ ऽ गं ऽ	मं ऽ गं ऽ	ऽ ऽ नि ऽ
	सां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	गं ऽ सां ऽ	ऽ ऽ नि ऽ
	प ऽ ऽ ऽ	सां ऽ ऽ ऽ	नि ऽ ऽ ऽ	प ऽ ऽ ऽ
	ग ऽ ऽ ऽ	म ऽ प ऽ	ऽ ऽ पं ऽ	ऽ ऽ गं ऽ
	ऽ ऽ मं ऽ	गं ऽ ऽ ऽ	सां ऽ ऽ ऽ	नि ऽ प ऽ
	ऽ ऽ ग ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	सा ऽ प ध	ग गप ऽनि धसां

तोड़ा—

(१)	निप ऽम॑ गम गऽ	रेसा ऽनि़ ऽसा ऽग	ऽम ग प गम	ग रेसा ऽप धऽगम
	निप ऽम॑ गम गऽ	पम॑ गम गसा नि़सा	नि़सा ऽग़ म़प़ ऽनि़	ऽसा ऽप़ ऽनि़ साऽ
	गम गऽ सासा पऽगम	गसा सांनि पऽ ऽम॑	गम गसा नि़सा गम	पनि सांरें सां निप
	ऽम॑ गम गऽ पम॑	गम पनि सांरें सांनि	धप म॑प गम गप	ऽप पम॑ गम गरे
	सांनि पध गम गप	ऽनि धसां निऽ गम	गप ऽप पम॑ गम	गरे सानि़ पध गम
	गप ऽनि धसां निऽ	गम गप ऽप पम॑	गम गरे सानि़ पध	गम गप ऽनि धसां

(२)	नि ऽ ऽ ग	ऽ म प नि	सां ऽ निग ऽम	पनि सां ऽ ऽ
	ऽ सांरें सां ऽ	गं ऽ निसां ऽप	ऽगं मंगं ऽनि सांऽ	सांऽ गंसां ऽनि पऽ
	सांऽ निऽ पऽ गऽ	मप ऽपं गंमं गंऽ	सांऽ निप ऽग रेसा	पध गम गप ऽनि
	धसां ऽसां निऽ पध	गम गप ऽनि धसां	ऽसां निऽ पध गम	गप ऽनि धसां ऽसां

तोड़ा—

(१) नि ऽ ऽ ध	प र्म नि़स गम	पर्म गम गऽ पर्म	गम गप ऽनि धसं
(२) नि ऽ ऽ ध	प र्म प नि़स	गम पनि धप र्मप	गम गप ऽनि धसं
(३) नि़स गम पनि संनि	धप र्मप गम पर्म	गम गरे सनि़ पध	गम गप ऽनि धसं
(४) पर्म पध पम गस	नि़स गम पनि संरें	संनि धप र्मप गम	गऽ गप ऽनि धसं
(५) गंरें संनि धप र्मध	पऽ पर्म गम गरे	सनि़ सऽ गम पनि	सांरें संनि धप र्मप
गम गप ऽनि धसं	निऽ र्मप गम गप	ऽनि धसं निऽ र्मग	गम गप ऽनि धसं
(६) नि़स गम पर्म गम	पनि ऽध पर्म गम	पसं निध पर्म गम	पनि संगं ऽरें संनि
धप र्मप गम गरे	सनि़ धप गम गप	ऽनि धसं निऽ पसं	निध पर्म गम पनि
संगं ऽरें संनि धप	र्मप गम गरे सनि़	पध गम गप ऽनि	धसं निऽ पसं निध
पर्म गम पनि संगं	ऽरें संनि धप र्मप	गम गरे सनि़ पध	गम गप ऽनि धसं
(७) गम पनि धप पनि	धप र्मप धप र्मप	गम पर्म गम गरे	सनि़ नि़स गम पनि
संरें संऽ गम पनि	संरें संऽ पनि संरें	संऽ संनि धप र्मग	मप ऽनि धसं निऽ
निऽ ऽऽ संरें संऽ	पनि संरें संऽ संनि	धप र्मग मप ऽनि	धसं निऽ ऽऽ निऽ
ऽऽ संरें संऽ पनि	संरें संऽ संनि धप	र्मग मप ऽनि धसं	निऽ ऽऽ निऽ ऽऽ
(८) सस सस गग गग	नि़नि़ सस गग गग	पप र्मर्म गग मम	गग गग रेरे सस
प़प़ नि़नि़ सस गग	गग मम गग गग	पप गग मम गग	गग रेरे सस सस

प़प़प़ नि़नि़नि़ ससस गगग	पपप र्मर्मर्म गगग ममम	गगग गगग पपप निनिनि
पपप र्मर्मर्म गगग ममम	गगग गगग पर्मप धगम	गपप निधसं निऽ पर्मप
धगम गपप निधसं निऽ	पर्मप धगम गपप निधसं	

(९)	गम पऽ ऽनि ऽनि	संसं संरें संसं गंनि	संसं पंपं गंमं गंरें	निसं संसं संनि संसं
	निऽ पऽ गऽ मप	पंऽ गंऽ मंगं संऽ	निप ऽग मप गऽ	ऽम गरे सनि़ सग
	मप ऽनि धप मंप	गम पनि संऽ गम	पनि संरें निसं गंमं	पंमं गंमं गंरें संनि
	धप मंप गम गरे	सनि़ ऽप़ ऽप़ नि़नि़	सऽ गऽ ऽऽ पऽ	ऽ नि धऽ धसं
(१०)	नि़नि़ सस गग गग	मम गग गग मम	पप गग मम गग	गग नि़नि़ सस सस
	गग मम पप पप	गग गग मम गग	गग पप गग गग	मम गग गग रेंरें
	सस नि़नि़ रेंरें सस	नि़प़ ऽनि़ ऽस गस	गम गस नि़स गम	पर्म गम पनि संरें
	संनि धप मंप गम	गऽ पर्म पऽ ऽर्म	गम गऽ रेस ऽनि़	ऽस गऽ मऽ गऽ
	पऽ गम गऽ रेसा	ऽप निप गम गप	ऽनि धसं निऽ संनि	धप मंप गम गऽ
	पर्म पऽ ऽर्म गम	गऽ रेस ऽनि़ ऽस	गऽ मऽ गऽ पऽ	गम गऽ रेस ऽप
	निप गम गप ऽनि	धसं निऽ संनि धप	मंप गम गऽ पर्म	पऽ ऽर्म गम गऽ
	रेसा नि़ऽ ऽस गऽ	गऽ पऽ गम ऽग	गऽ रेस ऽप निप	गम गप ऽनि धसं

झाला (चौगुन में भी बजायें)

गम पऽ ऽनि ऽनि	संसं निसं संसं निनि	निनि निनि निनि निसं	निरें संनि संसं संसं
निनि निनि पर्म गम	गरे सनि़ सस ऽस	पर्म गम पर्म पप	मग मम पर्म पप
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध	पर्म पप पप पप	पऽ पप ऽप पप
संनि संसं संसं संसं	संऽ संसं ऽसं संसं	निध निनि निनि निनि	निऽ निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	धऽ धध ऽध धध	पर्म पप पप पप	पऽ पप ऽप पप
संनि संसं संसं निध	निनि निनि धप धध	धध पर्म पप पप	संनि संसं संसं निध
निनि निनि धप धध	धध पर्म पप पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पर्म पप
संनि संसं निध निनि	धप धध पर्म पप	संनि धप मग रेस	ग म प नि
ऽ सां नि ऽ	धध पर्म पप संनि	संसं निध निनि धप	धध पर्म पप संनि
धप मग रेस ग	म प नि ऽ	सं नि ऽ धध	पर्म पप संनि संसं

निध	निनि	धप	धध	पम॑	पप	सांनि	धप	मग	रेसा	ग	म	प	नि	ऽ	सां
नि	ऽ	ऽ	ध	प	म॑	प	ध	ग	म	ग	प	ऽ	नि	ध	सां
निऽ	ऽध	पम॑	पध	गम	गप	ऽनि	धसां	निऽ	ऽध	पम॑	पध	गम	गप	ऽप	पम॑
गम	गरे	सानि़	पध	गम	गप	ऽनि	धसां	निऽ	गप	ऽनि	धसां	निऽ	गप	ऽनि	धसां
नि	ऽ	ऽ	ध	प	म॑	प	ध	ग	म	ग	प	ऽ	नि	ध	मां
नि	ऽ	निऽ	ऽग	ऽम	पनि	सां	सां	सांरें	सांगं	रेंसां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़
साग	मप	निसां	निध	पम॑	पध	गम	गप	ऽनि	गम	गप	ऽनि	गम	गप	ऽनि	धसां
*नि	धसां	नि	पम॑	पध	गम	गप	ऽनि	गम	गप	ऽनि	गम	गप	ऽनि	धसां	*नि
धसां	नि	पम॑	पध	गम	गप	ऽनि	गम	गप	ऽनि	गम	गप	ऽनि	धसां	*नि	धसां
नि	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(४०) गत राग बिहाग, ताल एकताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		०		२		०		३		४	
सा	ग	ऽ	म	प	नि	सां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़

जोड़—

सा	ग	ऽ	म	ध	प	नि	ध	पम॑	गम	गरे	सानि़

अन्तरा—

ग	म	प	नि	ऽ	नि	सां	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ
प	ऽ	सां	नि	सां	गं	गं	मं	गं	मं	गं	रें
सां	नि	ध	प	*	नि	सां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़

गत सम्बन्धित आलाप--

१–सा	ग	ऽ	म	प	म॑	ग	म	ग	ऽ	ऽ	नि़
ऽ	नि़	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	प	म॑
ग	म	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ
नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म॑	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	नि	प	ऽ	ध	प	म॑	ग	म
ग	ऽ	रे	सा	सां	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	नि	ऽ
प	नि	सां	नि	सां	गं	पं	म॑ं	गं	मं	गं	रें
सां	नि	ध	प	ऽ	नि	सां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़
२–सा	ग	ऽ	ग	प	ऽ	ग	म	प	ग	म	ग
ऽ	नि	प	ऽ	ग	म	प	नि	प	ऽ	ग	म
ग	ऽ	ग	म	प	ऽ	नि	ध	प	ऽ	सां	ऽ
नि	प	ऽ	ध	प	ऽ	ग	म	ग	ऽ	रे	सा
नि़	सा	ग	म	प	नि	ऽ	ध	प	म॑	ग	म
प	नि	ऽ	नि	सां	गं	पं	मं	गं	मं	गं	ऽ
सां	नि	प	ऽ	प	म॑	ग	म	प	नि	ऽ	नि
सां	नि	ध	प	ऽ	नि	सां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़
३–ग	म	प	नि	ऽ	नि	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	सां	गं
सां	ऽ	रें	सां	ऽ	नि	प	ऽ	प	नि	सां	गं
ऽ	सां	नि	ध	प	ऽ	ग	म	प	नि	सां	ऽ
गं	रें	सां	ऽ	सां	नि	ऽ	ध	प	ऽ	ग	म
प	म॑	ग	म	प	ध	प	म॑	ग	म	ग	रे
सा	ऽ	नि़	प़	ऽ	नि़	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	म
प	नि	ध	प	ऽ	नि	सां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़

तोड़ा—

१–नि़सा गम	पर्म गम	पनि सांरें	सां निध	पर्म गम	गरे सानि़
२–सा ग	ऽ म	पप निसां	गंरें सांनि	धप गम	गरे सानि़
३–सांरें सांनि	पनि सांनि	धप मग	रेंसा नि़सा	गम पनि	सांरें सांनि
धप मंप	गम गरे	सानि़ सा	ग ऽ	म गम	गरे सानि़
४–नि़सा गम	पर्म गम	पनि निध	पर्म गम	पसां निध	पर्म गम
पनि सांगं	ऽमं पंमं	गंमं गंरें	सांनि धप	मंप गम	गरे सानि़
५–नि़सा गम	पनि सांरें	निसां पनि	पध मंप	गम गरे	ऽसा सानि़
ऽप़ ऽप़	नि़सा गऽ	धप ऽनि	सां निध	पर्म गम	गरे सानि़
६–गम पनि	ऽसां ऽनि	सांऽ निऽ	धर्म पऽ	निसां ऽनि	सांगं ऽरें
निसां ऽरें	सांनि ऽध	मंप ऽग	मग ऽरे	नि़सा नि़प़	ऽनि़ साग
मप ऽनि	सांऽ गंरें	सांऽ सांनि	ऽध पऽ	गम पर्म	गम पनि
धप ऽर्म	गम गरे	सानि़ साऽ	गऽ सानि़	साऽ गऽ	सानि़ साऽ
ग ऽ	ऽ म	प नि	सां निध	पर्म गम	गरे सानि़
७–गंमं गंरें	सांनि सांरें	सांनि धप	मंप गम	पनि सांरें	सांनि धप
मंप गम	गऽ पर्म	पऽ निऽ	सांऽ निऽ	ऽऽ पऽ	गऽ ऽऽ
धप मंप	गम गऽ	पर्म पऽ	निऽ सांऽ	निऽ ऽऽ	पऽ गऽ
ऽऽ धप	मंप गम	गऽ पर्म	पऽ निऽ	सांऽ निऽ	ऽऽ पऽ
गऽ ऽऽ	ऽऽ मऽ	पऽ निऽ	सांऽ निध	पर्म गम	गरे सानि़
८–पर्म गम	पनि निसां	निध धप	पर्म मंम	मग गरे	रेसा सानि़
साऽ नि़प़	ऽनि़ साऽ	गऽ गऽ	ऽम पनि	धप ऽनि	सांऽ निध
पर्म गम	गरे सानि़	सऽ पनि	धप ऽनि	सांऽ निध	पर्म गम
गरे सानि़	सऽ पनि	धप ऽनि	सांऽ निध	पर्म गम	गरे सानि़

९–गगग ममम	पपप निनिनि	निनिनि संसंसं	संसंसं निनिनि	संसंसं संसंसं	निनिनिनिनिनि
धधध मंमंमं	पपप पपप	निनिनि संसंसं	संसंसं निनिनि	संसंसं गंगंगं	गंगंगं रेंरेंरें
निनिनि संसंसं	संसंसं रेंरेंरें	संसंसं निनिनि	निनिनि धधध	मंमंमं पपप	पपप गगग
ममम गगग	गगग रेरेरे	निनिनि ससस	निसस निसग	गरेनि ससरे	निसनि निधमं
पपध मंपमं	गमग मपनि	मS निसग	गरेनि ससरे	निसनि निधमं	पपध मंपमं
गमग मपनि	सS निसाग	गरेनि ससरे	निसनि निधमं	पपध मंपमं	गमग मपनि
सा S	S म	प नि	सं निध	पमं गम	गरे सनि

१०–निस गरे	सस निप	निस सस	गम पमं	गम गरे	सनि सस
निसं Sनि	धप मंप	गम पनि	संगं गंरें	रेंसं संनि	निध धप
पमं मंम	मग गरे	रेसा सनि	Sम गम	पमं पमं	पमं गम
गरे सनि	Sनि संनि	धप *नि	संS निध	पमं गम	गरे सनि

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ग म	प नि	S नि	गम पनि	Sनि संसं	निसं संसं
संनि निनि	निनि निनि	निसं निसं	Sसं संसं	निध निनि	निध संसं
संनि संसं	संसं संसं	संध संसं	संप संसं	संनि संसं	संध संसं
संनि संसं	संसं संसं	संध संसं	संप संसं	संनि संसं	संध संसं
संनि निनि	निसं संसं	संध धध	धसं संसं	संप पप	पसं संसं
संनि निनि	निसं संसं	संध धध	धसं संसं	संप पप	पसं संसं
संनि संसं	निध निनि	धप धध	पमं पप	संनि संसं	निध निनि
धप धध	पमं पप	संनि धप	मग रेस	निस म	पनि संरें
गंमं गंरें	संनि धप	मग रेस	Sनि निनि	नप निनि	निप सस
निप निस	सस गम	गरे सस	पमं गम	गरे सस	निस सस
निस गग	गग गग	पमं गम	गग निप	निस Sग	Sम पनि

सांरें	निसां	पनि	निसां	सांसां	निनि	धध	पप	पप	पम॑	गम	गरे
सानि़	सासा	मग	मम	पम॑	पप	धप	निध	सांनि	सांसां	सांसां	सांसां
सासा	गग	गग	मम	पप	निनि	सांसां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़
ऽनि़	सासा	प़नि़	नि़नि़	प़सा	सासा	नि़सा	गग	पम॑	पम॑	गम	गऽ
ऽध	ऽनि	सां	ऽ	पम॑	पम॑	गम	गऽ	ऽध	ऽनि	सां	ऽ
सां	ऽ	पम॑	पम॑	गम	गऽ	ऽध	ऽनि	सां	ऽ	सां	ऽ
सां	ऽ	ऽ	म	प	नि	सां	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़

इसे दुगुन और चौगुन दोनों में बजाने का अभ्यास करें।

सासा	सासा	गग	गग	गग	गग	मम	मम	पप	पप	निनि	निनि
सांसां	सांसां	निनि	धध	पप	म॑म॑	गग	मम	गग	रेरे	सासा	नि़नि़
सासा	सासा	गग	गग	गग	गग	मम	मम	धध	धध	पप	पप
निनि	निनि	धध	धध	पप	म॑म॑	गग	मम	गग	रेरे	सासा	नि़नि़
गग	गग	मम	मम	पप	पप	निनि	निनि	निनि	निनि	निनि	निनि
सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	निनि	निनि	निनि	निनि
पप	पप	पप	पप	सांसां	सांसां	निनि	निनि	सांसां	सांसां	गंगं	गंगं
पंपं	पंपं	मं॑मं॑	मं॑मं॑	गंगं	गंगं	मंमं	मंमं	गंगं	गंगं	रेंरें	रेंरें
सांसां	सांसां	निनि	निनि	धध	धध	पप	पप	पप	पप	निनि	निनि
सांसां	सांसां	निनि	धध	पप	म॑म॑	गग	मम	गग	रेरे	सासा	नि़नि़
साग	ऽम	पनि	सांऽ	साग	ऽम	पनि	निध	पम॑	गम	गरे	सानि़
गम	पनि	सांऽ	गरे	सानि़	गम	पनि	सांऽ	गरे	सनि़	गम	पनि
सांऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

—— ——

(१०) राग देस

देस राग खमाज थाट से पैदा होता है। इस राग में दोनों निषाद लगते हैं, कभी कभी कोमल गंधार भी सुन्दरता बढ़ाने के लिये प्रयुक्त होता है । शेष सभी स्वर शुद्ध लगते हैं । इस राग का वादी स्वर रे तथा संवादी स्वर प है। समय रात्रि का दूसरा प्रहर है, राग का स्वभाव चंचल है।

आरोह—सा ऽ रे ऽ म प ऽ नि सां ।

अवरोह—सां नि॒ ध प ऽ म ग ऽ रे ग सा ऽ ।

पकड़—रे ऽ म प ऽ नि॒ ध प ऽ प ध प म ग रे ग सा ।

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

ग	रे	ऽ	म	प	म	ग	रे	ऽ	म	प	ध	ऽ	म	ग	रे
ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	म	प	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	नि॒
ध	प	म	ग	रे	ऽ	मं	गं	रें	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	सां	रें
सां	नि॒	ध	प	म	प	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ऽ	नि़	ऽ	सा

(४१) गत राग देस, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
											म	प	नि	ऽ	नि
सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	ऽ	म	प	नि	ऽ	नि

अन्तरा—

सां	ऽ	रें	सां	नि॒	ध	म	प	नि	सां	रें	ऽ	मं	गं	रें	ऽ
नि	नि	सां	रें	सां	नि॒	ध	प	म	ग	रे	म	प	नि	ऽ	नि

तोड़ा—

(१) सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	नि़सा	रेम	पनि	सांरें	सांनि॒	धप	मग	रेसा
(२) सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	नि़सा	रेम	पनि	सांरें	सांनि॒	धप	मग	रेसा
नि़सा	रेम	पनि	सांरें	सांनि॒	धप	मग	रेस	नि़सा	रेम	पनि	सांरें	सांनि॒	धप	मग	रेसा
(३) सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	*	मप	निसां	रेंरें	सांनि॒	धप	मग	रेसा

(४) सं ऽ नि॒ ध	प म ग रे	सरे मप निसं रेंरें	संनि॒ धप मग रेस
संरें मप निसं रेंरें	संनि॒ धप मग रेसा	सरे मप निसं रेंरें	संनि॒ धप मग रेस
(५) नि॒सा रेम गरे मप	मग रेम पनि॒ धम	मग रेम पनि संरें	संनि॒ धप मग रेस
(६) मंगं रेंमं गंरें निसं	नि॒ध॒ पम गरे नि॒स	ऽर मप संऽ ऽरे	मप संऽ ऽरे मप
(७) मग मग रेसा मंगं	मंगं रेंसं नि॒ध पम	गरे गम ऽरे मप	मप संम पसं मप

झाला (चौगुन में भी बजायें)

सं ऽ नि॒ ध	प म ग रे	गस ऽम पनि ऽनि	संऽ निसं ऽनि संसं
सस ससं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं	मम मसं मंमं संसं	पप मसं संसं संसं
सस ससं संसं संसं	रेंरें रेंसं संसं संसं	मम मसं संसं संसं	पप पसं संसं संसं
सस ससं संसं रेंरें	रेंसं संसं संसं संसं	संसं पप पसं संसं	सस ससं संसं रेरे
रेंसं संसं मम मसं	संसं पप पसं संसं	सस ससं रेंरें रेंसं	मम मसं पप पसं
सस ससं रेंरें रेंसं	मम मसं पप पसं	ससं रेंसं मसं पसं	ससं रेंसं मसं पसं
ऽसं रेंग सऽ ऽग	पनि ऽनि संऽ साऽ	ऽम पनि ऽनि संऽ	सऽ ऽम पनि ऽनि
संऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

[४२] गत राग देस, त्रिताल [विलंबित लय]

स्थाई—

×	२	०	३
मम	प नि॒नि॒ ध प	म ग रे सस	रे मम प नि
सं नि सं मम	प नि॒नि॒ ध प	म ग रे सस	रे मम प नि

जोड़—

सं निनि सं रें	सं नि॒नि॒ ध प	म ग रे सासा	रे मम प नि

अन्तरा—

सं	नि	सं	मम	म	पप	नि	नि	सं	नि	सं	निनि	सं	निनि	सं	रें
नि	ध	प	रेंरें	मं	गंगं	रें	सं	नि	धध	म	प	सं	निनि	ध	प
म	ग	रे	पप	प	निनि	ध	प	म	ग	रे	सस	रे	मम	प	नि

तोड़ा—

(१) सऽरेरे मप निसं रेंरें	संऽनिनि धप मग रेग	रेस ऽम गरे सस	रे मम प नि
(२) मंऽगंगं रेंसं निध पम	गऽरेरे सरे मप निध	मऽपप निसं ऽरे सस	रे मम प नि
(३) निऽसंसं रेंगं रेंसं निसं	रेंऽसंसं निध मप निध	मऽपप निसं ऽरे सस	रे मम प नि
(४) निऽसस रेम गरे मप	मऽगग रेम पनि धप	मऽगग रेम पनि संरें	ऽऽसंसं निध पम गरे
ऽऽसस रेऽमम पनि संऽ	गरे ऽऽसस रेऽमम पनि	संऽ संऽ गरे ऽऽसस	रेऽमम पनि संऽ संऽ
(५) निऽधध निध पम गरे	सऽरेरे मप मप निसं	रेंऽसंसं निसं मंऽगंगं रेंसं	निऽधध पम गरे गस
ऽरे ऽरेमम पनि संऽ	ऽनि सं सं पनि	संऽ ऽनि सं सं	पनि संऽ ऽनि सं

झाला (चौगुन में भी बजायें)

म मप ऽप निनि	सं निसं ऽनि संसं	रें रेंगं ऽरें निनि	सं निसं ऽनि संसं
स ससं संसं संसं	संसं संसं रें रेंसं	संसं संसं संसं म	मसं संसं संसं संसं
संसं प पसं संसं	संसं संसं संसं संसं	सऽसस सस ससं संसं	संसं संसं संसं संसं
रेऽरेरे रेरे रेसं संसं	संसं संसं संसं संसं	मऽमम मम मसं संसं	संसं संसं संसं संसं
मऽपप निनि धसं संसं	पऽमम गरे ससं संसं	रेऽमम पनि निसं संसं	संऽनिनि संरें निसं संसं
मऽपप निनि धसं संसं	पऽमम गरे ससं संसं	रेऽमम पनि निसं संसं	संऽनिनि संरें निसं संसं
निसं संसं धनि निनि	पध धध मप पप	निसं संसं धनि निनि	पध धध मप पप
निसं धनि पध मप	मग रेऽ ऽम पनि	संऽ रेऽ ऽम पनि	संऽ रेऽ ऽम पनि
संऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

सा	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ध	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

२—सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
प़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ध	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

३—म	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ
नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ
पं	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ

ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सारे	मप	ऽम	गरे	ऽम	पऽ	धम	गरे	ऽप	मग	रे	मप	धम	मरे	ऽप	मग
रे	नि़	सा	रेम	पनि॒	धप	मग	रे	सा	ऽ	नि़	सा	पनि़	साऽ	रेऽ	गरे
ऽप	मग	रे	ऽम	प	मप	धम	गरे	ऽनि॒	नि॒ध	प	मप	धम	गरे	ऽसां	नि॒ध
पम	गरे	ऽप	मग	रे	नि़	सा	रेम	पनि॒	धप	ऽम	मग	रेऽ	मऽ	मप	ऽनि
ऽनि	सांऽ	ऽऽ	रेंसां	ऽरें	पनि	ऽनि	सांरें	नि॒ध	प	मंगं	रें	पंमं	गंरें	ऽनि	ऽसं
ऽऽ	ऽनि	सांऽ	रेंसां	नि॒ध	पऽ	रेरे	मप	नि॒ध	प	धम	गरे	ऽनि़	ऽसा	ऽरे	मप
ऽनि॒	धप	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(४३) गत राग देस, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
												म	रे	म	प
नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	म	रे	म	प

जोड़—

नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	रे	ग॒	रे	सा
रे	नि़	सा	ऽ	रे	म	पध	म	ग	रे	ग	सा	म	रे	म	प

अन्तरा—

नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	म	प	नि	नि
सां	ऽ	सां	ऽ	रें	गं॒	रें	सां	रें	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां	नि॒
ध	प	म	प	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	म	रे	म	प

गत सम्बन्धित आलाप

१–	नि़	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ऽ
	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ
	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ
	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
	ग	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ	ग	स	म	रे	म	प
२—	नि	ऽ	सं	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	स	म	रे	म	प
	ऽ	म	ऽ	ग	रे	ऽ	म	ग	रे	ऽ	प	म	ग	रे	ऽ	ध
	म	ग	रे	ऽ	नि॒	ध	प	ऽ	नि	सं	नि॒	ध	प	म	ग	रे
	ऽ	ग	म	प	ध	म	ग	रे	ऽ	रे	ग	सा	म	रे	म	प
३—	नि	ऽ	सं	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	स	सा	ऽ	नि़	सा
	ऽ	नि़॒	ऽ	ध़	प़	ऽ	नि़॒	नि़॒	ध़	नि़॒	नि़॒	ध़	प़	ऽ	म़	प़
	स	ऽ	रे	ऽ	नि	नि	सं	ऽ	रें	सं	नि॒	ध	प	ऽ	ध	म
	ग	रे	म	प	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	म	रे	म	प
४—	नि	ऽ	सं	ऽ	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	म	रे	म	प
	नि	ऽ	सं	ऽ	प	नि	सं	ऽ	रें	ऽ	मं	गं	रें	ऽ	पं	मं
	गं	रें	ऽ	नि	ऽ	सं	ऽ	रें	सं	नि॒	ध	प	ऽ	रे	रे	म
	प	सं	ऽ	नि॒	ध	प	ऽ	ध	म	ग	रे	स	ऽ	रे	म	प
५—	नि	ऽ	नि	सं	ऽ	ऽ	प	नि	सं	रें	ऽ	मं	गं	रें	ऽ	पं
	मं	गं	रें	ऽ	रें	नि	सं	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ऽ	रे	प
	म	ग	रे	ऽ	रे	म	प	नि	सं	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ऽ
	रे	म	प	नि॒	नि॒	ध	प	ऽ	ध	म	ग	रे	ऽ	रे	म	प

तोड़ा—

(१) सारे मप निसां नि॒ध	पम गरे गसा नि़सा	पध पम गरे गसा	म रे मरे मप
(२) * मप निसां नि॒ध	पम गरे गसा नि़सा	ऽरे मप निसां नि॒ध	पम गरे गसा नि़सा
ऽरे मप निसां नि॒ध	पम गरे गसा नि़सा	पध पम गरे गसा	म रे मरे मप
(३) रेसा मरे पम नि॒प	सांनि॒ धप मग रेसा	पध पम गरे गसा	म गसा मरे मप
(४) * मरे पम नि॒प	सांनि॒ धप मग रेसा	ऽसा मरे पम नि॒प	सांनि॒ धप मग रेसा
ऽसा मरे पम नि॒प	सांनि॒ धप मग रेसा	पध पम गरे गसा	म गसा मरे मप
(५) प़नि़ सारे मग रेसा	रेम पनि॒ धप मप	निसां रेंमं गंरें सांनि॒	धप मग रेग साऽ
ऽम गसा मरे मप	नि सा ऽम गसा	मरे मप नि सा	ऽम गसा मरे मप
(६) नि ऽ सां ऽ	नि॒ ध प म	ग रे ग सा	गरे गसा मरे मप
ऽनि सांप निसां पनि	सांरें सांनि॒ धप मप	निसां रेंगं रेंसां रेंमं	गंरें पंमं गंरें सांनि॒
धप मग रेसा रेम	पनि सांऽ धप ऽध	मग रेऽ ऽरे मप	नि रेम पनि सांऽ
धप ऽध मग रेऽ	ऽरे मप नि रेम	पनि सांऽ धप ऽध	मग रेऽ ऽरे मप
(७) नि ऽ सां ऽ	नि़नि़ सासा सासा प़प़	प़प़ नि़नि़ सासा सासा	म़म़ प़प़ प़प़ नि़नि़
सासा सासा रेरे रेरे	गग रेरे पप गग	रेरे रेरे पप मम	गग रेरे रेरे नि॒नि॒
नि॒नि॒ धध पप पप	रेरे रेरे सांसां सांरें	सांनि॒ सांनि॒ धनि॒ धप	धप मप मग मग
रेग रेसा रेसा नि़सा	रेम सारे मप रेम	पध मप निसां रेंगं	रेंसां नि॒ध पम पसां
नि॒ध पम गरे गसा	ऽरे मप *नि सांऽ	धप ऽध मग रेऽ	ऽरे मप निऽ *नि
सांऽ धप ऽध मग	रेऽ ऽरे मप निऽ	*नि सांऽ धप ऽध	मग रेऽ ऽरे मप
(८) मग रेग रेसा नि़सा	रेम पनि॒ धप मप	निसां रेंगं रेंसां रेंपं	मंगं रेंसां नि॒ध पम
गरे गसा ऽरे मप	निऽ ऽम गरे गसा	ऽरे मप निऽ ऽम	गरे गसा ऽरे मप

(९) नि ऽ सं ऽ	निनि संसं पप निनि	संसं रेंरें संसं निनि	धध पप मम गग
रेरे गग रेरे सस	निनि सस रेरे मम	गग रेरे पप मम	गग रेरे निनि धध
पप मम गग रेरे	गग रेस ऽरे मप	नि ऽ नि ऽ	मम गग रेरे गग
रेस ऽरे मप नि	ऽ नि ऽ मम	गग रेरे गग रेस	ऽरे मप नि ऽ
(१०) निस रेस निस निस	रेग रेस निस निस	रेम गरे निस निस	रेम पध पम गरे
निस निस रेम पध	निध पध पम गरे	निस निस रेम पनि	संरें संनि धप धम
गरे निस निस रेम	पनि संरें मंगं रेंसं	निध पम गरे निसा	ऽरे मप निऽ मंगं
रेंसं निध पम गरे	निस ऽरे मप निऽ	मंगं रेंसं निध पम	गरे निस ऽरे मप
(११) मपनि संनिसं रेंगुंरें संनिध	पमप संऽनि धपम गरेस	सनिस रेगम गरेग रेसरे	
संनिध पमग रेगस रेऽरे	रेमप नि संनिध पमग	रेगस रेऽरे रेमप नि	
नि संनिध पमग रेगस	रेऽरे रेमप नि नि		
(१२) निस ऽरे ऽम गरे	ऽप मग रे निनि	धप ऽरे रेम पध	मग रे पम गरे
ऽनि ऽस ऽप निस	ऽरे ऽम गरे ऽप	मग रे निध पम	गरे ऽनि सऽगस मरेमप
(१३) निसं निध पम गरे	गस मरे मप ऽम	गरे ऽम गरे ऽप	मग रेध मग रेऽ
निध पऽ निसं निध	पम गरे ऽग मप	धम गरे ऽरे गस	मरे ऽरे मप ऽप
निसं निध पम गरे	गस ऽरे मप ऽप	नि ऽरे मप ऽप	निसं निध पम गरे
गस ऽरे मप ऽप	नि ऽरे मप ऽप	निसं निध पम गरे	गस ऽरे मप ऽप
(१४) निसं निध पम गरे	गस ऽस निस ऽनि	ऽध पऽ निनि धनि	निध पऽ मप सरे
निनि संऽ रेंसं निध	प धम गरे मप	निध पम गरे गस	मरे मरे मग ऽप
(१५) निसं निध पम गरे	गस मरे मप निसं	पनि संप निसं रेंऽ	मंगं रेंऽ पंमं गंरें
ऽनि संरें संनि धप	ऽरे रेम पसंऽ नि	धप ऽध मग रेऽ	ऽरे मप निऽ पंमं
गंरें ऽनि संरें संनि	धप ऽरे रेम पसं	ऽनि धप ऽध मग	रेऽ ऽरे मप निऽ
पंमं गंरें ऽनि संरें	संनि धप ऽरे रेम	पसं ऽनि धप ऽध	मग रेऽ ऽरे मप
(१६) नि निसं ऽप निसं	रेंऽ ऽमं गंरें ऽपं	मंगं रेंऽ रेंनि संनि	धप मग रेऽ रेप
मग रेऽ रेम पनि	संनि धप मग रेऽ	रेम पनि निध पऽ	धम गरे ऽरे मप

मप ऽप निऽ संनि	धप मग रेऽ रेम	पनि निध पऽ धम	गरे ऽरे मप पप
ऽप निऽ संनि धप	मग रेऽ रेम पनि	निध पऽ धम गरे	ऽरे मप मप ऽप

(१७) निनि निनि संसं संसं	निनि धध पप मम	गग रेरे गग सस	मम रेरे मम पप
निनि निनि संसं संसं	निनि धध पप मम	गग रेरे गग सस	रेरे गग रेरे सस
रेरे निनि सस सस	रेरे मम पध मम	गग रेरे गग सस	मम रेरे मम पप
निनि निनि संसं संसं	निनि धध पप मम	गग रेरे गग सस	मम पप निनि निनि
संसं संसं ससं संसं	रेंरें गंगं रेंरें संसं	रेंरें निनि संसं संसं	संसं रेंरें संसं निनि
धध पप मम पप	निनि धध पप मम	गग रेरे गग सस	मम रेरे मम पप

झाला (चौगुन में भी बजायें)

म मप ऽप निनि	निसं निसं ऽसं संसं	निसं निरें निसं संनि	संनि धप *नि संसं
निसं संसं धसं संसं	पसं संसं मसं संसं	निसं संसं धसं संसं	पसं संसं मसं संसं
निसं संसं संसं संसं	संनि संसं संनि संसं	संनि संसं संध संसं	संप संसं संम संसं
संनि धप मग रेस	ऽरे मप नि निनि	ऽनि निनि संनि निसं	ऽसं संसं संनि संसं
संनि संसं संसं संसं	सं संसं ऽसं संसं	निध निनि निनि निनि	नि निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	ध धध ऽध धध	पम पप पप पप	प पप ऽप पप
संनि संसं संसं संसं	सं संसं ऽसं संसं	निध निनि निनि निनि	नि निनि ऽनि निनि
धप धध धध धध	ध धध ऽध धध	पम पप पप पप	प पप ऽप पप
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप
संनि धप मग रेस	ऽरे पम निनि निनि	संसं संसं निनि धध	पप मम गग रेरे
गग रेस ऽरे मप	नि ऽ संसं संसं	निनि धध पप मम	गग रेरे गग रेरे
ऽरे मप नि ऽ	संसं संसं निनि धध	पप मम गग रेरे	गग रेस ऽरे मप

चाल--

निनिनि निनिनि संसंसं संसंसं	निनिनि धधध पपप ममम	गगग रेरेरे गगग ससस
ममम रेरेरे ममम पपप	निनिनि निनिनि संसंसं संसंसं	निनिनि धधध पपप ममम

गगग रेरेरे गगग ससस	रेरेरे गगग रेरेरे ससस	रेरेरे नि़नि़नि़ ससस ससस
रेरेरे ममम पपध ममम	गगग रेरेरे गगग ससस	ममम रेरेरे ममम पपप
निनिनि निनिनि संसंसं संसंसं	निनिनि धधध पपप ममम	गगग रेरेरे गगग ससस
ममम पपप निनिनि निनिनि	संसंसं संसंसं संसंसं संसंसं	रेंरेंरें गंगंगं रेंरेंरें संसंसं
रेंरेंरें निनिनि संसंसं संसंसं	संसंसं रेंरेंरें संसंसं निनिनि	धधध पपप ममम पपप
निनिनि धधध पपप ममम	गगग रेरेरे गगग ससस	ममम रेरेरे ममम पपप

निनिनिनि निनिनिनि संसंसंसं संसंसंसं	निनिनिनि धधधध पपपप मममम	गगगग रेरेरेरे गगगग सससस

ऽरे मप नि मप	नि मप निसं निसं	निध पम गरे गसा
निऽमप निसंनिसं निधपम गरेगस	मरेमप ऽरेमप मपनिम पनिमप	निऽ संऽ निध पम
गरे गस गरे मप	मरे मप निऽ मरे	मप निऽ मरे मप

नि ऽ सं ऽ	नि ध प म	म रे ग सा	म रे म प
नि ऽ नि सं	निध पम गरे गस	रेग रेस रेनि़ सऽ	रेम पधमऽ गरे गस
मरे मप निऽ ऽऽ	पधमऽ गरे गस मरे	मप निऽ ऽऽ पधमऽ	गरे गस मरे मप
नि ऽ सं ऽ	नि ध प म	नि सं निध पम	गरे गस मप निनि
सं सं रेंगं रेंसं	रेंनि संऽ संरें संनि	धप मप निध पम	गरे गस मरे मप
नि ऽ नि सं	निध पम गरे गस	मरे गरे गस मरे	गरे गस मरे मप
नि ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(४४) गत राग देस, ताल झपताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		२			०		३		
नि	ऽ	सं	रें	सं	रें	नि	ध	म	प

जोड़—

रे	ग	रें	प	म	ग	रे	ग	नि़	स
रे	रे	म	प	प	नि	ध	प	म	प
प	रें	सं	रें	सं	रें	नि	ध	म	प

अन्तरा—

म	प	नि	ऽ	नि	सां	ऽ	सां	ऽ	सां
नि	सां	ऩि	ध	प	नि	सां	रें	ऽ	रें
मं	रें	सां	ऽ	रें	नि	सां	प	नि	सां
रें	ऽ	रें	सां	रें	रें	ऩि	ध	म	प

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

१–ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ऽ	ग	ऽ
रे	ऽ	ग	ऽ	सा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	रे
ग	ऽ	सा	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध
म	ऽ	प	ऽ	म	ग	ऽ	रे	ग	रे
सा	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऩि	ध	प
ध	म	ग	ग	रे	ऩि	ध	म	प	ऽ
२–म	ऽ	म	प	ऽ	प	नि	सां	रें	ऽ
रें	ऩि	ध	ऽ	प	रें	मं	गं	गं	रें
ऽ	गं	सां	रें	सां	सां	ऩि	ध	प	ध
म	ग	रे	ग	सा	रे	म	ऽ	प	नि
सां	रें	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऩि	ध	ऽ	प
रें	मं	गं	गं	रें	ऽ	गं	सां	रें	सां
सां	ऩि	ध	प	ध	म	ग	रे	ग	सा
ऽ	रे	म	प	ऩि	म	प	सां	म	प

तोड़ा—

१–सारे	मप	निसां	रेंसां	ऩिध	पम	ऩिध	मप	नि	मप

२–नि	ऽ	सां	रें	सां	धप	मप	धनि॒	धप	मप
३–सांरें	सांनि॒	धनि॒	धप	मप	मग	रेग	रेसा	ऩिसा	रेम
पनि॒	धप	मप	निसां	धसां	नि॒ध	पध	पनि॒	धप	मप
४–निसां	निरें	सांरें	निसां	धनि॒	धसां	निसां	धनि॒	पध	मप
पनि॒	धनि॒	पध	मप	मध	पध	मप	गम	गप	मग
मप	गम	गरे	गसा	ऽरे	मप	नि	मप	गम	गरे
गसा	ऽरे	मप	नि	मप	गम	गरे	गसा	ऽरे	मप
५–ऩिसा	रेम	पनि॒	धप	मप	निसां	रेंमं	गंरें	सांनि॒	धप
मग	रेग	साऽ	ऽरे	मप	निऽ	मग	रेग	साऽ	ऽरे
मप	निऽ	निऽ	मग	रेग	साऽ	ऽरे	मप	निऽ	निऽ
निऽ	ऽऽ	सां	रें	सां	रें	नि॒	धरें	नि॒ध	मप
६–ऩिसा	रेम	गरे	मप	मप	मग	रेम	पनि॒	धप	धप
मग	मग	रेम	पनि	सांरें	ऽसां	नि॒ध	पम	गरे	गसा
ऽरे	मप	निऽ	सांरें	ऽसां	नि॒ध	पम	गरे	गसा	ऽरे
मप	निऽ	सांरें	ऽसां	नि॒ध	पम	गरे	गसा	ऽरे	मप
७–ऩिसा	रेम	पनि	सांरें	सांनि॒	धप	मप	धध	पम	गरे
गसा	ऽरे	मप	निग	साऽ	रेम	पनि	गसा	ऽरे	मप
८–निनि	सांसां	रेरे	मम	पप	निनि	सांसां	रेंरें	मंमं	गंगं
रेंरें	सांसां	सांसां	रेंरें	सांसां	नि॒नि॒	धध	पप	मम	गग
रेरे	गग	सासा	सासा	ऩिसा	रेम	गरे	मप	नि	सस
ऩिसा	रेम	गरे	मप	नि	सासा	ऩिसा	रेम	गरे	मप
९–निसां	रेंगं॒	रेंगं॒	रेंसां	निसां	नि॒ध	नि॒ध	मप	सांऽ	ऽरें
मप	निग	पसां	ऽऽ	रेम	पनि॒	मप	सांऽ	ऽरे	मप

१०—गंगं	रेंरें	सांनि	सांसां	सांसां	निध	निनि	धप	धप	धध
पम	पप	मग	मम	मम	गरे	गग	गरे	गसा	सासा
निसा	रेम	ऽप	निसां	रेंगं	रेंसां	निध	पम	पसां	ऽनि
धप	मग	रेग	साऽ	ऽरे	मप	निऽ	मप	निऽ	मप

(झाला चौगुन में भी बजायें)

मऽ	ऽम	पऽ	ऽप	निनि	निसां	निसां	ऽसां	सांसां	निसां
रेंगं	रेंसां	निध	पम	पसां	ऽसां	सांनि	सांसां	सांसां	सांसां
निध	निनि	धप	धध	धध	पम	पप	सांनि	सांसां	सांसां
निध	निनि	धप	धध	धध	पम	पप	सांनि	सांसां	सांसां
ऽसां	सांसां	निध	निऽ	निनि	ऽनि	निनि	धप	धऽ	धध
ऽध	धध	पम	पऽ	पप	ऽप	पप	सांनि	सांऽ	सांसां
ऽसां	सांसां	निध	निऽ	निनि	ऽनि	निनि	धप	धऽ	धध
ऽध	धध	पम	पऽ	पप	ऽप	पप	सांनि	सांनि	सांऽ
निध	निऽ	धप	धप	धऽ	पम	पऽ	सांनि	सांनि	सांऽ
सांनि	सांऽ	निध	निध	निऽ	धप	धऽ	पम	पम	पऽ
सांनि	सांऽ	निध	निध	निऽ	धप	धऽ	पम	पम	पऽ
सांऽ	निसां	निऽ	निध	निऽ	धऽ	पध	पऽ	पम	पऽ
सांऽ	निसां	निऽ	निध	निऽ	धऽ	पध	पऽ	पम	पऽ
सांनि	धप	मग	रेग	साऽ	ऽरे	मप	निऽ	मग	रेग
साऽ	ऽरे	मप	निऽ	धप	मग	रेग	साऽ	ऽरे	मप
नि	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(११) राग भीमपलासी

भीमपलासी राग काफी थाट से पैदा होता है, आरोह में रे तथा ध स्वर वर्जित हैं और अवरोह सम्पूर्ण है। इस राग में ग तथा नि स्वर कोमल लगते हैं, बाकी सब स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर म व सम्वादी स्वर स है। समय दिन का तीसरा प्रहर है, यह गम्भीर स्वभाव का राग है।

आरोह—नि सा म ऽ ग म ऽ प ऽ नि सां ऽ।

अवरोह—सां ऽ नि ध प म ऽ ग रे सा।

पकड़— नि सा ऽ म ऽ म ग ऽ प म ऽ ग ऽ म ग रे सा।

आलाप राग भीमपलासी

नि	सा	म	ऽ	ग	रे	ऽ	सा	नि	नि	सा	म	म	ऽ	ग	म
प	ग	म	ऽ	नि	ध	प	म	प	ग	म	ऽ	ग	रे	सा	ऽ
नि	सा	म	ग	रे	सा	ऽ	प	प	ग	म	प	नि	सां	ऽ	नि
सां	गं	रें	सां	नि	सां	रें	सां	ऽ	नि	ध	प	म	ग	रे	सा

[४५] गत राग भीमपलासी, त्रिताल

स्थाई—

×				२				०				३			
												नि	सा	ग	म
प	नि	ध	प	म	ग	प	म	ग	रे	सा	रे	नि	सा	ग	म

अन्तरा—

प	नि	ध	प	म	ग	प	म	ग	रे	सा	रे	नि	सा	म	ग
म	प	नि	प	नि	सां	ऽ	मं	गं	रें	सां	ऽ	प	रें	सां	रें
प	नि	ध	प	म	ग	प	म	ग	रे	सा	रे	नि	सा	ग	म

तोड़ा—

१—निसा गम पनि सांगं	रेंसां निध पम गरे	सारे ऽरे सा रे	नि सारे निसा गम
२—निसा गसा गम गम	पम पनि पनि सांनि	सांगं सांगं रेंगं रेंसां	रेंसां निसां निध निध
पध पम पम गम	गरे गरे सरे सरे	सारे निरे निसा गम	पऽ गम पऽ गम

३–निस गम पनि ऽनि	धप मग मग रेग	रेस रे सरे निस	गम पग मप गम
४–स म गरे ऽस	ऽनि पऽ रेस नि	पनि ऽप निस ऽग	रेस ऽरे निस गम
पग मप ऽनि धप	मग रेस ऽरे निस	ऽस गम पऽ ऽस	गम पऽ ऽस गम
५–निस गस गरे गरे	सरे सनि सनि धनि	धध धध सध सस	सस रेस रेस रेस
गस गम गम गम	गरे गरे गरे गम	गम पम पग पग	मग मरे मरे ऽस
निस गम पऽ गरे	गरे गरे गम गम	पम पग पग मग	मरे मरे ऽस निस
गम पऽ गरे गरे	गरे गम गम पम	पग पग मग मरे	मरे ऽस निस गम

झाला (चौगुन में भी बजायें)

निस निस गम पनि	संनि संसं गंरें संसं	परें रेंरें संरें रेंरें	पनि निनि निध धध
धप पप मग गग	पम मम गरे रेरे	सरे रेरे निस सस	गरे रेरे सनि निनि
धप पप मग गग	पम मम गरे रेरे	सरे रेरे निस सस	गरे रेरे सनि निनि
सनि सस सध सस	सप सस सम सस	सनि सस सध सस	सप सस सम सस
सनि सस सध सस	सप सस सम सस	सनि सस सध सस	सप सस सम सम
निनि सस गग रेरे	सनि सस सनि धध	सस रेरे सस गग	मम गग रेरे गग
मम पप गग मम	रेरे सस निनि सस	गग मम पप निनि	संसं संसं गंसं संगं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप
पनि संगं रेंसं ऽनि	धऽ पम गऽ रेस	ऽरे निस ऽग ऽम	प ऽनि धऽ पम
गऽ रेस ऽरे निस	ऽग ऽम पऽ ऽनि	धऽ पम गऽ रेस	ऽरे निस ऽग ऽम
प ऽ ऽ ऽ			

(४६) गत राग भीमपलासी, त्रिताल (विलम्बित)

स्थाई—

×				२				०				३			
											निनि	ध	पप	ग	म
प	प	प	पप	म	मप	ग	म	ग	रे	सरे	निनि	ध	पप	ग	म

जोड़—

प	प	प	पप	म	पप	ग	म	ग	रे	सरे	मम	ग	रेरे	नि	सा
ग	रे	गरे	गग	म	पप	ग	म	ग	रे	सरे	निनि	धऽ	पप	ग	म

अन्तरा—

प	प	प	पप	म	पप	ग	म	ग	रे	सरे	निनि	ध	मप	ग	म
प	नि	सं	मंमं	गं	रेंरें	सं	प	ग	रे	सरे	मम	ग	रेरे	नि	स
ग	रे	ग	गग	म	पप	ग	म	ग	रे	सरे	निनि	धऽ	पप	ग	म

तोड़ा—

१—निऽसस गम पनि संनि	धऽपप मग रेस निस	निऽसस गम गरे निनि	धऽ पप धऽपप गम
२—पऽनिनि मप गस निस	गऽमम पनि सांगं रेंसां	निऽधध पम गम निनि	धऽ ऽऽनिनि धऽपप गम
३—गंऽरेंरें संनि धप मग	रेऽसस निस मगपनि	धऽपप मप गस निस	गऽमम सग मप गम
पऽनिनि पम गम निनि	धऽ ऽऽनिनि धऽप गम	पऽ ऽऽनिनि धऽपपप गम	पऽ ऽऽनिनि धऽपप गम
४—सऽमम गरे रेस सनि	पऽपप रेस निनि पनि	निऽपप निस सग रेस	ऽनि पप धऽपप गम
पऽ निस सग रेस	ऽनि पप धऽपप गम	पऽ निस सग रेस	ऽनि पप धऽपप गम

५—सम गरेऽस ऽनिपऽ रेसनिऽ	पनिऽप निसऽग रेसऽस निपनिस	ऽमगम पग रेसऽनि सगमप
ऽनिधप ऽगमप गमगऽ मगरेस	ऽनिपऽ ऽऽनिनि धऽपप गम	पऽ मगरेस ऽनिपऽ ऽऽनिनि
धऽपप गम पऽ मगरेस	ऽनिपऽ ऽऽनिनि ऽधपप गम	

झाला (चौगुन में भी बजायें)

निसागग	रेसानिसा	गमपग	ऽमगरे	साम	गमऽग	मपगम	ऽनिधप
मपगम	ऽपमग	रेसाऽनि	सांनिसांसां	निसांनिध	निनिधप	धपधध	पमपम
पपसांनि	सांसांनिध	निधनिनि	धपधप	धधपम	पमपप	सांनिधप	मगरेसा
निसागम	पमगम	पनिधप	मपगम	पनिसांगं	रेंसांनिध	ऽपमप	गमपनि
सांनिसांसां	सांसांसांसां	सासासासां	सांसांसांसां	निधनिनि	निनिनिनि	सासासासां	सांसांसांसां
धपधध	धधधध	सासासासां	सांसांसांसां	पमपप	पपपप	सासासासां	सांसांसांसां
सांनिसांसां	सांधसांसां	सांपसांसां	सांमसांसां	सांनिसांसां	सांधसांसां	सांपसांसां	सांसांसांसां
सांनिसांनि	धनिधप	धपमप	सांनिसांनि	धनिधप	धपमप	सांनिधनि	धपधप
मपमग	मगरेग	रेसाऽरे	निसागम	पऽनिध	पऽमप	ऽगमप	ऽमगऽ
गमगऽ	रेसाऽनि	सामगरे	ऽसाऽरे	निसागम	पऽ	ऽऽनिनि	धऽपप
गम	पऽ	निसागम	पऽ	ऽऽनिनि	धऽपप	गम	पऽ
पऽ	निसागम	पऽ	ऽऽनिनि	धऽपम	गम	पऽ	पऽ

(आलाप राग भीमपलासी चौगुन में भी बजायें)

(१)	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ
	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ
	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ
	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
(२)	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ

ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ
प़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ
म़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	ग़॒	ऽ	म़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ
नि़॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ग॒	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(३)

प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
नि॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	मं	ऽ	गं॒	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ	गं॒	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ
गं॒	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
नि॒	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	गं॒	ऽ	रें	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ	ऽ	ऽ	गं॒	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	गं॒	ऽ
रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ

(४७) गत राग भीमपलासी, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

३				×				२				०			
															नि
ध	प	ग	म	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	ऽ

जोड़—

नि़	सा	म	ग	रे	सा	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	ऽ

अन्तरा—

म	ग	म	प	नि	प	नि	नि	सां	ऽ	सां	ऽ	प	नि	सां	मं
गं	रें	सां	नि	ध	प	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	*

गत सम्बन्धित आलाप

(१)	ध	प	ग	म	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
	सा	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ
	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	नि
	ध	प	ग	म	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	नि
(२)	ध	प	ग	म	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ
	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	रे	सा	ऽ
	नि़	सा	म	ग	रे	सा	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	नि
	ध	प	ग	म	प	ऽ	ऽ	म	प	म	प	म	ग	रे	सा	नि

(३) ध	प	ग	म	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ग	म	ऽ	प	ऽ	नि
ऽ	सां	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	गं
ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि
ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि
ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म
ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	मां	ऽ	ऽ
ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि
ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म
ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
सा	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	नि
ध	प	ग	म	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	नि

तोड़ा—

(१) ध	प	ग	म	नि़सा	गम	पनि	सांनि	धप	मग	रेंसा	म	ग	रे	सा	नि
ध	सांनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	नि
(२) ध	प	ग	म	सांगं	रेंसां	निध	पम	गरे	सारे	नि़सा	म	ग	रे	ऽम	पम
गरे	सांनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	नि
(३) ध	प	ग	म	नि़सा	गम	पनि	सांगं	रेंसां	निध	पम	गरे	सारे	नि़सा	ऽसा	गम
पऽ	सांगं	रेंसां	निध	पम	गरे	सारे	नि़सा	ऽसा	गम	पऽ	सांगं	रेंसां	निध	पम	गरे
सारे	नि़सा	ऽसा	गम	प	ऽ	ऽ	सा	ग	म	प	म	ग	रे	सा	नि
(४) ध	प	ग	म	नि़सा	गम	पध	निऽ	धप	मप	मग	रेग	ऽप	सारे	नि़सा	ऽसा
गम	प	मग	रेग	ऽरे	सारे	नि़सा	ऽसा	गम	प	प	मग	रेग	ऽरे	सारे	नि़सा
ऽसा	गम	प	प	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	सा	नि

(५)	ध प ग म	गंरें संनि धप मग	रेस निस गम पनि	धप मप मग रेग
	ऽरे सरे निस ऽस	गम पऽ रेस निध	पग ऽम पऽ मग	रेग ऽरे सरे निस
	ऽस गम पऽ रेस	निध पग ऽम पऽ	मग रेग ऽरे सरे	निस ऽस गम पऽ
	रेस निध पग ऽम	पऽ ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे स नि
(६)	ध प ग म	प ऽ ऽ म	ग म प मग	मप मग रेस निध
	पग ऽम पऽ ऽनि	धप मग रेस ऽग	मप ऽनि संगं रेंसं	निध पम गरे सऽ
	ऽनि धप मग ऽम	प ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे स नि

(७)	ध प ग म	निसंगं मंपंमं गंरेंसं निधप	मपनि संरेंरें संनिध पमग
	रेसस सनिस मगरे सऽम	गमप मगरे संनिध पगम	प ऽ ऽ म
	ग म प म	ग रे स नि	
(८)	ध प ग म	गमप निसंगं रेंसंनि धपम	गमप निधप गमग रेसरे
	निनिसं संसंसं पनिसं गंगंरें	सांनिध पऽम गमप मगरे	सनिध पगम पऽ संनिध
	पऽम गमप मगरे सनिध	पगम पऽ संनिध पऽम	गमप मगरे सनिध पगम
	पऽ ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे स नि

(९)	ध प ग म	निस गम पऽ निध	पऽ मप ऽग मप	ऽम गऽ गम गऽ
	रेस ऽनि सम गरे	सऽ निप निस ऽम	गम पऽ पऽ निस	ऽम गम पऽ पऽ
	निस ऽम गम पऽ	प ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे स नि
(१०)	ध प ग म	सस मम गम मग	मप गम मनि धप	मप गम मप मग
	गरे सरे निस सनि	पनि सस रेस निस	गम पग गम गरे	सरे निस निस ऽस
	गम ऽम पऽ गम	गरे सरे निस निस	ऽस गम ऽम पऽ	गम गरे सरे निस
	निस ऽस गम ऽम	प ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे स नि
(११)	ध प ग म	स निस ऽम ऽग	ऽम पग ऽम गरे	सऽ निस गम पग
	ऽम गम पनि धप	ऽम पऽ गम ऽप	गऽ मग रेस ऽनि	सऽ गरे सऽ पम
	गरे सनि धप गम	प ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे स नि

(१२) ध प ग म	स निस ऽप़ निऽ	स मग रेस ऽस	ऽग ऽम पग ऽम
गरे सऽ ऽम ऽग	ऽम पग ऽम गरे	सऽ निऽ धऽ पऽ	निऽ धऽ पऽ मप
गऽ मऽ पऽ निस	ऽनि सग मप गग	मप निध पऽ मप	ऽग मऽ पग मग
ऽम गरे सऽ निऽ	ऽग रेस ऽनि धप	मग ऽम पऽ निऽ	धप मग ऽम पऽ
ऽनि धप मग ऽम	प ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे स नि

(१३) ध प ग म	प ग म प	नि प नि सं	निध पनि धप ऽग
मप नि सं निसं	ऽमं गंरें सं नि	ध प पंगं ऽमं	गं रेंसं ऽरें सं
निसं रेंसं ऽमं गंरें	संऽ पंऽ गंऽ मंगं	रेंसं ऽप ऽनि ध	प मप गऽ म
पग ऽम गऽ रेऽ	सऽ निस ऽग रेस	ऽम गम पम गरे	सनि धप ऽम गस
पऽ रेस ऽम गम	पम गरे सनि धप	ऽम गम पऽ रेस	ऽम गम पम गरे
सनि धप ऽम गम	प ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे सा नि

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ध प ग म	पग ऽग मम पनि	ऽनि संसं निसं गंरें	संनि संसं रेंसं निध
पनि धप संनि धप	संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं
संम संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं
संम संसं संसं संसं	संनि धप संनि संसं	संनि निसं ऽनि संसं	निध पम निध निनि
निध धनि ऽध निनि	धप मग धप धध	धप पध ऽप धध	पम गरे पम पप
पम मप ऽम पप	संनि धप संनि संसं	संनि निसं ऽनि संसं	निध पम निध निनि
निध धनि ऽध निनि	धप मग धप धध	धप पध ऽप धध	पम गरे पम पप
मप ऽम पप पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि
धप धध पम पप	संनि धप मग रेस	रे ऽस निस गम	पग ऽम पऽ पग
ऽम पऽ पग ऽम	प ऽ ऽ म	ग म प म	ग रे सा नि

ध	प	ग	म	निस	सस	सग	गग	गम	मम	मप	पप	पग	गग	गग	गग
गम	मम	मग	गग	गरे	रेरे	रेस	सस	गग	मम	पप	मम	गग	रेरे	सस	सनि
निनि	निस	सम	ऽग	रेस	ऽम	गम	पम	गरे	सनि	धप	गम	पऽ	निस	सम	ऽग
रेस	ऽम	गम	पम	गरे	सनि	धप	गम	पऽ	निस	सम	ऽग	रेस	ऽम	गम	पम
गरे	सनि	धप	गम	पऽ	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	ग	रे	स	नि
ध	प	ग	म	प	ऽ	ऽ	ऽम	गम	पम	गरे	सऽ	निस	मग	रेस	ऽम
गम	पम	गरे	सनि	धप	रेस	ऽम	गम	पम	गरे	सनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ
गरे	सनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	ऽम	गम	पम	गरे	सऽ
मग	मप	निप	निनि	सं	सं	पनि	संमं	गंरें	संनि	धप	ऽम	गम	पम	गरे	सनि
धप	गंरें	संनि	धप	ऽम	गम	पम	गरे	सनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ	म	ग
म	सनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ	म	सनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ	म	ग
म	सनि	धप	गम	प	ऽ	ऽ	म	ग	म	प	म	निस	गम	पऽ	निस
गम	पऽ	निस	गम	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(४८) गत राग भीमपलासी, ताल कहरवा (द्रुतलय)

स्थाई—

×				०				×				०			
				नि	सा	ग	म	प	ऽ	प	म	ग	म	नि	प

अन्तरा—

ग	रे	स	रे	नि	सा	ग	म	प	ऽ	प	प	म	प	ग	म
प	नि	प	नि	सं	ऽ	सं	सं	नि	नि	सं	गं	रें	रें	सं	ऽ
रें	सं	नि	ध	प	म	ग	म	नि	ऽ	प	म	ग	म	नि	प

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

१–ग॒	रे	सा	रे	नि़	सा	ग॒	म	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	प़	ऽ
म़	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
नि़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ
ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ
ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	प	म	ग॒	म	नि॒	प

२–ग॒	रे	सा	रे	नि़	सा	ग॒	म	प	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ
ग॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	ग॒	म

३–ग॒	रे	सा	रे	नि़	सा	ग॒	म	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	गं॒	ऽ
रें	ऽ	सां	ऽ	मं	ऽ	गं॒	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ
ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि॒	ऽ
ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि॒	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ

नि	–	सं	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	प	म	ग	म	नि	प
ग	रे	स	रे	नि	स	ग	म	प	ऽ	प	म	ग	म	नि	प

तोड़ा—

(१)	ग रे स रे	नि स ग म	निस गम पनि संनि	ऽरे सरे निस गम
(२)	ग रे स रे	नि सरे निस गम	पनि संनि धप मग	ऽरे सरे निस गम
(३)	प सरे निस गम	प सरे निस गम	गम पनि संगं रेंसं	निध पम गम निनि
(४)	धप ऽम गम निप	गरे सरे निस गम	निस गग रेस निस	गम गग रेस निस
	गम पम गग रेस	निस गम पध निनि	धप मग मप गग	रेस निध पम गम
(५)	निनि पम गम निप	गरे सरे निस गम	निस गम पग ऽम	गरे सऽ निस गम
	पऽ निध पऽ मप	ऽग मप गऽ मग	ऽरे सऽ निस मग	रेस निस गम पऽ
	पऽ ऽऽ गम पऽ	पऽ ऽऽ गम पऽ	प ऽ प म	ग म नि प
(६)	ग रे स रे	नि स ग म	निस मनि सग गम	गम मग मप पम
	पनि निप निध धनि	धप पध पम मप	मग गम गम मग	मप पम पम मप
	मग गम गरे रेग	रेस सरे ऽस गम	प ऽ प म	ग म नि प
(७)	ग रे स रे	नि सरे निस गम	निस गम सग मग	गप पम मप निप
	पनि धनि निध पध	धप मप पम गम	मग गम गम पम	मप मप पम गम
	मग रेग गरे सरे	ऽस गम प प	प ऽ प म	ग म नि प
(८)	ग रे स रे	नि निस ऽस गम	निनि सस गग मम	पप निनि धध पप
	मम गग मम पप	मम गग रेरे सस	पप पप गग मम	पप निनि संसं संसं
	निनि संसं गंगं रेंरें	संसं निनि संसं संसं	रेंरें संसं निनि धध	पप निनि धध पप
	संसं निनि धध पप	मम गग रेरे सस	ऽस गम पऽ मम	गग रेरे सस ऽस
	गम पऽ मम मग	रेरे सस ऽस गम	प ऽ प म	ग म नि प

(९) ग	रे	सा	रे	नि	निसा	ऽसा	गम
निनिनि	सासासा	सासासा	निनिनि	पपप	निनिनि	सासासा	सासासा
रेरेरे	सासासा	निनिनि	सासासा	गगग	ममम	पपप	गगग
गगग	ममम	गगग	रेरेरे	सासासा	निनिनि	सासासा	गगग
ममम	पऽ	सासासा	निनिनि	सासासा	गगग	ममम	पऽ
पऽ	ससस	निनिनि	सासासा	गगग	ममम	पऽ	पऽ

पऽ	ममम	प	प	प	ममम	प	प	प	ऽ	प	म	ग	म	नि	प
ग	रे	गम	निप	गरे	पगरे	सारेनि	सागम	प	ऽ	प	म	ग	म	नि	प

(१०) ग	रे	सा	रे	नि	सा	ग	गम	मप	ऽग	मप	ऽम	गऽ	गम	गऽ	रेसा
ऽनि	साम	गरे	साऽ	निसा	गम	पऽ	गरे	साऽ	निसा	गम	पऽ	गरे	साऽ	निसा	गम
पऽ	साऽ	निसा	गम	पऽ	साऽ	निसा	गम	प	ऽ	प	म	ग	म	नि	प
ग	रे	सा	रे	नि	सा	ग	म	प	ऽ	प	म	ग	म	नि	प

झाला—

ग	रे	सा	निप	गरे	सारे	निसा	गम	मऽ	मप	ऽप	गम	पनि	पनि	ऽनि	सांसां
सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	गंगं	रेंरें	सांसां	मंमं	गंगं	रेंरें	सांसां	सांसां	निनि	निनि	रेंरें	सांसां
सांसां	निनि	निनि	पप	निनि	निनि	सांसां	सांसां	निनि	धध	पप	पप	मम	पप	गग	मम

ममम	पपप	निनिनि	सांसांसां	सांसांसां	निनिनि	सांसांसां	मंमंमं
गंगंगं	रेंरेंरें	सांसांसां	सांसांसां	निनिनि	धधध	पपप	ममम
मममम	गगगग	गगगग	मममम	गगगग	रेरेरेरे	सासासासा	सासासासा
निनिनिनि	सासासासा	गगगग	मममम	पऽ	मग	ऽम	पऽ
सांऽ	रेरेरेरे	सासासासा	सासासासा	निनिनिनि	सासासासा	गगगग	मममम
पऽ	मग	ऽम	पऽ	सांऽ	रेरेरेरे	सासासासा	सासासासा
निनिनिनि	सासासासा	गगगग	मममम	पऽ	मग	ऽम	पऽ

सां	ऽ	प	म	ग	म	नि	प	ग	रे	सा	निप	गरे	सारे	निसा	गम

(१२) राग बागेश्वरी

बागेश्वरी राग काफ़ी थाट से पैदा होता है, इस राग में ग, नि स्वर कोमल तथा शेष सभी स्वर शुद्ध लगते हैं। आरोह में रे तथा प स्वर वर्जित हैं, और अवरोह सम्पूर्ण है, लेकिन प स्वर दोनों ही ओर से दुर्बल है, कुछ लोग तो प स्वर को लगाते ही नहीं हैं। वादी स्वर म और सम्वादी स है; मध्य रात्रि का राग है, इसका स्वभाव गंभीर है।

आरोह—सा ऽ नि ध नि सा ऽ म ग ऽ म ध नि सां।
अवरोह—सां ऽ नि ध ऽ म ग ऽ म ग रे सा ऽ।
पकड़—नि ध नि सा ऽ म ग ऽ म ध नि ध ऽ म ग रे सा ऽ।

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

सा	ऽ	नि	ध	नि	सा	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	म	ग	रे	सा
नि	ऽ	ध	नि	सा	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	म	ग
म	ध	नि	ध	म	ग	ऽ	म	ग	रे	सा	ऽ	म	ग	म	ध
नि	सां	ऽ	रें	सां	ऽ	मं	गं	रें	सां	नि	ध	म	ग	रे	सा

(४९) गत राग बागेश्वरी, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
											ग	म	ध	ऽ	नि
सां	ऽ	नि	ध	म	ऽ	प	ध	ग	रे	सा	ग	म	ध	ऽ	नि

अन्तरा--

सां	ऽ	रें	सां	नि	ध	सां	गं	रें	सां	नि	ध	म	ग	म	ध
नि	सां	नि	ध	म	ऽ	प	ध	ग	रे	सा	ग	म	ध	ऽ	नि

तोड़ा—

(१) सां ऽ निसा गम	धनि सांरें सांनि धम	गरे साऽ ऽऽ गऽ	म	ध	ऽ	नि
(२) सां ऽ मग रेसा	निसां रेंसां निध मग	रेसा निसा ऽऽ गऽ	म	ध	ऽ	नि

(३) निसं मंगं रेंसं निसं	निध मग मग रेस	गम धनि संऽ गम	धनि संऽ गम धनि
(४) निस गम धनि धम	गम धनि संनि धम	गम धनि संरें संनि	धम गम धनि संगं
गंरें संरें संनि धम	गम धनि संऽ संनि	धम गम धनि संऽ	संनि धम गम धनि
(५) रेंगं ऽरें संरें ऽसं	निसं ऽनि धनि ऽध	मध ऽम गम ऽग	रेग ऽरे सरे ऽस
धनि संरें गंरें संनि	धम गरे सनि सऽ	ऽसं निध मग मध	निसं निध मऽ पध
गरे सग मध ऽनि	संऽ संऽ ऽसं निध	मग मध निसं निध	मऽ पध गरे सग
मध ऽनि संऽ संऽ	ऽसं निध मग मध	निसं निध मऽ पध	गरे सग मध ऽनि

झाला (चौगुन में भी बजायें)

संनि संसं संसं संसं	सस ससं संसं संसं	निध निनि निनि निनि	सस ससं संसं संसं
धप धध धध धध	सस ससं संसं संसं	पम पप पप पप	सस ससं संसं संसं
संनि संसं संसं संसं	सस ससं संसं संसं	निध निनि निनि निनि	सस ससं संसं संसं
धप धध धध धध	सस ससं संसं संसं	पम पप पप पप	सस ससं संसं संसं
संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप	संनि संसं निध निनि	धप धध पम पप
मध निध मग ऽम	गरे सऽ मग मध	ऽनि संऽ धनि संऽ	संऽ ऽम गरे सऽ
मग मध ऽनि संऽ	धनि संऽ संऽ ऽम	गरे सऽ मग मध	ऽनि संऽ धनि संऽ
संऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

[५०] गत राग बागेश्वरी, त्रिताल [विलंबित लय]

स्थाई—

×	२	०	३
		निनि	ध मम प ध
ग रे गरे सस	नि धध नि स	म ग मध निनि	ध मम प ध

अन्तरा—

ग रे गरे सस	नि धध नि स	म ग मध मम	ग मम ध नि
सं रें सं मंमं	गं रेंरें सं नि	ध म प निनि	ध मम प ध
ग रे गरे सस	नि धध नि स	म ग मध निनि	ध मम प ध

तोड़ा—

१—गमम धनि संनि धनि	संऽनिनि धनि धम ग	निऽसस मग मध निनि	ध मम प ध
२—संऽनिनि धम धनि धम	गऽमम धम गम गरे	निऽसस मग मध निनि	ध मम प ध
३—निऽसस रेग मध मग	रेऽगग मध निध मग	रेऽगग मध निसं निध	मऽगग रेग मध निसं
रेंऽसंसं निध निध मग	मध निनि धऽ ऽऽनिनि	धऽमम पधगऽ ऽऽगग	मध निसं रेंऽसंसं निध
निध मग मध निनि	धऽ ऽऽनिनि धऽममपध	गऽ ऽऽगग मध निसं	रेंऽसंसं निध निध मग
मध निनि धऽ ऽऽनिनि	धऽमम पध गऽ धऽ	ऽऽनिनि धऽमम पध गऽ धऽ	ऽऽनिनि धऽमम पध
४—मऽगग रेस मध निध	मऽगग मध निध निसं	रेंऽसंसं निध मध मग	मऽगग मध मग रेस
निऽसस निध निस मग	मध निनिधग मधनिनि	धऽमम पध गऽमम	पध गऽ धऽमम पध
५—मऽगग रेस निस धनि	सऽसस मग मध निसं	गंऽरेंरें संरें संऽनिनि धनि	धऽमम पध ग रेस
ऽनि धनि स म	ध रेस ऽनि धनि	स म ग रेस	ऽनि धनि स म

झाला (चौगुन में भी बजायें)

मऽगग	मध	ऽनि	संसं	रेंसं	संसं	गंरें	संसं
निसं	निध	मध	निसं	निध	मग	मग	रेस
निऽसस	निधनिनि	निधसस	सनिमम	मगमध	निधसंसं	रेंसंसं	गंरेंसंसं
निधमध	निसंनिध	निधमग	मगरेस	निसधनि	समगम	ऽगमध	निसंसंसं

ससऽऽ सस ससं ससं	संसं संसं संसं संसं	ससऽऽ सस ससं संसं	संस संसं संसं संसं
सऽसस सस ससं संसं	संसं संसं संसं संसं	मऽमम मम मसं संसं	संसं संसं संसं संसं
गऽगग गग गसं संसं	संसं संसं संसं संसं	मऽमम मम मसं संसं	संसं संसं संसं संसं
धऽधध धध धसं संसं	संसं संसं संसं संसं	निऽनिनि निनि निसं संसं	संसं संसं संसं संसं
गऽमम धनि संनि संसं	संसं संसं संसं संसं	धऽमम गम धसं संसं	संसं संसं संसं संसं
धऽनिनि धम गम मसं	संसं संसं संसं संसं	गऽमम गस निसं संसं	संसं संसं संसं संसं
निऽसस गम धनि संसं	संऽगंगं संनि धम संसं	गऽमम धनि संगं संसं	मंऽगंगं संनि धम गस

नि़नि़ सस ध़ध़ नि़नि़	गग मम धध निनि	संसं गंगं संसं निनि	संऽ धध निनि संसं
गंगं संसं निनि संऽ	धध निनि संसं धध	संनि संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं
संनि संसं निध निनि	धम धध मग मम	संनि संसं निध निनि	धम धध मग मम
नि़स गम धनि संऽ	गम धनि संनि ऽध	मऽ निध ऽम गऽ	नि़ध़ ऽनि़ सऽ मग
मध निनि धऽ मम	प ध ग ऽ	मम प ध ग	ऽ मम प ध
ग ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

आलाप राग बागेश्वरी

१–नि़	ऽ	ध़	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ
ध़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ	नि़	ऽ
स	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ
स	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
२–म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ
ध़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३–ग	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ
गं	ऽ	रें	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
ध	ऽ	नि	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	सं	ऽ
ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

४–नि़ध़ नि़सा ऽरे सानि़	ध़ नि़ध़ ऽनि़ ध़नि़	सा मग ऽम गरे	सा ध़ध़ नि़नि़ रेसा
मग ऽम ध मध	मग ऽम धनि ध	मग ऽनि धम ऽध	मग ऽसां निध ऽम
ग मग रेसा ऽध़	ध़ नि़रे नि़ध़ नि़सा	ऽम ग मध निध	ऽम गरे साऽ ऽऽ
५–गग मध निसां ऽनि	ध रें सांनि ध	गंरें सां निध ऽम	ग मध ऽम गम
धनि सां मंगं रेंसां	ऽनि ध मग ऽम	गरे सा ध़ध़ ऽनि़	रेसा ऽम गरे साऽ

[५१] गत राग बागेश्वरी, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
								म	ग	रे	सा	नि़	सा	ध़	नि़
सा	ऽ	*	म	ऽ	ग	रे	सा	म	ग	रे	सा	नि़	सा	ध़	नि़

जोड़—

सा	ऽ	*	म	ऽ	ग	म	ध	नि	सां	ऽ	नि	ध	म	प	ध
ग	ऽ	रे	सा	ऽ	ग	रे	सा	म	ग	रे	सा	नि़	सा	ध़	नि़

अन्तरा—

सा	ऽ	*	म	ऽ	ग	म	ध	नि	सां	ऽ	मं	गं	रें	सां	नि
ध	म	प	ध	ग	ग	रे	सा	ऽ	नि़	ध़	नि़	सा	म	ऽ	ग
म	ध	ऽ	म	ऽ	ग	रे	सा	म	ग	रे	सा	नि़	सा	ध़	नि़

गत सम्बन्धित आलाप

१–सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ
ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
ग	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ
म	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	म	ग	रे	सा	नि़	सा	ध़	नि़

२—म ऽ ग ऽ	ऽ ऽ म ऽ	ध ऽ ऽ ऽ	म ऽ ग ऽ
ऽ ऽ सां ऽ	नि ऽ ध ऽ	म ऽ ग ऽ	ऽ ऽ म ऽ
ध ऽ म ऽ	ग ऽ ऽ ऽ	म ऽ ग ऽ	नि ऽ नि ऽ
ध ऽ म ऽ	ऽ ऽ ग ऽ	म ग रे सा	नि़ सा ध़ नि़

३—म ऽ ग ऽ	ऽ ऽ म ऽ	नि ऽ ध ऽ	ऽ ऽ नि ऽ
सां ऽ ऽ ऽ	सां ऽ ऽ ऽ	सां ऽ रें ऽ	सां ऽ ऽ ऽ
नि ऽ सां ऽ	ऽ ऽ नि ऽ	सा ऽ मं ऽ	गं ऽ रें ऽ
सां ऽ ऽ ऽ	नि ऽ ध ऽ	ऽ ऽ म ऽ	ग ऽ ऽ ऽ
मं ऽ ऽ ऽ	गं ऽ ऽ ऽ	रें ऽ सां ऽ	ऽ ऽ नि ऽ
सां ऽ ऽ ऽ	रें ऽ रें ऽ	सां ऽ ऽ ऽ	नि ऽ ध ऽ
ऽ ऽ सां ऽ	नि ऽ ध ऽ	ऽ ऽ म ऽ	ग ऽ ऽ ऽ
म ऽ ग ऽ	रे ऽ स ऽ	ऽ ऽ रे सा	नि़ सा ध़ नि़

४—सा रे सा नि़ध़	ऽनि़ सा मग ऽम	गरे सा मग मध	मग रेसा नि़सा ध़नि़
मग ऽम ध मग	ऽसां निध मग ऽम	धम गऽ मग निनि	धम ऽग मग रेसा
नि़सा ध़नि़ मग ऽम	निध ऽनि सां सां	सांरें सां निसां ऽनि	सांमं गंरें सांऽ निध
ऽम ग म गं	रेंसां ऽनि सां रेंरें	सां निध ऽसां निध	ऽम ग मग रेसा
ऽरे रेसा नि़सा ध़नि़	साऽ रेंरें सां निध	ऽसां निध ऽम ग	मग रेसा ऽरे रेसा
नि़सा ध़नि़ साऽ रेंरें	सांऽ निध ऽसां निध	ऽम ग मग रेसा	ऽरे रेसा नि़सा ध़नि़

५—नि़सा मऽ ऽम गम	ध म निध ऽम	ऽसां ऽनि ध ऽम	रेंसां निध ऽम गरे
मंगं रेंसां ऽरें निध	ऽम मध निसां निध	ऽम गरे साऽ रेसा	मग रेसा नि़सा ध़नि़
नि़सा मग रेसा नि़सा	मग मध मग रेसा	नि़सा मग मध निसां	निध मग मग रेसा
नि़सा मग मध निसां	धनि सांध निसां रेंसां	मंगं रेंसां निसां मंगं	रेंसां निसां रेंसां निध
गम मंगं ऽमं गं	रें सां नि ध	म ग ऽ म	ग रे सा ऽ
धम ग मग ऽम	ग नि रेसा मग	रेसा निध मग रेसा	रेसा नि़सा ऽध़ ऽनि़

तोड़ा—

१–निसा गम धनि सांरें	सांनि धम गरे साऽ	म ग रे सा	नि सा निसा धनि
२–निसा गम धनि सांरें	सांनि धम गरे साऽ	निसा गम धनि सांरें	सांनि धम गरे साऽ
निसा गम धनि सांरें	सांनि धम गरे साऽ	म ग रे सा	नि रेसा निसा धनि
३–गम धनि सांरें गंरें	सांनि धम गरे साऽ	म ग ऽग रेसा	मग रेसा निसा धनि
४–गम धनि सांरें गंरें	सांनि धम गरे साऽ	गम धनि सांरें गंरें	सांनि धम गरे साऽ
गम धनि सांरें गंरें	सांनि धम गरे साऽ	म ग ऽग रेसा	मग रेसा निसा धनि
५–गम धनि सांऽ निध	ऽम गम धनि सांरें	सांऽ ऽनि धम गरे	सा ऽसा निसा धनि
६–निध मग निसा गम	धनि सांनि सांमं गंरें	सांनि धम गम गरे	गम धनि सांऽ गम
धनि सां गम धनि	सां गंरें सांनि धम	गम गरे गम धनि	सांऽ गम धनि सांऽ
गम धनि सांऽ गंरें	सांनि धम गम गरे	गम धनि सांऽ गम	धनि सां गम धनि
सांऽ गम धनि सांग	मध निसां गम धनि	सांऽ निसां गम धनि	सांऽ निसां गम धनि
७–सां ऽ * म	ऽ ग रे सा	म ग रे सा	नि सा ध नि
रेंगं ऽरें सांरें ऽसां	निसां ऽनि धनि ऽध	मध ऽम गम ऽग	रेग ऽरे सारे ऽसा
निसा गम धनि सांऽ	सांऽ निसा गम धनि	सां सां निसा गम	धनि सांध निसां धनि
८–सासा रेसा निध धनि	धध निध निसा ऽम	गग मग रेसा निध	धम ऽम गऽ ऽम
धनि सां सां धम	ऽम गऽ ऽम धनि	सां सां धम ऽम	गऽ ऽम धनि सांऽ
सां ऽ * म	ऽ ग रे सा	म ग रे रेसा	मग रेसा निसा धनि
९–रेंगं रेंसां ऽनि धऽ	मग ऽम गरे साऽ	निध ऽम गऽ मग	ऽरे साऽ निध ऽनि
१०–गम धनि सांसां निध	धरें रेंसां निध धगं	रेंसां निध धम धनि	सांऽ मंगं रेंसां रेंरें
सांनि धध निध धग	मध निसां निध धम	धनि धध मग ऽनि	धम गऽ ऽम धनि
सां धध मग ऽनि	धम गऽ ऽम धनि	सां धध मग ऽनि	धम गऽ ऽम धनि

(११) सस रेरे सस सस	धध निनि सस रेरे	सस सस मम गग	गग रेरे सस सस
मम धध निनि धध	मम गग गग रेरे	सस सस रेंरें सांसां	निनि धध मम गग
गग रेरे सस ऽनि	धनि स मग ऽम	ध धम ऽ धनि	निध ऽनि सं मग
ऽम धऽ धम ऽध	नि निध ऽनि सां	मग ऽम धऽ धम	ऽध नि निध ऽनि

(१२) गम धम धनि धनि	संनि संसं संसं निसं	निध निध धध धरें	धरें रेंरें रेंसं रेंसं
निसं निध निधधध	धग धग गग गरे	गरे सऽ ऽग मध	निसं ऽनि धनि सऽ
सऽ ऽग मध निसं	ऽनि धनि स स	सऽ ऽग मध निसं	ऽनि धनि स स
सऽ ऽग मध निसं	ऽनि धनि स स	सऽ ऽग मध निसं	ऽनि धनि स स

झाला (चौगुन में भी बजायें)

ग गम ऽम धनि	सं संसं ऽसं संसं	नि निध ऽध रेंरें	सं संनि ऽनि धध
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं संसं संसं	संध संसं संसं संसं	संनि संसं संसं संसं	संनि संसं संध संसं
संनि संसं निध निनि	धम धध मग मम	संनि संसं निध निनि	धप धध मग मम
संनि धध मध निसं	मंगं रेंसं गध ऽनि	धऽ मग ऽम गरे	स ऽनि धनि स
ग म ध नि	सं स ग म	ध नि सं स	ग म ध नि
सं ऽ * म	मम गग रेरे सस	मम गग रेरे सस	निनि सस धध निनि
सस सस सस मम	मम गग मम धध	निनि संसं संसं निनि	धध मम पप धध
गग गग रेरे सस	सस गग रेरे सस	मम गग रेरे सस	निनि सस धध निनि
सस सस सस मम	मम गग मम धध	निनि संसं संसं मंमं	गंगं रेंरें संसं निनि
धध मम पप धध	गग गग रेरे सस	सस निनि धध निनि	सस मम मम गग
मम धध धध मम	ऽग रेस ऽनि धनि	स ग म ध	नि सं सं ऽनि
धनि स ग म	ध नि सं सं	ऽनि धनि स ग	म ध नि सं
सं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

[५२] गत राग बागेश्वरी, ताल झपताल [मध्यलय]

स्थाई—

×		२			०		३		
सां	नि॒	ध	ऽ	नि॒	ध	म	ग॒	रे	सा

जोड़—

रे	सा	नि़॒	ध़	नि़॒	स	म	ग॒	रे	सा

अन्तरा—

ग॒	म	ध	ध	नि॒	सां	सां	सां	ऽ	सां
रें	सां	नि॒	नि॒	ध	सां	नि॒	ध	ध	म
ग॒	म	ध	ध	नि॒	सां	गं॒	रें	रें	सां
नि॒	ध	ध	ध	नि॒	ध	म	ग॒	रे	सा

गत सम्बन्धित आलाप

(१) नि़॒	ऽ	ध़	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	ध़	ऽ	ऽ
नि़॒	ऽ	सा	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ
रे	सा	नि़॒	ध़	नि़॒	सा	म	ग॒	रे	सा
(२) म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	ऽ
नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ
नि॒	ऽ	ध	ऽ	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	ऽ
म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	ध
म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	रें	सां	नि॒	ध	ग
ग॒	ऽ	नि़॒	ध़	नि़॒	सा	म	ग॒	रे	सा

(३) ग	ऽ	म	ऽ	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ध	रें	ऽ	रें
सां	ऽ	नि	ध	म	ग	म	ग	ऽ	रें
सां	नि	ध	ऽ	म	ध	नि	सां	ऽ	मं
गं	रें	सां	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	नि	ध
ऽ	नि	ध	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ध	नि
सां	नि	ध	ऽ	ऽ	म	ध	नि	ध	ऽ
म	ग	ऽ	म	ग	रे	सा	ऽ	ऽ	ऽ

तोड़ा—

(१) सां	नि	ध	ऽ	नि	सांनि	धनि	धम	गम	धनि
(२) धनि	सांनि	धम	गम	धनि	धम	गम	धनि	सांनि	धनि
(३) गम	गरे	साऽ	निसां	गम	धनि	सांनि	सांऽ	गम	धनि
(४) मग	रेसा	निसां	रेंसां	निध	मग	रेसा	निसा	गम	धनि
(५) निसा	गम	धनि	धनि	धम	गम	धनि	सांनि	सांनि	धम
गम	धनि	सांरें	सांरें	सांनि	धम	गम	गम	धनि	सामं
गंरें	सांरें	सांनि	सांनि	धम	गम	धनि	सां	सां	सांनि
धम	गम	धनि	सां	सां	सांनि	धम	गम	धनि	सांऽ
(६) गंमं	रेंगं	सांरें	निसां	धनि	पध	मप	गम	रेग	सारे
निसा	मग	रेग	निध	पध	सांनि	धनि	रेंसां	निसां	मंगं
रेंसां	निध	पम	गरे	सानि	धनि	सा	ग	म	ध
नि	सां	सां	पध	सांनि	धनि	रेंसां	निसां	मंगं	रेंसां

निध	पम	गरे	सानि	धनि	सा	ग	म	ध	नि
सां	सां	पध	सांनि	धनि	रेंसां	निसां	मंगं	रेंसां	निध
पम	गरे	सानि	धनि	स	ग	म	ध	नि	सां
(७) निसा	रेग	मध	मध	मग	रेग	मध	निध	निध	मग
रेग	मध	निसां	निसां	निध	मग	रेग	मध	मध	निसां
रेंरें	सांनि	धम	धम	पध	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा
ग	म	ध	नि	सां	निसां	निसां	निध	मग	रेग
मध	मध	निसां	रेंरें	सांनि	धम	धम	पध	मग	रेसा
ऽनि	धनि	सा	ग	म	ध	नि	सां	निसां	निसां
निध	मग	रेग	मध	मध	निसां	रेंरें	सांनि	धम	धम
पध	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा	ग	म	ध	नि
(८) सानि	धनि	धम	गम	निध	मध	सांनि	धनि	सारें	गं
रेंसां	निसां	रें	सांनि	धनि	सां	निध	मध	नि	धम
गम	धऽ	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा	ग	म	ध
नि	सां	गं	रेंसां	निसां	रें	सांनि	धनि	सां	निध
मध	नि	धम	गम	ध	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा
ग	म	ध	नि	सां	सां	गं	रेंसां	निसां	रें
सानि	धनि	सां	निध	मध	नि	धम	गम	ध	मग
रेसा	ऽनि	धनि	स	ग	म	ध	नि	सां	सां
(९) निनि	धध	मम	गग	निनि	सांसां	निनि	रेंरें	सांसां	निनि
धध	निनि	धध	सांसां	निनि	धध	मम	धध	मम	निनि
धध	मम	गग	मम	गग	धध	मम	गग	रेरे	गग
रेरे	सासा	गग	रेरे	सासा	रेरे	सासा	गग	रेरे	सासा

गग	मम	धध	निनि	सांसां	रेंरें	गंगं	रेंरें	सांसां	निनि
धध	मम	गग	रेरे	स	ऽनि	धनि	सा	ग	ऽम
धनि	सां	सां	सा	ऽनि	धनि	सा	ग	ऽम	धनि
सां	सां	सा	ऽनि	धनि	सा	ग	ऽम	धनि	सां

(१०)	गंगं	गंगं	रेंसां	निसां	ऽरें	सांनि	धनि	ऽसां	निध	मध
	ऽनि	धम	गम	ऽध	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा	ऽग
	मध	ऽनि	सां	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा	ऽग	मध
	ऽनि	सां	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा	ऽग	मध	ऽनि
	सां	नि	ध	ऽ	नि	ध	म	ग	रे	सा
	रे	सा	नि	ध	नि	सा	म	ग	रे	सा

(झाला गत की लय बढ़ाकर बजायें)

ग	गम	ऽम	ध	धनि	ऽनि	सां	सांसां	ऽसां	सांसां
निसां	सांसां	निध	धरें	सांसां	निध	गंरें	निसां	ऽसां	सांसां
सांनि	सांसां	निध	निध	निनि	धम	धध	मग	मग	मम
सांनि	सांसां	निध	निध	निनि	धम	धध	मग	मग	मम
सांनि	सांसां	निसां	ऽसां	सांसां	निध	निनि	धनि	ऽनि	निनि
धम	धध	मध	ऽध	धध	मग	मम	गम	ऽम	मम
सांनि	सांसां	निसां	ऽसां	सांसां	निध	निनि	धनि	ऽनि	निनि
धनि	धध	मध	ऽध	धध	मग	मम	गम	ऽम	मम
सांनि	सांसां	निध	निनि	धम	धध	मग	मम	सांनि	सांसां
निध	निनि	धम	धध	मग	मम	ऽग	मध	निसां	निध
मग	मग	रेसा	ऽनि	धनि	सा	ऽग	मध	निसां	ऽसां
सां	ऽग	मध	निसां	ऽसां	सां	ऽग	मध	निसां	ऽसां
सां	नि	ध	ऽ	नि	ध	म	ग	रे	सा

रे	सा	नि़	ध़	नि़	सा		म	ग	रे	सा
ग	गम	ऽम	ध	धनि	ऽनि		सां	निसां	ऽनि	सांसां
सांसां	निनि	धध	धध	निनि	धध		मम	गग	रेरे	सासा
रेरे	सासा	नि़नि़	ध़ध़	नि़नि़	सासा		मम	गग	रेरे	सासा
सांसां	निनि	धध	धध	निनि	धध		मम	गग	रेरे	सासा
रेरे	सासा	नि़नि़	ध़ध़	नि़नि़	सासा		मम	गग	रेरे	सासा
गग	मम	धध	धध	निनि	सांसां		सांसां	सांसां	सांसां	सांसां
रेंरें	सांसां	निनि	निनि	धध	सांसां		निनि	धध	धध	मम
गग	मम	धध	धध	निनि	सांसां		गंगं	रेंरें	रेंरें	सांसां
निनि	धध	धध	धध	निनि	धध		मम	गग	रेरे	सासा
ऽनि़	ध़नि़	साग	मध	ऽनि	सां		सां	ऽनि़	ध़नि़	साग
मध	ऽनि	सां	सां	ऽनि़	ध़नि़		मग	मध	ऽनि	सां
सांऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(१३) राग सारंग

सारंग राग काफी थाट से पैदा होता है, इस राग में ग तथा ध स्वर वर्जित हैं। आरोह में नि शुद्ध तथा अवरोह में नि॒ कोमल लगती है। शेष सब स्वर शुद्ध लगते हैं, वादी स्वर रे और सम्वादी स्वर प है। समय दिन का लगभग १२—१ बजे है। स्वभाव चंचल है।

आरोह—नि़ सा ऽ रे ऽ म प ऽ नि ऽ सां ऽ।

अवरोह—सां ऽ नि॒ प ऽ म रे ऽ सा ऽ।

पकड़ —नि॒ नि॒ ऽ प म रे सा ऽ नि़ सा रे ऽ म रे ऽ प म रे ऽ नि़ सा ऽ।

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

सा	रे	म	प	नि॒	प	ऽ	म	प	नि॒	प	ऽ	म	रे	ऽ	प
म	रे	ऽ	रे	सा	नि़	सा	रे	म	प	म	रे	ऽ	नि़	सा	ऽ
नि॒	प	म	रे	ऽ	म	प	नि	सां	मं	रें	ऽ	पं	मं	रें	ऽ
नि	सां	नि॒	प	रें	सां	नि॒	प	ऽ	म	रे	ऽ	सा	ऽ	नि़	सा

[५३] गत राग सारंग, त्रिताल

स्थाई—

×				२				०				३			
								नि॒	नि॒	प	म	रे	सा	नि़	सा
रे	ऽ	प	म	रे	सा	नि़	सा	नि॒	नि॒	प	म	रे	सा	नि़	सा

जोड़—

रे	ऽ	प	म	रे	सा	नि़	सा	प़	नि़	सा	नि़	सा	रे	म	रे
रे	म	प	म	रे	सा	नि़	सा	नि॒	नि॒	प	म	रे	सा	नि़	सा

अन्तरा—

रे	ऽ	प	म	रे	सा	नि़	सा	म	प	नि	सां	रें	सां	नि	सां
प	नि॒	प	म	रे	सा	नि़	सा	नि॒	नि॒	प	म	रे	सा	नि़	सा

तोड़ा—

१—रे	ऽ	प	म	रे	सा	नि़	सा	नि़सा	रेम	पनि	सांरें	सांनि॒	पम	रेसा	नि़सा

२–रे ऽ प म	रे सा नि़ सा	नि़सा रेम पनि सांरें	सांनि़ पम रेसा नि़सा
नि़सा रेम पनि सांरें	सांनि़ पम रेसा नि़सा	नि़ नि़ प म	रे पम रेसा नि़सा
३–रे ऽ प म	रे सा निसां रेंमं	रेंसां नि़प मप निसां	ऽनि़ पम रेसा नि़सा
४–सारे मरे मप मप	नि़प निसां रेंसां नि़प	मप निसां रेंसां नि़प	मरे ऽम रेसा नि़सा
५–सारे मरे मप नि़प	निसां नि़प मरे सारे	नि़सा रेऽ ऽसा नि़सा	रेऽ नि़प निसां नि़प
मरे सारे नि़सा रेऽ	ऽसा नि़सा रेऽ नि़प	निसां नि़प मरे सारे	नि़सा रेऽ ऽसा नि़सा
६–रेसा पम सांनि़ मंरें	सांरें निसां नि़प मप	निसां नि़प मप ऽनि़	पम रेसा नि़सा रेऽ
ऽनि़ पम रेसा नि़सा	रेऽ ऽऽ ऽनि़ पम	रेसा नि़सा रेऽ ऽऽ	ऽनि़ पम रेसा नि़सा

झाला (चौगुन में भी बजायें)

नि़सा सासा रेम रेरे	पम रेरे रेम रेरे	रेसा नि़नि़ सांनि़ पप	पनि़ सासा सानि़ सासा
नि़सा सासा रेम रेरे	पम रेरे रेम रेरे	रेसा नि़नि़ सांनि़ पप	पनि़ सासा सानि़ सासा
रे मरे ऽप रेरे	मरे ऽसा सासा नि़सा	नि़सा ऽम पनि़ सासा	रेनि़ सासा रेम ऽरे
रे मरे ऽप रेरे	मरे ऽसा सासा नि़सा	नि़सा ऽम पनि़ सासा	रेनि़ सासा रेम ऽरे
पप मप पप पप	मरे नि़सा सासा सासा	निसां सांसां सांरें सांनि	सांसां मंरें सांसां पंमं
पप मप प पप	मरे नि़सा सासा सासा	निसां सांसां सांरें सांनि	सांसां मंरें सांसां पंमं
मंरें सांसां निसां रेंसां	नि़प ऽप मप निसां	ऽसां नि़प ऽम पनि़	पम रेऽ ऽसा नि़सा
रेऽ नि़प ऽम पनि़	पम रेऽ ऽसा नि़सा	रेऽ नि़प ऽम पनि़	पम रेऽ ऽसा नि़सा
रेऽ ऽ ऽ ऽ			

(५४) गत राग सारंग त्रिताल, (विलंबित लय)

स्थाई—

×	२	०	३
		रेंरें	सां नि़ऽपम रे सा
रे रे रे मम	प नि़नि़ प म	रे सा सा रेंरें	सां नि़ऽपम रे सा

जोड़—

रे	रे	रे	मम	प	नि॒नि॒	प	म	रे	सा	सा	सासा	नि़	सासा	नि़	सा
रे	मम	प	म	प	नि॒नि॒	प	म	रे	सा	सा	रेंरें	सां	नि॒ऽपम	रे	सा

अन्तरा--

रे	रे	रे	मम	प	नि॒नि॒	प	म	रे	सा	सा	पप	म	पप	नि	नि
सां	सां	सां	पप	रें	रेंरें	मं	रें	मं	रें	सां	निनि	सां	रेंरें	नि	सां
प	नि॒नि॒	म	प	रे	नि॒नि॒	प	म	रे	सा	नि़	सासा	नि़	सासा	नि़	सा
रे	मम	प	म	प	नि॒नि॒	प	म	रे	सा	सा	रेंरें	सां	नि॒ऽपम	रे	सा

तोड़ा—

१—साऽरेरे मप निसां रेंसां	नि॒ऽपप मप मरे सारे	मऽपप निसां नि॒प रेंरें	सांऽ नि॒ऽपम रे सा
२—साऽरेंरें मप निसां रेंमं	रेंऽसांसां नि॒प मप निसां	नि॒ऽपप मप नि॒प रेंरें	सांऽ नि॒ऽपम रे सा
३—रे रे रे मम	प नि॒नि॒ प म	रे सा सा रेंरें	**पम नि॒पसांनि॒ ऽनि॒पम रेसानि़सा
४—नि़ऽसासा रेम पनि॒ मप	निऽसांसां रेंमं रेंसां नि॒प	मऽरेरे सारे नि़सा रेम	

**निसां रेंमंरेंसां नि॒पमरे सारेनि़सा

५—साऽरेम	पऽनि॒प	ऽमपनि	पऽमरे	ऽपमरे	ऽरेसाऽ	नि़सानि़सा	रेऽनि़नि़
प़प़नि़सा	ऽप़नि़सा	नि़सारेऽ	मरेऽप	मरेऽम	पनिसांऽ	रेंसांनि॒प	मरेनि़सा
रेरे	रेऽमम	सांनि॒ऽप	मऽनि॒प	ऽमरेऽ	रेनि़ऽसा	रेऽ	सांनि॒ऽप
मऽनि॒प	ऽमरेऽ	रेनि़ऽसा	रेऽ	सांनि॒ऽप	मऽनि॒प	ऽमरेऽ	रेनि़ऽसा

झाला नीचे लिखी लय से दुगुन में बजायें।

मम	मम	पप	पप	पप	निनि	सांसां	सांसां	मम	पप	निनि	सांसां	रेंरें	सांसां	सांसां	निनि
सांसां	रेंरें	मंमं	रेंरें	पंपं	मंमं	रेंरें	रेंरें	सांसां	निनि	सांसां	रेंरें	निनि	सांसां	सांसां	रेंरें

मंमं	रेंरें	रेंरें	संसं	नि॒नि॒	पप	पप	रेंरें	संसं	नि॒नि॒	पप	पप	नि॒नि॒	पप	पप	मम
रेरे	रेरे	पप	पप	मम	रेरे	रेरे	रेरे	सस	सस	नि़नि़	सस	नि़नि़	सस	रेरे	रेरे
मम	रेरे	पप	मम	रेरे	रेरे	नि॒नि॒	पप	मम	रेरे	संसं	नि॒नि॒	पप	मम	रेरे	रेरे
निनि	संसं	रेंरें	संसं	नि॒नि॒	पप	मम	रेरे	मम	पप	निनि	संसं	रेंरें	संसं	निनि	संसं
निसं	रेंमं	रेंसं	नि॒प	मरे	सरे	ऽसा	नि़सा	रेऽ	ऽऽ	निनि	संसं	निसं	रेंमं	रेंसं	नि॒प
मरे	सरे	ऽस	नि़स	रेऽ	ऽऽ	निनि	संसं	निसं	रेंमं	रेंसं	नि॒प	मरे	सरे	ऽस	नि़स

आलाप (चौगुन में भी बजायें)

१—स	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
२—स	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ
ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ऽ
प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	नि़॒	ऽ	प़	ऽ	म़	ऽ
प़	ऽ	नि़॒	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
रे	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ
स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३—म	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ
सं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ
ऽ	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ

सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	नि॒	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(५५) गत राग सारंग, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

०				३				×				२			
नि॒	प	ऽ	म	रे	म	प	म	रे	ऽ	ऽ	प	म	रे	नि़	सा

जोड़—

नि़	ऽ	सा	ऽ	प़	नि़	सा	ऽ	रे	म	प	म	रे	सा	नि़	सा

अन्तरा—

म	प	ऽ	प	नि॒	प	नि	नि	सां	ऽ	सां	ऽ	रें	रें	सां	ऽ
रें	मं	रें	सां	नि	सां	रें	सां	नि॒	नि॒	प	म	रे	सा	नि़	सा

गत सम्बन्धित आलाप

१—	नि॒	प	ऽ	म	रे	म	प	म	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ
	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ
	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ
	नि॒	ऽ	प	म	रे	म	प	म	रे	ऽ	ऽ	प	म	रे	नि़	सा

२—नि॒	प	ऽ	म	रे	म	प	म	नि़	ऽ	स	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि़॒	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ
ऽ	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	स	ऽ
प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ
नि़	स	रेस	निस	नि॒प	ऽम	रेम	पम	रे	ऽ	ऽ	प	म	रे	नि़	स

३—नि॒	प	ऽ	म	रे	म	प	म	ऽ	म	प	प	नि	नि	सं	ऽ
ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	नि	ऽ	सं	ऽ	रें	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ऽ	सं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ
मं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	नि	ऽ	सं	ऽ	रें	ऽ	नि	ऽ
सं	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	नि॒	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सं	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ
रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽम	रेम	पम	रे	ऽ	ऽ	प	म	रे	नि़	स

तोड़ा—

(१) नि॒	प	ऽ	म	रे	म	प	म	निसं	रेंसं	नि॒प	मप	मरे	सरे	मप	निसं
ऽनि॒	पम	रेस	नि़स	ऽनि॒	पम	रेम	पम	रे	ऽ	ऽ	प	म	रे	नि़	स

(२) नि॒	प	ऽ	म	रे	म	प	म	सरे	मप	निसं	रेंसं	नि॒प	मप	निसं	ऽनि॒
पम	रेस	ऽम	ऽनि	संऽ	ऽऽ	नि॒प	मप	निसं	ऽनि॒	पम	रेस	ऽम	पनि॒	पऽ	ऽऽ
नि॒प	मप	निसं	ऽनि॒	पम	रेस	ऽम	पनि॒	रे	ऽ	ऽ	प	म	रे	नि़	स

(३) नि प ऽ म	रे म प म	नि़स रेस रेम रेम	पम पनि पनि संनि
सनि सनि पनि पम	पम रेम रेस नि़स	ऽरे ऽप मरे नि़स	ऽनि पम रेम पम
रेऽ रेम रेस नि़स	ऽरे ऽप मरे नि़स	ऽनि पम रेम पम	रेऽ रेम रेस नि़स
ऽरे ऽप मरे नि़स	ऽनि पम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स

(४) नि प ऽ म	रे ऽम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स
नि प ऽ म	रे म प म	नि़स रेम पनि मप	निसं रेंमं रेंसं निप
ऽम रेम पम निप	संनि पनि पम पम	रेम रेस ऽम पनि	संऽ नि प म
रे नि प म	रे नि प म	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स

(५) नि प ऽ म	रे म प म	सरे सरे मप मप	निसं निसं रेंमं रेंमं
रेंसं रेंसं निप निप	मप मप निसं निसं	निप ऽम रेम पम	रेऽ निसं निप ऽम
रेम पम रेऽ निसं	निप ऽम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स

(६) नि प ऽ म	रे म प म	रेंरें सरे पप मप	संसं निसं मंमं रेंमं
संसं रेंसं पप निप	पप मप संसं निसं	पप निप पप मप	मरे नि़स निप ऽम
रेम पम रेऽ ऽम	प नि सं निप	ऽम रेम पऽ रेऽ	ऽम प नि सं
निप ऽम रेम पम	रेऽ ऽम प नि	सं ऽम प नि	सं ऽम प नि

(७) नि प ऽ म	रे म प म	नि़स रेम रेम पम	पनि मप निप निसं
रेंसं रेंमं रेंसं निसं	निप मप मरे सरे	नि़स ऽरे मप नि	सं सरे नि़स ऽरे
मप नि सं सरे	नि़स ऽरे मप नि	सं प ऽ प	म रे नि़ स

(८) ऽ ऽ ऽ प	म रे नि़ स	सस सस नि़नि़ सस	सस रेरे रेरे मम
रेरे रेरे पप पप	रेरे मम रेरे रेरे	सस सस नि़स सम	पनि़ सस रेनि़ सस
रेम मरे पप मप	पम रेनि़ नि़स सस	ऽरे मप निसं रेंमं	रेंसं निप मप निसं
निप ऽम रेम पम	रेऽ रेंमं रेंसं निप	मप निसं निप ऽम	रेम पम रेऽ रेंमं
रेंसं निप मप निसं	निप ऽम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स

(९) नि॒ प ऽ म	रे म प म	रेनि़ सस प़नि़ सस	नि़स रेम पनि संसं
नि॒सं नि॒नि॒ पप मप	निसं संरें संसं नि॒म	पप संनि॒ पम रेरे	मप नि॒नि॒ पम रेरे
रेम पम रेरे पम	रेरे मरे रेनि़ सस	ऽरे म प नि	सं सस ऽरे म
प नि सं सस	ऽरे म प नि	सं ऽ ऽ प	म रे नि़ स
नि॒ प ऽ नि़स	नि॒प ऽम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स

(१०) नि॒ प ऽ म	रे म प म	नि़नि़नि़ ससस रेरेरे रेरेरे
ममम पपप पपप नि॒नि॒नि॒	पपप पपप रेरेरे ममम	पपप पपप निनिनि संसंसं
नि॒नि॒नि॒ पपप ममम रेरेरे	रेरेरे नि़नि़नि़ ससस ससस	सरेम पनिसं रेंमंरें संनि॒प
मपनि संनि॒प मरेस नि़सरे	मपनि संऽ मपनि संनि॒प	मरेस नि़सरे मपनि संऽ
संऽ मपनि संनि॒प मरेस	नि़सरे मपनि संऽ संऽ	सं ऽ ऽ प
म रे नि़ स	नि॒ प ऽ नि़स	नि॒प ऽम रेम रेमपम
रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स	

(झाला चौगुन में भी बजायें)

नि॒ प ऽ म	रे म प म	म ऽ म प	ऽ प नि नि
सं ऽ सं सं	ऽ सं सं सं	पप पप निनि निनि	संसं निनि संसं संसं
निनि संसं संसं संसं	नि॒नि॒ पप मम रेरे	नि़नि़ सस नि़नि़ नि़नि़	सस नि़नि़ सस सस
प़प़ नि़नि़ सस सस	प़प़ नि़नि़ नि़॒नि़॒ प़प़	नि़नि़नि़नि़नि़नि़ नि़नि़	सनि़ सस सस सस
सप़ सस सस सस	सनि़ सस सप़ सस	सनि़ सस सस सस	सप़ सस सस सस
सप़ प़स सस सस	सनि़ सस सप़ सस	पम पप मरे मम	रेस रेरे सरे सस
रेस रेरे सनि़ सस	नि़स नि़नि़ सप़ सस	प़प़ प़प़ प़प़ प़प़	नि़स नि़नि़ सरे सस
रेम रेरे मरे मम	रेरे रेरे मम पप	नि॒नि॒ पम रेम नि॒प	मरे नि़स ऽरे मप
मम मप पप निनि	संसं संसं संसं संसं	संनि संसं रेंसं संसं	नि॒नि॒ पप रेम पम
रेऽ ऽम पनि संसं	रेंमं रेंसं रेंनि संसं	संनि संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं
संप पसं संसं संसं	संनि संसं संप संसं	संनि संसं संसं संसं	संप संसं संसं संसं

संप पसं संसं संसं	संनि संसं संप संसं	संनि संसं नि॒प नि॒नि॒	पम पप मरे मम
रेस रेरे सनि़ सस	ऽरे निसं नि॒प मरे	पम नि॒प संनि॒ पनि॒	पम पम रेम रेस
पनि ऽसं रेंऽ रेंसं	ऽनि॒ पऽ नि॒प ऽम	रेऽ ऽ ऽ प	म रे नि़ स
नि॒ प ऽ म	रे म प म	रे ऽप मरे नि़स	नि़ स प़नि़ स
रेम पम रेस नि़स	नि॒प ऽम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स
नि॒ प ऽ म	रे म प म	रे ऽप मरे नि़स	मप ऽप नि॒प निनि
सं सं रेंरें सं	रेंमं रेंसं निसं रेंसं	नि॒नि॒ पम रेस नि़स	नि॒प ऽम रेम पम
रे म प नि	सं नि़स नि॒प ऽम	रेम पम प म	प नि सं नि़स
नि़म ऽम रेम पम	रे म प नि	सं ऽ ऽ प	म रे नि़ स
नि॒ प ऽ म	रे म प म	रेरे रेरे रेरे पप	मम रेरे नि़नि़ सस
नि॒नि॒ पप पप मम	रेरे मम पप मम	रेरे रेरे रेरे पप	मम रेरे नि़नि़ सस
नि़नि़ नि़नि़ सस सस	प़प़ नि़नि़ सस सस	रेरे मम पप मम	रेरे सस नि़नि़ सस
नि॒नि॒ पप पप मम	रेरे मम पप मम	रेरे रेरे रेरे पप	मम रेरे नि़नि़ सस
मम पप पप पप	नि॒नि॒ पप निनि निनि	संसं संसं संसं संसं	रेंरें रेंरें संसं संसं
रेंरें मंमं रेंरें संसं	निनि संसं रेंरें संसं	नि॒नि॒ नि॒नि॒ पप मम	रेरे सस नि़नि़ सस
नि॒नि॒ पप पप मम	रेरे मम पप मम	रे ऽ ऽ ऽप	मरे नि़स नि़ऽ सऽ
प़नि़ सऽ रेम पम	रेस नि़स नि॒प ऽम	रेम पम रेऽ रेस	नि़स नि॒प ऽम रेम
पम रेऽ रेस नि़स	नि॒प ऽम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स
नि॒ प ऽ म	रे म प म	रे रे ऽ प	रे ऽप मरे नि़स
मप ऽप नि॒प निनि	सं सं रेंरें सं	रेंमं रेंसं निसं रेंसं	नि॒नि॒ पम रेस नि़स
नि॒प ऽम रेम पम	रेऽ रेंसं नि॒नि॒ पम	रेस नि़स नि॒प ऽम	रेम पम रेऽ रेंसं
नि॒नि॒ पम रेस नि़स	नि॒प ऽम रेम पम	रेऽ ऽ ऽ प	म रे नि़ स
नि॒ प ऽ म	रे म प म	रेऽ ऽ ऽ ऽप	मरे नि़स नि॒प ऽम
रेम नि॒प ऽम रेम	नि॒प ऽम रेम पम	रे ऽ ऽ प	म रे नि़ स
रेम पम रे रेम	पम रे रेम पम	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

[५६] गत राग सारंग, ताल झपताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		२			०		३		
नि॒	नि॒	प	म	प	म	रे	सा	नि़	सा

जोड़—

प़	नि़	सा	रे	प	म	रे	सा	नि़	सा

अन्तरा—

म	प	नि	ऽ	नि	सां	ऽ	सां	सां	सां
नि	सां	रें	रें	मं	रें	सां	नि	नि	सां
नि॒	प	म	म	प	सां	ऽ	नि॒	प	म
रे	ऽ	रे	म	प	म	रे	सा	नि़	सा

गत सम्बन्धित आलाप

(१) रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	प
ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	नि॒	ऽ	प
ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	प
ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा
ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒
ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म
ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ
ऽ	नि़	सा	रे	प	म	रे	सा	नि़	सा

(२) नि़	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒
ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प
ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	नि
ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म
ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	नि॒	ऽ	प
ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ
ऽ	नि़	सा	ऽ	प	म	रे	सा	नि़	सा

(३) म	ऽ	म	प	ऽ	प	नि	नि	सां	ऽ
ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ
रें	ऽ	मं	ऽ	रें	ऽ	पं	ऽ	मं	ऽ
रें	ऽ	सां	ऽ	नि	ऽ	सां	ऽ	रें	ऽ
नि	ऽ	सां	ऽ	नि॒	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ
ऽ	नि़	सा	रे	प	म	रे	सा	नि़	सा

तोड़ा—

(१) नि॒	नि॒	प	म	निसां	रेंमं	रेंसां	नि॒प	मप	निसां

(२) नि॒	नि॒	प	म	प	सारे	मप	ऽनि	सारें	सानि॒
पम	रेसा	नि़स	रेम	रेस	ऽरे	मप	नि	सां	रेम
रेसा	ऽरे	मप	नि	सां	रेम	रेसा	ऽरे	मप	निऽ
सां	ऽ		म	प	म	रे	सा	नि़	सा

(३) सारे	मप	निसां	रेंमं	रेंसां	नि॒प	मप	सांऽ	ऽनि॒	पम
रेऽ	ऽप	मरे	नि़सा	रेऽ	सांऽ	ऽनि॒	पम	रेऽ	ऽप
मरे	नि़सा	रेऽ	सांऽ	ऽनि॒	पम	रेऽ	ऽप	मरे	नि़सा
रेऽ	रेऽ	ऽप	मरे	नि़सा	रेऽ	रेऽ	ऽप	मरे	नि़सा
(४) नि़सा	रेम	पनि॒	मप	निसां	रेंमं	रेंसां	नि॒प	मरे	सरे
नि़सा	पनि	सांऽ	ऽनि॒	पम	रेऽ	ऽप	मरे	नि़सा	नि॒
नि॒	पनि	सांऽ	ऽनि॒	पम	रेऽ	ऽप	मरे	नि़सा	नि॒
नि॒	पनि	सांऽ	ऽनि॒	पम	रेऽ	ऽप	मरे	नि़सा	नि॒
नि॒	नि॒	सांऽ	ऽनि॒	पम	म	रे	सा	नि़	सा
(५) नि़सा	रेम	पम	रेम	पनि॒	ऽप	मरे	मप	निसां	नि॒प
मरे	मप	निसां	रेंरें	सांनि॒	पम	रेम	पम	रेसा	नि़सा
ऽनि॒	पम	पम	रेसा	नि़सा	नि॒	नि़सा	ऽनि॒	पम	पम
रेसा	नि़सा	नि़	नि़सा	ऽनि॒	पम	पम	रेसा	नि़सा	ऽनि॒
नि॒	नि॒	प	म	प	म	रे	सा	नि़	सा
(६) नि़सा	रे	मरे	ऽप	मरे	नि॒प	ऽम	पम	रे	रेम
पम	रे	मरे	नि़सा	ऽनि़	सारे	सानि़॒	प़म़	प़नि़	ऽसा
रेम	पम	ऽप	मरे	ऽसा	नि़सा	नि॒	रेम	पम	ऽप
मरे	ऽसा	नि़सा	नि॒	रेम	पम	ऽप	मरे	ऽसा	नि़सा
नि॒	नि॒	प	म	प	म	रे	सा	नि़	सा
(७) सा	नि़सा	ऽरे	रेम	रेऽ	प	रेम	रे	सा	नि़सा
ऽम़	प़नि़	सा	रे	म	प	नि॒	प	रेम	रे
सा	नि़सा	ऽम़	प़नि़	सा	रे	म	प	नि॒	प
रेम	रे	सा	नि़सा	ऽम़	प़नि़	सा	रे	म	प
नि॒	नि॒	प	म	प	म	रे	सा	नि़	सा

(८) निनि	सस	रेरे	रेरे	रेरे	मम	रेरे	रेरे	पप	पप
मम	रेरे	रेरे	रेरे	ऩिऩि	ऩिऩि	पप	पप	मम	मम
पप	मम	रेरे	रेरे	रेरे	रेरे	मम	पप	पप	मम
रेरे	रेरे	मम	मम	रेरे	नि़नि़	सस	सस	सस	नि़नि़
सस	रेरे	सस	सस	ऩि़ऩि़	प़प़	म़म़	प़प़	प़प़	नि़नि़
सस	ऽऩि	पम	पम	रेसा	नि़स	ऩि	प़प़	म़म़	प़प़
प़प़	नि़नि़	सस	ऽऩि	पम	पम	रेस	नि़स	ऩि	प़प़
म़म़	प़प़	प़प़	नि़नि़	सस	ऽऩि	पम	पम	रेस	नि़स

(९) सस	नि़स	सरे	रेम	रेरे	पप	रेम	रेरे	सस	नि़स
सम़	प़नि़	सस	रेनि़	सस	रेम	मरे	पप	मप	पम
रेनि़	सस	ऽऩि	पम	पम	रेस	नि़स	ऩि	ऽऩि	पम
पम	रेस	नि़स	ऩि	सस	ऽऩि	मम	पम	रेस	नि़स
ऩि	ऩि	प	म	प	म	रे	स	नि़	स

(१०) नि़नि़नि़	ससस	रेरेरे	ममम	पपप	निनिनि	संसंसं	संसंसं	निनिनि	संसंसं
ऩिऩिऩि	ऩिऩिऩि	पपप	पपप	ममम	पपप	निनिनि	संसंसं	संसंसं	रेंरेंरें
संसंसं	संसंसं	ऩिऩिऩि	ममम	पपप	पपप	संमंमं	ऩिऩिऩि	पपप	ममम
रेरेरे	रेरेरे	नि़नि़नि़	ससस	पपप	ममम	रेरेरे	ससस	नि़नि़नि़	ससस
ऩिऩिप	मपम	रेसनि़	सप़नि़	सरेप	मरेस	नि़सनि़	पमम	पसंसं	ऩिपम
रेरेरे	मपम	रेसऩि	पनिम	मरेस	नि़सप़	नि़सरे	पमरे	सनि़स	ऩि
मपम	रेंसंऩि	पमप	मरेस	नि़सप़	नि़सरे	पमरे	सनि़स	ऩि	ऩि
मपम	रेंसंऩि	पमप	मरेस	नि़सप़	नि़सरे	पमरे	सनि़स	ऩि	ऩि
ऩि	ऩि	प	म	प	म	रे	स	नि़	स

झाला गत की लय बढ़ाकर बजायें

नि़सा	रेम	पनि	सांसां	सांसां	निनि	सांसां	रेंरें	सांसां	निनि
सांसां	सांसां	मंमं	रेंरें	सांसां	पंपं	मंमं	रेंरें	सांसां	सांसां
निनि	सांसां	निनि	सांसां	रेंरें	सांसां	नि॒नि॒	सांसां	नि॒नि॒	पप
पप	मम	पप	मम	पप	निनि	सांसां	नि॒नि॒	पप	मम
मम	पप	नि॒नि॒	पप	मम	रेरे	रेरे	रेरे	मम	पप
नि॒नि॒	पप	मम	रेरे	रेरे	रेरे	मम	रेरे	पप	मम
रेरे	रेरे	मरे	ऽनि़	साऽ	ऽनि॒	पम	रेऽ	ऽप	मरे
नि़सा	नि॒	पप	मम	रेरे	रेरे	मरे	ऽनि़	साऽ	ऽनि॒
पम	रे	ऽप	मरे	नि़सा	नि॒	रेरे	पप	मम	रेरे
रेरे	मरे	ऽनि़	साऽ	ऽनि॒	पम	रे	ऽप	मरे	नि़सा

(१४) राग पीलू

राग पीलू काफी थाट से पैदा होता है, इस राग में ग॒ तथा नि॒ स्वर कोमल लगते हैं, ध॒ कोमल भी लगता है, शेष स्वर सब शुद्ध लगते हैं। शुद्ध ग, ध और नी कोमल के अतिरिक्त लगते हैं, इस तरह सप्तक के बारहों स्वर लगते हैं। वादी स्वर प तथा सम्वादी स्वर स है। यह दिन के तीसरे प्रहर का राग है, लेकिन लोग इसे हर समय गाते-बजाते हैं। राग का स्वभाव चंचल है।

आरोहः—नि़ सा ग॒ रे ग॒ ऽ म प ऽ ध॒ प ऽ नि॒ ध प ऽ सां ऽ

अवरोहः—सां नि॒ ध प म प ग॒ ऽ नि़ सा

पकड़ः—नि़ सा ऽ ग॒ रे नि़ सा ऽ नि़ ध़॒ प़ प़ ऽ ध़॒ ऽ नि़ सा ऽ ग॒ ऽ रे सा।

(आलाप चौगुन में भी बजायें)

सा	ऽ	नि़	सा	रे	नि़	सा	नि़	ध़॒	प़	ऽ	प़	ऽ	नि़	सा	नि़
ध़॒	प़	नि़	सा	ऽ	ग॒	रे	नि़	सा	नि़	सा	ग	म	प	ध॒	म
प	ग॒	ऽ	नि़	सा	ऽ	ग	ऽ	ग	ग	म	ऽ	ग	म	ग	म
प	म	ग॒	रे	नि़	सा	सां	नि॒	ध	प	म	ग॒	ऽ	नि़	सा	ऽ

(५७) राग पीलू—त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

×				२				०				३			
								सा	ग॒	रे	ग॒	सा	रे	नि़	सा
प़	ध़॒	म़	प़	नि़	नि़	सा	नि़	सा	ग॒	रे	ग॒	सा	रे	नि़	सा

अन्तरा—

प़	ध़॒	म़	प़	नि़	नि़	सा	नि़	ऽ	सा	ग	म	प	ऽ	प	प
ग	ग	म	प	ग॒	रे	नि़	सा	ग	ऽ	म	ग	ऽ	म	रे	सा
प	ध॒	प	म	ग॒	रे	सा	नि़	सा	ग॒	रे	ग॒	सा	रे	नि़	सा

तोड़ा—

(१) प़	ध़॒	म़	प़	नि़	नि़	सा	नि़	नि़सा	ग॒म	पध॒	पम	ऽम	पम	ग॒रे	नि़सा

(२) प़ ध़ म़ प़	नि़ नि़ सा नि़	गुंरें सांनि धप मग	ऽम पम गुरे नि़स
(३) सरे गुरे सरे गम	गुरे सरे गम पम	गुरे सरे गम पध	पम गुरे सरे गम
पध निसं निध पम	गुरे गम पनि सांरें	सांनि धप मग रेस	ऽग रेग सरे नि़स
(४) सरे गम रेग मप	गम पध मप धनि	सरे गम रेग मप	गम पध मप धनि
सरे गम पध निसं	निध पम गुरे नि़स	गुरे नि़सा प गुरे	नि़स प गुरे नि़स
(५) गुंरें संरें गुंरें रेंसं	निसं रेंसं संनि धनि	संनि धप मप धप	पम गम पम मग
रेग मग गुरे सरे	गुरे रेस नि़स रेस	ऽग ऽम पऽ ऽग	ऽम पऽ ऽग ऽम

झाला (चौगुन में भी बजायें)

प़ध़ म़प़ नि़स सस	नि़स नि़नि़ प़नि़ प़प़	म़प़ म़म़ ध़म़ ध़ध़	प़ध़ प़प़ नि़नि़ सस
नि़स सस सग गग	गम मम मप पप	नि़स सस सग गग	गम मम मप पप
गम पग ऽरे नि़स	नि़नि़ सरे सनि़ ध़प	सस गुरे सस नि़स	सस पप मप मग
रेस नि़स सस गऽ	पम पग ऽरे नि़स	प़ पग ऽरे नि़स	प़ पग ऽरे नि़स
प़ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(५८) गत राग पीलू, त्रिताल (विलम्बित लय)

स्थाई—

×	२	०	३
		गम	ग रेरे नि़ स
ग रे गुरे सस	रे मम प धुप	ग रे सरे मम	ग रेरे नि़ स

जोड़——

ग रे गुरे सस	रे मम प धुप	ग रे सरे मम	ग रेरे नि़ स
नि़ सनि़ ध़ प़	म़ प़प़ नि़ स	धुप गुरे सरे मम	ग रेरे नि़ स

अन्तरा—

ग रे गुरे सस	रे मम प धुप	ग रे सरे म	ग रेरे नि़ स
ग ग ग मम	रे मम प धुप	ग रे सरे मम	ग रेरे नि़ स

तोड़ा—

१–सऽनिनि सरे निस निध	पऽपप धनि सरे गरे	धऽपप मग रेस मम	ग रेरे नि सा
२–रेऽनिनि सनि धऽ पप	निऽधध पनि सरे गरे	धऽपप मग रेस मम	ग रेरे नि सा
३–ग रे गरे सासा	रे मम पप धप	ग रे सरे मम	**गम पधनिसं निधपम गरेनिस

४–निऽधध	पप	गम	धप	गऽमम	पग	रेस	निस
**पनि	सरेसनि	धपमग	रेसनिस	गरे	सरेमम	गऽरेरे	निस
निनिधध	पपपप	धधपप	धधनिनि	ससमस	गगरेरे	निनिसस	ससनिनि
ससगग	गगगग	पपमम	पपपप	ममपप	गगरेरे	निनिसस	निनिसस
गगरेरे	निनिसस	गगरेरे	ससमस	रेरेमम	पपधप	गगरेरे	सरेमम
गऽरेरे	निस	गऽ	गऽरेरे	निस	गऽ	गऽरेरे	निस

झाला—

निनिसस	गगगग	पपपप	धधधप	ममगग	ममपप	गगरेरे	निनिसस
गगगग	गगगग	मममम	गगमम	गगमम	धधपप	गगरेरे	निनिसस
गगमम	पपनिनि	संसंसंसं	निनिसंसं	रेंसंसंसं	निसंसंसं	गंरेंगंरें	गंरेंसंसं
संनिसंसं	संसंसंसं	निधनिनि	निनिनिनि	धपधध	धधधध	पमपप	पपपप
संनिसंसं	संसंसंसं	निधनिनि	निनिनिनि	धपधध	धधधध	पमपप	पपपप
संनिसंसं	संसंनिध	निनिनिनि	धपधध	धधपम	पपपप	संनिसंसं	संसंनिध
निनिनिनि	धपधध	धधपम	पपपप	संनिसंसं	निधनिनि	धपधध	पमपप
संनिसंसं	निधनिनि	धपधध	पमपप	संनिधनि	धपधप	मपमग	मगरेग
रेसऽनि	सऽ	गऽ	संनिसंसं	निधनिनि	धपधध	पमपप	संनिधनि
धपधप	मपमग	मगरेग	रेसऽनि	सऽ	गऽ	संनिसंसं	निधनिनि

धपधध	पमपप	सांनिधनि	धपधप	मपमग	मगरेग	रेसाऽनि	साऽ
गऽ	मगरेग	रेसाऽनि	साऽ	गऽ	मगरेग	रेसाऽनि	साऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(आलाप राग पीलू)

१—नि	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	रे	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

२—नि	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ
ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ
ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ

३—म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि	ऽ
ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ
ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ	ऽ
ऽ	रें	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	रें	ऽ	ऽ

ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	प
ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ
ऽ	ध़॒	ऽ	ऽ	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	म़	ऽ	प़	ऽ	ध़॒	ऽ	नि़
ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ

४—नि़सा	ग॒	रे॒	सा	सारे॒	नि़	ध़॒प	ऽम़	प़ध़॒	नि़	प़प़	ध़॒नि़	सा	ग॒	नि़सा	ग॒
नि़सा	ग॒	मप	ऽध॒	प	नि॒	ध	प	सां	ध॒	प	रेंसां	ऽध॒	प	ध॒	म
पग॒	ऽगं॒	रें	सां	ऽध॒	ऽप	ऽध॒	ऽम	पग॒	ऽगं॒	रें	सां	ग॒	रे	सा	ध॒
प	मप	ग॒	निध॒	ऽप	मप	ग॒	रे	सा	नि़	सारे	सा	ध़॒	प़	म़प़	ध़॒नि़
ऽसा	ग॒	ऽनि़	सा	मप	ऽप	ध॒	प	ऽनि॒	ध	प	सां	ऽध॒	प	रें॒	सां
ऽध॒	प	मप	ग॒	गं॒	रें	सां	ग॒	रे॒	सा	ऽध॒	प	मप	ग॒	रे	नि़
सा	ध़॒	प़	म़प़	ध़॒नि़	ऽसा	ग॒	नि़	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(५६) गत राग पीलू, त्रिताल (मध्यलय)

स्थाई—

०				३				×				२			
सा	ग॒	रे	ग॒	ऽ	रे	सा	रे	नि़	नि़	सा	म	ग॒	रे	सा	नि़

जोड़—

ध़॒	प़	प़	ध़॒	नि़	नि़	सा	ऽ	रे	ग॒	रे	म	ग॒	रे	सा	नि़

अन्तरा—

नि़	सा	ग	म	प	प	ध॒	प	म	ग	म	प	ग॒	रे	नि़	सा
ग	ऽ	ग	ग	म	म	ग	म	म	ग	प	म	ग॒	रे	सा	नि़

गत सम्बन्धित आलाप

१—सा	ग॒	रे	ग॒	ऽ	रे	सा	रे	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	नि़
ध़	ऽ	प़	ऽ	ध़	ऽ	नि़	ऽ	स	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ऽ	म	ऽ	रे	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ
ध॒	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ
ऽ	प	ग॒	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	म	ग	ऽ
ऽ	म	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ग	म	प	ध	नि॒	ध	म	प	ग॒	रे
ऽ	म	ग॒	रे	सा	नि़	ध़	प़	प़	ध़	नि़	नि़	ऽ	नि़	नि़	स
ग॒	रे	ऽ	म	ग॒	रे	म	ग॒	प	म	ध	प	नि॒	ध	सां	नि॒
रें	सां	नि॒	ध	प	म	ग॒	रे	नि़	नि़	सा	म	ग॒	रे	सा	नि़

२—सा	ग॒	रे	ग॒	ऽ	रे	सा	रे	नि़	नि़	सा	म	ग॒	रे	ग	ऽ
ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ग॒	रे	ऽ	ऽ	प	ग॒	रे	नि॒	नि॒	ध	प
ध	म	ग॒	रे	ऽ	म	ग॒	रे	सा	नि़	ध़	प़	प़	ध़	नि़	नि़
सा	म	ग॒	रे	ग	म	ऽ	म	प	ऽ	रे	म	ग॒	रे	सा	नि़
सा	ग॒	रे	ग॒	ऽ	रे	सा	रे	नि़	नि़	स	म	ग॒	रे	सा	नि़

३—नि़	सा	ग	म	प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	नि॒	ऽ	ध	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
म	ऽ	प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ
ध़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	ध़	ऽ	नि़	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	म़	ऽ	ध़	ऽ
नि़	ऽ	सा	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	प	म	ग॒	रे	नि़	सा	म	ग	म	प	ग॒	रे	सा	रे
ग	ऽ	ग	ग	म	म	ग	म	रे	ग॒	रे	म	ग॒	रे	सा	नि़
सा	ग॒	रे	ग॒	ऽ	रे	सा	रे	नि़	नि़	सा	म	ग॒	रे	सा	नि़

तोड़ा—

१–सा ग रे ग	ऽ रे सा रे	नि़ नि़ सा म	ग रे सा नि़
सारे गम पध पम	गम पम गरे सारे	प ऽ ऽ म	ग रे सा नि़
२–सारे गम पध पम	गम पम गरे सारे	सारे गम पध पम	गम पम गरे सारे
सारे गम पध पम	गम पम गरे सारे	सारे गम प सारे	गम प सारे गम
३–सांरें सांनि धप मप	सांनि धप मग रेसा	प ऽ प म	ग रे सा नि़
४–सांरें सांनि धप मप	सांनि धप मग रेसा	सांरें सांनि धप मप	सांनि धप मग रेसा
सांरें सांनि धप मप	सांनि धप मग रेसा	सांनि ऽध प निध	ऽप गऽ साग ऽम
प ऽ प म	ग रे सा नि़		
५–** गम पध निसां	निध पम गरे सारे	प ऽ प म	ग रे सा नि़
६–नि़सा रेनि़ सानि़ ध़प़	म़ध़ नि़सा ऽरे सारे	प ऽ प म	ग रे सा नि़
७–नि़सा रेनि़ सानि़ ध़प़	म़ध़ नि़सा ऽरे सारे	नि़सा रेनि़ सानि़ ध़प़	म़ध़ नि़सा ऽरे सारे
नि़सा रेनि़ सानि़ ध़प़	म़ध़ नि़सा ऽरे सारे	गम प गम प	प गम प प
प ऽ प म	ग रे सा नि़		
८–सारे गरे गम पम	पध निध निसां रेंसां	रेंगं रेंसां निध पम	गरे सारे प गम
पम पध निध निसां	रेंसां रेंगं रेंसां निध	पम गरे सारे प	गम पम पध निध
निसां रेंसां रेंगं रेंसां	निध पम गरे सारे	प ऽ पध निध	निसां रेंसां रेंगं रेंसां
निध पम गरे सारे	प ऽ पध निध	निसां रेंसां रेंगं रेंसां	निध पम गरे सारे
पऽ ऽम गरे सारे	पऽ ऽम गरे सारे	प ऽ प म	ग रे सा नि़
९–सा ग रे ग	ऽ रे सा रे	गंरें सांगं रेंसां निध	पध निध ऽनि धप
निध सांनि धप मग	रेसा ऽरे प ऽनि	धप निध सांनि धप	मग रेसा ऽरे प
ऽनि धप निध सांनि	धप मग रेसा ऽरे	प ऽ प म	ग रे सा नि़

१०–स ग रे ग	ऽ रे स रे	निनिनि ससस ससस गगग
गगग रेरेरे ससस ससस	निनिनि ससस ससस निनिनि	धधध पपप पपप धधध
निनिनि ससस ससस गगग	गगग गगग रेरेरे रेरेरे	गगग ममम पपप ममम
ममम गगग रेरेरे गगग	निनिनि निनिनि ससस ममम	गगग रेरेरे ससस निनिनि
ससस गगग रेरेरे ससस	गगग रेरेरे ससस रेरेरे	नि नि स म
ग रे स नि		

११–स ग रे ग	ऽ रे स रे	संरें संगं रेंगं संरें	निसं निरें संरें निसं
धनि धसं निसं धनि	पध पनि धनि पध	मप मध पध मप	गम गम मप गम
रेग रेम गम रेग	सरे सग रेग सरे	सरे गम पध निसं	निध पम गरे सरे
पऽ ऽऽ सग रेग	सरे गम पध निसां	निध पम गरे सरे	प ऽ सग रेग
सरे गम पध निसां	निध पम गरे सरे	प ऽ प म	ग रे स नि

१२–स ग रे ग	ऽ रे स रे	सस सस निनि सस	रेरे निनि सस निनि
धध पप पप पप	धध निनि निनि निनि	सस सस गग रेग	गरे गरे सस निम
गम पप पप गम	पग गरे निस निनि	निस गग गग गग	पप मम पप पप
मम ऽप गरे निस	ऽग रेग ऽरे सरे	पऽ ऽप गरे निस	ऽग रेग ऽरे सरे
पऽ ऽप गरे निस	ऽग रेग ऽरे सरे	प ऽ प म	ग रे स नि

१३–स ग रे ग	ऽ रे स रे	गरे सम गरे पम	गध पम निध पसं
निध रेंसं निगं रेंसं	निध पम गरे सरे	प सं सं निध	पम गरे सरे प
सं सं निध पम	गरे सरे प सं	सं ऽ ऽ म	ग रे स नि

झाला (चौगुन में भी बजायें)

स ग रे ग	ऽ रे स रे	निस निस ऽग मप	निसं निसं ऽनि संसं
निनि संगं रेंगं रेंसं	रेंनि संसं ऽनि संसं	संनि संसं संध संसं	संप संसं संम संसं

संनि	संसं	संध	संसं	संप	संसं	संम	संसं	संनि	संसं	संसं	संसं	संध	संसं	संसं	संसं
संप	संसं	संसं	संसं	संम	संसं	संसं	संसं	संनि	संसं	संसं	संसं	संध	संसं	संसं	संसं
संप	संसं	संसं	संसं	संम	संसं	संसं	संसं	संनि	संसं	निध	निनि	धप	धध	पम	पप
संनि	संसं	निध	निनि	धप	धध	पम	पप	संनि	धप	मग	रेस	निस	निस	ऽनि	सस
निनि	सग	रेग	रेस	रेनि	सस	ऽनि	सस	निनि	धध	पप	पप	धध	पप	पप	धध
निनि	सस	सस	गग	रेरे	निनि	सस	सस	निस	ग	ग	ग	पम	प	मप	गरे
निस	निस	गरे	नि	सा	निध	प	मध	निस	गरे	गरे	ग	गम	पम	गरे	सनि
सग	रेग	ऽरे	सरे	प	ग	गम	पम	गरे	सनि	सग	रेग	ऽरे	सरे	प	ग
गम	पम	गरे	सनि	सग	रेग	ऽरे	सरे	प	ऽ	प	म	ग	रे	स	नि
स	ग	रे	ग	ऽ	रे	स	रे	निनि	सम	गरे	सनि	धप	पध	निनि	स
रेग	रेम	गरे	सनि	सग	रेग	ऽरे	सरे	नि	नि	स	म	ग	रे	स	नि
स	ग	रे	ग	ऽ	रे	स	रे	नि	ऽ	ऽ	सम	गरे	सनि	सग	रेग
ऽरे	सग	रेग	ऽरे	सग	रेग	ऽरे	सरे	नि	नि	स	म	ग	रे	स	नि
स	ग	रे	ग	ऽ	रे	सा	रे	नि	नि	स	म	निनि	सम	गरे	सनि
ऽस	गम	पप	धप	मग	मप	गरे	निस	ग	गग	ऽम	गम	ऽग	पम	गरे	सनि
सग	रेग	ऽरे	सरे	प	सं	सं	गरे	सनि	सग	रेग	ऽरे	सरे	प	सं	सं
गरे	सनि	सग	रेग	ऽरे	सरे	प	सं	सं	ऽ	ऽ	म	ग	रे	स	नि
स	ग	रे	ग	ऽ	रेग	ऽरे	सरे	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(६०) गत राग पीलू, ताल झपताल (मध्यलय)

स्थाई—

×		२			०		३		
सा	ग	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि

जोड़—

सा	ग	म	ग॒	रे	सा	रे	सा	नि़	नि़
नि़	ध़	प़	प़	ध़	नि़	नि़	सा	नि़	नि़

अन्तरा—

सा	ऽ	सा	ग	म	प	प	प	ध॒	प
म	ग	ग	म	प	ग॒	रे	सा	नि़	सा
ग	ऽ	ग	ग	ग	म	ऽ	म	म	म
ग॒	ऽ	रे	रे	ग॒	सा	रे	सा	नि़	नि़

गत सम्बन्धित आलाप—

(१) नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ	ऽ
प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ
रे	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	ग॒
रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	म	ऽ	म	म	म
ग॒	ऽ	रे	रे	ग॒	सा	रे	सा	नि़	नि़

(२) रे	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	नि़	ऽ	ध़	ऽ
ऽ	ऽ	प़	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ
नि़	ऽ	ध़	ऽ	प़	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	रे	ऽ	नि़	ऽ
सा	ऽ	ऽ	ऽ	नि़	ऽ	सा	ऽ	ग	ऽ

म	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	नि़	ऽ
सा	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	रे	सा	नि़	नि़

(३) ग	ऽ	म	प	ऽ	नि	ऽ	नि	ऽ	नि
सं	ऽ	ऽ	ऽ	गं॒	ऽ	रें	सां	रें	सां
नि॒	ध	प	ऽ	ऽ	ऽ	म	प	ऽ	म
प	ग॒	रे	नि़	सा	ग॒	म	प	ऽ	ऽ
प	ऽ	नि॒	ध	प	ऽ	ग	म	ध	प
ऽ	ग॒	म	प	ग॒	ऽ	ग॒	ऽ	म	ऽ
प	ऽ	ग॒	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	नि़	ऽ
स	ऽ	नि़	ऽ	ऽ	ऽ	रे	सा	नि़	नि़

तोड़ा—

(१) सा	ग॒	ग॒	रे	ग॒	सा	रे	सा	नि़	नि़
सारे	ग॒म	पध	नि॒सां	नि॒ध	पम	ग॒रे	सारे	ऽसा	नि़नि़

(२) नि॒ध	पनि॒	धप	नि॒ध	सांनि॒	धप	मग॒	रेसा	ऽसा	नि़नि़

(३) सारे	ग॒रे	ग॒म	ग॒म	पम	पध	पध	नि॒ध	नि॒सां	नि॒सां
ऽसां	रेंसां	रेंगं॒	रेंसां	नि॒सां	नि॒ध	नि॒ध	पध	पम	पम
ग॒म	मरे	ग॒रे	सारे	ग॒रे	ग॒म	पम	पध	नि॒ध	नि॒सां
सां	रेंगं॒	रेंसां	नि॒सां	नि॒ध	पध	पम	ग॒म	ग॒रे	सारे
नि़सा	ग॒रे	ग॒म	पध	नि॒सां	नि॒ध	पम	ग॒रे	सारे	ऽग॒
ऽम	पऽ	मग॒	ऽम	पऽ	ग॒म	पध	नि॒सां	नि॒ध	पम

गरे	सारे	ऽग	ऽम	पऽ	मग	ऽम	पऽ	गम	पध
निसां	निध	पम	गरे	सारे	ऽग	ऽम	पऽ	मग	ऽम
प	ऽ	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि
(४) निसा	रेग	रेरे	मग	रेरे	पम	गरे	धप	मग	रेरे
निनि	धम	मम	गग	रेरे	सांनि	धप	मग	रेरे	पप
मग	रेरे	निसा	गग	रेरे	निसा	सासा	धध	पप	मम
पप	निनि	निनि	निसा	सासा	प	धप	ऽग	मग	सां
ऽनि	धम	ग	ऽनि	सानि	ऽनि	सा	पप	निनि	निनि
निसा	सासा	प	धप	ऽग	मग	सां	ऽनि	धप	ग
ऽनि	सानि	ऽनि	सा	पप	निनि	निनि	निसा	सासा	प
धप	ऽग	मग	सां	ऽनि	धप	ग	ऽनि	सानि	ऽनि
सा	ऽ	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि
(५) गरे	सानि	धप	मप	नि	निसा	ऽग	ऽरे	साऽ	ऽप
मप	निध	पप	सांसां	निनि	धध	पप	रेंसां	ऽनि	धप
पग	गम	धप	गग	निनि	सासा	रेरे	रेरे	गग	सासा
रेरे	सासा	निनि	निनि	निनि	साग	गरे	गसा	रेसा	निनि
सा	ऽ	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि
(६) सासासा	गगग	गगग	रेरेरे	गगग	सासासा	रेरेरे	सासासा	निनिनि	निनिनि
निनिनि	धधध	पपप	पपप	धधध	निनिनि	निनिनि	सासासा	निनिनि	निनिनि
सागग	रेगसा	रेसानि	निनध	पपध	निनिसा	निनसा	सासासा	गमप	पपध
पमग	गमप	गरेसा	निसाग	गगग	गगम	ममम	मगग	रेरेग	सारेसा
निनिनि	सा	ग	म	प	सागऽम	प	निनिनि	स	ग
म	प	सागऽम	प	निनिनि	सा	ग	म	प	सागऽम
प	ऽ	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि

(७) नि़ध़	ध़प़	प़प़	प़ध़	ध़नि़	नि़नि़	नि़स	सनि़	नि़नि़	नि़स
सनि़	सस	सग	गरे	गस	रेस	नि़नि़	स	सग	मप
पप	धप	मग	गम	पग	रेस	नि़स	ग	गग	गम
ऽम	मम	ग	रेरे	गस	रेस	नि़नि़	नि़नि़	रेस	नि़नि़
(८) सग	गरे	रेग	गस	सरे	रेस	सनि़	नि़ध़	ध़प़	प़ध़
ध़नि़	नि़स	सनि़	सस	ग	गग	गम	ऽम	मम	ग
रेरे	गस	रेस	नि़नि़	स	ऽम	मम	ग	रेरे	गस
रेस	नि़नि़	स	ऽम	मम	ग	रेरे	गस	रेस	नि़नि़
सग	ऽग	रे	गम	पम	ऽग	रेस	नि़स	ऽस	सनि़
सऽ	नि़नि़	स	ऽम	मम	ग	रेरे	गस	रेस	नि़नि़
सग	ऽग	रे	गम	पम	ऽग	रेस	नि़स	ऽस	सनि़
सऽ	नि़नि़	स	ऽम	मम	ग	रेरे	गस	रेस	नि़नि़
स	ग	ग	रे	ग	स	रे	स	नि़	नि़
(९) नि़स	*ग	ऽरे	सऽ	नि़स	*नि़	ऽध़	प़	ध़नि़	सध़
नि़स	ध़नि़	स	सनि़	नि़स	रेग	ऽरे	स	नि़स	*नि़
ऽध़	प़	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़	स	सनि़	नि़स	*ग
ऽरे	स	नि़स	*नि़	ऽध़	प़ऽ	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़
स	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़	स	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़
स	ऽ	सध़	नि़स	ध़नि़	स	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़
स	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़	स	ऽ	सध़	नि़स	ध़नि़
स	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़	स	ध़नि़	सध़	नि़स	ध़नि़
(१०) निध	पनि	धप	संनि	धसं	निध	रेंसं	निरें	संनि	गंरें
संगं	रेंसं	निध	पम	गरे	सनि़	स	ग	गग	गम
ऽम	मम	गऽ	रेरे	गस	रेस	नि़नि़	स	प	रेरे

गसा	रेसा	निनि	सा	प	रेरे	गसा	रेसा	निनि	साऽ
प	ऽ	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि

(झाला गत की लय बढ़ाकर बजायें)

म	मप	ऽप	निनि	निनि	निसां	निसां	ऽनि	सांनि	सांसां
सांनि	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांध	सांसां	सांसां
सांप	सांसां	सांप	सांसां	सांसां	सांम	सांसां	सांम	सांसां	सांसां
सांनि	सांसां	सांनि	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांध	सांसां	सांसां
सांप	सांसां	सांप	सांसां	सांसां	सांम	सांसां	सांम	सांसां	सांसां
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां
सांप	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांम	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां
सांनि	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांध	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां
सांप	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	सांम	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां
सांनि	सांसां	निध	निनि	निनि	धप	धध	पम	पप	पप
सांनि	सांसां	निध	निनि	निनि	धप	धध	पम	पप	पप
सांनि	सांसां	निध	निनि	धप	धध	पम	पप	सांनि	सां
निध	निनि	धप	धध	पम	पप	सांनि	धप	मग	रेसा
ऽग	गग	गरे	ऽम	मम	मग	ऽप	पप	पम	ऽध
धध	रेसा	ऽग	गग	गरे	ऽम	मम	मग	ऽप	पप
पम	ऽध	धध	रेसा	ऽग	गरे	ऽम	मग	ऽप	पम
ऽध	रेसा	ऽग	गरे	ऽम	मग	ऽप	पम	ऽध	निध
पम	गरे	सानि	सारे	गम	प	मग	ऽम	प	सारे
गम	प	मग	ऽम	प	सारे	गम	प	मग	ऽम
प	ऽ	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि
सा	ग	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि

निनि	सासा	सासा	गग	रेरे	निनि	सासा	सासा	निनि	धध
पप	पप	धध	धध	निनि	सासा	सासा	गग	गग	रेरे
सासा	सासा	निनि	सासा	गग	गग	गग	गग	गग	गग
पप	मम	पप	पप	मम	पप	गग	रेरे	निनि	सासा
निनि	सासा	गग	रेरे	निनि	निनि	सासा	सासा	साग	गरे
गसा	रेसा	निनि	निध	पप	धनि	निसा	निनि	सा	साग
मप	पप	धप	मग	गम	पग	रेसा	निसा	गऽ	गग
गम	ऽम	मम	ग	रेरे	गसा	रेसा	निनि	सा	ग
गग	गम	ऽम	मम	ग	रेरे	गसा	रेसा	निनि	साऽ
ग	गग	गम	ऽम	मम	ग	रेरे	गसा	रेसा	निनि
साग	गरे	गसा	रेसा	निनि	साग	मग	रेसा	रेसा	निनि
निध	पप	धनि	निनि	निनि	ऽसा	गम	प	गम	प
प	गम	प	गम	प	प	गम	प	गम	प
प	ऽ	ग	रे	ग	सा	रे	सा	नि	नि
म	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

❋ समाप्त ❋

हमारे संगीत प्रकाशन

पुस्तक	मूल्य
बालसंगीत शिक्षा भाग १	०—५०
" " " २	०—७५
" " " ३	१—०
संगीत किशोर ...	१—५०
संगीत शास्त्र ...	१—०
भातखंडे लिखित हिं०सं०प०	
'क्रमिक पुस्तक मा०' भाग १	१—०
" " " भाग २	८—०
" " " भाग ३	८—०
" " " भाग ४	८—०
" " " भाग ५	८—०
" " " भाग ६	८—०
संगीत सोपान ...	३—०
संगीत विशारद ...	५—०
संगीत सीकर ...	५—०
संगीत अर्चना ...	५—०
संगीत कादम्बिनी ...	५—०
भातखंडे संगीतशास्त्र भाग१	५—०
" " भाग२	६—०
" " भाग३	६—०
" " भाग४	१५—०
उत्तर भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास	२—०
मारिफुन्नग़मात भाग १	६—०
" भाग २	६—०
संगीत सागर	६—०
बेला विज्ञान ...	४—०
सितार शिक्षा ...	२-५०
कलावन्तों की गायकी	३—०
हमारे संगीत रत्न ...	१५—०
सूरसंगीत भाग १ ...	१—५०
" भाग २ ...	१—५०
ताल अंक ...	४—०
नृत्य अंक	३—०
ठुमरी अंक ...	२—५०
सन्त संगीत अंक ...	२—५०
राष्ट्रीय संगीत अंक ...	२—५०
राग अंक ...	२—५०
वाद्य संगीत अंक ...	३—०
बिलावल थाट अंक ...	२—५०
कल्याण थाट अंक ...	२—५०
भैरव थाट अंक ...	२—५०
पूर्वी थाट अंक	२—५०
खमाज थाट अंक ...	२—५०
नृत्यशाला ...	२—०
कथकलि नृत्यकला ...	२—५०
म्यूज़िक मास्टर ...	२—०
महिला हारमोनियम गाइड	१—५०
संगीत पारिजात ..	४-०
स्वरमेल कलानिधि ...	१—०
संगीतदर्पण ...	२—०
फिल्म संगीत भाग १ से २१ प्रति भाग	२—०
" " भाग २२ से २६ प्रति भाग	४—०
आवाज़ सुरीली कैसे करें ?	२—०
रुक्मणि मंगल (राधे०तर्ज)	१—०
गीता गायन "	१-०
गवैयों का जहाज़ ...	२—०
काका की कचहरी (हास्य)	३—०
पिल्ला "	२—०
म्याऊँ "	२—०

'संगीत' मासिक पत्र सन् १९३४ से बराबर निकल रहा है, वार्षिक मूल्य ६) विदेश में १० शिलिंग।

"MUSIC MIRROR"—Illustrated musical monthly in English on Imitation Art-paper. Yearly subscription Rs. 12/- Sh. 20/—$ 2.80

[डाक खर्च अलग]

पता—संगीत कार्यालय, हाथरस (उ० प्र०)